# A DESCRIPTIVE CATALOGUE OF THE SANSKRIT MANUSCRIPTS

Volume V

PART IV



SAMPURNANAND SANSKRIT VISVAVIDYALAYA LIBRARY

(SARASVATI-BHAVANA), VARANASI, INDIA

# A Descriptive Catalogue of The Sanskrit Manuscripts

Acquired for and Deposited in the Sampurnanand
Sanskrit University (Sarasvatī-Bhavana) Library
Varanasi during the years **1951-1981**

## Volume V

PART IV

STOTRA-MANUSCRIPTS




*Compiled by*
*The Staff of the Manuscripts Section of the Sampurnanand*
*Sanskrit University (Sarasvatī-Bhavana) Library*
*Varanasi*

**1996**

*Supervisor—*

**Prof. Lakshmi Narayan Tiwari**
Ex-Librarian,
Sarasvati-Bhavana Library,
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi-221 002.



[ Published under the Rare Texts Publication Scheme of Sarasvatī-Bhavana Library with the financial assistance provided by **University Grants Commission, New Delhi** ]



*Published by—*

**Dr. Harish Chandra Mani Tripathi**
Publication Officer,
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi-221 002.



*Available at—*

**Sales Department,**
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi-221 002.



First Edition, 500 Copies
**Price Rs. 72.00**



*Printed by—*

Hindi Sahitya Sammelana Press,
Allahabad.

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्थ-
सरस्वतीभवनपुस्तकालये

खीस्तीय १९५१ तमवर्षात् १९८१ तमवर्षपर्यन्तं सङ्गृहीतानां

हस्तलिखितसंस्कृतग्रन्थानां

# विवरणपञ्जिका

तस्या अयं

स्तोत्रग्रन्थसङ्ग्रहात्मकः

पञ्चमो भागः

(चतुर्थः खण्डः)




सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्थ-
सरस्वतीभवनाख्यपुस्तकालयहस्तलिखितग्रन्थविभागसम्बद्धविद्वद्भिः

सम्पादितः

२०५३ तमे वैक्रमाब्दे १९१८ तमे शकाब्दे १९९६ तमे खैस्ताब्दे

पर्यवेक्षकः —
**प्रो. लक्ष्मीनारायणतिवारी**
तदानीन्तनपुस्तकालयाध्यक्षः,
सरस्वतीभवनपुस्तकालयस्य
सम्पूर्णानन्द-संस्कृत-विश्वविद्यालये
वाराणसी।



[ सरस्वतीभवनपुस्तकालयस्य प्रकाशनसम्बन्धिविशेषयोजनान्तर्गतं **विश्वविद्यालयानुदानायोगतः** प्राप्तवित्तीयसाहाय्येन प्रकाशितम् ]



*प्रकाशकः —*
**डॉ. हरिश्चन्द्रमणित्रिपाठी**
प्रकाशनाधिकारी,
सम्पूर्णानन्द-संस्कृत-विश्वविद्यालयस्य
वाराणसी-२२१ ००२.



*प्राप्तिस्थानम्—*
**विक्रय-विभागः,**
सम्पूर्णानन्द-संस्कृत-विश्वविद्यालयस्य
वाराणसी-२२१ ००२.



प्रथमं संस्करणम्, ५०० प्रतिरूपाणि
मूल्यम्— ७२.०० रूप्यकाणि



*मुद्रकः —*
**हिन्दीसाहित्यसम्मेलनमुद्रणालयः,**
**प्रयागस्थः।**

# शिवसङ्कल्पः

अयमस्ति हर्षप्रकर्षस्य विषयो यदस्य ईसवीयसंवत्सरस्य समारम्भे हस्तलिखितग्रन्थविवरणपञ्जिकानां भागसप्तकं सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयेन प्राकाश्यं नीयत इति। विश्वविद्यालयस्यास्य प्रतिष्ठायामेतस्य द्विशतवर्षेभ्यः प्राक् संस्थापितस्य "**सरस्वतीभवनम्**" इति नाम्नो ग्रन्थालयस्य महत्त्वपूर्णं मौलिकं योगदानं विद्यते।

असौ हि ग्रन्थालय एकत्र प्रकाशितानां पुस्तकानां भाण्डागारत्वेन, अपरत्र च हस्तलिखितानां मातृकाणां निधित्वेन सुसम्पन्नः। प्रकाशितपुस्तकानां लक्षद्वयी, मातृकाणाञ्च एकलक्षाधिकदशसाहस्री अत्र वर्वर्ति।

सोऽयं सङ्ग्रहो भगवत्याः सरस्वत्या मूर्त्तिमद्-विग्रह इव संराजते, अन्वर्थयति च एतस्य "सरस्वतीभवनम्" इत्यभिख्याम्।

स्वनामधन्या **महामहोपाध्यायाः श्रीगोपीनाथकविराजसदृशा** महनीया मनीषिणोऽस्याध्यक्ष्यं समलङ्कृतवन्तः। विश्वस्मिञ्जगति वाराणस्या अस्य च विश्वविद्यालयस्य महिमाऽनेन संवर्द्धितः। विश्वस्य विभिन्नेभ्यो भागेभ्यो विद्वज्जना अत्र स्वकीयां जिज्ञासां शोधयोजनां च संपूरयितुं प्रत्यब्दमागच्छन्तीतीयं स्वाभाविकी धाराऽद्यापि प्रवहमानाऽस्ति।

अयं हि ज्ञानराशिर्महतायासेन भारतस्य विविधेभ्यः प्रदेशेभ्यः सङ्गृहीतः संरक्षितश्च। एतासां मातृकाणां यथाधिकाधिकं लोकोपकारित्वं सुसम्पद्येत, यथा च शोधप्रवृत्तानां विदुषां कृत एतासां सौलभ्यं स्यादिति विश्वविद्यालयप्रशासनं सचेष्टमास्ते, प्रेरयति च विद्वत्तल्लजान् एतासां सम्पादनाय प्रकाशनाय च।

एतस्मिन् क्रम एतस्य सङ्ग्रहस्य विवरणपञ्जिका-प्रस्तुतिः प्रथमं कर्त्तव्यमिति विचिन्त्यास्य महतः प्रकल्पस्य साफल्याय विश्वविद्यालयेन सम्प्रार्थितः "**विश्वविद्यालय-अनुदान-आयोगः**"। तेन चावश्यकमनुदानं स्वीकृत्यानुगृहीतोऽयं कार्यक्रम इति सर्वतः प्राथम्येनाहं विश्वविद्यालयपक्षत आयोगं प्रति कृतज्ञतां विज्ञापयामि।

पञ्जिकायाश्चास्या निर्माणे तदानीन्तनाः पुस्तकालयाध्यक्षाः **श्रीलक्ष्मीनारायणतिवारिणः**, अन्ये च सहयोगिनः पुस्तकालय-पण्डिता अधिकारिणश्च स्वकीयेन वैदुष्येन प्रतिभाकौशलेन च सह भृशं प्रायतन्त इति श्रीतिवारिमहाशयाः पुस्तकालयसहकर्मिभिः सहास्माकं समस्तस्यापि विद्वत्समाजस्य साधुवादस्य अभिनन्दनस्य च पात्राणि।

पञ्जिकाया अयं भागः **स्तोत्रमातृका** अधिकृत्य संयोजितः। अस्य च निर्माणे प्राक्तन एव क्रमः पालितो यस्मिन्— १. क्रमसंख्या, २. ग्रन्थनाम, ३. ग्रन्थकारनाम, ४. पत्रसंख्या, ५. आकारः, ६. पंक्तिसंख्या, ७. अक्षरसंख्या, ८. लिपिः, ९. आधारः, १०. लिपिकालः, ११. पूर्णापूर्णविवेकः, १२. विशेषविवरणम् इत्यादिभिर्द्वादशभिः शीर्षकैः ३०१७ संख्याकानां मातृकाणां परिचयात्मकं विश्लेषणं प्रस्तुतम्। एता मातृकाः स्तोत्रसाहित्यस्य व्यापकं माहात्म्यं प्रकाशयन्ति, जगतो विशिष्टानां पण्डितानाञ्च दृष्टिं ध्यानञ्चानुसन्धानाय समाकर्षयन्ति। एतस्य महत उद्देश्यस्य पूर्तौ विवरणपञ्जिका-सङ्ग्रहोऽयं प्रचुरं मौलिकं च साहाय्यं विधास्यतीति नात्र संशीतिलेशः।

अस्य प्रकाशने विश्वविद्यालयस्य प्रकाशनाधिकारिभिः **श्रीहरिश्चन्द्रमणित्रिपाठिभिः**, **प्रयागस्थहिन्दीसाहित्यसम्मेलन-मुद्रणालय-सञ्चालकैश्च** प्रशंसनीयं साहाय्यमाचरितमिति ते धन्यवादार्हाः।

एभिः कतिपयशब्दैरहमद्य सरस्वतीसमाराधनप्रशस्तायां वसन्तपञ्चम्यां तिथौ पूजापुष्परूपेणेमां हस्तलिखितग्रन्थविवरणपञ्जिकां भगवत्यै शारदायै तदुपासकेभ्यो मनीषिप्रवरेभ्यश्च समर्पयामि।

**वाराणसी**
वसन्तपञ्चमी,
वि. सं. २०५२
(२५-१-१९९६ खैस्ताब्दः)

***मण्डनमिश्रः***
कुलपतिः
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य

# हस्तलिखितग्रन्थविवरणपञ्जिकायाः

## पञ्चमो भागः

### चतुर्थः खण्डः

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९१७१ | अनुस्मृतिः | | १-१४। |
| ७९१७२ | विष्णुस्तवराजः | | १, ५-१५। |
| ७९१७३ | अभिलाषाष्टकम् | | १। |
| ७९१७४ | आदित्यहृदयम् | | २-४। |
| ७९१७५ | ,, | | ११-१४। |
| ७९१७६ | आलमन्दारस्तोत्रम् | | १-१९, २३। |
| ७९१७७ | ,, | यामुनाचार्यः | १-९। |
| ७९१७८ | अभिलाषाष्टकम् | | १। |
| ७९१७९ | बटुकभैरवस्तोत्रम् | | १-५। |
| ७९१८० | बटुकभैरवकवचम् | | १-६। |
| ७९१८१ | बटुकभैरवस्तवराजः | | १-१०। |
| ७९१८२ | आदित्यहृदयम् | | १-१७। |
| ७९१८३ | ,, | | १-१९। |
| ७९१८४ | शिवसहस्रनाम | | ११ गणनया। |
| ७९१८५ | आदित्यहृदयम् | | १-२६। |
| ७९१८६ | त्रिवेणीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९१८७ | बटुकभैरवसहस्रनाम | | १-९, १-५। |
| ७९१८८ | बटुकभैरवस्तवराजः | | १-९। |
| ७९१८९ | आदित्यहृदयम् | | १-८। |
| ७९१९० | ,, | | ३-१२। |
| ७९१९१ | अश्वारूढास्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९१९२ | आदित्यहृदयम् | | १-१०। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.७×३.८ | ७ | १९ | दे.ना. | का. | १८९० | पू० | |
| ७.८×३.७ | ७ | १९ | ,, | ,, | | अपू० | |
| १०.५×४.३ | १३ | ४९ | ,, | ,, | १८९२ | पू० | स्कन्दपुराणे काशीखण्डे । |
| ९.५×४.२ | १० | ५१ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ९.५×४.३ | ९ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | भविष्योत्तरपुराणान्तर्गतम् । |
| १० ८×३ | ११ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.८×५.३ | ९ | २७ | ,, | ,, | | पू० | |
| १३.५×५.४ | १५ | ५२ | व. | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे काशीखण्डे । |
| ७.८×३.७ | ७ | २८ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ६.९×३.७ | ५ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.२×२.९ | ४ | ३३ | व. | ,, | | ,, | |
| ६.७×३.६ | ७ | २१ | दे.ना. | ,, | १९०१ | ,, | |
| ५.१×३.९ | १० | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ९×४.९ | १३ | २५ | ते. | ,, | | ,, | |
| ४.१×२.८ | ७ | १७ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ७.६×४.५ | १३ | २३ | ,, | ,, | | ,, | प्रयागस्तोत्रञ्च । |
| १०.६×४.४ | ६ | ३६ | मै. | ,, | | ,, | बटुकभैरवमन्त्रप्रयोगविधिश्च । |
| ८.३×२.२ | ४ | २६ | व. | ,, | | ,, | |
| ६.६×३.६ | ५ | १५ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ७×५.२ | १० | २० | ,, | ,, | | अपू० | |
| ६.१×४.५ | १३ | २९ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.३×३ ५ | ७ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९१९३ | लघुसहस्रनाम | | १-४। |
| ७९१९४ | लक्ष्मीनृसिंहकवचम् | प्रह्लादः | १-२। |
| ७९१९५ | लक्ष्मीनृसिंहस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९१९६ | बटुकभैरवस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९१९७ | कालीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९१९८ | बटुकभैरवस्तोत्रम् | | १-६। |
| ७९१९९ | बटुकभैरवस्तवराजः | | १-१०। |
| ७९२०० | नवग्रहस्तोत्रम् | | १। |
| ७९२०१ | देवीकवचम् | | १-१०+१। |
| ७९२०२ | अभिलाषाष्टकम् | | १-२। |
| ७९२०३ | ब्रह्मावर्ताष्टकम् | | १। |
| ७९२०४ | दशहरास्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९२०५ | अर्गलास्तोत्रम् | | ६-८। |
| ७९२०६ | शङ्करस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-४। |
| ७९२०७ | गङ्गाष्टकम् | | १-२। |
| ७९२०८ | शिवस्तोत्रम् | | १। |
| ७९२०९ | सौन्दर्यलहरी | | १-१९। |
| ७९२१० | बटुकभैरवाष्टोत्तरशत-नामावली | | १-४। |
| ७९२११ | गायत्रीकवचम् | | १। |
| ७९२१२ | शनैश्चरस्तोत्रम् | | १-१०। |
| ७९२१३ | प्रत्यङ्गिराकवचम् | | १-६। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९.७×६.४ | १० | २३ | दे.ना. | का. | | पू० | विष्णोः । |
| ९.४×४.७ | १५ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ११.७×५.३ | १३ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.७×४.२ | ८ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामलोक्तम् । |
| १५.२×२.७ | ६ | ८४ | व. | ,, | | अपू० | |
| १०.७×४.६ | ९ | ३४ | दे.ना. | ,, | | पू० | आपदुद्धारकाख्यम् । |
| ९.६×४.६ | ६ | २९ | ,, | ,, | १९०२ | ,, | विश्वसारोद्धारे । |
| १०×२.४ | ६ | ३८ | व. | ,, | | ,, | |
| १०×२.४ | ४ | २३ | ,, | ,, | | ,, | शापोद्धारः, उत्कीलनञ्च । |
| ९×४.३ | ७ | ३१ | दे.ना. | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे काशीखण्डे । |
| ९.६×४.३ | ११ | ३३ | ,, | ,, | ..४५?, | ,, | |
| ९.४×४.२ | १२ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.७×३.९ | ८ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | कीलकञ्च । |
| ५.८×४.२ | ८ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.५×४.२ | ७ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.३×४.१ | १० | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.२×४.४ | ६ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९×४.५ | १० | २३ | ,, | ,, | १८११<br>श. १६७७ | ,, | |
| ११.५×५ | १४ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | गायत्रीयन्त्रञ्च । |
| ६.५×३.५ | ६ | २२ | ,, | ,, | १८८६ | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ८.९×७.२ | ७ | ३६ | ,, | ,, | १८०२ | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९२१४ | भीष्मस्तवराजः | | १-११। |
| ७९२१५ | ,, | | १-११। |
| ७९२१६ | ,, | | १-१२। |
| ७९२१७ | ,, | | १-२५, १-२, २-८, १५-१६, १-३३, २२। |
| ७९२१८ | ,, | | १-१८। |
| ७९२१९ | बगलामुखीस्तोत्रम् | | १-६। |
| ७९२२० | महाप्रत्यङ्गिरास्तोत्रम् | | १-५। |
| ७९२२१ | प्रत्यङ्गिरास्तोत्रम् | | १-११। |
| ७९२२२ | ,, | | १-४। |
| ७९२२३ | ,, | | १-१५। |
| ७९२२४ | ,, | | १-९। |
| ७९२२५ | नारायणहृदयम् | | १। |
| ७९२२६ | रामरक्षास्तोत्रम् | विश्वामित्रः | १-२। |
| ७९२२७ | लक्ष्मीहृदयस्तोत्रम् | | १-५। |
| ७९२२८ | अष्टभैरवकीलकम् | | १। |
| ७९२२९ | आनन्दस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९२३० | अन्नपूर्णास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९२३१ | आनन्दस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९२३२ | शिवकवचम् | | १-९। |
| ७९२३३ | अपराधसुन्दरस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | ४-७। |
| ७९२३४ | ,, | ,, | १-५। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९×४.५ | ९ | २७ | दे.ना. | का | १६९२ | पू० | महाभारते शान्तिपर्वणि । |
| ९.९×४.७ | ७ | ३० | ” | ” | | ” | ” |
| ८.४×४.१ | ७ | २८ | ” | ” | १८७० | ” | ” |
| ५.५×३.७ | ६ | १७ | ” | ” | | ” | महाभारते; अनुस्मृतिः, गजेन्द्र-मोक्षश्च । |
| ५.९×४.१ | ८ | १९ | ” | ” | | ” | महाभारते । |
| ६.४×३.२ | ८ | १६ | ” | ” | | ” | रुद्रयामले । |
| ८.६×४.४ | १० | ३० | ” | ” | १९१५ | ” | |
| ६.७×३.४ | ८ | १७ | ” | ” | १९०६ | ” | चण्डेश्वरशूलपाणिमहातन्त्रोक्तम् । |
| ७.३×४.१ | ८ | २६ | ” | ” | | ” | |
| ६.५×३.३ | ५ | २१ | ” | ” | | ” | |
| ६.२×३.५ | ६ | १४ | ” | ” | | ” | प्रत्यङ्गिरामन्त्रविधिश्च । |
| ११.३×४.८ | १५ | ४५ | ” | ” | | ” | |
| ११.७×४.६ | ११ | ४५ | ” | ” | | ” | |
| ११.६×५ | १२ | ५४ | ” | ” | | ” | अथर्वणरहस्ये । |
| १२.५×३.९ | ७ | ४५ | व. | ” | | ” | |
| १०.८×२.१ | १४ | ३९ | ” | ” | | ” | |
| १३×४.८ | १२ | ५८ | ” | ” | | ” | |
| १२.५×३.३ | ७ | ६० | ” | ” | | ” | कुलार्णवोक्तं; योनिस्तोत्रञ्च । |
| १५.२×७.५ | ८ | २६ | दे.ना. | ” | | ” | |
| ६.२×३.९ | ७ | २० | ” | ” | १८२४ | अपू० | |
| ५.८×३.५ | ७ | २० | ” | ” | | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९२३५ | अपराधसुन्दरस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-७। |
| ७९२३६ | " | " | १२-१३। |
| ७९२३७ | अपराधभञ्जनस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९२३८ | " | | १-२। |
| ७९२३९ | अपराधसूदनस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-६। |
| ७९२४० | अपराधस्तोत्रम् | " | १-६। |
| ७९२४१ | अपराधसुन्दरस्तोत्रम् | " | १-२। |
| ७९२४२ | अपराधक्षमापनस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९२४३ | सम्प्रदायाचायस्तुतिः | | १। |
| ७९२४४ | आर्याष्टोत्तरशतकम् | मुद्गलभट्टः | १-१८। |
| ७९२४५ | अपराधक्षमापनस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-१०। |
| ७९२४६ | आदित्यहृदयम् | | ३-२०, १-३, १-३, १-३, १-२, १-२; १। |
| ७९२४७ | " | | १-९। |
| ७९२४८ | " | | १-१३। |
| ७९२४९ | " | | १-५। |
| ७९२५० | अपराधसुन्दरस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९२५१ | " | " | १-३; ६। |
| ७९२५२ | " | " | १-२। |
| ७९२५३ | " | " | १-४। |
| ७९२५४ | " | " | १-४। |
| ७९२५५ | शाङ्करपरम्परास्तुतिः | | १-२। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.३×३.८ | ६ | १८ | दे.ना. | का. | १८५९ | पू० | |
| ८.९×४ | १० | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.१×३.१ | १२ | ३२ | व. | ,, | | ,, | |
| १०.७×३.४ | १० | ३९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.१×३.२ | ७ | १८ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ६.३×३.८ | ७ | १५ | ,, | ,, | | ,, | अपराधसुन्दरस्तोत्रं वा । |
| ६.३×४.१ | १० | २८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×४ | ८ | २४ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ८.५×३.७ | ८ | २४ | ,, | ,, | | पू० | |
| ७.८×४.२ | ७ | १९ | ,, | ,, | १८४६ | ,, | |
| ६.६×२.४ | ४ | १७ | ,, | ,, | १८३४ | ,, | अपराधसूदनस्तोत्रं वा । |
| ४.६×६.१ | १३ | १३ | ,, | ,, | | अपू० | हरिहरात्मकस्तोत्रं, विष्णुपञ्जरस्तोत्रं, गोविन्दाष्टकं, शिवस्तोत्रं, विष्णुस्तोत्रञ्च । |
| ६.६×४.६ | ७ | १२ | ,, | ,, | १९०५ | पू० | वाल्मीकिरामायणे युद्धकाण्डे । |
| ६.४×३.९ | ७ | १२ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ५.५×४.१ | ८ | १५ | ,, | ,, | १८५० | पू० | वाल्मीकिरामायणे । |
| १३.२×४ | ३६ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.९×४.५ | ७ | २१ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ८.७×४ | ८ | ३४ | ,, | ,, | श. १८०२ | पू० | |
| ६.४×५.३ | १० | १८ | ,, | ,, | १९४३ | ,, | |
| ९.५×४.२ | ७ | ३४ | ,, | ,, | १८७९ | ,, | |
| ९×४.२ | ९ | ३२ | ,, | ,, | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९२५६ | आदित्यहृदयम् | | १-१५। |
| ७९२५७ | ,, | | १-१८। |
| ७९२५८ | ,, | | १-१०। |
| ७९२५९ | ,, | | १-१६। |
| ७९२६० | ,, | | १-१०। |
| ७९२६१ | प्रत्यङ्गिरास्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९२६२ | ,, | | १-३। |
| ७९२६३ | महादुर्गाष्टोत्तरशतनाम | | १-२। |
| ७९२६४ | प्रचण्डचण्डिकास्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९२६५ | प्रत्यङ्गिरामन्त्रराज-स्तोत्रम् | चण्डेश्वरशूल-पाणिः | १-८। |
| ७९२६६ | प्रत्यङ्गिरास्तवराजः | ,, | १-५। |
| ७९२६७ | अपराधसुन्दरस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-३। |
| ७९२६८ | अपराधस्तोत्रम् | ,, | १-७। |
| ७९२६९ | अपराधक्षमापनस्तोत्रम् | ,, | १-२। |
| ७९२७० | आदित्यहृदयम् | | १३ गणनया। |
| ७९२७१ | ,, | | १-१४। |
| ७९२७२ | सिद्धलक्ष्मीस्तोत्रम् | | १-४। |
| ७९२७३ | शिवसहस्रनाम | | २-८। |
| ७९२७४ | सिद्धसरस्वतीस्तोत्रम् | | १-४। |
| ७९२७५ | सरस्वतीस्तोत्रम् | आश्वलायनः | १-६। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८.८×३.९ | ८ | ३२ | दे.ना. | का. | १९९७ श. १८६२ | पू० | |
| ८.३×३.३ | ७ | ३० | ,, | ,, | १७८८ श. १६५३ | ,, | भविष्योत्तरपुराणे। |
| ६.७×५.१ | १४ | २८ | व. | ,, | | ,, | ,, |
| ८.८×४.१ | ७ | २७ | दे.ना. | ,, | | ,, | ,, |
| ६.७×३.५ | ५ | ११ | ,, | ,, | | ,, | वाल्मीकिरामायणे। |
| ९×४.४ | १० | ३५ | ,, | ,, | १९२६ | ,, | |
| १६.४×३.७ | ८ | ७२ | व. | ,, | | ,, | |
| १६.२×३.६ | ५ | ५२ | ,, | ,, | | ,, | |
| १६.४×३.५ | ६ | ५८ | ,, | ,, | | ,, | कवचञ्च। |
| १६ ५×३.७ | ६ | ४४ | ,, | ,, | | ,, | |
| १६.५×३.७ | ६ | ५० | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.१×४.६ | ७ | ४१ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ६.२×३.२ | ५ | १७ | ,, | ,, | | ,, | अपराधसुन्दरस्तोत्रं वा। |
| १०.७×४.८ | १२ | ४६ | ,, | ,, | | ,, | ,, |
| ८.८×३.५ | ८ | २१ | ,, | ,, | | ,,* | भविष्योत्तरे। |
| ९×४.७ | ८ | ३० | ,, | ,, | | पू० | ,, |
| ५ ४×३ ५ | ६ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| १२.५×४ ८ | ४० | १३ | ,, | ,, | | ,,* | |
| ५.८×३.६ | १८ | ९ | ,, | ,, | १८२५ | ,, | |
| ६.१×३.२ | ९ | ३३ | ,, | ,, | १७१७ | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९२७६ | सङ्कटास्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९२७७ | मणिकर्णिकास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ७९२७८ | सूर्यस्तोत्रम् | ,, | १-२। |
| ७९२७९ | शिवसहस्रनाम | | १-१७+५। |
| ७९२८० | मृत्युञ्जयस्तवराजः | | १-९। |
| ७९२८१ | सङ्कटास्तोत्रम् | | १। |
| ७९२८२ | हरिहरात्मकं स्तोत्रम् | धर्मराजः | १-२। |
| ७९२८३ | गङ्गालहरी | पण्डितराजो-जगन्नाथः | १-१८। |
| ७९२८४ | लक्ष्मीहृदयस्तोत्रम् | | १-१३। |
| ७९२८५ | पञ्चमुखीहनुमत्स्वाहा-कारः | | १-४। |
| ७९२८६ | सूर्यस्तवराजः | | १-२। |
| ७९२८७ | आदित्यहृदयम् | | १-७। |
| ७९२८८ | ,, | | १-२। |
| ७९२८९ | सूर्यकवचम् | | १-१७। |
| ७९२९० | शिवसहस्रनाम | | १-५। |
| ७९२९१ | रामहृदयस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९२९२ | जगन्मङ्गलस्तोत्रम् | | १-४। |
| ७९२९३ | जगन्मङ्गलकवचम् | | १-९। |
| ७९२९४ | ,, | | १-९। |
| ७९२९५ | एकाक्षरगणेशकवचम् | | १-४। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.३×३.८ | ७ | १९ | दे.ना. | का. | १८६२ | पू० | |
| ८.३×३.९ | ९ | ३१ | ,, | ,, | १८४३ | ,, | |
| ९×३.७ | ७ | २८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.२×३.५ | ७ | २३ | व. | ,, | व. १२१६ | ,, | शनैश्चरकवचं, बाणलिङ्गकवचञ्च। |
| १०×४ | ५ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.३×४ | १० | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.८×२.८ | ६ | ५१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.२×७ | १२ | १७ | ,, | ,, | व. १३१४ | ,, | |
| ८.४×४.१ | ७ | २४ | दे.ना. | ,, | श. १७५३ | ,, | |
| १०.७×४.६ | १० | १६ | ,, | ,, | १९०७ | ,, | |
| १०.८×४.५ | ७ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.७×४.५ | ११ | ३८ | ,, | ,, | १७५० | ,, | भविष्योत्तरपुराणे। |
| ९.६×४.२ | १२ | ४६ | ,, | ,, | | ,, | ,, |
| ९.६×४.२ | ७ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | त्रैलोक्यमङ्गलकवचम्, आदित्यहृदयञ्च। |
| ११.७×४.७ | १३ | ४७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.९×४.५ | ८ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.६×३.९ | ८ | २१ | ,, | ,, | | ,, | दक्षिणकालिकायाः। |
| ७.९×३.६ | ५ | १४ | ,, | ,, | | ,, | ,, |
| ५.५×३.२ | ५ | १४ | ,, | ,, | १८५९ | ,, | |
| ६×३ | ९ | २३ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले। |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९२९६ | एकाक्षरगणेशहृदय-कवचम् | | १। |
| ७९२९७ | सुधामयरसस्तोत्रम् | महाकाल: | १-७। |
| ७९२९८ | दत्तात्रेयस्तोत्रम् | नारद: | १-३। |
| ७९२९९ | उच्छिष्टगणेशकवचम् | | १-४। |
| ७९३०० | गायत्रीकवचम् | | १-२। |
| ७९३०१ | गणपतिस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९३०२ | जयमालस्तोत्रम् | | १। |
| ७९३०३ | अङ्गस्तुति: | | १। |
| ७९३०४ | हरिहरनामावली | धर्मराज: | १-४। |
| ७९३०५ | शिवास्तुति: | नारायणपण्डित: | १-२। |
| ७९३०६ | चर्पटपञ्जरिकास्तोत्रम् | शङ्कराचार्य: | १। |
| ७९३०७ | जगन्नाथस्तोत्रम् | ,, | १-२। |
| ७९३०८ | क्षमाषोडशी | | १-४। |
| ७९३०९ | गणपतिस्तोत्रम् | | १। |
| ७९३१० | ,, | वेदव्यास: | १। |
| ७९३११ | ,, | ,, | २। |
| ७९३१२ | गणपतिऋणहरस्तोत्रम् | | १। |
| ७९३१३ | गणपतिस्तोत्रम् | वेदव्यास: | १। |
| ७९३१४ | ,, | | १-२। |
| ७९३१५ | वरदगणपतिस्तोत्रम् | | १। |
| ७९३१६ | गणपतिस्तोत्रम् | | १-२। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.२×३.२ | ६ | १८ | दे.ना. | का. | | पू० | रुद्रयामले । |
| ११×३ | ४ | २६ | व. | ,, | | ,, | कनकधारास्तोत्रं वा । |
| ७×५.३ | ९ | १५ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| १०.९×४.७ | ९ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले । |
| १२×२.७ | ३ | ३९ | व. | ,, | | ,, | |
| ६.५×५ | ९ | २२ | दे.ना. | ,, | | ,, | भविष्योत्तरपुराणान्तर्गतम् । |
| ११.२×६.१ | १८ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.५×३.३ | ९ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.१×४.३ | ६ | १८ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे काशीखण्डे । |
| ८.१×४.१ | ९ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.५×५ | १२ | २८ | ,, | ,, | | ,, | भजगोविन्दस्तोत्रं वा । |
| ९.४×३.४ | ७ | ४३ | व. | ,, | | ,, | |
| ७.३×४.४ | १० | २३ | दे.ना. | ,, | १८६४ | ,, | |
| ९.९×४.५ | ७ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.५×४.२ | ९ | ४० | ,, | ,, | | ,, | मणिकर्णिकास्तोत्रञ्च । |
| ९.५×४.४ | १० | ३६ | ,, | ,, | | ,, | ,, |
| ९.६×४.३ | १० | ३७ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.२×४.३ | १० | ३७ | ,, | ,, | १८४१ | ,, | |
| ४.९×३.२ | ९ | १९ | ,, | ,, | | ,, | नारदपुराणान्तर्गतम् । |
| ९.७×४.३ | ११ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.५×३ ७ | ८ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | नारदपुराणे । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९३१७ | ऋणहरगणपतिस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९३१८ | मल्लारिसहस्रनाम | | १-११। |
| ७९३१९ | शिवसहस्राक्षरस्तोत्रम् | | १-७। |
| ७९३२० | विष्णुपञ्चायुधस्तोत्रम् | | १। |
| ७९३२१ | विनायकस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ७९३२२ | गणेशस्तोत्रम् | इन्द्रः | १। |
| ७९३२३ | चर्पटपञ्जरिकास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ७९३२४ | दशश्लोकी | ,, | १-४। |
| ७९३२५ | चर्पटपञ्जरिकास्तोत्रम् | ,, | १-८। |
| ७९३२६ | जगदम्बादिव्यसहस्रनाम | | १-२६। |
| ७९३२७ | क्षमाषोडशी | | १-५। |
| ७९३२८ | शिवपञ्चाक्षरस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९३२९ | शिवमहिम्नःस्तोत्रम् | | १-११। |
| ७९३३० | शरभस्तोत्रम् | | १-१३। |
| ७९३३१ | वश्यवाराहीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९३३२ | शैवापामार्जनस्तोत्रम् | | १-११। |
| ७९३३३ | गणेशाष्टकम् | | १-३। |
| ७९३३४ | रामरक्षास्तोत्रम् | विश्वामित्रः | १-५। |
| ७९३३५ | सूर्यस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९३३६ | षट्पदीस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-३। |
| ७९३३७ | सीतास्तोत्रम् | | १-२। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८.३×४.४ | ७ | ३२ | दे ना. | का. | १९३९ | पू० | |
| ६.७×४.२ | १२ | २४ | ,, | ,, | | ,, | मार्त्तण्डसहस्रनाम वा । |
| ५ ९×३.२ | ६ | १७ | ,, | ,, | श. १७२१ | ,, | |
| १५.७×७.१ | २५ | २८ | ,, | ,, | | ,, | विष्णुपुराणे । |
| ७.६×३ ६ | ७ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.१×३.६ | ९ | २० | ,, | ,, | | ,, | गणेशपुराणे उत्तरखण्डे । |
| ७.२×४.७ | ९ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.९×४.२ | १५ | २१ | ,, | ,, | | ,, | चर्पटपञ्जरिका, चिदानन्दस्तोत्रञ्च । |
| ४.१×३.७ | ७ | ११ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.७×२.७ | ५ | २० | ,, | ,, | १६६८ | ,, | |
| ७.२×३.७ | ८ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.६×३ ४ | ६ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.४×३.४ | ७ | २० | ,, | ,, | १८९३ | ,, | |
| ५.६×३.७ | ९ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×४.२ | ९ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×४ | १० | २० | ,, | ,, | श. १७२९ | ,, | शिवपुराणोक्तम् । |
| ६.४×३.९ | ६ | ४५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.३×३.१ | ८ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.७×३.५ | ६ | २० | ,, | ,, | १८२३ श. १६८७ | ,, | |
| | | | | | | ,, | |
| ५.७×३.१ | ४ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७×३.३ | ५ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९३३८ | कालिकाकालनाथस्तवराजः | | १-४। |
| ७९३३९ | दुर्गासप्तशती | | १-४४। |
| ७९३४० | हनुमत्कवचम् | | १-७। |
| ७९३४१ | सूर्यस्तोत्रम् | याज्ञवल्क्यः | १-३। |
| ७९३४२ | कृष्णकेशवस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ७९३४३ | जटायुस्तुतिः | | १-२। |
| ७९३४४ | बिन्दुमाधवस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९३४५ | विश्वनाथाष्टकम् | व्यासः | १। |
| ७९३४६ | आदित्यहृदयस्तोत्रम् | | १-११। |
| ७९३४७ | सरस्वतीस्तोत्रम् | सनत्कुमारः | १-३। |
| ७९३४८ | दुर्गास्तुतिः | इन्द्रः | १-५। |
| ७९३४९ | वक्रतुण्डस्तोत्रम् | | १-५। |
| ७९३५० | शिववर्म | | १-१८। |
| ७९३५१ | अच्युताष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९३५२ | शीतलास्तोत्रम् | | १-४। |
| ७९३५३ | त्रिपुरास्तवः | | १। |
| ७९३५४ | आपदुद्धारकवटुकभैरवस्तोत्रम् | | १-७। |
| ७९३५५ | शिवस्तुतिः | | १-३। |
| ७९३५६ | कालिकाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९३५७ | गणेशपञ्चरत्नम् | ,, | १। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ४.९×३.७ | ७ | १४ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ८.३×५.५ | १२ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.६×४.२ | ११ | २९ | ,, | ,, | १८४५ | ,, | ब्रह्माण्डपुराणोक्तम् । |
| ९.२×४.१ | ५ | २१ | ,, | ,, | १७६३ | ,, | |
| ७×६.३ | १४ | २३ | ,, | ,, | | ,, | श्रीकृष्णध्यानम् । |
| ९.२×४.३ | ८ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | अध्यात्मरामायणोक्ता । |
| १०×४.५ | ८ | ३० | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे काशीखण्डे । |
| ९.३×४.१ | १० | ३० | , | ,, | | ,, | |
| ९.६×४.२ | १० | ४६ | ,, | ,, | | ,, | भविष्योत्तरपुराणोक्तम्, मासपारायणविधिश्च । |
| १०.८×४.६ | ७ | २८ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०×४.५ | ८ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | वज्रपञ्जरस्तुतिर्वा । स्कन्दपुराणे काशीखण्डे । |
| ६.४×३.३ | ७ | २३ | ,, | ,, | १८४६ | ,, | रुद्रयामलोक्तम् । |
| ६×३.९ | ७ | १४ | ,, | ,, | | ,, | शिवकवचं वा । |
| ९.५×४.१ | २४ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.१×३.८ | ८ | २५ | ,, | ,, | १८४० | ,, | |
| ७×४ | १८ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.४×४ | ८ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.३×४.५ | ९ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.८×४.४ | ११ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.६×३.१ | ९ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९३५८ | विष्णुदिव्यसहस्रनाम | | १-२१+१। |
| ७९३५९ | दक्षिणकालीसहस्रनाम | | १-३४। |
| ७९३६० | कार्त्तवीर्यार्जुनसहस्रनाम | | १-३३। |
| ७९३६१ | विष्णोः स्तवराजः | | १-२२। |
| ७९३६२ | वाग्वादिनीकवचम् | | १-४+१। |
| ७९३६३ | कालिकास्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९३६४ | दत्तात्रेयद्वादशनामस्तोत्रम् | | १-६। |
| ७९३६५ | अन्नपूर्णास्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९३६६ | कवचार्गलकीलकानि | | १-१६। |
| ७९३६७ | दुर्गाकवचम् | | १-५। |
| ७९३६८ | जगन्मङ्गलकवचम् | | १-५। |
| ७९३६९ | सूर्यसहस्रनाम | | १-११। |
| ७९३७० | शिवस्तोत्रम् | मार्कण्डेयः | १-३। |
| ७९३७१ | जगन्मङ्गलकवचम् | | १०-१२। |
| ७९३७२ | सप्तशतीपाठविनियोगादिः | | १। |
| ७९३७३ | मुकुन्दाष्टकम् | | १। |
| ७९३७४ | विष्णुसहस्रनाम | | १-१०। |
| ७९३७५ | मङ्गलस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९३७६ | ललितासहस्रनामस्तोत्रम् | | १-१८। |
| ७९३७७ | हरिमीडेस्तोत्रं सव्याख्यम् | | १-४८। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९.८×४.३ | २२ | ११ | दे.ना. | का. | | पू० | महाभारते । |
| ६.१×३ | ६ | १७ | ,, | ,, | १८९६ | ,, | |
| ५.२×३.२ | ७ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×३.५ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | महाभारतोक्तः । |
| ५.७×३.५ | ७ | १८ | ,, | ,, | | ,, | वागीश्वरीकवचं वा । |
| ८×५.९ | ९ | २८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.८×४ | ७ | १८ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ६.७×४.२ | ११ | १७ | ,, | ,, | | ,, | शिवध्यानञ्च । |
| ४.२×२.३ | ५ | १९ | ,, | ,, | १६७३ | ,, | |
| ५.५×३.५ | ७ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९×३.८ | ८ | २६ | व. | ,, | | ,, | |
| ९.९×३.९ | ८ | ४१ | दे.ना. | ,, | | ,, | देवीरहस्योक्तम् । |
| ८.७×३.९ | ६ | २६ | ,, | ,, | १६७३ | ,, | |
| ९.७×५ | ९ | ३२ | ,, | ,, | १८५९ | ,, | भैरवतन्त्रोक्तम् । |
| ८.६×३.९ | १६ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| १२.३×४.८ | ९ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | |
| १२.२×४.७ | ९ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | महाभारतोक्तम् । |
| ११.१×४.३ | ९ | ३२ | व. | ,, | | ,, | |
| १२.७×४.९ | ३० | ७ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| १३.८×५.४ | ११ | ३७ | ,, | ,, | १८४५ | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९३७८ | ब्रह्मप्रकाशस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ७९३७९ | भावाष्टकम् | हरिरायः | १। |
| ७९३८० | भागीरथ्यष्टकम् | हनुमान् | ४ गणनया। |
| ७९३८१ | कृष्णाष्टकस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ७९३८२ | पञ्चरत्नस्तोत्रम् | | १। |
| ७९३८३ | अपामार्जनस्तोत्रम् | | १,४, ६-११। |
| ७९३८४ | कवचार्गलकीलकानि | | १-१०। |
| ७९३८५ | गङ्गालहरी | जगन्नाथः | २-२१। |
| ७९३८६ | शुकाष्टकम् | | १-२। |
| ७९३८७ | विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् | | २-१९। |
| ७९३८८ | शिवस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९३८९ | ,, | | १-३। |
| ७९३९० | हंसादिनमस्कारः | | १-२। |
| ७९३९१ | अपराधस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ७९३९२ | कृष्णाश्रयस्तोत्रप्रकाशः | कल्याणरायः | १-१०। |
| ७९३९३ | कृष्णध्यानम् | | १। |
| ७९३९४ | कृष्णाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ७९३९५ | ,, | | १। |
| ७९३९६ | ,, | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९३९७ | ,, | बिल्वमङ्गलः | १-२। |
| ७९३९८ | ,, | शङ्कराचार्यः | १। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३.७×५.३ | १३ | ४१ | दे.ना. | का. | | पू० | ब्रह्मैक्यव्रतस्तोत्रं, शास्त्रोद्दीपननामस्तोत्रञ्च । |
| ११.८×६.४ | ९ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.५×५.२ | ७ | २४ | ,, | ,, | | ,,* | |
| ६.४×२.३ | ११ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.३×३.६ | ८ | २७ | ,, | ,, | १९१० | ,, | |
| ६×३.३ | ८ | २० | ,, | ,, | | अपू० | विष्णुधर्मोत्तरे । |
| ८.५×४.३ | ९ | २७ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.३×३.४ | ५ | १६ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ६.२×४.२ | ९ | १९ | ,, | ,, | | पू० | |
| ८×३.२ | ८ | २४ | ,, | ,, | | अपू० | महाभारते । |
| ३.६×३ | ७ | ९ | ,, | ,, | | पू० | |
| ३.६×३ | ७ | ९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×३.५ | ६ | १९ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ९.१×३.८ | ९ | २९ | ,, | ,, | | पू० | |
| १०.५×४.४ | १० | ४२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.८×४.१ | ६ | १३ | ,, | ,, | | ,, | भागवते दशमस्कन्धे । |
| ९.२×५.५ | ११ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.५×५.१ | ११ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | शङ्करदिग्विजयसारे । |
| ५.८×३.५ | १४ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.५×३.५ | ७ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.१×४.१ | ९ | २५ | ,, | ,, | | ,, | शङ्करदिग्विजयसारे । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९३९९ | शिवनामावलिः | | १-३ । |
| ७९४०० | आत्मानुसन्धानस्तुतिः | शङ्कराचार्यः | ३ । |
| ७९४०१ | अपामार्जनस्तोत्रम् | | २-१३ । |
| ७९४०२ | " | | ५-१५ । |
| ७९४०३ | " | | ९-१४ । |
| ७९४०४ | शैवापामार्जनस्तोत्रम् | | २-१७ । |
| ७९४०५ | कृष्णाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १ । |
| ७९४०६ | अपामार्जनस्तोत्रम् | | १-१४ । |
| ७९४०७ | " | | १-२७ । |
| ७९४०८ | गणपत्यपामार्जनस्तोत्रम् | | १-७ । |
| ७९४०९ | अपामार्जनस्तोत्रम् | | १-१२ । |
| ७९४१० | एकाक्षरगणपतिकवचम् | | १ । |
| ७९४११ | एकाक्षरगणपतिसहस्रनामावली | | १-२० । |
| ७९४१२ | ककारकूटकालिकास्तोत्रम् | | १-६ (पृ० सं०) । |
| ७९४१३ | अपामार्जनस्तोत्रम् | | ७-९, ११-१७ । |
| ७९४१४ | शीतलाष्टकम् | | १-२ । |
| ७९४१५ | शिवकवचम् | | १-७ । |
| ७९४१६ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-१७ । |
| ७९४१७ | गणपतिस्तोत्रम् | | १ । |
| ७९४१८ | " | | १-२ । |
| ७९४१९ | जगन्मङ्गलकवचम् | | १-२ । |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८.६×४.२ | २२ | ८ | दे.ना. | का. | | अपू० | |
| ८×३.९ | ६ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.२×४.३ | ८ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.३×३.७ | ७ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.८×३.४ | १० | ३० | ,, | ,, | | ,, | विष्णुधर्मोत्तरे । |
| ६.५×३.५ | ७ | २४ | ,, | ,, | श. १७७६ | ,, | स्कन्दपुराणे केदारखण्डे । |
| ७.१×४.३ | १३ | ३५ | ,, | ,, | | पू० | |
| ५.७×४.६ | ११ | १५ | ,, | ,, | | ,, | विष्णुधर्मोत्तरे । |
| ४.७×३.५ | ७ | १४ | ,, | ,, | | ,, | ,, |
| ७ ८×३.८ | ९ | २० | ,, | ,, | १८८३ श. १७४८ | ,, | |
| ९.१×३.७ | ७ | ३४ | ,, | ,, | | अपू० | विष्णोः । |
| १४.२×५.६ | ४१ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×३.८ | ८ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.५×४.१ | १० | २३ | वङ्ग | ,, | | पू० | |
| ६.९×२.४ | ६ | २९ | ,, | ,, | | अपू० | विष्णुधर्मोत्तरे । |
| ६.३×३.२ | ७ | २७ | ,, | ,, | | पू० | स्कन्दपुराणोक्तम् । |
| ७.२×२.९ | ६ | ३५ | ,, | ,, | १९२७ | ,, | स्कान्दम् । |
| ६.२×३ | ५ | १६ | ,, | ,, | १८६६ | ,, | |
| ७.५×३.३ | ८ | २६ | ,, | ,, | | ,, | नारदपुराणे । |
| ८.५×३.५ | ७ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×३.९ | ७ | १८ | ,, | ,, | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९४२० | गणपतिस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९४२१ | गणपतिऋणहरस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९४२२ | लिङ्गाष्टकम् | | १-२। |
| ७९४२३ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-१२। |
| ७९४२४ | सुमुखीसहस्रनामस्तोत्रम् | | १-२३। |
| ७९४२५ | श्रीरामस्तवराजस्तोत्रम् | | १-२०। |
| ७९४२६ | स्तवराजः | | १-१०। |
| ७९४२७ | विष्णुसहस्रनाम | | १-१२। |
| ७९४२८ | शिवकवचम् | | १-१६। |
| ७९४२९ | गोपालसहस्रनाम | | १-१७। |
| ७९४३० | सूर्यकवचम् | | १-६। |
| ७९४३१ | विपरीतप्रत्यङ्गिरास्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९४३२ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९४३३ | द्वादशलिङ्गस्तोत्रम् | | १। |
| ७९४३४ | हरिहरतारतम्यशतकम् | रामेश्वराध्वर-सुधामणिः | १-६। |
| ७९४३५ | शिवाष्टकम् | | १-२। |
| ७९४३६ | शिवताण्डवस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९४३७ | गणपतिस्तोत्रम् | | १। |
| ७९४३८ | मणिकर्णिकास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ७९४३९ | दत्तात्रेयसहस्रनाम | | १-६। |
| ७९४४० | दत्तात्रेयस्तवराजः | | १-२। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५.१×३.२ | १० | २३ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ५.५×३.२ | ७ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७×३.६ | ७ | २३ | ,, | ,, | १८३० | ,, | |
| ६.९×३.५ | ६ | २० | ,, | ,, | १९०९ | ,, | |
| ६.९×२.९ | ५ | २३ | ,, | ,, | १६८६ | ,, | |
| ७.५×३.७ | ५ | १६ | ,, | ,, | १८३५ | ,, | |
| ९.४×४.६ | ९ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | महाभारतोक्तः । |
| ६.४×४.१ | ११ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×३.३ | ५ | १९ | ,, | ,, | १९२८ | ,, | |
| ७.९×४.२ | ९ | २८ | ,, | ,, | | ,, | कृष्णस्तवराजश्च । |
| ५.२×४.१ | ६ | ९ | ,, | ,, | १६४७ | ,, | त्रैलोक्यमङ्गलं नाम । |
| ५.८×३.७ | ७ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०×३.५ | ८ | ३६ | ,, | ,, | १९०७ शा. १७७२ | ,, | |
| १०.२×४.५ | १९ | ५४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.२×४.५ | ९ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| १० ७×४.७ | ८ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.५×४.३ | ८ | १९ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्मपुराणे । |
| ९.७×४.३ | १२ | ३० | ,, | ,, | १८४४ | ,, | सरस्वतीस्तोत्रञ्च । |
| १२.५×४.९ | ८ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३.८×५.३ | ११ | ५५ | ,, | ,, | १९४५ | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| १३.८×५.३ | ११ | ६२ | ,, | ,, | १९४५ | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९४४१ | दत्तात्रेयज्ञानलहरी | दलादनमुनिः | १-७। |
| ७९४४२ | जानकीस्तवराजः | | १-२१। |
| ७९४४३ | आत्मपूजनम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९४४४ | भुवनेश्वरीकवचम् | | १। |
| ७९४४५ | " | | १। |
| ७९४४६ | माहेश्वरकवचम् | | १-४। |
| ७९४४७ | भुवनश्वरीकवचम् | | १-४। |
| ७९४४८ | भीष्मस्तवराजः | | १-७। |
| ७९४४९ | भुवनेश्वरीस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९४५० | अपामार्जनस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९४५१ | कृष्णाश्रयस्तोत्रम् | वल्लभाचार्यः | १। |
| ७९४५२ | भारतीस्तोत्रम् | | १। |
| ७९४५३ | शिवस्तोत्रम् | | १-७। |
| ७९४५४ | " | | १-१०। |
| ७९४५५ | " | | १-३। |
| ७९४५६ | शिवस्तुतिः | | १-२। |
| ७९४५७ | देवीकवचम् | हरिहरब्रह्म | १-१०। |
| ७९४५८ | शिवस्तुतिः | | १-१०। |
| ७९४५९ | शिवस्तोत्रम् | | १-४। |
| ७९४६० | " | | १-३। |
| ७९४६१ | दुर्गासहस्रनामस्तोत्रम् | | १-१८। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३.८×५.३ | ११ | ७ | दे.ना. | का. | १९४५ | पू० | |
| १२.५×६ | ९ | ३२ | ,, | ,, | १८९५ | ,, | टी०—सुबोधिनी, अगस्त्यसंहितायाम् । |
| ५.६×८ | ४५ | १७ | व. | ,, | १८१० | ,, | |
| १३.५×५.५ | १३ | ४५ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले । |
| ११.५×३.८ | १२ | ५५ | ,, | ,, | | ,, | ,, |
| १३.६×३.५ | ५ | ४९ | ,, | ,, | | ,, | सर्वरोगोपशमनं नाम । |
| १५.७×३.७ | ५ | ४७ | ,, | ,, | | ,, | त्रैलोक्यमोहनाख्यम् । |
| १२.३×४.८ | ११ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | महाभारते । |
| १३.२×४.४ | ११ | ४६ | ,, | ,, | | ,, | त्रिपुराकवचञ्च, रुद्रयामले । |
| १६×३.९ | ८ | ५६ | ,, | ,, | | ,, | विष्णुधर्मे । |
| १२.२×६.४ | ९ | ३१ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ९.२×७.५ | २० | ३५ | व. | ,, | | ,, | |
| ६.५×२.९ | ४ | २७ | ,, | ,, | | ,, | उपमन्युकृतम् । |
| ४.९×३.२ | ४ | १० | ,, | ,, | | ,, | पद्मपुराणे मार्कण्डेयकृतम् । |
| ८.५×३.९ | ६ | २६ | ,, | ,, | | ,, | मार्कण्डेयकृतम् । |
| ८.२×४ | ९ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.३×४ | ९ | १९ | ,, | ,, | | ,, | अर्गला, कीलकं, ऋग्वेदोक्तदेवीसूक्तञ्च । |
| ५.२×३.१ | ६ | १४ | ,, | ,, | | ,, | शिवकवचं वा । |
| ५×३.२ | ६ | १३ | ,, | ,, | | ,, | वेदव्यासकृतम् । |
| ४.९×२.७ | ४ | १४ | ,, | ,, | | ,, | वसिष्ठकृतम् । |
| ६.२×३.२ | ८ | १७ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले देवीरहस्ये । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९४६२ | देवीस्तोत्रम् | | १-४। |
| ७९४६३ | दुर्गास्तोत्रम् | | १-४। |
| ७९४६४ | भूतिमाहात्म्यस्तोत्रम् | | १-५। |
| ७९४६५ | देवीसूक्तम् | | १-५। |
| ७९४६६ | देवीस्तुतिः | | १-२। |
| ७९४६७ | देवीकवचम् | | १-११। |
| ७९४६८ | देव्यपराधसुन्दरस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ७९४६९ | देवीकवचम् | | १-१२। |
| ७९४७० | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९४७१ | दुर्गास्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९४७२ | देव्यपराधस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-६। |
| ७९४७३ | देवीकवचम् | | १-७। |
| ७९४७४ | देव्यपराधक्षमापन-स्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ७९४७५ | ,, | ,, | १-४। |
| ७९४७६ | उच्छिष्टगणपतिकवचम् | | १-२। |
| ७९४७७ | आदित्यहृदयम् | | २५ गणनया। |
| ७९४७८ | शनैश्चरस्तोत्रम् | | १-६। |
| ७९४७९ | अपराधसुन्दरस्तोत्रम् | | १-४। |
| ७९४८० | हरिहरस्तुतिः | | १-३। |
| ७९४८१ | भगवत्स्तुतिः | | १-२। |
| ७९४८२ | शिवस्तोत्रम् | | १-३। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६×३.७ | ७ | १३ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ६.८×३.५ | ११ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.१×३.२ | ५ | १२ | ,, | ,, | | ,, | उमामहेश्वरसंवादे । |
| ५.७×३.६ | ७ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×३.७ | ९ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.८×२.५ | ७ | २१ | ,, | ,, | श. १६९५ | ,, | अर्गला, कीलकञ्च । |
| ६.७×४ | ७ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×३.४ | ५ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.२×२.३ | ७ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.४×४.२ | १० | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.४×२ ९ | ५ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×४ | ८ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.१×४ | १३ | २८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.८×४.४ | ८ | २० | ,, | ,, | | ,, | पशुपत्यष्टकसहितम् । |
| १०.६×४.५ | ९ | ३७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.२×२.३ | ३ | २० | व. | ,, | | ,,* | |
| ११.२×२.२ | ४ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.२×२.७ | ९ | २२ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ९.६×४.२ | ५ | २७ | ,, | ,, | | ,, | शिवहरस्तुतिर्वा । |
| १०×३.९ | ८ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४ | ११ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | शिवरहस्ये । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९४८३ | शिवस्तोत्रम् | | १-८। |
| ७९४८४ | शिवस्तुतिः | देवः | १-१०। |
| ७९४८५ | शिवस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९४८६ | शिवस्तुतिः | | १। |
| ७९४८७ | मधुराष्टकम् | | १-४५। |
| ७९४८८ | गणपतिस्तोत्रम् | | १-४। |
| ७९४८९ | गणेशाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-४। |
| ७९४९० | ,, | ,, | १। |
| ७९४९१ | विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् | | १-२१। |
| ७९४९२ | ,, | | १-२४। |
| ७९४९३ | गणेशभुजङ्गस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९४९४ | रामरक्षास्तोत्रम् | | १-४। |
| ७९४९५ | नामद्वादशपञ्जरस्तोत्रम् | | १। |
| ७९४९६ | दुर्गाशतनामस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९४९७ | दण्डपाणिस्तोत्रम् | | १, १। |
| ७९४९८ | विष्णुहृदयम् | | १-२। |
| ७९४९९ | बटुकनामावली | | १-७। |
| ७९५०० | वाराहीनिग्रहाष्टकम् | | १-१०। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५.३×३.१ | ४ | १४ | दे.ना. | का. | | पू० | पद्मपुराणे । |
| ६.७×३.९ | ७ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.२×४.४ | ६ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.९×४.३ | ८ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.८ | ९ | १५ | ,, | ,, | | ,, | सर्वोत्तमस्तोत्रं, वल्लभाष्टकं, प्रेमामृतं, नामरत्नं, यमुनाष्टकं, बालबोधः, सिद्धान्तमुक्तावली, पुष्टिप्रवाहमर्यादा, सिद्धान्तरहस्यं, नवरत्नं, अन्तःकरणबोधः, विवेकधैर्याश्रयस्तोत्रं, कृष्णाश्रयः, चतुःश्लोकी, भक्तिवर्धिनी, जलभेदः, पद्यावली, संन्यासनिर्णयः, निरोधलक्षणं, सेवाफलञ्च । |
| ६.४×३ | ४ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.८×२ | ४ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.१×४.२ | ९ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.३×३.३ | ७ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.३ | ८ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९×३.६ | ८ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.२×३ | ६ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.९×४.३ | ९ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.१×४ | ८ | ३७ | ,, | ,, | | ,, | विश्वसारतन्त्रे । |
| ८.५×४.१ | ७ | २६ | ,, | ,, | | ,, | हनुमत्कवचञ्च । |
| ८.२×४ | १० | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.६×३.१ | १५ | २४ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ४.९×३.१ | ७ | १७ | ,, | ,, | | पू० | वाराह्यनुग्रहाष्टकञ्च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९५०१ | विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् | | १-२०। |
| ७९५०२ | गायत्रीशापविमोचनम् | | १४ गणनया। |
| ७९५०३ | ताराष्टकम् | | १-२। |
| ७९५०४ | महाप्रत्यङ्गिरास्तोत्रम् | | १-११। |
| ७९५०५ | भगवद्ध्यानचतुर्दशरत्नमाला सटीका | | १-११। |
| ७९५०६ | भुवनेश्वर्यष्टोत्तरशतनाम | | १-४। |
| ७९५०७ | नवग्रहस्तोत्रम् | | १। |
| ७९५०८ | कालभैरवाष्टकम् | व्यासः | १-६। |
| ७९५०९ | भवानीस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-४। |
| ७९५१० | बुधस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९५११ | दुर्गाकीलकम् | | १-३। |
| ७९५१२ | भुवनेश्वरीपञ्जरस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९५१३ | भुवनेश्वर्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम् | | २ गणनया। |
| ७९५१४ | भैरवस्तोत्रम् | | १। |
| ७९५१५ | शिवस्तोत्रम् | | १। |
| ७९५१६ | सर्वोत्तमस्तोत्रम् | | ९, १२-३०। |
| ७९५१७ | महिम्नःस्तोत्रम् | | १-१६। |
| ७९५१८ | दत्तात्रेयस्तोत्रम् | | १-५। |
| ७९५१९ | द्वादशज्योतिर्लिङ्गस्तोत्रम् | | १-५। |
| ७९५२० | मनीषापञ्चकम् | | १-३। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८.८×४.५ | ८ | २८ | दे.ना. | का. | | पू० | पद्मपुराणे । |
| ११×२.२ | ६ | २५ | व. | ,, | | ,, | गायत्रीकवचञ्च । |
| ११.१×२ ३ | ८ | ५० | ,, | ,, | | ,, | तारास्तोत्रं, पञ्चमीस्तोत्रं, भैरवीशतनाम, मातृकाध्यानञ्च, महाकालतन्त्रोक्तम् । |
| ५.५×३.२ | ७ | २१ | दे.ना. | ,, | १८१९ | ,, | |
| ८.४×३.८ | ७ | २० | ,, | ,, | | ,, | टी०--मराठीभाषायां भागवते तृतीयस्कन्धे । |
| ५.१×२.८ | ६ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.५×२.४ | ९ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.४×३.१ | ६ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.४×३ | ५ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.५×३.१ | ७ | २२ | ,, | ,, | | ,, | पद्मपुराणे । |
| ६.९×३.६ | ७ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.१×३.३ | १० | ३१ | ,, | ,, | | ,, | जयद्रथयामले । |
| ५.८×४.२ | ११ | २० | ,, | ,, | | अपू० | गायत्रीशतनामस्तोत्रञ्च । |
| ५ ३×३.२ | ६ | १८ | व. | ,, | | पू० | |
| ९.३×८.३ | २२ | २७ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्मकवचञ्च । |
| ४.१×३ १ | ४ | ८ | दे.ना. | ,, | | अपू० | नवरत्नस्तोत्रं, सिद्धान्तरहस्यञ्च । |
| ६.६×३.८ | ५ | २० | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.२×४ | ६ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.५×३.४ | ५ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.४×४.१ | ७ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९५२१ | शिवस्तोत्रम् | | १। |
| ७९५२२ | वेणीमाधवाष्टोत्तरशत-नाम | | १-६। |
| ७९५२३ | दत्तात्रेयस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९५२४ | सूर्यकवचम् | | १-३। |
| ७९५२५ | " | | १-२। |
| ७९५२६ | दारिद्र्यदुःखहरस्तोत्रम् | | १। |
| ७९५२७ | विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् | | १-२०। |
| ७९५२८ | शिवकवचम् | | १-८। |
| ७९५२९ | वितस्तास्तोत्रम् | | ९। |
| ७९५३० | शिवमहिम्नःस्तोत्रं सटीकम् | | १-१६। |
| ७९५३१ | विष्णुपञ्जरम् | | १-३। |
| ७९५३२ | महालक्ष्मीस्तोत्रम् | | १-४। |
| ७९५३३ | प्रणवसहस्रनाम | | १-३। |
| ७९५३४ | लक्ष्मीनृसिंहस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९५३५ | रामरक्षास्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९५३६ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-५। |
| ७९५३७ | वल्लभाष्टकविवृतिः | वल्लभः | १-८। |
| ७९५३८ | दुर्गानामफलम् | | १-२+१। |
| ७९५३९ | दुर्गाष्टकम् | | १। |
| ७९५४० | नृसिंहस्तोत्रम् | रामचन्द्रसर-स्वती | १-४। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.४×३.८ | ११ | २५ | दे.ना. | का. | | पू० | परिशिष्टकर्म वा । |
| ४.१×३.१ | ८ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.१ | ७ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.१ | ८ | १६ | ,, | ,, | | ,, | त्रैलोक्यमङ्गलाख्यम् । |
| ८.६×४.९ | १३ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.२×४.१ | १२ | २० | ,, | ,, | १७६४ | ,, | |
| ६.९×४.२ | ७ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.५×४.२ | ९ | २४ | ,, | ,, | १८४४ | ,, | |
| ९.७×४.६ | १३ | ४३ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.७×४.६ | ९ | ४२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.६×४.५ | ८ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| १०.९×४.५ | ७ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३.४×६.७ | १७ | ४७ | ,, | ,, | | ,, | स्कान्दे, वैष्णवसंहितायां प्रणवकल्पे । |
| १०.७×४.५ | ९ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | सङ्कष्टनाशनम् । |
| १०.७×६.७ | ११ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×६.९ | १२ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| १२.८×४.९ | १० | ३८ | ,, | ,, | | ,, | |
| १८.४×३.५ | ६ | ५७ | ,, | ,, | | व. | |
| १०.४×३.५ | ८ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | विश्वसारतन्त्रोक्तम् । |
| ९.६×३ | ६ | ४० | ,, | ,, | | ,, | यमुनाष्टकं गङ्गाष्टकञ्च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९५४१ | दुर्गाष्टकम् | | १। |
| ७९५४२ | दुर्गानाममाहात्म्यम् | | १-३। |
| ७९५४३ | दुर्गाकवचम् | | १। |
| ७९५४४ | दुर्गासहस्रनामस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९५४५ | कालिकाष्टोत्तरशतनाम | | १-३। |
| ७९५४६ | दुर्गास्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९५४७ | दुर्गाकवचम् | | १-२। |
| ७९५४८ | पादुकापञ्चकम् | | १। |
| ७९५४९ | पादुकापञ्चकं सटीकम् | | १-२। |
| ७९५५० | दुर्गासहस्रनामस्तोत्रम् | | १-८। |
| ७९५५१ | बगलामुखीस्तोत्रम् | | २५९-२६०। |
| ७९५५२ | नृसिंहकवचम् | | १-३। |
| ७९५५३ | द्वादशाक्षरस्तोत्रम् | शुकः | १-२। |
| ७९५५४ | नृसिंहकवचम् | | १-२। |
| ७९५५५ | पादुकापञ्चकटीका | कालीचरणः | १-५। |
| ७९५५६ | प्रत्यङ्गिराकवचम् | | १-८। |
| ७९५५७ | दुर्गाकवचम् | | १। |
| ७९५५८ | निर्वाणदशकस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९५५९ | निरञ्जनाष्टकम् | | १। |
| ७९५६० | ,, | शङ्कराचार्यः | १। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९×२.८ | १० | ४० | व. | का. | | पू० | विश्वसारतन्त्रोक्तम् । |
| १२.५×३.७ | ७ | ४९ | ,, | ,, | | ,, | रहस्यतन्त्रोक्तं ; यज्ञोपवीतलक्षणञ्च । |
| १२.८×३.८ | ८ | ५१ | ,, | ,, | | ,, | कुब्जिकातन्त्रोक्तम् । |
| १३.९×५.३ | १३ | ५८ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्मयामलोक्तम् । |
| १७.४×४.४ | ६ | ५३ | ,, | ,, | | ,, | शिवस्तवराजश्च । |
| १२.२×५.१ | ६ | २४ | ,, | ,, | | ,, | भविष्यपुराणोक्तम् । |
| १४×३.५ | ७ | ४० | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.३×२.७ | ६ | ४४ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३.७×३.५ | १२ | ५७ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३.४×४.२ | ७ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | वनवासागमे । |
| १८.२×४.४ | ७ | ६० | ,, | ,, | | ,, | विष्णुस्तोत्रञ्च । |
| १०.९×३.४ | ७ | ३७ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०×३.२ | ७ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.८×३.८ | ९ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३.९×३.६ | १२ | ५० | ,, | ,, | | ,, | टी०—अमलाख्या । |
| १२.२×४ | ७ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | |
| १२.५×३.१ | ९ | ४९ | ,, | ,, | | ,, | शिवकवचञ्च; कुब्जिकातन्त्रोक्तम् । |
| ८.३×४.१ | १८ | १९ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ६.४×४ | ९ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.७×४.२ | ११ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९५६१ | निरञ्जनस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९५६२ | विश्वनाथाष्टकम् | वेदव्यासः | १-२। |
| ७९५६३ | नारायणवर्म | | १-७। |
| ७९५६४ | हनुमत्स्तोत्रम् | | १-४। |
| ७९५६५ | नारायणहृदयम् | | १-८, ११-३०। |
| ७९५६६ | अद्वैतदशकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९५६७ | निर्वाणपञ्चकम् | ,, | १। |
| ७९५६८ | निर्वाणषट्कम् | ,, | १। |
| ७९५६९ | ,, | ,, | १। |
| ७९५७० | निर्वाणपञ्चकम् | ,, | १। |
| ७९५७१ | निर्वाणषट्कम् | | १। |
| ७९५७२ | नारायणवर्म | | १-३। |
| ७९५७३ | अक्षयकवचम् | | १-२। |
| ७९५७४ | रुचिस्तवः | | १-८। |
| ७९५७५ | गुरुपादुकापञ्चकस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९५७६ | पद्ममालिनीमहाविद्यास्तवः | | १-४+२। |
| ७९५७७ | नारायणाष्टाक्षरस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९५७८ | पञ्चायतनस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९५७९ | पञ्चायुधस्तोत्रम् | | १-६। |
| ७९५८० | ,, | | १। |
| ७९५८१ | ,, | | ५-७। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९.५×४.२ | ९ | ३५ | दे.ना. | का | | पू० | |
| ९.२×४.३ | ८ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×३.७ | ८ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.२×४.४ | ८ | १२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×४.२ | ८ | १३ | ,, | ,, | | अपू० | लक्ष्मीहृदयञ्च । |
| ९.४×५.३ | २२ | १७ | ,, | ,, | | पू० | |
| १०.७×४.२ | ७ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.१×४.१ | ८ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.७×४.६ | ९ | ३२ | ,, | ,, | १९०५ | ,, | सिद्धान्तबिन्दुस्तोत्रञ्च । |
| १२.६×२.४ | ८ | ७३ | ,, | ,, | | ,, | कौपीनपञ्चकञ्च । |
| ९.२×४.१ | ९ | २७ | ,, | ,, | | , | |
| ६.५×३.५ | ११ | २४ | ,, | ,, | | ,, | भागवते महापुराणे । |
| ९.९×३.४ | ९ | ३९ | व. | ,, | | ,, | ब्रह्मसंहितायाम् । |
| १४.२×३.३ | ५ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | मार्कण्डेयपुराणे । |
| १५.४×३.५ | ७ | ९१ | ,, | ,, | श. १७०३ | ,, | |
| १८.४×३.५ | ६ | ६१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.१×३.९ | ९ | १९ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| १९.५×३.२ | ३८ | ९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.१×३.३ | ८ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.५×३.५ | ६ | ३० | ,, | ,, | | ,, | सुदर्शनसंहितायाम् । |
| ६.१×३.९ | ७ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९५८२ | पितृस्तोत्रम् | | १-७। |
| ७९५८३ | ,, | | १-८। |
| ७९५८४ | पुरुषोत्तमस्तोत्रम् | | १-६। |
| ७९५८५ | परमहंसकवचम् | | १-६। |
| ७९५८६ | पितृस्तोत्रम् | | १-६। |
| ७९५८७ | कृष्णाष्टोत्तरशतनाम | | १। |
| ७९५८८ | पितृस्तवः | | १-५। |
| ७९५८९ | निरञ्जनस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ७९५९० | निर्वाणषट्कम् | | १। |
| ७९५९१ | निरालम्बस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९५९२ | दुर्गासहस्रनामस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९५९३ | ललितास्तवराजः | | १-५। |
| ७९५९४ | शिवस्तोत्रम् | उपमन्युः | १-२। |
| ७९५९५ | देवीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९५९६ | शिवस्तोत्रम् | उपमन्युः | १-२। |
| ७९५९७ | ललितोपाख्यानम् | | १-१५। |
| ७९५९८ | यमुनाष्टकम् | वल्लभाचार्यः | १-३। |
| ७९५९९ | नृसिंहकवचस्तोत्रम् | | ५१ गणनया। |
| ७९६०० | निर्वाणषट्कम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९६०१ | निर्वाणदशकम् | ,, | १-२। |
| ७९६०२ | पञ्चायुधस्तोत्रम् | | १। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७×४.४ | ११ | २० | दे.ना. | का. | १८४९ | पू० | |
| ८.५×४.३ | ७ | ३० | ,, | ,, | १९२७ | ,, | मार्कण्डेयपुराणे । |
| ६.४×४.१ | ८ | १७ | ,, | ,, | श. १७९३ | ,, | |
| ७.३×३.८ | ७ | २२ | ,, | ,, | १९१५ | ,, | |
| १०×४.३ | ८ | ३० | ,, | ,, | १८७५ | ,, | मार्कण्डेयपुराणे । |
| १९.२×५.९ | ५२ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.१×४.४ | १२ | ३७ | ,, | ,, | | ,, | मार्कण्डेयपुराणे । |
| ६.८×४.६ | ९ | २१ | ,, | ,, | १९२२ | ,, | |
| १० ७×४.७ | ११ | ४२ | व. | ,, | | ,, | |
| ९×२.७ | ४ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.८×४.६ | ४३ | १७ | दे.ना. | ,, | | ,, | दुर्गापञ्चाङ्गसहितम् । |
| ६.७×४.२ | ७ | १६ | ,, | ,, | १९४९ | ,, | |
| १०.२×४.५ | ९ | ४५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.२×४.६ | ११ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.९×३.८ | ९ | ३२ | ,, | ,, | १७४३ | ,, | |
| ७.१×४.४ | ९ | २० | ,, | ,, | | ,, | २५ अध्यायमात्रम् । |
| ६.६×४.६ | ९ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०×५ | १२ | ३२ | ते. | ,, | | ,,* | नृसिंहोपासनाविधिः शरभगण्ड-भेरुण्डमन्त्राश्च । |
| ९.६×४.४ | ८ | २९ | दे.ना. | ,, | | पू० | |
| १०.८×४.५ | ७ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५ ६×४.७ | ७ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९६०३ | प्रस्थानभेदः | मधुसूदनसरस्वती | १-६। |
| ७९६०४ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १। |
| ७९६०५ | गणपतिस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९६०६ | रामहृदयस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९६०७ | शिवताण्डवस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९६०८ | शिवशतनाम | | १-७। |
| ७९६०९ | पुष्पवतीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९६१० | कृष्णस्तुतिः | | १-२। |
| ७९६११ | रामरक्षास्तवः | कौशिकः | १-८। |
| ७९६१२ | सरस्वतीस्तोत्रम् | बृहस्पतिः | १-३। |
| ७९६१३ | पीयूषलहरी सटीका | जगन्नाथः | १, ३-२५। |
| ७९६१४ | सरय्वष्टकम् | | १। |
| ७९६१५ | कौशल्यास्तोत्रम् | | १। |
| ७९६१६ | भाष्यकारप्रपत्तिस्तोत्रम् | | १। |
| ७९६१७ | रामचन्द्रचरणचिह्नस्तोत्रम् | | १। |
| ७९६१८ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १। |
| ७९६१९ | बालस्तवराजः | | १। |
| ७९६२० | नृसिंहकवचम् | | १। |
| ७९६२१ | रामाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९६२२ | हस्तामलकम् | | १-२। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३.८×७ | १४ | ४९ | दे.ना. | का. | | पू० | महिम्नःस्तोत्रस्य त्रयीसांख्यमितिश्लोकव्याख्या । |
| ११.३×५.७ | १७ | ४६ | ,, | ,, | | ,, | आश्वलायनोक्तम् । |
| १०.८×५.८ | १३ | ४० | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्मवैवर्तपुराणोक्तम् । |
| ११.५×५.८ | १४ | ४३ | ,, | ,, | १९५५ | ,, | अध्यात्मरामायणोक्तम् । |
| ६×४.२ | ९ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.७×३.३ | ६ | ३० | ,, | ,, | १९१० | ,, | महालिङ्गेश्वरतन्त्रोक्तम् । |
| ७.६×३.६ | ९ | २५ | ,, | ,, | | ,, | कालतन्त्रोक्तम् । |
| ७.८×४.३ | ७ | २५ | ,, | ,, | १९२७ | ,, | इन्द्रकृता । |
| ७×४.४ | ७ | १६ | ,, | ,, | १९६२ | ,, | |
| ९.७×४.२ | १० | ३६ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.५×४.७ | ८ | ४३ | ,, | ,, | | अपू० | टी०—बालबोधिनी, गङ्गालहरीनामान्तरम् । |
| ११ ५×५.७ | १८ | ३९ | ,, | ,, | | पू० | सप्तपुरीस्तोत्रञ्च । |
| ११.५×५ ७ | १७ | ४४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.४×५.७ | २५ | ५६ | ,, | ,, | | ,, | विष्णोः स्थाननिरूपणञ्च । |
| ११.५×५.७ | १३ | ४२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.५×५.७ | १७ | ४७ | ,, | ,, | | ,, | तान्त्रिकम् । |
| ११.५×५.७ | १८ | ४४ | ,, | ,, | | ,, | रामध्यानञ्च । |
| ११×५.७ | १६ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | नृसिंहपुराणोक्तम् । |
| ११.५×५.८ | १३ | ४३ | ,, | ,, | | ,, | वेङ्कटेशस्तोत्रञ्च । |
| ६.१×४.२ | १२ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९६२३ | रामरक्षास्तोत्रम् | विश्वामित्रः | १-४। |
| ७९६२४ | हस्तामलकं सटीकम् | | १-१४। |
| ७९६२५ | दुर्गाकवचम् | | १। |
| ७९६२६ | " | | १। |
| ७९६२७ | त्रैलोक्यविजयकवचम् | | १। |
| ७९६२८ | दत्तात्रेयवज्रकवचम् | | १-४। |
| ७९६२९ | दत्तात्रेयकवचम् | | १-३। |
| ७९६३० | दुर्गास्तोत्रम् | | १। |
| ७९६३१ | आनन्दलहरी सटीका | शङ्कराचार्यः | १-११, १४-३, ४। |
| ७९६३२ | भक्तसर्वस्वस्तोत्रम् | | १-२३। |
| ७९६३३ | अष्टकालीनवर्णनम् | रूपगोस्वामी | ५ गणनया। |
| ७९६३४ | राममन्त्रः | ब्रह्मा | १। |
| ७९६३५ | राधास्तवराजः | | १। |
| ७९६३६ | आलमन्दारुस्तोत्रम् | यमुनाचार्यः | १। |
| ७९६३७ | नवग्रहकवचम् | | १-२। |
| ७९६३८ | नीलकण्ठस्तोत्रम् | | १-९। |
| ७९६३९ | दत्तात्रेयस्तवराजः | | ५ गणनया। |
| ७९६४० | नवग्रहस्तोत्रम् | व्यासः | १। |
| ७९६४१ | नवग्रहस्तवः | | १। |
| ७९६४२ | नवग्रहस्तोत्रम् | व्यासः | १-२। |
| ७९६४३ | रामस्तवराजः | | १-३। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८.५×३.७ | ८ | २८ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| १०.६×४ १ | ८ | ४५ | ,, | ,, | १९१८ | ,, | टी०---वेदान्तसिद्धान्तदीपिका, हस्तामलकदीपिका वा । |
| १२.८×३ ६ | ५ | ४६ | व. | ,, | | ,, | कुब्जिकातन्त्रोक्तम् । |
| १२.४×३.६ | ७ | ६५ | ,, | ,, | | ,, | ,, |
| ११×७.४ | १६ | ४१ | ,, | ,, | | ,, | दुर्गाया: । |
| १३.४×५.४ | ११ | ५५ | दे.ना. | ,, | १९४५ | ,, | स्कन्दपुराणोक्तम् । |
| १३.४×५.४ | ११ | ५४ | ,, | ,, | १९४५ | ,, | ब्रह्माण्डपुराणोक्तम् । |
| १३.५×४.५ | ११ | ५५ | व. | ,, | | ,, | आपदुद्धारकं, कृष्णस्तोत्रञ्च । |
| १९.२×३ ६ | ९ | ९० | ,, | ,, | | अपू० | |
| ९.२×४.२ | ६ | ३६ | दे.ना. | ,, | | पू० | |
| १६.७×४ | ४ | ४० | व. | ,, | | ,, | |
| ११.४×५.७ | २२ | ५६ | दे.ना | ,, | | पू० | |
| ११.५×५.७ | १९ | ५० | ,, | ,, | | ,, | गौतमीयतन्त्रोक्तः । |
| ११.४×५.८ | १९ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×३ | ६ | ४६ | व. | ,, | व. १२८८ | ,, | |
| ११×३.६ | ६ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×४.५ | ६ | ३१ | ,, | ,, | १९४५ | ,, | |
| ११.५×३.१ | ८ | ५८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.५×३.२ | ८ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.५×३.१ | ४ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.२×५.८ | १४ | ४७ | दे.ना. | ,, | १९५३ | ,, | सनत्कुमारसंहितायाम् । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९६४४ | जितन्तेस्तोत्रम् | | १-४। |
| ७९६४५ | नीलकण्ठस्तवराजः | | १-५। |
| ७९६४६ | नीलकण्ठाष्टकम् | | १। |
| ७९६४७ | लक्ष्मीस्तुतिः | | १। |
| ७९६४८ | दत्तात्रेयकवचम् | | १-८। |
| ७९६४९ | दत्तात्रेयमहिम्नःस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ७९६५० | दत्तात्रेयद्वादशनाम-स्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९६५१ | दत्तात्रेयकवचम् | | १-७। |
| ७९६५२ | नवग्रहस्तोत्रम् | व्यासः | १-२। |
| ७९६५३ | नृसिंहकवचम् | | १। |
| ७९६५४ | नवग्रहकवचम् | | १-३। |
| ७९६५५ | नवग्रहस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९६५६ | नवग्रहयन्त्रविधिः | | १-२। |
| ७९६५७ | नवग्रहस्तोत्रम् | व्यासः | १। |
| ७९६५८ | ,, | | १। |
| ७९६५९ | नृसिंहकवचम् | | १-२। |
| ७९६६० | नवग्रहध्यानम् | | १। |
| ७९६६१ | नवग्रहस्तवः | | १-४। |
| ७९६६२ | नृसिंहकवचम् | | १। |
| ७९६६३ | भुवनेश्वरी त्रैलोक्य-विजयकवचम् | | १-१४। |
| ७९६६४ | बृहस्पतिस्तोत्रम् | | १। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ११.५×५.८ | १५ | ३७ | दे.ना | का. | | पू० | पाञ्चरात्रागमोक्तम् । |
| १३.३×२.४ | ६ | ४३ | व. | ,, | श. १७६५ | ,, | |
| ११×३.६ | ६ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| १३.३×६.९ | ३२ | २५ | दे.ना. | ,, | | ,, | साम्प्रदायिकी । |
| ११.१×४.७ | ६ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.६×५.१ | ९ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.२×३.५ | ८ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.१×४.१ | ६ | ४० | ,, | ,, | | ,, | उड्डीशरुद्रयामले । |
| ११×४.८ | ८ | ३३ | व. | ,, | | ,, | |
| १२.१×३.२ | ११ | ४३ | ,, | ,, | | ,, | |
| १२.६×३.२ | ६ | ४४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×२.९ | ६ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.५×५.५ | १२ | ३४ | दे.ना | ,, | १९१८ | ,, | |
| १२.६×२.६ | ५ | ४६ | व. | ,, | | ,, | |
| १५.३×३.१ | ७ | ७६ | ,, | ,, | | ,, | |
| १२.७×३.७ | ९ | ४४ | ,, | ,, | व.१३१९ | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| १६×३.९ | ६ | ४७ | ,, | ,, | | ,, | |
| १८.२×३.३ | ८ | ६३ | ,, | ,, | | ,, | |
| १८.२×३.७ | ९ | ८३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.२×३.६ | ७ | १२ | दे.ना | ,, | १७६४ | ,, | |
| ५.७×४.१ | ९ | १८ | ,, | ,, | १८७४<br>श.१६२८ | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९६६५ | श्रीसूक्तम् | | १-४। |
| ७९६६६ | अपराधस्तोत्रम् | | १-४। |
| ७९६६७ | रेणुकासहस्रनाम | | १-१६। |
| ७९६६८ | गङ्गादशहरास्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९६६९ | गणेशद्वादशनामस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९६७० | मङ्गलस्तवः | | १। |
| ७९६७१ | शिवनामावलीस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९६७२ | सिद्धलक्ष्मीस्तोत्रम् | | १-४। |
| ७९६७३ | दत्तात्रेयस्तोत्रम् | | १। |
| ७९६७४ | हिङ्गलाजाष्टकम् | रामचन्द्रः | १-२। |
| ७९६७५ | देवीसूक्तम् | | १-१२। |
| ७९६७६ | कालिकास्तोत्रम् | कालिदासः | १-२। |
| ७९६७७ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १-५। |
| ७९६७८ | शिवताण्डवस्तोत्रम् | रावणः | १-४। |
| ७९६७९ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १। |
| ७९६८० | द्वारकाष्टकम् | | १। |
| ७९६८१ | शिवमहिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-४। |
| ७९६८२ | शिवरामस्तोत्रम् | | १। |
| ७९६८३ | त्रिवेणीस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९६८४ | द्वादशपञ्जरिकास्तोत्रम् | ,, | १। |
| ७९६८५ | शिवताण्डवस्तोत्रम् | नारदः | १-२। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.७×३.७ | ६ | १९ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ६.५×४.१ | ९ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.३×३.७ | ८ | २७ | ,, | ,, | | ,, | पद्मपुराण । |
| ६.६×४.१ | १० | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.४×३.३ | ७ | २७ | ,, | ,, | | ,, | सरस्वतीस्तोत्रञ्च । |
| ८.९×४ | १२ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.३×४.१ | ९ | ४० | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.४×४.१ | १० | ९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×४.२ | १२ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.४×४ | ८ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.८×४.४ | ७ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.९×४.४ | ९ | ३० | ,, | ,, | | ,, | शिवस्तुतिश्च । |
| ९.१×४.२ | ८ | ३० | ,, | ,, | | ,, | वाराहपुराणे । |
| ८.१×३.८ | ५ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.२×४.५ | १० | ४४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.७×४.२ | ९ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.७×३.५ | ९ | ४० | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.४×४.६ | १० | ३५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.४×४.६ | ११ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.२×४ | २५ | १३ | ,, | ,, | १८७१ | ,, | |
| १०×४.२ | १० | ४१ | ,, | ,, | | ,, | शिवस्तोत्रञ्च । ब्रह्माण्डपुराणे । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९६८६ | देवीमानसपूजास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | ७ग. + १-३७६ + १५ गणनया। |
| ७९६८७ | मणिकर्णिकास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ७९६८८ | गुरुस्तवराजः | | १-५। |
| ७९६८९ | रामचन्द्रस्तवराजः | | १-४, ६-७, ९, ९-१३। |
| ७९६९० | सरस्वतीस्तोत्रम् | बृहस्पतिः | १-२। |
| ७९६९१ | रामस्तवः | | १-२। |
| ७९६९२ | शनिस्तोत्रम् | राजा दशरथः | १-८ + १। |
| ७९६९३ | रुद्राष्टकम् | | १-२। |
| ७९६९४ | शिवरामस्तोत्रम् | रामानन्दसरस्वती | १-२। |
| ७९६९५ | हनुमत्कवचम् | | १-३। |
| ७९६९६ | वैकृतिकरहस्यम् | | १-४। |
| ७९६९७ | रामचन्द्रस्तवराजः | नारदः | १-१६। |
| ७९६९८ | शीतलास्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९६९९ | मणिकर्णिकास्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९७०० | नारायणस्तोत्रम् | कश्यपः | १-४। |
| ७९७०१ | शिवताण्डवस्तोत्रम् | दशग्रीवः | १-३। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९ ६×४.३ | ७ | २२ | दे.ना. | का. | | पू० | आत्मबोधः, उत्तरगीता, अष्टावक्रगीता, निरालम्बोपनिषत्, अपरोक्षानुभूतिः, सरस्वतीस्तोत्रं, महावाक्यसंग्रहः, अधिकरणमाला, रामगीता सटीका, भगवद्गीता, विरजाहोमविधिः, परमहंसस्तवः, विष्णुपञ्जरस्तोत्रम्, हरिनाममाला, विष्ण्वष्टाविंशतिनामस्तोत्रं, चक्रपाणिस्तोत्रम्, दशश्लोकी, भजगोविन्दस्तोत्रं शिवाम्बुकल्पञ्च; पुटबद्धोऽयंग्रन्थः । |
| ६ ३×३.३ | ८ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७×३.३ | ७ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.८×३.१ | ८ | २० | ,, | ,, | | अपू० | |
| ६.४×३.२ | ७ | २२ | ,, | ,, | | पू० | लिङ्गपुराणोक्तम् । |
| ६.८×३.१ | ७ | १९ | ,, | ,, | | ,, | अध्यात्मरामायणोक्तम् । |
| ७.८×३.७ | ७ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.७×४.२ | ९ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.७×३.८ | ७ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.६×३.८ | ११ | ४३ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामलोक्तम् । |
| ८.४×४.५ | ७ | २५ | ,, | ,, | | ,, | दुर्गासप्तशत्याः रहस्यत्रयान्तर्गतम् । |
| ७ २×४.५ | ७ | १५ | ,, | ,, | | ,, | सनत्कुमारसंहितास्थः । |
| ७×४.२ | ९ | २३ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणोक्तम् । |
| ८.७×४ | ९ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.७×४.४ | ७ | २५ | ,, | ,, | | ,, | महाभारतोक्तम् । |
| ७.८×४.१ | ९ | २९ | ,, | ,, | १८४१ | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९७०२ | नवग्रहस्तोत्रम् | व्यासः | १। |
| ७९७०३ | दत्तात्रेयाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९७०४ | दत्तगोरक्षकवचम् | | १। |
| ७९७०५ | दत्तात्रेयस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९७०६ | " | | १। |
| ७९७०७ | दत्तात्रेयकवचम् | | १-५+१। |
| ७९७०८ | दत्तात्रेयाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९७०९ | नवग्रहकवचम् | | १-२। |
| ७९७१० | नवग्रहस्तोत्रम् | | १-४। |
| ७९७११ | " | व्यासः | १। |
| ७९७१२ | दत्तात्रेयस्तोत्रम् | नारदः | १-६। |
| ७९७१३ | " | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९७१४ | नवग्रहस्तोत्रम् | व्यासः | १। |
| ७९७१५ | " | " | १-२। |
| ७९७१६ | " | " | १। |
| ७९७१७ | " | " | १। |
| ७९७१८ | " | " | १। |
| ७९७१९ | " | | १। |
| ७९७२० | दण्डपाणिस्तोत्रम् | | १। |
| ७९७२१ | दत्तात्रेयस्तोत्रम् | नारदः | १। |
| ७९७२२ | निर्विकारस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.२×३.८ | ११ | २२ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ८.१×५.२ | २२ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| १६.३×१०.७ | ३५ | १८ | ,, | ,, | | ,, | दत्तात्रेयमालामन्त्रप्रयोगः, दत्ता-त्रेयोपनिषच्च । |
| ५.९×३.६ | ८ | १७ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ७.८×४ | ८ | २५ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डीयम् । |
| ५×३.२ | ६ | १५ | ,, | ,, | | अपू० | शिवध्यानञ्च । |
| १२.१×८.३ | २१ | १७ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.४×३.४ | ५ | १७ | ,, | ,, | | , | रुद्रयामलतन्त्रे । |
| ५.१×३.२ | ५ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.९×३.५ | १० | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.२×३.३ | ५ | १२ | ,, | ,, | | ,, | |
| १८.५×४.३ | ३८ | १३ | ,, | ,, | | ,, | दत्तात्रेयाष्टकञ्च । |
| ७.३×३.५ | ९ | ३० | ,, | ,, | १९३८ श.१८०३ | ,, | |
| ७.५×४.२ | ७ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.८×३.४ | ९ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.६×४.३ | १० | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| १२.१×५ | २६ | १५ | ,, | ,, | | ,, | पिण्डदाननिर्णयश्च । |
| ६.२×४.८ | २१ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.४×३.५ | १० | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.९×४.३ | १० | २८ | ,, | ,, | | ,, | नारदपुराणे । |
| ७.१×४.५ | ११ | २२ | ,, | ,, | | ,, | नारायणजपविधिश्च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९७२३ | नवग्रहस्तोत्रम् | व्यासः | १-२। |
| ७९७२४ | " | " | १-२। |
| ७९७२५ | कृष्णकवचम् | | १-३। |
| ७९७२६ | नवग्रहस्तोत्रम् | व्यासः | १-६। |
| ७९७२७ | शीतलास्तोत्रम् | | १-९। |
| ७९७२८ | गणेशभुजङ्गस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ७९७२९ | वश्यवाराहीस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९७३० | श्रीरामस्तवराजः | | १-९। |
| ७९७३१ | शनिस्तोत्रम् | | १-४। |
| ७९७३२ | विन्दुतर्पणस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-४। |
| ७९७३३ | माहेश्वरकवचम् | | १-६। |
| ७९७३४ | वेङ्कटेशसहस्रनामावलिः | | २४ गणनया। |
| ७९७३५ | रामरक्षास्तोत्रम् | | ६ गणनया। |
| ७९७३६ | कालिकाकवचम् | | १-५। |
| ७९७३७ | शनिस्तोत्रम् | | १-७। |
| ७९७३८ | महावाक्यसिद्धान्तस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-३। |
| ७९७३९ | शीतलाष्टकम् | | १-५। |
| ७९७४० | विष्णुशतनाम | | १-२। |
| ७९७४१ | शिवस्तोत्रम् | मार्कण्डेयः | १-२। |
| ७९७४२ | " | | १। |
| ७९७४३ | बटुकभैरवकवचम् | | १-३। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७×४ | ६ | १५ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ६.२×४.२ | ९ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.१×३.५ | ६ | २० | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्मवैवर्ते कृष्णखण्डे । |
| ६.४×३.२ | ५ | १३ | ,, | ,, | १८४१ | ,, | नवग्रहमन्त्राश्च । |
| ६.९×३.३ | ४ | १२ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ८ २×४ | १० | ३५ | ,, | ,, | | ,, | वासुदेवाष्टकञ्च । |
| ८.५×४.५ | ७ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.७×४.२ | ९ | ३० | ,, | ,, | | ,, | विष्णुपूजाविधिश्च । सनत्कुमार-सहितान्तर्गतः । |
| ८.३×४ | ९ | २९ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे प्रभासखण्डे । |
| ६.३×४ | ८ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×३.१ | ७ | १८ | ,, | ,, | १८७१ | ,, | |
| ६.२×३.४ | २१ | ८ | ,, | ,, | | ,, | श्रीकृष्णाष्टोत्तरशतनामावली-सहितम् । |
| ६.२×३.८ | ८ | १४ | ,, | ,, | | ,, | पद्मपुराणे । |
| ६×३.३ | ७ | ५४ | ,, | ,, | | ,, | शत्रुनाशनम् । |
| ५.७×४ | ९ | १२ | ,, | ,, | १८३४ | ,, | |
| ५.७×३.३ | ७ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.६×४.३ | ६ | १५ | ,, | ,, | १८५८ | ,, | विष्णुपुराणोक्तम् । |
| ८.२×३.९ | ७ | २८ | ,, | ,, | १८३५ | ,, | |
| ८×३.१ | ९ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.१×४.१ | १० | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×३.९ | ८ | २१ | ,, | ,, | १८२२ | ,, | रुद्रयामले । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९७४४ | माहेश्वरकवचम् | | १ २। |
| ७९७४५ | गुरुस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९७४६ | पादुकापञ्चकं सटीकम् | | १-६। |
| ७९७४७ | दारिद्र्यदहनस्तोत्रम् | वशिष्ठः | १-४। |
| ७९७४८ | विष्णुसहस्रनाम | | १६ गणनया। |
| ७९७४९ | गङ्गालहरी | | ४-१८। |
| ७९७५० | महामारिकास्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९७५१ | हनुमत्स्तोत्रम् | | १-६। |
| ७९७५२ | सदाशिवस्तोत्रम् | | १। |
| ७९७५३ | बटुकभैरवस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९७५४ | ताराकवचम् | | १-९। |
| ७९७५५ | सावित्रीस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९७५६ | श्यामास्तोत्रम् | | १। |
| ७९७५७ | भगवतीस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-४। |
| ७९७५८ | गुरुस्तोत्रम् | | १। |
| ७९७५९ | गायत्रीस्तोत्रम् | | १-६। |
| ७९७६० | विष्णुसहस्रनाम | | १-२०। |
| ७९७६१ | अन्नपूर्णास्तोत्रम् | | १। |
| ७९७६२ | भुवनेशीभकारादिसहस्र-नाम | | १-१०। |
| ७९७६३ | परमेश्वरप्रार्थनास्तोत्रम् | | १। |
| ७९७६४ | गौर्यष्टोत्तरशतनाम-स्तोत्रम् | | १-८+८ गणनया। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १७×३.९ | १० | ६३ | व. | का. | | पू० | |
| ६.४×४ | १० | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३.५×३ ६ | १० | ६३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.१×४.३ | ५ | १६ | दे.ना. | ,, | १९३८ | ,, | |
| ७.१×३.६ | १८ | ६ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ५.९×३.९ | १६ | ७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४ | ८ | २६ | ,, | ,, | | पू० | देवीपुराणोक्तम् । |
| ६.४×३.२ | ५ | १७ | ,, | ,, | १८७६ | ,, | |
| ९×३.३ | ८ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.८×३.२ | ५ | ३६ | व. | ,, | | ,, | |
| ९.८×३.२ | ५ | ४० | ,, | ,, | | अपू० | |
| ८.५×५.३ | १५ | २६ | ,, | ,, | | पू० | गायत्रीकवचं, शापविमोचनञ्च । |
| ८.२×३.१ | ९ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | वीरकल्पे । |
| ८.३×३.४ | ६ | २९ | ,, | ,, | श. १७७५ | ,, | |
| ८×३.३ | ८ | २८ | ,, | ,, | | ,, | कुब्जिकातन्त्रे । |
| ८ ३×३.१ | ५ | ३० | ,, | ,, | | ,, | परमार्थदेवतास्तोत्रं; रुद्रयामले । |
| १०.२×३.३ | ५ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३.३×४.१ | १२ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | अन्नपूर्णापूजा च । |
| ६.७×४ २ | १२ | ३२ | ,, | व. | | अपू० | |
| ५.४×११.३ | ३५ | २४ | दे.ना. | ,, | | पू० | सर्वदेवतात्मकम् । |
| ३.४×१.५ | ४ | १३ | ,, | ,, | १९२८ | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
| --- | --- | --- | --- |
| ७९७६५ | श्रीकृष्णाष्टोत्तरशत-नामानि | | १-३। |
| ७९७६६ | शिवताण्डवस्तोत्रम् | रावणः | १। |
| ७९७६७ | गायत्रीपुरश्चरणफलम् | | १-६। |
| ७९७६८ | नवग्रहस्तोत्रम् | वशिष्ठः | १। |
| ७९७६९ | गोविन्दाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-४। |
| ७९७७० | सूर्यसहस्रनामस्तोत्रम् | | १-९। |
| ७९७७१ | अपामार्जनस्तोत्रम् | | १-११। |
| ७९७७२ | अर्गलास्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९७७३ | सौमित्रिकवचम् | | १। |
| ७९७७४ | महिमःस्तोत्रं सटीकम् | पुष्पदन्तः | १-१४। |
| ७९७७५ | गङ्गाभक्त्यर्णवाष्टकं सटीकम् | | १। |
| ७९७७६ | विश्वेश्वरविजयदण्डकम् | गङ्गाधरेन्द्रः | १-१०। |
| ७९७७७ | दक्षिणकालिकाकवचम् | | १-५। |
| ७९७७८ | दक्षिणकालिकास्तवः | | १। |
| ७९७७९ | दारिद्र्यशमनस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९७८० | दण्डपाण्यष्टकम् | | १-२। |
| ७९७८१ | दण्डपाणिस्तोत्रम् | | १। |
| ७९७८२ | दण्डपाण्यष्टकम् | | १-२। |
| ७९७८३ | ,, | | १-२। |
| ७९७८४ | जगन्मङ्गलकवचटीका | शम्भुनाथः | १-२। |
| ७९७८५ | बृहस्पतिस्तोत्रम | | १-२। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९.२×४.२ | ७ | २८ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ४.४×९.४ | ४५ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.८×३.२ | ७ | १४ | ,, | ,, | १९०५ | ,, | |
| ९.५×४.४ | १० | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.५ | ८ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९×४.२ | ७ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.६×४.१ | १२ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.४×४.६ | ७ | २८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.५×५.६ | १५ | ४० | ,, | ,, | | ,, | राष्ट्रीयस्तोत्रञ्च । |
| १५×३.३ | ८ | ७६ | . | ,, | | ,, | |
| १८.८×४ | १६ | ९८ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.५×४.५ | १२ | ३८ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ४.५×३.५ | ५ | ११ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.२×३.८ | १४ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.२×४.३ | ८ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.१×४.३ | ७ | २२ | ,, | ,, | १९७४ | ,, | |
| ६.४×४.५ | १३ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.१ | ८ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.७×२.५ | ७ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| १४×४ २ | १६ | ७२ | व. | ,, | | ,, | टी०—तत्त्वप्रकाशिनी । |
| ५.८×३.३ | ७ | १७ | दे.ना. | ,, | | ,, | स्कान्दम् । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९७८६ | बृहस्पतिस्तोत्रम् | | ६-१९ । |
| ७९७८७ | शिवशक्तिप्रीतिस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-३ । |
| ७९७८८ | शीतलास्तोत्रम् | | १-२ । |
| ७९७८९ | रामरक्षास्तोत्रम् | | १-६ । |
| ७९७९० | विश्वेश्वरस्तोत्रम् | वेदव्यासः | १ । |
| ७९७९१ | रामचन्द्रस्तवराजः | | १-११ । |
| ७९७९२ | सर्वसिद्धिस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १ । |
| ७९७९३ | वन्दीदेवीस्तोत्रम् | | १-३ । |
| ७९७९४ | वन्दीमोचनस्तोत्रम् | | १-३ । |
| ७९७९५ | दण्डपाण्यष्टकम् | | १-२ । |
| ७९७९६ | ,, | | १ । |
| ७९७९७ | ,, | | १ । |
| ७९७९८ | देवाधिदेवस्तोत्रम | शङ्कराचार्यः | १ । |
| ७९७९९ | कालिकास्तवराजः | | १-२ । |
| ७९८०० | एकाक्षरीस्तुतिः | | १ । |
| ७९८०१ | आपदुद्धारकबटुकभैरव-स्तोत्रम् | | १=(२), ३-५ । |
| ७९८०२ | दक्षिणास्तोत्रम् | | १-२ । |
| ७९८०३ | शिववर्म | | १-८ । |
| ७९८०४ | शिवमहिम्नःस्तोत्रम् | | १-५ । |
| ७९८०५ | पञ्चाम्नायस्तोत्रम् | | १, १-८ । |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५.९×४ | ९ | १७ | दे.ना. | का. | | पू० | भृगु-शनि-राहु-केतुस्तोत्राणि च । |
| ८.७×३.५ | ६ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.४×३.८ | ९ | ३० | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणोक्तम् । |
| ७.२×४.१ | ८ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.९×३.८ | १० | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.७×४.४ | ७ | २७ | ,, | ,, | | ,, | सनत्कुमारसंहितायाम् । |
| २४×५.३ | ६६ | २५ | ,, | ,, | | ,, | षडक्षरस्तोत्रं, नवग्रहस्तोत्रं, अभङ्ग-पदं, बालमुकुन्दाष्टकञ्च । |
| ६.५×३.१ | ४ | १५ | ,, | ,, | १८७४ | ,, | |
| ८.५×३.४ | ८ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.९×३.८ | ८ | ३० | व. | ,, | | ,, | |
| ८.५×४.१ | १२ | ३१ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ९.३×३.८ | १० | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.९×४.८ | ११ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.५×३.२ | ६ | ३४ | व. | ,, | | ,, | |
| १०.९×३.५ | ४ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | रक्षाकालीध्यानञ्च । |
| १२.५×४ | ६ | ५६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.२×४.३ | ७ | ३२ | दे.ना. | ,, | | ,, | देवीभागवते । |
| ७.५×४.८ | ९ | २३ | ,, | ,, | १९१६ | ,, | स्कन्दपुराणे ब्रह्मोत्तरखण्डे । |
| १०.५×५.२ | १० | ३२ | ,, | ,, | १८०२ | ,, | |
| ११×५ | ११ | ४० | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामलोक्तज्वालामुखीस्तवः, दक्षिणकालिकास्तोत्रं, कुमारी-पूजाविधिः, ज्वालामुखीकवचञ्च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९८०६ | विष्णुसहस्रनाम सविवृतिः | शङ्कराचार्यः | १-५३। |
| ७९८०७ | गुरुपादुकास्मृतिस्तोत्रम् | | १-२, ४। |
| ७९८०८ | रामकवचम् | | १-५। |
| ७९८०९ | शिववर्म | | १-८। |
| ७९८१० | मृत्युञ्जयस्तोत्रम् | | १-५। |
| ७९८११ | देवीस्तुतिः | | १। |
| ७९८१२ | महालक्ष्मीहृदयम् | | १-९। |
| ७९८१३ | हरिहरस्तवः | | १-३। |
| ७९८१४ | सौन्दर्यलहरी | शङ्कराचार्यः | १-४२। |
| ७९८१५ | शङ्कराचार्यष्टोत्तरशत-नाम | | ८ गणनया। |
| ७९८१६ | शिवसहस्रनाम सटीकम् | | १-६४। |
| ७९८१७ | गणपतिकवचम् | | १-३। |
| ७९८१८ | बालरक्षास्तोत्रम् | | १-४। |
| ७९८१९ | बटुकभैरवस्तोत्रम् | | १-५+१। |
| ७९८२० | बृहस्पतिस्तोत्रम् | | १। |
| ७९८२१ | शालुवेशकवचम् | | १-३, ३-८। |
| ७९८२२ | राधास्तोत्रटिप्पणी | | १-३६। |
| ७९८२३ | निजानन्दषट्कम् | तुरजारामः | १। |
| ७९८२४ | ब्रह्मस्तवराजः | दत्तात्रयः | १-२। |
| ७९८२५ | शिवविंशतिकम् | उपमन्युः | १-२। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ११.९×४.७ | ११ | ३८ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ८.३×४.२ | ७ | २२ | ,, | ,, | | अपू० | वामकेश्वरतन्त्रे । |
| ८.८×३.९ | ६ | २५ | ,, | ,, | | पू० | |
| १०.८×४.६ | ९ | २९ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे ब्रह्मोत्तरखण्डे । |
| १०.५×४.६ | १२ | २६ | ,, | ,, | | ,, | महाकालशनिशान्त्यर्थम्, मार्त्तण्डभैरवतन्त्रे । |
| ११.५×४.५ | १४ | ४५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.६×४.२ | ७ | ३० | ,, | ,, | | ,, | अथर्वणरहस्ये उत्तरभागे । |
| १०.८×५.६ | १३ | ३७ | ,, | ,, | | ,, | हरिवंशोक्तः, भारतसावित्री च । |
| ७.२×४.४ | ५ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.२×४.८ | ८ | २६ | ,, | ,, | | ,, | गुरुभाष्यकाराष्टकं, शङ्कराचार्याष्टकं, शङ्करस्तुतिः, भगवाद्भाष्यकाराष्टकञ्च देशीभाषयाम् । |
| १२.६×४.८ | ११ | ३१ | ,, | ,, | १८५३ | ,, | |
| ९.६×४.१ | ९ | ३७ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामलोक्तम् । |
| ११×४.८ | ९ | ४० | ,, | ,, | | ,, | प्रयोगसारे । |
| १३×४.३ | ७ | ५७ | व. | ,, | | ,, | |
| ९.३×४.६ | २३ | १८ | दे.ना. | ,, | | ,, | अन्ते सुभाषितम् । |
| ८.४×४.४ | ९ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.९×४.२ | ८ | २७ | ,, | ,, | १८३५ | ,, | राधातोषिण्याख्या । |
| ६.२×४ | १२ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५×३.३ | ८ | २३ | ,, | ,, | | ,, | स्वप्रकाशलिङ्गवर्णनञ्च । |
| ६ ६×४ २ | ११ | २९ | ,, | ,, | श. १८०३ | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९८२६ | उल्कास्तोत्रम् | | १। |
| ७९८२७ | नारायणकीर्तनम् | | १-३। |
| ७९८२८ | विजयालहरीस्तोत्रम् | | १-४। |
| ७९८२९ | हस्तामलकस्तोत्रम् | | १-१०। |
| ७९८३० | वेदस्तुतिः | | १-४६। |
| ७९८३१ | लघुस्तोत्रं सटीकम् | | १-३१। |
| ७९८३२ | स्तोत्रसङ्ग्रहः | | १६ गणनया। |
| ७९८३३ | हयग्रीवदण्डकम् | | १-७। |
| ७९८३४ | दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | ५५ गणनया। |
| ७९८३५ | परमाद्वयद्वादशिका | नागविपश्चित् | ६ गणनया। |
| ७९८३६ | मानसोल्लासः | | १-१४। |
| ७९८३७ | आनन्दलहरी | शङ्कराचार्यः | १-१३। |
| ७९८३८ | देवीस्तुतिः | | १-२। |
| ७९८३९ | चण्डीटीका | विद्यासागरः | १-६२। |
| ७९८४० | स्तवचिन्तामणिः | बाणभट्टः | १४ गणनया। |
| ७९८४१ | इन्द्राक्षीपटलस्तोत्रम् | | १-१८। |
| ७९८४२ | राज्ञीदेवीस्तुतिः | | १। |
| ७९८४३ | वाणलिङ्गस्तोत्रम् | | १। |
| ७९८४४ | राहुमहाग्रहकवचम् | | १२९-१३०। |
| ७९८४५ | आनन्दलहरीटीका | जगदीशः | १-६१। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३×९ | १७ | ३२ | दे.ना. | का. | | पू० | मेरुतन्त्रे कैलाशखण्डे । |
| ८×४.८ | ९ | १९ | ,, | ,, | १९०३ | ,, | |
| ९.४×४.४ | ७ | २३ | ,, | ,, | १९१४ | ,, | |
| ५.२×७.४ | १४ | १४ | शा. | ,, | | ,, | |
| ५.५×७ | १६ | १२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.७×६.५ | १६ | १३ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ९.३×३.१ | ३५ | ६ | ,, | ,, | | पू० | |
| ८.३×५.८ | २२ | १६ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ९×३ | २९ | ४ | शा. | ,, | | अपू० | वर्णाद्वयमयीसंज्ञावृत्तिः परमार्थसार-संग्रहटीका च । |
| ९×३ | ६ | ३५ | ,, | ,, | | पू० | परमार्चनत्रिंशिकाभक्तिविलासः । |
| ६.७×११.९ | ३७ | १२ | ,, | ,, | | ,, | दशमोल्लासान्तः । दक्षिणामूर्ति-स्तोत्रार्थप्रतिपादकः । |
| १४×३.२ | ५ | ४५ | व. | ,, | | ,, | |
| १४.६×२.५ | ५ | ५२ | ,, | ,, | | ,, | भृङ्गाष्टकञ्च । |
| १३.८×३.४ | ८ | ६४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×४.१० | ९ | १३ | शा. | ,, | | ,, | |
| ९.×४.९ | १६ | ३७ | दे.ना. | ,, | | ,, | रुद्रयामले ब्रह्माण्डखण्डे, वज्रसार-निरूपणे । |
| ६९.५×४.६ | २०४ | १७ | शा. | ,, | | ,, | सन्तोसिंहपुत्रस्य जन्मपत्रम् । |
| ८.२×२.५ | ११ | ५१ | व. | ,, | | ,, | वाणलिङ्गध्यानं तत्प्रशंसा च । |
| १३.३×३ | ७ | ४८ | ,, | ,, | | ,, | |
| १४.१×३.८ | ७ | ५१ | ,, | ,, | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९८४६ | शिवपञ्चाक्षरस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९८४७ | तारासहस्रनाम | | १-२४। |
| ७९८४८ | कालिकासहस्रनाम | | १-५८। |
| ७९८४९ | सन्तव्यावली | | १-४८। |
| ७९८५० | एकादशमुखहनुमत्कवचम् | | १-९। |
| ७९८५१ | हयग्रीवकवचम् | | १। |
| ७९८५२ | शिवापराधस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ७९८५३ | शिवमहिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-१४। |
| ७९८५४ | रामसहस्रनाम | | १-१७। |
| ७९८५५ | शिवमहिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-९। |
| ७९८५६ | दत्तात्रेयहृदयस्तोत्रम् | कुमारः | १-६। |
| ७९८५७ | विष्णुशतनामस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९८५८ | सरस्वतीस्तोत्रम् | आश्वलायनः | १-७। |
| ७९८५९ | सिद्धसरस्वतीस्तोत्रम् | | १-१०। |
| ७९८६० | सर्वोत्तमस्तोत्रम् | अग्निकुमारः | १-९। |
| ७९८६१ | कालीसहस्रनामटीका | | १-११। |
| ७९८६२ | सिद्धलक्ष्मीस्तोत्रम् | | ४ गणनया। |
| ७९८६३ | शिवमहिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-१२। |
| ७९८६४ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १-१७+१। |
| ७९८६५ | मारुतिमहाकवचम् | | १-५। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ४.२×१.९ | ७ | २० | दे.ना. | का. | | पू० | रुद्रयामले। |
| ९.३×२.८ | ६ | ३३ | व. | ,, | | ,, | बालाविशालतन्त्रे। |
| ८×५.२ | ९ | १५ | ,, | ,, | १८९१ | ,, | |
| ११×४.६ | १० | ४३ | ,, | ,, | १८३० | ,, | |
| ५.५×३ | ६ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×३.८ | १५ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×४.८ | १५ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.१×४.३ | ६ | १६ | ,, | ,, | १९२४ | ,, | |
| ६.६×४.१ | ९ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.८×२.९ | ६ | २२ | ,, | ,, | १७४३ | ,, | |
| ६.९×४.५ | ७ | २१ | ,, | ,, | श. १८०४ | ,, | |
| ६.५×४.१ | ८ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.९×४.१ | ६ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७×५.१ | ६ | १६ | ,, | ,, | १९३४ श. १७९७ | ,, | |
| ७.५×४.७ | ८ | १४ | ,, | ,, | | ,, | वल्लभाष्टकं, प्रेमामृतनाममञ्जरी च। |
| १२.१×३.९ | ८ | ५७ | व. | ,, | | ,, | टी०—स्तुतिरत्नाख्या। |
| ५.५×४.३ | ९ | १९ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ६.१×५.७ | ९ | १४ | ,, | ,, | १९३१ | ,, | |
| ६.९×४.७ | १३ | १२ | ,, | ,, | | ,, | सौन्दर्यलहरी च। |
| ९.१×५ | १० | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९८६६ | हस्तामलकस्तोत्रं सटीकम् | | १-९। |
| ७९८६७ | सिद्धलक्ष्मीस्तोत्रम् | | ४ गणनया। |
| ७९८६८ | शिवार्याशतकम् | | ३ गणनया। |
| ७९८६९ | शीतलाष्टकम् | | १-३। |
| ७९८७० | शिवाष्टकम् | | १, १, १-२। |
| ७९८७१ | सङ्कटास्तोत्रम् | | १। |
| ७९८७२ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-११। |
| ७९८७३ | रामरक्षास्तोत्रम् | | १-६। |
| ७९८७४ | महागणपतिस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९८७५ | बालकृष्णाष्टकम् | | १। |
| ७९८७६ | बलभद्रकवचम् | | १-२। |
| ७९८७७ | बलदेवाष्टकम् | कृष्णानन्दः | १। |
| ७९८७८ | भैरवनीराजनस्तोत्रम् | | १। |
| ७९८७९ | विष्णुशतनामस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९८८० | गणपतिस्तोत्रम् | | १। |
| ७९८८१ | अन्नपूर्णास्तोत्रम् | | १। |
| ७९८८२ | दुर्गाकवचम् | | १। |
| ७९८८३ | शिवकवचम् | | १। |
| ७९८८४ | श्रुतिसारसमुद्धरणम् | तोटकाचार्यः | १-१३। |
| ७९८८५ | बगलामुखीकवचम् | | १-३। |
| ७९८८६ | नारायणकवचम् | | १-४। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०.३×५.२ | १५ | ४१ | दे. ना. | का. | | पू० | टी०—दीपिका। |
| ६.८×४.३ | १९ | १७ | ,, | ,, | | ,,* | |
| ११×७.५ | २४ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.३×४.५ | ११ | २६ | ,, | ,, | श. १७६९ | ,, | |
| ६.१×४ | ८ | २५ | ,, | ,, | | ,, | नवग्रहस्तोत्रं, गणपतिस्तोत्रञ्च। |
| १०.५×४.५ | ११ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.५×४.५ | ८ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.३×४.५ | ८ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.८×४.५ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.१×४.४ | १० | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५×४ | ११ | १९ | ,, | ,, | | ,, | गर्गसंहितायाम्। |
| ११.२×५.१ | १२ | ४८ | ,, | ,, | | ,, | |
| १२.५×५.१ | २४ | २१ | ,, | ,, | १९२८ | ,, | |
| ६×३.३ | ५ | १७ | ,, | ,, | | ,, | विष्णुपुराणे। |
| ४.८×१३ | ३७ | १६ | ,, | ,, | | ,, | भविष्योत्तरपुराणे। |
| ९.३×२.६ | ९ | ३२ | व. | ,, | | ,, | |
| ९.८×२.४ | ७ | ४५ | ,, | ,, | | ,, | कुब्जिकातन्त्रे। |
| ८.९×३.६ | ७ | ४२ | ,, | ,, | | ,, | लिङ्गार्चातन्त्रे। |
| १०.५×४.७ | १० | ३७ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ९.८×४.४ | ११ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×४.९ | १० | ३२ | ,, | ,, | | ,, | भागवते। |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९८८७ | हनुमत्कवचम् | | १-६। |
| ७९८८८ | पञ्चमुखीहनुमत्कवचम् | | १-३। |
| ७९८८९ | हरिहरात्मकस्तवः | | १-२। |
| ७९८९० | विष्णुसहस्रनाम | | १-१५। |
| ७९८९१ | हनुमन्नामाष्टादशकम् | | १-३। |
| ७९८९२ | शिवकवचम् | | १-६। |
| ७९८९३ | दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ७९८९४ | षट्पदी सटीका | | १-७। |
| ७९८९५ | शिवमहिम्नःस्तोत्रं सटीकम् | विष्णुः | १-१५। |
| ७९८९६ | दत्तात्रेयमहिम्नःस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ७९८९७ | गुर्वष्टकम् | भवानीशङ्कर-पाठकः | १-२। |
| ७९८९८ | शिवाष्टोत्तरशतनाम | | १-२। |
| ७९८९९ | रक्षाकालिकाध्यानम् | | १। |
| ७९९०० | ब्राह्म्याद्यष्टशक्तिध्यानम् | | १। |
| ७९९०१ | सरस्वतीकवचम् | | १। |
| ७९९०२ | सप्तशती | | १, १-५१। |
| ७९९०३ | सूर्यस्तवराजः | | १। |
| ७९९०४ | विष्णुसहस्रनाम | | १-३। |
| ७९९०५ | रक्षाकवचम् | | १। |
| ७९९०६ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १। |
| ७९९०७ | हस्तामलकं सटीकम् | | १-४। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०.८×४.८ | ९ | ४० | दे. ना. | का. | | पू० | |
| १०.३×४.५ | ९ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.१×४.१ | ९ | ४९ | ,, | ,, | | ,, | हरिवंशान्तर्गतः । |
| ९ ७×४.२ | ६ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.१×३.१ | ७ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.२×४ | ८ | २८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×४.१ | १० | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| १४×५.२ | १६ | ५८ | ,, | ,, | | ,, | टी०—विद्वच्चित्तप्रसादिनी । |
| १२.३×६.२ | १५ | ३७ | ,, | ,, | | ,, | शिवरहस्यान्तर्गतम् । |
| ९.९×६.४ | ११ | २८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.४×३.८ | ७ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३×५ ७ | १० | ४० | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.३×५.५ | ८ | १७ | व. | ,, | | ,, | |
| १६.६×३.९ | ८ | ७१ | ,, | ,, | | ,, | भूतशुद्धिश्च । |
| १७.३×३.१ | १० | ७५ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.७×२.६ | ५ | ५१ | ,, | ,, | श. १७४४ | ,, | |
| १३.३×५.७ | ११ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.२×१२.८ | ३१ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×३.७ | ८ | ४७ | ,, | ,, | | ,, | मृतवत्साकवचञ्च । |
| ९.८×३ | ११ | ४० | ,, | ,, | | ,, | |
| ९×३.६ | १० | ३२ | ,, | ,, | | ,, | टी०-वङ्गभाषायाम् । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९९०८ | शरभकवचम् | | १-११। |
| ७९९०९ | मणिकर्णिकास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-४। |
| ७९९१० | हनुमत्कवचम् | | १-७। |
| ७९९११ | ,, | | १-२८। |
| ७९९१२ | दुर्गासप्तशती | | १-७४। |
| ७९९१३ | शिवकवचम् | | ५ गणनया। |
| ७९९१४ | शरभकवचम् | | १-१६। |
| ७९९१५ | रामरक्षास्तोत्रम् | विश्वामित्रः | १-८। |
| ७९९१६ | विष्णुस्तोत्रम् | | १। |
| ७९९१७ | विष्णुसहस्रनाम | | १-२६। |
| ७९९१८ | रामसहस्रनाम | | १-१०। |
| ७९९१९ | मङ्गलस्तोत्रम् | | १। |
| ७९९२० | सिद्धलक्ष्मीस्तोत्रम् | | १-४। |
| ७९९२१ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १० गणनया। |
| ७९९२२ | दुर्गासप्तशती सटीका | | २-६४। |
| ७९९२३ | सीताचरणचामरस्तोत्रं सटीकम् | श्रीनिवासाचार्यः | १-५७। |
| ७९९२४ | अपामार्जनस्तोत्रम् | | १, ३-१८, २०-३१। |
| ७९९२५ | ,, | | २-१८। |
| ७९९२६ | ,, | | २-१२। |
| ७९९२७ | ,, | | २-३, ५-९, ११-१२। |
| ७९९२८ | ,, | | १-१७। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८.८×४.२ | ९ | ४१ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ४.८×३ | ७ | १२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.२×३.७ | ६ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.३×३.९ | ६ | २२ | ,, | ,, | १९३४ | ,, | हनुमत्सहस्रनाम च । |
| ७.९×४ | ८ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.६×४.२ | १० | ३२ | ,, | ,, | | ,,* | |
| ६.५×३.६ | ८ | २० | ,, | ,, | | ,, | महाकाशभैरवकल्पे । |
| ७.३×३.८ | ६ | १८ | ,, | ,, | १९३४ | ,, | |
| १०.७×२.६ | ६ | ४४ | व. | ,, | | ,, | षोडशनामात्मकम् ब्रह्मपुराणोक्तम् । |
| ४.९×३.७ | ९ | १५ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ५.९×५.४ | १७ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.४×४.५ | ८ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.५×३.८ | ६ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.८×६ | ९ | १६ | शा. | ,, | | अपू० | |
| १३.४×७ १ | १६ | ६० | दे.ना. | ,, | १८९६ | ,, | |
| १३.९×७ | १२ | ३८ | ,, | ,, | १९१६ | पू० | टी०—धाविका । |
| ६.५×३.२ | ५ | १९ | ,, | ,, | १८७५ | अपू० | विष्णुधर्मोत्तरे । |
| ५.६×३.७ | ९ | २२ | ,, | ,, | १८३६ | ,, | ,, |
| ४.८×४.४ | ११ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×३.७ | ८ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.१×३.९ | ८ | १६ | ,, | ,, | | पू० | विष्णुधर्मोत्तरे । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९९२९ | अपामार्जनस्तोत्रम् | | १-११, १३, १३-१४। |
| ७९९३० | " | | १-५, ७-११। |
| ७९९३१ | " | | १-१३। |
| ७९९३२ | " | | १७-२२। |
| ७९९३३ | " | | १-९। |
| ७९९३४ | " | | १-२०। |
| ७९९३५ | " | | १-१४। |
| ७९९३६ | " | | १-१५, १९-२४। |
| ७९९३७ | " | | ५-८, १०-११, १६, १९। |
| ७९९३८ | " | | १-१०। |
| ७९९३९ | " | | ९-१९। |
| ७९९४० | " | | १-३। |
| ७९९४१ | " | | ३ गणनया। |
| ७९९४२ | " | | १-१७। |
| ७९९४३ | " | | १-१२। |
| ७९९४४ | शिवकवचम् | | १-२। |
| ७९९४५ | रामदुर्गस्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९९४६ | शीतलाष्टकम् | | १। |
| ७९९४७ | दत्तात्रेयाष्टकम् | | १-२। |
| ७९९४८ | विष्णुनामाष्टकम् | | १। |
| ७९९४९ | भौमस्तोत्रम् | | १-६। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७.५×४ | ८ | २० | दे.ना. | का. | | पू० | विष्णुधर्मोत्तरे । |
| ८.३×३.६ | ८ | ३० | ,, | ,, | | अपू० | ,, |
| ७×४.८ | ११ | १९ | ,, | ,, | १९१३ | पू० | ,, |
| ७.४×३.६ | ७ | २२ | ,, | ,, | १८५४ | अपू० | ,, |
| ८.६×४ | ८ | ३६ | ,, | ,, | | पू० | ,, |
| ५.६×४.१ | ८ | १५ | ,, | ,, | | ,, | ,, |
| ७.८×४.८ | ८ | २१ | ,, | ,, | | ,, | ,, |
| ६×४ | ७ | १५ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ५.४×३.६ | ७ | १८ | ,, | ,, | १६४७ | ,, | विष्णुधर्मोत्तरे । |
| ६.८×३.८ | ८ | ३० | ,, | ,, | | पू० | ,, |
| ७.९×४.३ | ८ | १७ | ,, | ,, | | अपू० | ,, |
| ७.१×४.६ | ११ | २४ | ,, | ,, | | पू० | शिवस्य, नन्दिनीकेश्वरप्रोक्तम् । |
| ७.१×४.५ | ११ | २४ | ,, | ,, | | अपू० | महागणपतेः । |
| ८.२×४.१ | ६ | २० | ,, | ,, | १८९५<br>श. १७६० | पू० | विष्णुधर्मोत्तरे । |
| ६.३×३.८ | ११ | २३ | ,, | ,, | | ,, | ,, |
| ६×३.६ | ९ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.४×३ | ५ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| १८.२×५ | ४२ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५×२.५ | ६ | १७ | ,, | ,, | १८६६ | ,, | |
| ५×२.९ | ७ | १० | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्मपुराणे । |
| ४.५×४.५ | ८ | १० | ,, | ,, | १८५७ | ,, | शनिमन्त्रजपविधिश्च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९९५० | हरिहरस्तोत्रम् | | १-४। |
| ७९९५१ | शिवकवचम् | | १-६। |
| ७९९५२ | व्यङ्कटेशकवचम् | | १-७। |
| ७९९५३ | गोविन्दाष्टकटिप्पणम् | शङ्करस्वामी | १-१७। |
| ७९९५४ | साम्बपञ्चाशिका | | १-२१। |
| ७९९५५ | रजस्वलास्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९९५६ | शूलिनीकवचम् | | १-२। |
| ७९९५७ | सूर्यस्तवराजः | | १-३। |
| ७९९५८ | गङ्गालहरी | पण्डितराज-जगन्नाथः | १-७७। |
| ७९९५९ | शिवस्तवराजः | | १-१२। |
| ७९९६० | मृत्युञ्जयस्तोत्रम् | मार्कण्डेयः | १-३, ३। |
| ७९९६१ | अपामार्जनस्तोत्रम् | | ३-३२। |
| ७९९६२ | ,, | | १-१७। |
| ७९९६३ | चर्पटपञ्जरिकास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९९६४ | ,, | ,, | १-२। |
| ७९९६५ | अपामार्जनस्तोत्रम् | | १-७। |
| ७९९६६ | ,, | | १-१२। |
| ७९९६७ | दक्षिणामूर्तिस्तोत्रटीका | | १। |
| ७९९६८ | कालभैरवाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ७९९६९ | चर्पटपञ्जरिकास्तोत्रम् | ,, | १। |
| ७९९७० | ,, | ,, | १। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७.१×३.१ | ७ | १८ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ५.४×३.८ | ७ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.४×३.८ | ८ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७×५.५ | १४ | १२ | शा. | ,, | | ,, | |
| ७×५.५ | ५ | १२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.८×४.१ | ६ | १७ | दे.ना. | ,, | | ,, | कालीप्रस्थे । |
| ९.८×४.४ | ११ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×३.२ | ७ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.७×४.३ | १० | २८ | ,, | ,, | | ,, | पीयूषलहरी वा । |
| ९.४×४.१ | ९ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.२×४.४ | ७ | २२ | ,, | ,, | | ,, | मार्कण्डेयपुराणोक्तम् । |
| ९.५×४.३ | ५ | २४ | ,, | ,, | १८९७ | अपू० | विष्णुधर्मोत्तरे । |
| ९.७×४.२ | ७ | २९ | ,, | ,, | १८५९ | पू० | ,, |
| १८.६×१०.५ | २६ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.७×५ | १० | २८ | ,, | ,, | | ,, | |
| १२.२×४.७ | ११ | ४० | ,, | ,, | | ,, | विष्णुधर्मोत्तरे । |
| ११×४.६ | ७ | २७ | ,, | ,, | १८९० | ,, | ,, |
| १५.८×५.८ | ३५ | १९ | ,, | ,, | | ,, | टी०—मराठीभाषायाम्, चतुःश्लोकीभागवतञ्च । |
| १६.६×५.१ | ११ | ५९ | व. | ,, | | ,, | शिवाष्टकञ्च . |
| १९×१३.१ | २८ | ३० | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| १३×९.८ | २९ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९९७१ | आदित्यहृदयम् | | १-२४। |
| ७९९७२ | गणपतिस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९९७३ | विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् | | १-९। |
| ७९९७४ | नवग्रहस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९९७५ | भवानीसहस्रनाम | | १-३५। |
| ७९९७६ | गङ्गासहस्रनाम | | १-१५, १७-२७। |
| ७९९७७ | शिवताण्डवस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९९७८ | गणेशस्तोत्रम् | | १-२। |
| ७९९७९ | हरिहरात्मकस्तवः | | १-२। |
| ७९९८० | रामाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ७९९८१ | महालक्ष्मीस्तोत्रम् | | ६। |
| ७९९८२ | शीतलास्तोत्रम् | | १-३। |
| ७९९८३ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्ताचार्यः | १-१५। |
| ७९९८४ | हनुमत्स्तोत्रम् | | १। |
| ७९९८५ | सङ्कष्टनाशनगणपति-स्तोत्रम् | | १। |
| ७९९८६ | महागणपतिस्तोत्रम् | व्यासः | १। |
| ७९९८७ | नीलकण्ठस्तोत्रम् | | १। |
| ७९९८८ | सूर्याष्टोत्तरशतनाम-स्तोत्रम् | | १-४। |
| ७९९८९ | वीरेश्वरस्तोत्रम् | | १। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.२×३.३ | ६ | २१ | दे.ना. | का. | १८८३ | पू० | भविष्योत्तरपुराणे । |
| ६.६×३.२ | ५ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.४×४.५ | १० | ३७ | ,, | ,, | | ,, | महाभारते । |
| ६×४ | १० | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.७×३.५ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.१×३ २ | ५ | २३ | ,, | ,, | | ,,* | |
| ८×४.९ | १० | ३१ | ,, | ,, | १८८८ | ,, | |
| १८.८×६.५ | ३१ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.४×४.३ | ९ | ३६ | ,, | ,, | १९०७ | ,, | हरिवंशमहापुराणे । |
| ८.५×२.९ | ६ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७×३.७ | १२ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.९×४.८ | ९ | २२ | ,, | ,, | १९१६ श. १७८१ | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ७×५ | १० | ९ | ,, | ,, | | ,, | |
| १२×३.७ | ३६ | २६ | ,, | ,, | | ,, | सुदर्शनसंहितायां शत्रुविध्वंसनं नाम । |
| ९.३×३ | ८ | ४४ | ,, | ,, | | ,, | नारदपुराणे । |
| ८×३.१ | ७ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०×४.१ | १० | ३२ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.५×४.८ | ११ | ३४ | ,, | ,, | १९१० | ,, | भविष्यपुराणे । ग्रहस्तोत्राणि च । |
| १०.५×६.७ | १७ | १८ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ७९९९० | नारायणहृदयम् | | १-२० (=२१), २२। |
| ७९९९१ | रामस्तुतिः | | १। |
| ७९९९२ | महाविद्यास्तोत्रम् | | १-६। |
| ७९९९३ | श्यामाकवचम् | | १-५। |
| ७९९९४ | श्यामासहस्रनामस्तवः | वैद्योपनामक-केशवः | १-८। |
| ७९९९५ | वागीश्वरीस्तोत्रम् | आश्वलायनः | १-४। |
| ७९९९६ | शीतलाष्टकम् | | १-३। |
| ७९९९७ | मङ्गलमुद्रास्तवराजः | | ३ गणनया। |
| ७९९९८ | रामसहस्रनाम | | १-६। |
| ७९९९९ | बगलामुखीस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०००० | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-५। |
| ८०००१ | माहेश्वरकवचम् | | १-२। |
| ८०००२ | रघुनाथप्रातःस्मरण-स्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०००३ | हनुमदष्टकम् | | १-४। |
| ८०००४ | राधासहस्रनामावली | | १-३३। |
| ८०००५ | कृष्णकवचम् | | १-३। |
| ८०००६ | मृत्युञ्जयकवचम् | | १-३। |
| ८०००७ | अन्नपूर्णास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-३। |
| ८०००८ | आदित्यहृदयम् | | १-१९, २१-२३, १-२६। |
| ८०००९ | गीतामालामन्त्रावली | | १-२१, २३-५९। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.५×३.९ | ८ | १४ | दे.ना. | का. | | पू० | महालक्ष्मीहृदयञ्च अथर्वणरहस्योक्तम् । |
| १७.५×६.२ | ४४ | १७ | ,, | ,, | | ,, | अध्यात्मरामायणे अहिल्याकृता । |
| ८.७×३.७ | ९ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.५×३.७ | ६ | २५ | ,, | ,, | १९६२ | ,, | भैरवीतन्त्रे । |
| ८.७×३.९ | १० | ३९ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामलतन्त्रे । |
| ८.९×३.९ | ७ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.३×३.७ | १७ | ७ | व. | ,, | | ,, | |
| ८.६×४.५ | ९ | ४२ | दे.ना. | ,, | | ,,* | |
| १०×४.५ | १० | ३७ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्मरहस्ये । |
| ९.४×४.२ | २५ | ७ | व. | ,, | | ,, | |
| १०.२×५ | ११ | ३४ | दे.ना. | ,, | १८४१ | ,, | |
| १०.७×३.७ | ११ | ४० | व. | ,, | | ,, | |
| १०×४.४ | ६ | ३५ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ६.४×३.३ | ६ | २३ | ,, | ,, | १८४० | ,, | |
| ६.५×३.२ | ६ | १७ | ,, | ,, | १८८८ | ,, | |
| ८.७×३.५ | ५ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×३.४ | ८ | २३ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ५×४.४ | १५ | १७ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.५×४ | ७ | १६ | ,, | ,, | | ,,* | भगवद्गीतामालामन्त्रः, गीता च । |
| ९×५ | ९ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८००१० | भैरवाष्टकम् | | १-३। |
| ८००११ | रामसहस्रनाम | | १-३०, १। |
| ८००१२ | गोविन्दकवचम् | | १-२। |
| ८००१३ | रामस्तवराजः | | १-१०। |
| ८००१४ | गोविन्दस्तोत्रम् | शङ्करः | १-५। |
| ८००१५ | महागणपतिस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८००१६ | काशीविश्वनाथस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-६। |
| ८००१७ | शीतलास्तोत्रम् | | १-६। |
| ८००१८ | कालिकाष्टकम् | | १-२। |
| ८००१९ | रामसहस्रनाम | | १-९। |
| ८००२० | नवग्रहस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८००२१ | राजराजेश्वरीस्तवः | | १। |
| ८००२२ | कृष्णरक्षास्तोत्रम् | | १। |
| ८००२३ | रामवल्लभास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८००२४ | त्रैलोक्यविजयकवचम् | | ३-६। |
| ८००२५ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८००२६ | शिवकवचम् | | १-११। |
| ८००२७ | देवीकवचम् | | १। |
| ८००२८ | महालक्ष्म्यष्टकम् | | १-२। |
| ८००२९ | हरिनाममाला | शङ्कराचार्यः | १-३। |
| ८००३० | गणपतिकवचम् | | १-२। |
| ८००३१ | रामकवचम् | | १-१२। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.४×३.२ | ६ | २५ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ६×३.५ | ६ | १७ | ,, | ,, | | अपू० | सीतास्तोत्रञ्च । |
| ७.९×४.२ | ८ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.८×४.४ | १० | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.५×३.६ | ६ | १३ | ,, | ,, | | पू० | |
| ७.४×३.७ | ९ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.६×३.२ | ७ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.२×३.६ | ८ | २४ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ६.५×३.१ | ८ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.३×५ | १२ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.९×४.१ | १२ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | सत्यनारायणकथा च । |
| १०.४×४.५ | २७ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.३×४.९ | १७ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ९×४.४ | ९ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.८×२.९ | ८ | १७ | ,, | ,, | | ,,* | भैरवतन्त्रे छिन्नमस्ताकल्पे । |
| ६.५×३.६ | ६ | १७ | ,, | ,, | १८५६ | ,, | |
| ६.२×३.४ | ६ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.७×४ | ९ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.९×३.४ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४×४ | १२ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.९×४.२ | ९ | १५ | ,, | ,, | | ,, | सर्वसिद्धाख्यम् । |
| ५.९×३.८ | ७ | २१ | ,, | ,, | | ,, | रामस्तवः रामाष्टोत्तरशतनाम च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८००३२ | देवीकवचम् | | १-९। |
| ८००३३ | विन्दाष्टकम् | | १। |
| ८००३४ | रामस्तवराजः | | १-८। |
| ८००३५ | राधासहस्रनाम | | १-१६। |
| ८००३६ | लक्ष्मीसूक्तम् | | १। |
| ८००३७ | शनिस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८००३८ | शिवमहिम्नःस्तोत्रं सटीकम् | | १-११। |
| ८००३९ | विज्ञाननवकम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८००४० | पञ्चमुखीहनुमत्कवचम् | | २-९। |
| ८००४१ | रामस्तवराजः | | १-१०। |
| ८००४२ | गङ्गाष्टकम् | वाल्मीकिः | १-३। |
| ८००४३ | गायत्रीभुजङ्गस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८००४४ | महानदीस्तोत्रम् | | १। |
| ८००४५ | सूर्यकवचम् | याज्ञवल्क्यः | २-३। |
| ८००४६ | सूर्याष्टोत्तरशतनाम | | १-२। |
| ८००४७ | मङ्गलकवचम् | | १-४। |
| ८००४८ | गङ्गालहरी | जगन्नाथः | १-१३। |
| ८००४९ | भौमस्तुतिः | | १। |
| ८००५० | कामरूपकवचम् | | १-६, ८। |
| ८००५१ | शरभकवचम् | | १-१०, १५-२०। |
| ८००५२ | पक्षिराजाष्टकम् | | १-२। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.४×३.३ | ७ | १४ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| १०.५×४.५ | ११ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.५×४.६ | ९ | २६ | ,, | ,, | १८३१ | ,, | सनत्कुमारसंहितायाम् । |
| १०.७×४.५ | ९ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ७×३.९ | १३ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.३×३ | १० | ३९ | ,, | ,, | १९२९ | ,, | स्कन्दपुराणे काशीखण्डे । |
| ९.५×४.४ | ११ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×४ | ७ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.७×३.२ | ७ | १६ | ,, | ,, | १८७८ | अपू० | सुदर्शनसंहितायाम् । |
| ९.३×४.६ | ६ | २७ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.५×३.३ | ७ | २१ | ,, | ,, | १९१० | ,, | |
| ८×४.१ | १२ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.१×५.६ | २३ | २० | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ३.९×६ | ६ | १५ | ,, | ,, | | अपू० | ,, |
| ६.३×४ | ९ | १९ | ,, | ,, | | पू० | महाभारते । |
| ६.७×४ | ६ | १८ | ,, | ,, | | ,, | मङ्गलस्तोत्रञ्च । |
| ६.२×४ | ७ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×३.२ | १० | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.३×३.५ | ८ | १९ | ,, | ,, | | अपू० | रुद्रयामले । |
| ५.३×३ ४ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९×४.२ | ११ | ३८ | ,, | ,, | | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८००५३ | श्लोकपञ्चकम् | | १। |
| ८००५४ | पञ्चमुखीवीरहनुमत्कवचम् | | १-६। |
| ८००५५ | दुर्गाकवचम् | | १-१५। |
| ८००५६ | षट्पदीस्तुतिः सटीका | शङ्करः | १-११। |
| ८००५७ | षट्पदीविज्ञप्तिः | गिरिधरः | १। |
| ८००५८ | भौमस्तोत्रम् | | १। |
| ८००५९ | पञ्चमुखीशिवस्तवः | | १-२। |
| ८००६० | त्रिपुरास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८००६१ | हस्तामलकम् | | १। |
| ८००६२ | मानसस्नानस्तोत्रम् | हरिहरः | १। |
| ८००६३ | रामदुर्गम् | | १। |
| ८००६४ | रामचन्द्रदशावतारस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८००६५ | शनिस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८००६६ | राजराजेश्वरपञ्जरम् | | १-१२। |
| ८००६७ | श्रीनाथकवचम् | | २-११। |
| ८००६८ | पञ्चमुखीहनुमत्कवचम् | | १-३। |
| ८००६९ | शिवाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम् | | १। |
| ८००७० | विष्णुसहस्रनाम | | १-४१। |
| ८००७१ | व्यङ्कटेशकवचम् | | १-१२। |
| ८००७२ | विष्णुपञ्जरस्तोत्रम् | | १-३। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९×४.३ | ८ | ३० | दे.ना | का. | | पू० | |
| ७.३×४.३ | ८ | २६ | ,, | ,, | १८७७ | ,, | सुदर्शनसंहितायाम् । |
| ६.५×३.४ | ६ | १६ | ,, | ,, | | ,, | कीलकञ्च । |
| १०.६×४.३ | ११ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×३.८ | १० | १८ | ,, | ,, | १८८४ | ,, | |
| ९.६×४.२ | ८ | ४० | ,, | ,, | १९१६ | ,, | |
| ८.४×४.६ | ९ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३×३ | ८ | ६६ | व. | ,, | | ,, | |
| ८.४×४.६ | १२ | २४ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ९.३×४.७ | १० | २८ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.१×४.४ | २४ | ११ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.२×३.४ | ७ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.२×३.३ | ६ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.७×४.६ | १० | १७ | ,, | ,, | १८८० | ,, | डामरतन्त्रे । |
| ६.३×४.२ | ७ | १६ | ,, | ,, | | अपू० | गुरुकवचं वा । रुद्रयामले । |
| ६.५×४ | ९ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| २१.१×६.९ | ३९ | १९ | ,, | ,, | | पू० | |
| ४.६×३.२ | ५ | १२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.१×३.५ | ६ | ११ | ,, | ,, | श. १६७७ | ,, | |
| ६.३×३.४ | ७ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८००७३ | विष्णुपञ्चमुखस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८००७४ | गजेन्द्रमोक्षः | | १-१४। |
| ८००७५ | भीष्मस्तवराजः | | १-११। |
| ८००७६ | सर्वमन्त्रोत्कीलनस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८००७७ | रुचिस्तवः | | १-९। |
| ८००७८ | विष्णुसहस्रनाम | | १-१०। |
| ८००७९ | श्यामाकवचम् | | १। |
| ८००८० | श्यामास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८००८१ | नृसिंहत्रैलोक्यमोहन-कवचम् | | १-३। |
| ८००८२ | श्यामास्तोत्रम् | | १-४। |
| ८००८३ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-१०। |
| ८००८४ | बगलामुखीस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८००८५ | सदाशिवकवचम् | | १। |
| ८००८६ | मातङ्गीशतनाम | | २। |
| ८००८७ | शनिस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८००८८ | दक्षिणकालिकास्तोत्रम् | | १। |
| ८००८९ | माहेश्वरकवचम् | | १-२। |
| ८००९० | नवग्रहस्तोत्रम् | व्यासः | १। |
| ८००९१ | शीतलाष्टकम् | | १। |
| ८००९२ | अनुभवसिद्धान्तस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-३। |
| ८००९३ | विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् | | १-१६। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.३×३.२ | ७ | २४ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ६.८×३.३ | ६ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.९×३.३ | ६ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.८×३.८ | ७ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| १५.५×३ | ४ | ७४ | व. | ,, | | ,, | |
| १४.५×३.१ | ५२ | ५ | ,, | ,, | | ,, | |
| १६.९×३.९ | ७४ | ८ | ,, | ,, | | ,, | |
| १७.२×४ | ७ | ८५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.३×३.७ | ७ | २८ | दे.ना. | ,, | | ,, | ब्रह्मसंहितायाम् । |
| १०.८×२.८ | ५ | ४२ | व. | ,, | | ,, | |
| १०×२.८ | ४ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.७×२.८ | ५ | ५४ | ,, | ,, | | ,, | |
| १४.५×३ | ७ | ४१ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३×४ | १२ | ४२ | ,, | ,, | | ,, | |
| १२.८×४ | १५ | ५६ | ,, | ,, | | ,, | |
| १८.१×३.३ | ८ | ७८ | ,, | ,, | श.१७६६ | ,, | महाकालसंहितायाम् । |
| १४.१×३.६ | ७ | ४३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.७×३.८ | ९ | ३० | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ५.८×४ | १५ | २२ | ,, | ,, | | ,, | काशीखण्डे । |
| ६.१×४.२ | ६ | ११ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.५×४.१ | ९ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८००९४ | हरिनाममालास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८००९५ | सूर्याष्टोत्तरशतनामावली | | १-१३। |
| ८००९६ | विष्णोर्दिव्यनामामृतम् | | १-२। |
| ८००९७ | रामस्तवराजः | | १-९। |
| ८००९८ | मल्लारिपञ्जरस्तोत्रम् | | १-७। |
| ८००९९ | मृत्युञ्जयस्तोत्रम् | | १। |
| ८०१०० | अष्टोत्तरशतनामानि | | १-२। |
| ८०१०१ | शिवपञ्चाक्षरी | | १। |
| ८०१०२ | विष्णुहृदयम् | | १-३०, ३२-४३, १+२, १-५४+१९+७ गणनया। |
| ८०१०३ | विष्णुपञ्जरस्तोत्रम् | | १-५। |
| ८०१०४ | शिवाष्टोत्तरशतनाम-स्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०१०५ | शिवसहस्रनाम | | ११ गणनया। |
| ८०१०६ | विष्णोर्नामसहस्रम् | | १-१२। |
| ८०१०७ | जानकीत्रैलोक्यमोहन-कवचम् | | १। |
| ८०१०८ | शालग्रामस्तोत्रम् | | १। |
| ८०१०९ | रामतत्त्वस्तोत्रम् | वशिष्ठः | १। |
| ८०११० | लक्ष्मीनृसिंहकवचम् | | १। |
| ८०१११ | ज्वरस्तोत्रम् | | १-२। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८.५×३.५ | ७ | २७ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ६.४×४ | ८ | १८ | ,, | ,, | | ,, | भगवती- शिव-गणेश-कृष्णाष्टोत्तरशतनामावली च । |
| ५.३×४.१ | ८ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.१×४ | १० | २२ | ,, | ,, | १८४० | ,, | |
| ६.१×३.६ | ७ | २० | ,, | ,, | | ,, | पद्मपुराणान्तर्गतम् । |
| १३×३.९ | ७ | २३ | ,, | ,, | १९४७ | ,, | |
| ६×४.२ | ९ | १८ | ,, | ,, | | ,, | सूर्यस्य । |
| १३.१×८.४ | १३ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×४.४ | १० | १७ | ,, | ,, | | ,, | नरकोत्तारणस्तोत्रं, दशावतारस्तोत्रं, हरिनामस्तोत्रं, विष्णुसहस्रनाम, विष्णुशतनाम, सप्तश्लोकीगीता, चतुःश्लोकीभागवतञ्च । |
| ५.५×३.२ | ६ | २० | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ८.५×४.२ | ८ | २८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.३×४ | ३१ | २१ | ,, | ,, | | ,,* | |
| १८.७×४.५ | ८ | ३४ | ,, | ,, | १९१३ | ,, | त्रुटितत्वादपूर्णम् । |
| ११.५×५.६ | १८ | ३७ | ,, | ,, | | ,, | सम्मोहनतन्त्रे हनुमत्प्रोक्तम् । |
| ११.५×५.६ | १२ | ४२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.३×५.६ | १४ | ४७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×५.६ | १८ | ४५ | ,, | ,, | | ,, | नृसिंहपुराणोक्तम् । |
| ११.५×५.७ | २० | ४६ | ,, | ,, | | ,, | गर्भस्तुतिश्च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०११२ | कृष्णशरणागतिस्तोत्रम् | गोस्वामिभट्टः | १। |
| ८०११३ | निम्बार्कस्तोत्रम् | | १। |
| ८०११४ | कृष्णाष्टोत्तरशतनाम | | १। |
| ८०११५ | नारायणाष्टकम् | | १। |
| ८०११६ | रामशतनामस्तोत्रम् | | १। |
| ८०११७ | विष्णुहृदयस्तोत्रम् | सङ्कर्षणः | १। |
| ८०११८ | रामहृदयस्तोत्रम् | | १। |
| ८०११९ | रङ्गदेवीदिव्यनामस्तवः | गोविन्ददेव-गोस्वामी | १। |
| ८०१२० | विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् | | १-१७। |
| ८०१२१ | वेदान्तस्तवः | | १-५। |
| ८०१२२ | शिवसहस्रनाम | | १-१०। |
| ८०१२३ | सूर्यकवचम् | | १। |
| ८०१२४ | दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०१२५ | यमुनाष्टकम् | | १-४। |
| ८०१२६ | विश्वनाथाष्टकम् | | १-३। |
| ८०१२७ | लक्ष्मीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०१२८ | मृत्युञ्जयस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०१२९ | सूर्यनारायणस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०१३० | महालक्ष्म्यष्टकम् | | १-२। |
| ८०१३१ | नारायणहृदयम् | | १-३८। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ११.५×५.७ | १७ | ३० | दे.ना. | का. | | पू० | कृष्णशरणस्तवः, कृष्णैकादशनाम-स्तोत्रञ्च ब्रह्मवैवर्तोक्तम् । |
| ११.४×५.७ | १७ | ४३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.४×५.७ | २२ | ५० | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.४×५.७ | १८ | ३९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.५×५.७ | १५ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | सुदर्शनसंहितोक्तम्, रामाष्टाविंश-तिनामस्तोत्रं, व्यङ्कटाष्टकञ्च । |
| ११.५×५.८ | १९ | ४५ | ,, | ,, | | ,, | विज्ञाननौका च । |
| १०.७×५.४ | १२ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.५×५.७ | २३ | ५७ | ,, | ,, | १९५९ | ,, | सुदेवी-ललिता-विशाखा-चम्पकलता-सुचित्रा- इन्दुलेखादिव्यनामस्तवः, तुङ्गविद्यानामस्तवश्च । |
| ४.५×३.२ | ९ | १७ | ,, | ,, | | ,, | महाभारते शान्तिपर्वणि । |
| ८.४×४ | १४ | ४१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.५×४ | १२ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.५×४ | २० | १६ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ९.४×४.१ | १० | ३२ | ,, | ,, | श. १७४९ | ,, | शान्तिपाठश्च । |
| ७.७×३.३ | ७ | २९ | ,, | ,, | १९३१ | ,, | |
| ५×३.२ | ४ | १२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.६×३.८ | ९ | १९ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ३.८×३.९ | ९ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.४×४.१ | ८ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.६×३.५ | ६ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.८×३.३ | ६ | १३ | ,, | ,, | | ,, | लक्ष्मीहृदयञ्च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०१३२ | शिवताण्डवस्तोत्रम् | | १। |
| ८०१३३ | विष्णुसहस्रनाम | | १-४७। |
| ८०१३४ | जयस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८०१३५ | हनुमत्कवचम् | | १-८। |
| ८०१३६ | विष्णुसहस्रनाम | | १-२०। |
| ८०१३७ | सोपानपञ्चकम् | शङ्कराचार्यः | १-४। |
| ८०१३८ | रामस्तवराजः | | १-१०। |
| ८०१३९ | प्रदोषस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०१४० | सङ्कष्टनाशनस्तोत्रम् | | १। |
| ८०१४१ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | ९-१९। |
| ८०१४२ | शिवभुजङ्गस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-४। |
| ८०१४३ | मल्लारिस्तवराजः | | ४ गणनया। |
| ८०१४४ | शिवाष्टोत्तरशतनाम | | १-३। |
| ८०१४५ | हरिहराष्टोत्तरशतनाम | | १-२। |
| ८०१४६ | विष्णुपञ्जरस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०१४७ | शिवापराधक्षमापनस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८०१४८ | दुर्गासप्तशती | | १-७४। |
| ८०१४९ | गङ्गालहरी | जगन्नाथः | १-१९, २१। |
| ८०१५० | शिवसहस्रनामस्तोत्रम् | | १-२८। |
| ८०१५१ | नृसिंहकवचम् | | १-५। |
| ८०१५२ | शालग्रामस्तोत्रम् | | १-४। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ११×५.४ | ४० | २० | दे.ना. | का | | पू० | |
| ४.६×२.९ | ५ | १३ | ,, | ,, | १८६२ | ,, | |
| ८×३.६ | ६ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.३×३.७ | ७ | ३१ | ,, | ,, | १८७७ | ,, | |
| ५.७×३.७ | ८ | १५ | ,, | ,, | १७२१ | ,, | महाभारते। |
| ४.४×३ | ५ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.६×४ | ८ | २१ | ,, | ,, | १८३७ | ,, | सनत्कुमारसंहितायाम्। |
| ५.४×३ | ५ | १४ | ,, | ,, | १९०६ | ,, | स्कन्दपुराणे ब्रह्मोत्तरखण्डे। |
| ४.४×२.६ | ८ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.६×३.५ | ५ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×४.१ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.९×३ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,,* | |
| ७.१×२.७ | ७ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.८×३.७ | ७ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.५×४.६ | ८ | ३९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.६×४.३ | ८ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.३×४.९ | १० | २३ | ,, | ,, | | ,, | सप्तशतीप्रयोगविधिश्च। |
| ६.७×३.४ | ५ | १९ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ५.९×३.९ | ७ | १९ | ,, | ,, | १७८५ | पू० | |
| ६.३×३.२ | ६ | १६ | ,, | ,, | १८९० | ,, | नृसिंहपुराणे। |
| ६.५×४.६ | ११ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०१५३ | शिवसहस्रनाम | | १-७। |
| ८०१५४ | शनिस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०१५५ | रत्नावलीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०१५६ | सूर्याष्टोत्तरशतनाम | | १-३। |
| ८०१५७ | शनिमृत्युञ्जयस्तोत्रम् | | १-९। |
| ८०१५८ | रामकवचम् | | १-३। |
| ८०१५९ | शिवाष्टोत्तरशतनाम | | १-३। |
| ८०१६० | मल्लारिस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-६। |
| ८०१६१ | मल्लारिसहस्रनाम | | १-४८+१। |
| ८०१६२ | विष्णुहृदयस्तोत्रम् | | १६ गणनया। |
| ८०१६३ | मनीषापञ्चकं सटीकम् | शङ्कराचार्यः | १-१५। |
| ८०१६४ | नवरत्नस्तोत्रम् | वल्लभाचार्यः | १। |
| ८०१६५ | शिवस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०१६६ | सप्तशतीटीका | | १-१८। |
| ८०१६७ | गुरुपादुकाष्टकम् | श्रीमन्नारायणः | १-८। |
| ८०१६८ | द्वादशज्योतिर्लिङ्ग-स्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८०१६९ | क्षमाषोडशीस्तोत्रम् | वेदान्ताचार्यः | १-२। |
| ८०१७० | निम्बार्ककवचम् | गोमुखः | १-२। |
| ८०१७१ | सीताचरणचामरस्तोत्रम् | श्रीनिवासाचार्यः | १-९। |
| ८०१७२ | शम्भोः शतनामावली | धर्मराजः | १। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.५×४.३ | १५ | २६ | दे.ना. | का. | | पू० | लिङ्गपुराणोक्तम् । |
| ११×४.५ | ९ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | अग्निपुराणे । |
| ८.४×४.५ | १७ | ४७ | ,, | ,, | श. १८८५ | ,, | रुद्रयामलोक्तम । ब्रह्मास्त्रविद्याक्रमयुतम् । |
| ११.१×५ | ११ | ४३ | ,, | ,, | | ,, | बदरीस्तोत्रञ्च । |
| ९.५×४.३ | ७ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | मार्त्तण्डभैरवतन्त्रे । |
| ९.५×४.३ | ८ | ३५ | ,, | ,, | १९०० श. १७६५ | ,, | त्रैलोक्यमोहनकवचं वा । |
| ९.५×४.३ | १० | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७×४.२ | ५ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७×४.२ | ५ | १४ | ,, | ,, | १९०१ | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ९.७×६.७ | २१ | १४ | ,, | ,, | १९९४ | अपू० | |
| ९.७×६.५ | १४ | ३५ | ,, | ,, | | पू० | टी०––पदव्याख्या । |
| १२.१×९.५ | ९ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.३×५.८ | ६ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.४×७ | १८ | ५१ | ,, | ,, | १८४७ | ,, | |
| ८.१×५.७ | ८ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.३×५.९ | १० | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.५×५.८ | १७ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | पाञ्चरात्रागमे नारायणहृदयस्तोत्रञ्च । |
| ११.४×५.७ | १७ | ३९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.५×५.७ | १४ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.५×५.७ | १२ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०१७३ | मोहिनीस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०१७४ | निम्बार्काचार्यसहस्रनाम | निम्बार्काचार्यः | १-४। |
| ८०१७५ | राममहिम्नःस्तोत्रम् | विजयरामाचार्यः | १-३। |
| ८०१७६ | रामस्तवराजः | | १-२। |
| ८०१७७ | रामरक्षास्तोत्रम् | कौशिकः | १-२। |
| ८०१७८ | युगलसहस्रनाम | | १-४। |
| ८०१७९ | शिवपदादिकेशान्तस्तुतिः | | १-४। |
| ८०१८० | विष्णोःपदादिकेशान्तस्तुतिः सव्याख्या | शङ्कराचार्यः | १-२९। |
| ८०१८१ | शिवसहस्रनाम | | १-५, १+१। |
| ८०१८२ | नीलकण्ठस्तवराजः | | १-४, १०-११, १३-१५, २२। |
| ८०१८३ | दुर्गासप्तशती | | १-५, २, ४, ६, ८-१५. ६-१७+२, १-३, १-३९, ३०-७१। |
| ८०१८४ | सप्तशतीस्तोत्रम् | | १-८८। |
| ८०१८५ | गायत्रीसहस्रनामस्तोत्रम् | | ८० गणनया। |
| ८०१८६ | सुब्रह्मण्याष्टोत्तरशतनाम | | १-८। |
| ८०१८७ | शिवस्तोत्रम् | पतञ्जलिः | १-१३। |
| ८०१८८ | महिम्नःस्तोत्रं सटीकम् | गोविन्दरामसिद्धान्तवागीशः | १-७१+१७, १-१८। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ११.४×५.७ | १८ | ४८ | दे.ना. | का. | | पू० | कृष्णस्तोत्रञ्च । |
| ११.५×५.७ | २१ | ५० | ,, | ,, | १९५९ | ,, | |
| ११.४×५.७ | १४ | ३८ | ,, | ,, | १८५९ | ,, | |
| ११.५×५.८ | १७ | ४२ | ,, | ,, | | ,, | राममन्त्रोद्धारश्च । |
| ११.५×५.७ | १७ | ३९ | ,, | ,, | | ,, | रामचन्द्रस्तुतिश्च । |
| ११×५.७ | १८ | ४२ | ,, | ,, | | ,, | नारदीयपुराणोक्तम् । |
| १२.४×६.३ | १२ | ४२ | ,, | ,, | | ,, | |
| १२.३×६.३ | १३ | ४१ | ,, | ,, | १८६८ | ,, | टी०--सुखबोधिनी । |
| १२.४×२.९ | ९ | ६४ | व. | काष्ठ. | | ,, | रुद्रयामले शिवामृतखण्डे, गङ्गा-स्तोत्रं, जगद्धात्रीदुर्गाध्यानञ्च । |
| ८.७×१.३ | ४ | ३६ | ,, | ,, | | अपू० | |
| १०.२×१.१ | ३ | ३९ | ,, | ,, | | ,, | अर्गला-कीलक-कवच- वेदोक्तदेवी-सूक्त-सिद्धयामलोक्त-चण्डीकवच-सहिता । |
| ९.४×१.६ | ४ | ३५ | ,, | ता. | श. १७१७ | पू० | |
| ९.६×१.१ | ५ | २५ | ग्र. | ,, | | ,,* | गायत्रीहृदयं, सूर्यादिकवचं, मुक्तिकोपनिषत्, स्वयंवरामन्त्रः, नवग्रहपूजा, प्रत्यङ्गिरासूक्तं, भैरवमन्त्रश्च । |
| १०.१×१ | ४ | १८ | ,, | ,, | | पू० | |
| १२.३×१.३ | ७ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | मार्कण्डेयस्तोत्रं, स्नानाङ्गदेवर्षिपितृतर्पणञ्च । |
| १४.६×१.१ | २ | ६५ | व. | ,, | | ,, | टी०—महिमप्रकाशिका । घटकर्परटीका च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०१८९ | प्रत्यङ्गिराकवचम् | | २२ गणनया। |
| ८०१९० | भगवत्स्तोत्रम् | | ४७७ गणनया +२=४७८। |
| ८०१९१ | सप्तशतीस्तोत्रम् | | १-११, १-५७, १-४+१। |
| ८०१९२ | महिम्नःस्तवराजः | पुष्पदन्तः | १-९। |
| ८०१९३ | नवग्रहस्तोत्रम् | | १-२०+१०+१। |
| ८०१९४ | मीनाक्षीपञ्चकरत्नम् | | ३१ गणनया +१-१२। |
| ८०१९५ | गङ्गासहस्रनामावलिः | | ५१ गणनया। |
| ८०१९६ | शिवस्तोत्रव्याख्या | | ६७-६८, ७१, ७४। |
| ८०१९७ | शनैश्चरस्तोत्रम् | | १-१४। |
| ८०१९८ | शनिकवचादिस्तोत्रम् | | १३७ गणनया। |
| ८०१९९ | दुर्गासप्तशती | | ९९ गणनया। |
| ८०२०० | सरस्वत्याष्टोत्तरशत-नाम | | १-३, १-८, १-२२। |
| ८०२०१ | देवीमाहात्म्यम् | | १०६ गणनया। |
| ८०२०२ | " | | ५० गणनया। |
| ८०२०३ | वेङ्कटेशसहस्रनाम | | ८३ मणनया। |
| ८०२०४ | सूर्यादिस्तोत्रसङ्ग्रहः | | २१ गणनया। |
| ८०२०५ | शिवादिस्तोत्रसङ्ग्रहः | | १४४ गणनया। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ११.२×८ | ४ | ३० | ग्र. | ता. | | अपू० | रुद्रयामलञ्च । |
| १७.५×१.१ | ८ | ८७ | त. | ,, | | ,, | |
| ११.२×१.२ | ३ | ६३ | व. | ,, | व.१३२६ | पू० | |
| ८.६×२.३ | ६ | ३२ | ,, | काष्ठ. | श. १७४१ | ,, | |
| ७.८×२.२ | ६ | २८ | ,, | ,, | | ,, | नवग्रहध्यानं, नवग्रहमन्त्राः, गङ्गासहस्रनाम च । |
| १०×६.९ | ५ | २७ | ग्र. | ता. | | अपू० | वामकेश्वरतन्त्रस्य नित्याषोडशिकार्णवश्च । |
| १०×६.१ | ६ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| १५×२ | ५ | ८७ | मै. | ,, | | ,, | |
| १३.७×१.२ | ७ | ५५ | ग्र. | ,, | | ,, | इन्द्राक्षीस्तोत्रं, पञ्चाक्षरस्तोत्रप्रजापतिस्तोत्रे च । |
| १०.५×१.१ | ६ | ३० | ,, | ,, | | ,, | यागमण्डपपूजाविधिः, सुब्रह्मण्ययागः, आशीर्वादमन्त्राश्च । |
| १०.४×१ | ३ | ४२ | व. | ,, | | ,, | |
| १५.७×१.४ | ९ | ५७ | ग्र. | ,, | | पू० | विनायकाष्टोत्तरशतनाम, सामस्वरविचारश्च । |
| १६.७×१.५ | ८ | ४२ | ,, | ,, | | ,, | राजमातङ्गेश्वरीमन्त्रजपविधिः, त्रिपुरसुन्दरीजपविधिः, महाविद्या, सूर्यनमस्कारविधिश्च । |
| ६.५×१.९ | १० | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| १२.६×१ | ५ | ४६ | ,, | ,, | | अपू० | विघ्नेश्वरादिपूजाकल्पः, अमावास्यानिर्णयः, मूर्तिलक्षणं, केदारेश्वरकल्पश्च । |
| ७.८×१.२ | १५ | ५ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३.१×१.२ | ३१ | ७ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०२०६ | देवीमाहात्म्यम् | | १-१९, २१-७४। |
| ८०२०७ | शिवसहस्रनामावलिः | | १-१६। |
| ८०२०८ | विष्णुसहस्रनाम | | १-१७+८। |
| ८०२०९ | नीलकण्ठस्तवराजः | | १-३९+७। |
| ८०२१० | सप्तशती | | १-१०, १-६०। |
| ८०२११ | नवरत्नमालिकादि-स्तोत्रम् | | ५० गणनया। |
| ८०२१२ | दुर्गासप्तशती | | १-१०, १-८३। |
| ८०२१३ | गोपालसहस्रनाम | | १-७, ९-१५। |
| ८०२१४ | देवीमाहात्म्यम् | | ४९ गणनया। |
| ८०२१५ | गणेशादिस्तोत्रम् | | २५ गणनया। |
| ८०२१६ | ललितानामावलिः | | ४४ गणनया। |
| ८०२१७ | देवीस्तोत्रम् | | ३४ गणनया। |
| ८०२१८ | विष्णुस्तोत्रम् | | १-२५। |
| ८०२१९ | दुर्गासप्तशती | | १-१९। |
| ८०२२० | गायत्रीसहस्रनाम | | १-२४+१। |
| ८०२२१ | मूकपञ्चशती | मूककविः | १-१२। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६×१.९ | १० | २० | ग्र. | ता. | | अपू० | |
| ७.६×१.१ | ७ | १३ | ,, | ,, | | पू० | |
| १२.८×१.१ | ७ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | शिवमहिम्नःस्तोत्रं, श्राद्धप्रयोगश्च। |
| १०.५×१.३ | ३ | ३१ | व. | ,, | | ,, | बटुकभैरवस्तवराजः, शिवस्तोत्रं, सूर्यकवचं, चण्डीपाठफलं, षोडशीपिण्डदानमन्त्राश्च । |
| ११×१.५ | ४ | ४० | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.८×१.१ | ६ | ४१ | त. | ,, | | ,, | सप्तर्षिपूजाविधिः, षष्टयब्दपूर्तिशान्तिः, षष्टयब्दजन्मनक्षत्रशान्तिः, धनिष्ठापञ्चकशान्तिः, षष्टयब्दपूर्तिविचारश्च । |
| १०.५×१.५ | ३ | ४८ | व. | ,, | | पू० | |
| ७.५×१.८ | ४ | ३५ | ,, | काष्ठ. | | अपू० | |
| ८.८×२ | ११ | २९ | ग्र. | ता. | | ,, | |
| १०.१×१.२ | ५ | २२ | ,, | ,, | | ,, | सोमवारपूजा, कर्मकाण्डग्रन्थविशेषश्च । बृहस्पतिस्तोत्रं, ललितात्रिशती च । |
| १३.६×१.१ | ४ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | अध्यात्मरामायणं, सुभाषितं, धातुरूपावलिः, स्तोत्रविशेषः, अमरकोशः, नीतिसारः सानुवादश्च । |
| ९.३×९ | ७ | २८ | ,, | ,, | | ,, | वैश्वदेवविधिः, नारायणोपनिषत्, आकाशभैरवकल्पश्च । |
| १२×१ | ४ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.७×१.५ | १० | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३.६×१ | ४ | ३१ | ,, | ,, | | पू० | |
| ११×१ | ६ | ३१ | ,, | ,, | | अपू० | काञ्चीकामाक्षीस्तोत्रञ्च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०२२२ | शनैः [illegible]तवः | | ६३ गणनया। |
| ८०२२३ | शिव [illegible]वः | | १-३६। |
| ८०२२४ | बटुकभैरवस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८०२२५ | शिवकामाक्ष्यादिस्तवः | | १-२१, ७६-८६। |
| ८०२२६ | सौन्दर्यलहरी | | ७२ गणनया। |
| ८०२२७ | गायत्रीस्तोत्रम् | | ९२ गणनया। |
| ८०२२८ | ललितासहस्रनाम | | १३० गणनया। |
| ८०२२९ | बालापरमेश्वरीकवचम् | | १-२७, २७-४८+५५। |
| ८०२३० | सूर्यशतकं सटिप्पणम् | | १-३४, १-७, १, २-३, २-३, १-२, १-१३, १-४, २७ गणनया+१६ गणनया। |
| ८०२३१ | दक्षिणामूर्त्यष्टकम् | | १-३, ७०-८७, ९१। |
| ८०२३२ | गायत्रीकवचम् | | १, ४, ११, १-२+९। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०×१.६ | ७ | २७ | ग्र. | ता. | | अपू० | विष्णुसहस्रनाम, सुभाषितश्लोकाश्च । |
| १२×१ | ७ | ३६ | " | " | | " | |
| ८.८×१.५ | ५ | ४१ | व. | " | | पू० | |
| ११×१ | ६ | ४० | ग्र. | " | | अपू० | |
| १३.७×८ | ४ | ३७ | " | " | | " | देवीमानसस्तोत्रं, भवानीस्तोत्रं, गणेशाष्टकं, श्यामलादण्डकं, देवीनवरत्नस्तोत्रं, भवानीस्तोत्रं, मातृकापुष्पमालास्तवश्च । |
| १३.८×१.३ | ६ | ५७ | ते. | " | | " | यन्त्रमन्त्रविचारः, मन्त्रतन्त्रविधानं, रुद्रजपमहिमा, तत्पुरुषचक्रं, कारिकाविशेषः, त्रिपुरसुन्दर्यादिमन्त्रः, शरभादियन्त्रं, वर्णभेदविचारः, स्मृतिरत्नञ्च । |
| १७×४ | ११ | ३० | ग्र. | " | | " | |
| १३.६×१.६ | १० | ४९ | " | " | | पू०* | विष्णुसूक्तं, नवग्रहमन्त्रः, दिक्पालमन्त्रः, पुण्याहवाचनं, रुद्रादिपूजा, बह्वब्दपूर्तिशान्तिप्रयोगादिश्च; जैमिनीभारते च । |
| १६×१.३ | २ | ६८ | व. | " | | पू० | महिम्नःस्तोत्रं, घटकर्परकाव्यं, आर्त्तजनक्रमस्तवः, कुण्डलिनीस्तोत्रं, महिम्नःस्तोत्रटीका, रसमञ्जरी, आनन्दलहरी, ज्योतिःसारार्णवश्चः । |
| ८.७×१.५ | ८ | २७ | ग्र. | " | | अपू० | प्रपञ्चसारसङ्ग्रहः, शब्दशास्त्रप्रवेशकः, शिवस्तवश्च । |
| ८.८×१.८ | ५ | ३४ | व. | काष्ठ. | | " | ब्राह्मणसर्वस्वे, गायत्रीन्यासकल्पः, गायत्रीनामावली च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
| --- | --- | --- | --- |
| ८०२३३ | शिवादिस्तोत्रम् | | १२३ गणनया । |
| ८०२३४ | शिवस्तोत्रम् | | ७५ गणनया । |
| ८०२३५ | भक्तगानम् | | ३२ गणनया । |
| ८०२३६ | सौन्दर्यलहरी | श्रीशङ्करभगवत्पादाः | १-४२ । |
| ८०२३७ | शिवादिस्तोत्रम् | | १३३ गणनया । |
| ८०२३८ | महिम्नःस्तोत्रम् | | १-१२ । |
| ८०२३९ | शनिस्तोत्रम् | दशरथः | १-३९ । |
| ८०२४० | पीताम्बरासहस्रनाम | | ६२ गणनया । |
| ८०२४१ | गणेशस्तोत्रम् | | १-४४ । |
| ८०२४२ | नारायणीयम् | नारायणभट्टः | १६१ गणनया । |
| ८०२४३ | तारासहस्रनाम | | २७ गणनया । |
| ८०२४४ | नारायणाष्टाक्षरीमन्त्रजपविधिः | | २४ गणनया । |
| ८०२४५ | बगलामुखीस्तोत्रम् | | १-६+१-६ । |

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १५.२×१.१ | ५ | ३४ | ग्र. | ता. | | अपू० | देवीनामावलिः, गरुडोपनिषत्, शिवतत्त्वनिधिः, दुर्गासप्तशती, शिवकवचं, ललितोपाख्यानं, वन्दनाविधिः, गायत्र्यादिध्यानञ्च । |
| ९.२×१.१ | ६ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | निरालम्बोपनिषत्, दक्षिणामूर्तिस्तोत्रं, भगवद्गीता, कठवल्ली, प्रश्नोपनिषत्, बृहदारण्यकोपनिषत्, महानारायणोपनिषत्, पाशकवली च । |
| १४×१ | ७ | २७ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६×१.४ | ७ | २१ | म. | ,, | | ,, | |
| १२.७×१ | ६ | ३८ | ग्र. | ,, | | अपू० | ललितासहस्रनामावलिः, शिवादिनामावलिश्च । |
| ८×१.३ | ३ | ३१ | व. | ,, | श. १७३३ | पू० | |
| ७.७×२.२ | १४ | २६ | ग्र. | ,, | | ,, | स्कान्दे शिवरहस्ये । |
| १०.५×१ | ६ | ३१ | ,, | ,, | | अपू० | बगलामुखीमन्त्रतन्त्रादिविषयाश्च । |
| १५×१ | ४ | ४५ | ,, | ,, | | पू० | लिङ्गाष्टकं, अमरकोशश्च । |
| ७×१.६ | ८ | ३० | म. | ,, | | ,,* | श्रीमद्भागवतं सहस्रसंख्यपद्यैः विविधछन्दोभिः सुन्दरतरपदसन्दर्भैः रचितम् । |
| १०.५×१ | ७ | ३७ | ग्र. | ,, | | अपू० | |
| ८.७×९ | २० | ५ | ,, | ,, | | पू०* | सौराष्टाक्षरीजपविधिः, पञ्चाक्षरीजपविधिः, शूलिनीदुर्गामन्त्रजपविधिः, सन्तानगोपालमन्त्रजपविधिः, सूर्यनमस्कारविधिः, सन्ध्यावन्दनविधिश्च । |
| ६.३×४ | ८ | २१ | दे.ना. | का. | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०२४६ | प्रत्यङ्गिरास्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०२४७ | महालक्ष्मीस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०२४८ | धनदास्तोत्रम् | | १-७। |
| ८०२४९ | महिम्नःस्तोत्रं सटीकम् | पुष्पदन्तः | १-९। |
| ८०२५० | मृत्युञ्जयकवचम् | | १-२। |
| ८०२५१ | महाकालभैरवस्तवराजः | | १-५। |
| ८०२५२ | गुरुस्तोत्रम् | | २, १३८-१३९। |
| ८०२५३ | " | | १। |
| ८०२५४ | सरस्वतीस्तोत्रम् | आश्वलायनः | १-८। |
| ८०२५५ | शिवाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम् | | १। |
| ८०२५६ | कात्यायनीस्तवः | | १-३। |
| ८०२५७ | गुरुपादुकास्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०२५८ | गजेन्द्रमोक्षः | | १-१२। |
| ८०२५९ | सूर्यकवचम् | | १-४। |
| ८०२६० | श्यामास्तोत्रम् | | १-११। |
| ८०२६१ | गणेशाष्टकम् | | १। |
| ८०२६२ | लक्ष्मीनृसिंहकवचम् | प्रह्लादः | १-८। |
| ८०२६३ | विश्वमातृस्तवः | | १-७। |
| ८०२६४ | पञ्चमुखीहनुमत्कवचम् | | १-७। |
| ८०२६५ | आदित्यहृदयस्तोत्रम् | | १-१४। |
| ८०२६६ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १-४। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५.६×३.९ | ११ | १५ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ५.८×४.२ | ११ | १८ | ,, | ,, | १८३५ | ,, | पद्मपुराणे। |
| ४.२×२.४ | ५ | १३ | ,, | ,, | १८२७ | ,, | |
| १२.१×६.७ | १५ | ४३ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.८×५.२ | ९ | ३३ | व. | ,, | श.१७८६ | ,, | |
| १०.८×५.३ | ८ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | महाकालकवचञ्च। शाम्भवीतन्त्रे। |
| ९.५×४.२ | ९ | ३० | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| १०×४.९ | ७ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.४×३.८ | ७ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.२×३.७ | १० | ३५ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले। |
| ५.५×५ | १२ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×४.१ | १० | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×४.७ | ९ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.४×४.२ | ८ | १२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.३×३.६ | ११ | ३१ | मै. | ,, | श.१५८१ | ,, | श्यामापूजा च। |
| ८.२×४.१ | १३ | २९ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ६.३×३.३ | ५ | १९ | ,, | ,, | १७५८ | ,, | ब्रह्माण्डपुराणान्तर्गतम्। |
| ७.२×३.५ | ७ | २७ | ,, | ,, | १७४४ | ,, | |
| ६.३×३.३ | ७ | २३ | ,, | ,, | | ,, | सुदर्शनसंहितायाम्। |
| ६.४×३.१ | ९ | २६ | ,, | ,, | | ,, | भविष्योत्तरे। |
| ५.७×३.२ | ८ | २० | ,, | ,, | १७७९ | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०२६७ | रामरक्षास्तोत्रम् | | १-१६। |
| ८०२६८ | विष्णुसहस्रनाम | | १-१४। |
| ८०२६९ | रामकवचम् | | १-४। |
| ८०२७० | अभिलाषाष्टकम् | | १। |
| ८०२७१ | भद्रकालीस्तोत्रं सटीकम् | | १-२। |
| ८०२७२ | कार्तवीर्यस्तवराजः | | १-४। |
| ८०२७३ | सूर्यस्तवराजः | | १-२। |
| ८०२७४ | दुर्गासप्तशती | | १-६०+१। |
| ८०२७५ | विष्णुसहस्रनामावली | | १-९। |
| ८०२७६ | रामकवचम् | | १-१८। |
| ८०२७७ | सङ्कष्टनाशनस्तोत्रम् | | १। |
| ८०२७८ | भवानीसहस्रनाम | | १-२१। |
| ८०२७९ | शीतलाष्टकम् | | १-३। |
| ८०२८० | सूर्यस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०२८१ | भवानीसहस्रनामस्तोत्रम् | | १-३६। |
| ८०२८२ | शिवकवचम् | | १-८। |
| ८०२८३ | शीतलास्तोत्रम् | | १-६। |
| ८०२८४ | सौन्दर्यलहरी | शङ्कराचार्यः | १-२२। |
| ८०२८५ | हयग्रीवस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०२८६ | अपामार्जनकं स्तोत्रम् | | १-१२। |
| ८०२८७ | सङ्कटास्तोत्रम् | | १। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३.४×२.५ | ६ | ७ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| १०.५×४.१ | ८ | २६ | ,, | ,, | १९२३ | ,, | |
| ७.८×५.५ | ११ | २६ | ,, | ,, | १९१८ | ,, | |
| ११×३.८ | ८ | ५७ | मै. | ,, | | ,, | |
| १२.३×४.३ | १४ | ४८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.१×४ | ११ | ५४ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.८×३.५ | ७ | २३ | व. | ,, | | ,, | सूर्यद्वादशनामानि च। |
| ६.२×३.७ | ७ | २९ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ७.१×४.३ | १० | २७ | ,, | ,, | १८२४ | ,, | |
| ७×३.७ | ६ | २५ | ,, | ,, | १९२२ | ,, | सीताकवचं, हनुमत्कवचं, लक्ष्मणकवचञ्च। |
| ८.२×३.४ | ९ | २८ | ,, | ,, | | ,, | वेदार्थसङ्ग्रहश्च। |
| ८.२×३.२ | ८ | ३३ | ,, | ,, | श.१६८५ | ,, | रुद्रयामले तन्त्रे। |
| ७.९×३.५ | ७ | २५ | ,, | ,, | १९४९ | ,, | शारदास्तोत्रञ्च। स्कन्दपुराणे। |
| ५.८×३.३ | ६ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५×३ | ३ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.७×३.३ | ९ | १७ | ,, | ,, | श. १६७८ | ,, | |
| ६.२×३.३ | ५ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९×३.७ | ४ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×५.३ | ९ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.८×४ | ७ | २७ | ,, | ,, | १९११ | ,, | |
| ९.६×४.१ | ९ | ३७ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०२८८ | पुष्कराष्टकम् | | १-२। |
| ८०२८९ | निर्वाणस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८०२९० | त्रिपुरसुन्दरीकवचम् | | १। |
| ८०२९१ | शीतलास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०२९२ | शालिग्रामस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०२९३ | गङ्गालहरी | जगन्नाथः | २९ गणनया। |
| ८०२९४ | विपरीतप्रत्यङ्गिरा-स्तोत्रम् | | १। |
| ८०२९५ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०२९६ | शरभकवचम् | | १-४०। |
| ८०२९७ | हरिहरात्मकस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८०२९८ | रामरक्षास्तोत्रम् | | १-६। |
| ८०२९९ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-९। |
| ८०३०० | विष्णुसहस्रनामावलिः | व्यासः | १-२३। |
| ८०३०१ | विष्णुस्तवः | | १-२६। |
| ८०३०२ | मानसिकस्नानस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०३०३ | गणेशस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०३०४ | षट्पदी सविवरणा | वि. का. राम-भद्रमिश्रः | १-३। |
| ८०३०५ | माहेश्वरकवचम् | | १। |
| ८०३०६ | कालिकासहस्रनाम | | १-५। |
| ८०३०७ | भुवनेश्वरीसहस्रनाम | | १-४। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९.५×४.३ | २७ | २२ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ८.६×४ | १० | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.१×३.९ | १३ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले। |
| १०×४ | ७ | ३२ | मै. | ,, | | ,, | |
| ८.८×३.९ | ७ | २३ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ६ ७×४.३ | ४ | १६ | ,, | ,, | | ,,* | सूर्यद्वादशनाम-दत्तात्रेयदशनाम-स्तोत्रञ्च। |
| ७×३.६ | ७ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.८×४ | १२ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.६×३.३ | ५ | २१ | ,, | ,, | १८८७ | ,, | शाल्वपक्षिराजकवचञ्च; आकाशभैरवकल्पे। |
| ८×३.६ | ६ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.८×४.६ | ८ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.१×४.४ | ८ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×३.२ | ७ | १७ | ,, | ,, | १८८२ | ,, | महाभारते शान्तिपर्वणि। |
| ५.४×३.४ | ६ | १९ | ,, | ,, | | ,, | भीष्मोक्तः। |
| ५.८×३.५ | ६ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३.५×५.२ | २० | ७३ | मै. | ,, | | ,, | गणेशसहस्रनाम च। |
| १२.१×४.७ | १५ | ५२ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| १३×५ | १७ | ६७ | मै. | ,, | | ,, | |
| १३.३×५.२ | १६ | ५० | ,, | ,, | | ,, | श्यामाकवचं, सारोद्धारश्च। |
| १३.२×५.१ | १७ | ५२ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०३०८ | दुर्गासप्तशती सटीका | टी. का. नागोजिभट्टः | १-५८, १-३। |
| ८०३०९ | सूर्यस्तवराजः | | १-२। |
| ८०३१० | शिवकवचम् | | १-९। |
| ८०३११ | दुर्गापराधक्षमापन-स्तोत्रम् | | १-५। |
| ८०३१२ | हरस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०३१३ | दुर्गास्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०३१४ | सङ्कटास्तोत्रम् | | १। |
| ८०३१५ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०३१६ | भुवनेश्वरीकवचम् | | १-६। |
| ८०३१७ | शीतलाष्टकम् | | १-२। |
| ८०३१८ | दण्डपाण्यष्टकम् | | १-४। |
| ८०३१९ | रामचन्द्राष्टोत्तरशत-नामस्तोत्रम् | | १-९। |
| ८०३२० | विष्णुपञ्जरस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०३२१ | शरणपञ्चकम् | | १। |
| ८०३२२ | गुरुपादपङ्कजस्तोत्रम् | | १। |
| ८०३२३ | रेणुकासहस्रनाम | | १-१०। |
| ८०३२४ | बटुकभैरवसहस्रनाम | | १-१०। |
| ८०३२५ | विष्णुस्तवराजः | | १। |
| ८०३२६ | सूर्याष्टकम् | | १-४। |
| ८०३२७ | संक्षिप्तसप्तशती | | १-३। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२.२×६.३ | १८ | ४१ | दे.ना | का. | १८५९ | पू० | |
| १०.९×४ | ११ | ४५ | मै. | ,, | | ,, | गङ्गास्तोत्रं, शिवस्तोत्रं, सरस्वतीस्तोत्रं, गणेशस्तोत्रञ्च । |
| ८.८×३.९ | ९ | २८ | दे.ना | ,, | | ,, | |
| ८.७×४.५ | ७ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | शिवताण्डवस्तोत्रञ्च । |
| ९.२×३.८ | १० | ४० | ,, | ,, | | ,, | हरिवंशे पारिजातहरणे । |
| ८.७×४.३ | ७ | २६ | ,, | ,, | १८५९ | ,, | हरिवंशोक्तम् । |
| ७.५×४.१ | ९ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.५×४.१ | १० | ३९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.८×३.४ | ६ | २२ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले । मङ्गलनामकवचञ्च । |
| ६.३×३ | ९ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.५×३.७ | ६ | १० | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×३.५ | ७ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.७×३.७ | ८ | २२ | ,, | ,, | १८२९ | ,, | |
| १०×४.९ | ७ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.९×४.६ | ७ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.७×४.५ | ११ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.८×४.३ | ८ | ३६ | ,, | ,, | १८३६ | ,, | |
| ९.४×४.१ | १० | २४ | ,, | ,, | १८८६ | ,, | महाभारते । |
| ८.८×४.५ | ७ | २१ | ,, | ,, | १८३७ | ,, | विष्णुशतनामस्तोत्रञ्च । |
| ७.८×४.३ | ९ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०३२८ | हनुमत्कवचम् | | १-१४। |
| ८०३२९ | लक्ष्मीद्वादशनामस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०३३० | शिवसहस्रनाम | | १-२२। |
| ८०३३१ | सूर्यकवचम् | | १-३। |
| ८०३३२ | मृत्युञ्जयमानसपूजा | शङ्कराचार्यः | १-४। |
| ८०३३३ | आदित्यहृदयम् | | १-१०। |
| ८०३३४ | हरिहरनामावलिः | धर्मराजः | १-५२। |
| ८०३३५ | श्यामास्तोत्रम् | | १। |
| ८०३३६ | मणिकर्णिकास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-३३। |
| ८०३३७ | अन्नपूर्णास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०३३८ | सीतास्तवराजः | | १-२२। |
| ८०३३९ | विष्णुस्तोत्रम् | | १-९। |
| ८०३४० | मणिकार्णिकास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-३। |
| ८०३४१ | देव्यपराधक्षमापन-स्तोत्रम् | ,, | १-३। |
| ८०३४२ | शिवस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०३४३ | हरिमीडेस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः टी. काः स्वयंप्रकाश-यतिः | १-४०। |
| ८०३४४ | रामार्या सटीका | मुद्गलभट्टः | १-३२। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७.२×४.३ | ९ | २१ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ६.९×३.५ | ११ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.३ | ९ | २० | ,, | ,, | | ,, | शिवरहस्ये । |
| ५.३×३.४ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | अर्घ्यदानविधिश्च । |
| ६.२×३ | ९ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.७×३.३ | ५ | १० | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.८×३.८ | १५ | ११ | ,, | ,, | | ,, | गौरीदशकम्, ऋणहरस्तोत्रम्, विनायकस्तोत्रम्, द्वादशावतार-स्तोत्रम्, मङ्गलग्रहस्तोत्रम्, विष्णुपञ्जरस्तोत्रम्, कृष्णाष्टोत्तरशतनाम, विष्णुसहस्रनाम, काश्यष्टकम्, चतुर्थीव्रतकथा च । |
| १२.३×११.९ | १८ | ४८ | व. | ,, | | ,, | |
| ६.५×३.१ | ७ | १८ | दे.ना. | ,, | १९१८ | ,, | |
| ६.५×२.५ | ५ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.७×३.२ | ५ | १३ | ,, | ,, | | ,, | अगस्त्यसंहितायाम् । |
| ५.९×३.४ | ६ | १४ | ,, | ,, | | ,, | शिवरहस्ये । |
| ५.१×४.५ | ९ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.२×४.६ | ९ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.२×२.९ | ७ | १४ | ,, | ,, | १८२५ | ,, | |
| १३.३×५.४ | १४ | ४१ | ,, | ,, | | ,, | टी०—हरितत्त्वमुक्तावली । |
| १२.२×६.३ | १० | ४० | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०३४५ | हनुमत्कवचम् | | १-८। |
| ८०३४६ | रामसहस्रनाम | | १-१२। |
| ८०३४७ | दक्षिणामूर्त्तिस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-३। |
| ८०३४८ | सूर्यकवचम् | | १। |
| ८०३४९ | शिवाष्टकम् | | १-४ (पृ०सं०)। |
| ८०३५० | सङ्कटास्तोत्रम् | | १-५। |
| ८०३५१ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०३५२ | शीतलास्तोत्रम् | | १। |
| ८०३५३ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०३५४ | सूर्यस्तवः | | १। |
| ८०३५५ | गुर्वष्टकम् | | १-२। |
| ८०३५६ | महाकालकवचम् | | १-३। |
| ८०३५७ | पञ्चायुधस्तोत्रम् | सुदर्शनाचार्य्यः | १। |
| ८०३५८ | दत्तात्रेयकवचम् | | १-७। |
| ८०३५९ | आदित्यहृदयस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०३६० | गङ्गाष्टकम् | | १। |
| ८०३६१ | गजेन्द्रमोक्षः | | २-२२। |
| ८०३६२ | रामनामावलिः | | १-८। |
| ८०३६३ | यमुनाष्टकम् | | १-२। |
| ८०३६४ | भारतसावित्रीस्तोत्रम् | | १-२२। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८×४.१ | ८ | २१ | दे.ना. | का. | १८६६ | पू० | |
| ८.८×४.३ | ९ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | पद्मपुराणान्तर्गतम् । |
| ७.५×३.८ | ९ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.८×३.८ | ११ | ४३ | व. | ,, | | ,, | |
| ९.८×३.७ | ६ | २५ | ,, | ,, | | ,, | महादेवाय प्रणामनिवेदनञ्च । |
| ७.४×४.५ | १० | १९ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ८.९×३.४ | ५ | ४१ | व. | ,, | | ,, | |
| ८.५×४.२ | १० | ३५ | दे.ना. | ,, | | ,, | त्रिपुरादेवीमन्त्रश्च । |
| ७.७×४.५ | ९ | २५ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्मपुराणोक्तम् । |
| ९.९×३.७ | ९ | २७ | व. | ,, | | ,, | |
| ८.३×३.८ | ७ | १९ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ६.९×३.५ | ८ | २८ | व. | ,, | | ,, | |
| ७.६×४.९ | १५ | २५ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ७.६×४.१ | १० | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×३.६ | १० | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.१×३ | १२ | ३४ | ,, | ,, | १८०४ | ,, | |
| ६×३.८ | ७ | २२ | ,, | ,, | | अपू० | महाभारते शान्तिपर्वणि । |
| ५.६×३.४ | ११ | १० | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.६×४.३ | १३ | २८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.८×३.५ | ११ | १३ | ,, | ,, | | ,, | रामचन्द्रपुष्पाञ्जलिः, षट्पदी, निर्वाणाष्टकम्, कृष्णस्तुतिः, शङ्करस्तोत्रम्, तत्त्वबिन्दु-स्तोत्रञ्च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०३६५ | भैरवस्तवराजः | | १३-१५। |
| ८०३६६ | शिवशतनामस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०३६७ | लक्ष्मीनारायणहृदयम् | | १-२६। |
| ८०३६८ | तुलसीकवचम् | | १-४। |
| ८०३६९ | शनैश्चरस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०३७० | रामरक्षास्तोत्रम् | | १-५। |
| ८०३७१ | रामस्तवः | | १-११। |
| ८०३७२ | बटुकनाथस्तोत्रम् | | ४ गणनया। |
| ८०३७३ | श्यामाकवचम् | | १-८(पृ०सं०)। |
| ८०३७४ | हनुमद्रक्षास्तोत्रम् | | २-४। |
| ८०३७५ | गङ्गाष्टकम् | | १। |
| ८०३७६ | विष्णुसहस्रनाम | | ३-५६। |
| ८०३७७ | शिवकवचम् | | १-१८। |
| ८०३७८ | सर्वार्थसाधनकवचम् | | १। |
| ८०३७९ | शीतलाष्टकम् | | १-२। |
| ८०३८० | नृसिंहकवचम् | | १-२। |
| ८०३८१ | कालिकाकवचम् | | १-१०। |
| ८०३८२ | हरिहरस्तोत्रम् | | १-५। |
| ८०३८३ | विष्णुस्तवराजः | | १३०-१६१। |
| ८०३८४ | गङ्गास्तुतिः | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८०३८५ | गजेन्द्रमोक्षः | | १-१६। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२×४.४ | ८ | ५९ | व. | का. | | पू० | विश्वसारे आपदुद्धारकल्पे । |
| १२.३×४.६ | ७ | ३९ | ,, | ,, | श. १०१८ | ,, | महालिङ्गेश्वरतन्त्रे । |
| ७×५.४ | ५ | १० | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ६×५ | १५ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.१×४.२ | ११ | २२ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ६×४.१ | ९ | १८ | ,, | ,, | | पू० | |
| ५.७×३.३ | ८ | २० | ,, | ,, | | ,, | सनत्कुमारसंहितायाम् । |
| ५.४×३.३ | ७ | १७ | ,, | ,, | | पू०* | |
| ८.६×३.३ | ८ | २७ | व. | ,, | | पू० | कालीकल्पे । |
| ६.६×३.३ | ५ | २३ | दे.ना. | ,, | | अपू० | विभीषणकृतं हनुमत्स्तोत्रञ्च । |
| १०.२×५.१ | १४ | ३२ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.४×३.६ | ६ | १८ | ,, | ,, | | अपू० | मराठीभाषायां रामरक्षा, शिवस्तुतिश्च । |
| ४.१×२.५ | ५ | १३ | ,, | ,, | | पू० | स्कन्दपुराणे । |
| ९×३.५ | १२ | ४१ | ,, | ,, | | ,, | त्रिपुरास्तोत्रञ्च । |
| १०×३.८ | ८ | ३० | ,, | ,, | १७६४ | ,, | |
| ८.५×४ | ७ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | नृसिंहपुराणे । |
| ६.४×४.४ | ८ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×४ | ८ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.८×४ | ८ | १८ | ,, | ,, | | अपू० | महाभारते शान्तिपर्वणि । अनुस्मृतिः, गजेन्द्रमोक्षश्च । |
| ६.९×४.३ | १३ | २१ | ,, | ,, | | पू० | |
| ७.२×४.५ | ९ | १८ | ,, | ,, | | ,, | महाभारते शान्तिपर्वणि । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०३८६ | शीतलास्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०३८७ | शिवनामलहरी | शङ्कराचार्य्यः | १। |
| ८०३८८ | शिवसहस्रनामस्तोत्रम् | | १-२३। |
| ८०३८९ | रामस्तवराजः | | १-७। |
| ८०३९० | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०३९१ | शनैश्चरस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०३९२ | ललिताशतत्रयनाम | | १-११। |
| ८०३९३ | महिम्नःस्तोत्रं सटीकम् | | १-११। |
| ८०३९४ | विष्णुपञ्जरम् | | १-३। |
| ८०३९५ | हनुमत्स्तवः | | १-४। |
| ८०३९६ | प्रत्यङ्गिराकवचम् | | ३। |
| ८०३९७ | रामत्रैलोक्यमोहन-कवचम् | | १-७। |
| ८०३९८ | विष्णुसहस्रनाम | | १-१२। |
| ८०३९९ | गौतमाष्टकम् | | १। |
| ८०४०० | दुर्गासप्तशती | | १-७९। |
| ८०४०१ | कालिकासहस्रनाम | | १-१७। |
| ८०४०२ | मनीषापञ्चकम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८०४०३ | षष्ठीदेवीस्तोत्रम् | | १। |
| ८०४०४ | गुरुस्तोत्रम् | | १-७, ९-१२। |
| ८०४०५ | विष्णुनामावली | | १-२२। |
| ८०४०६ | शिवसहस्रनामावली | | १-२२। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०.५×४.५ | ९ | ३२ | दे.ना. | का. | | पू० | स्कन्दपुराणे काशीखण्डे । |
| १०.७×६.८ | ११ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.७×४.४ | ८ | २९ | ,, | ,, | | ,, | पद्मपुराणे उत्तरखण्डे । |
| ८.५×४.७ | ९ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.३×३.९ | ७ | २६ | ,, | ,, | १८४५ | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| १०.२×४.५ | १० | ३४ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ९.७×५.२ | १० | २४ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे, ललितोपाख्याने । |
| १०.९×४.९ | ११ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×४.६ | ९ | २२ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ८.५×४.३ | ५ | २८ | ,, | ,, | | पू० | शत्रुञ्जयाख्यः । |
| ६.१×३.४ | ७ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ४×२.८ | ८ | १९ | ,, | ,, | | ,, | त्रिपुरास्तोत्रञ्च । |
| ७.७×४.६ | ११ | २७ | ,, | ,, | | ,, | महाभारते । |
| ८.३×४.५ | ११ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.८×३.८ | ७ | ३२ | ,, | ,, | १८०१ | ,, | मार्कण्डेयपुराणोक्ता । |
| ८.१×४.५ | ९ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.३×४ | ८ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| २५.९×५.३ | ४४ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×४.१ | १० | २१ | ,, | ,, | | ,, | क्रियासारः, शङ्करोपदेशश्च हिन्दी-भाषायाम् । |
| ५.६×२.५ | ७ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.३×३.३ | ६ | १६ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामलोक्तम् । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०४०७ | शीतलाष्टकम् | | १-४। |
| ८०४०८ | पादुकापञ्चकस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८०४०९ | विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् | | १, ३-८। |
| ८०४१० | पादुकापञ्चस्तोत्रम् | | १। |
| ८०४११ | सौन्दर्यलहरी | | १-१३। |
| ८०४१२ | शनैश्चरस्तवराजः | | १। |
| ८०४१३ | महिम्नःस्तोत्रं सटीकम् | टी. का. गोविन्दरामः | १-४,१-१८। |
| ८०४१४ | रामकवचम् | | १-२। |
| ८०४१५ | महिम्नःस्तोत्रटीका | | १-९। |
| ८०४१६ | सङ्कटास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०४१७ | शिवसहस्रनामावली | | १-१०। |
| ८०४१८ | सौन्दर्यलहरी | शङ्कराचार्यः | १-१२। |
| ८०४१९ | हनुमत्स्तवराजः | | १-५। |
| ८०४२० | अपराजितास्तोत्रम् | | १-५। |
| ८०४२१ | सूर्याष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८०४२२ | अपामार्जनस्तोत्रम् | | १-८। |
| ८०४२३ | रामचन्द्रस्तवः | | १-२। |
| ८०४२४ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्ताचार्यः | १-१०। |
| ८०४२५ | रामाष्टोत्तरशतनामावली | | १-६। |
| ८०४२६ | शिवकवचम् | | १-८। |
| ८०४२७ | सौन्दर्यलहरी | शङ्कराचार्यः | १-७। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५.१×३.१ | ६ | १७ | दे.ना. | का. | १७७५ | पू० | |
| ५.८×४.३ | ७ | २० | ,, | ,, | श. १७३८ | ,, | |
| १३×४.७ | १४ | ३५ | ,, | ,, | | अपू० | |
| १७.२×३.८ | ६ | ५५ | व. | ,, | | पू० | |
| १७.९×२.४ | ४ | ७७ | ,, | ,, | श. १६५० | ,, | |
| १२.७×३ २ | ५ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | |
| १४.१×३ | ६ | ६७ | ,, | ,, | | ,, | टी०—महिम्नप्रकाशिका । |
| १४.५×२.४ | ६ | ५० | ,, | ,, | | अपू० | |
| १२×३.१ | ६ | ३५ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.८×४.३ | ९ | २३ | दे.ना. | ,, | १९५५ | ,, | |
| ८.२×३ ३ | १९ | १३ | ,, | ,, | १९०४ | ,, | |
| ८.८×४ | १० | ३२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×३.८ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.३×२.७ | ७ | ३७ | व. | ,, | व. १३११ | ,, | |
| ७.१×४.१ | ७ | २२ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ९×४ | १० | ४४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.७×३.४ | ९ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.८×४ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.३ | ७ | १८ | ,, | ,, | | ,, | पद्मपुराणे । |
| १०.२×३.६ | ८ | ३० | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ८×५.४ | ८ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
| --- | --- | --- | --- |
| ८०४२८ | सूर्यस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०४२९ | व्यङ्कटेशसहस्रनाम | | १-९। |
| ८०४३० | निर्वाणषट्कम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८०४३१ | कालिकापञ्चश्लोकी | | १। |
| ८०४३२ | वन्दीमोचनस्तोत्रम् | | १। |
| ८०४३३ | सङ्कटास्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०४३४ | अपराधक्षमापनस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०४३५ | त्रैलोक्यमङ्गलकवचम् | | १-७। |
| ८०४३६ | गोस्तोत्रम् | | १-७। |
| ८०४३७ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-४। |
| ८०४३८ | समाधिस्तोत्रम् | | १। |
| ८०४३९ | शिवस्तोत्रम् | | १-८। |
| ८०४४० | सूर्यस्तवराजः | | १-३। |
| ८०४४१ | सूर्याराधनस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०४४२ | रामरक्षास्तोत्रम् | बुधकौशिकः | १-२, ७-८। |
| ८०४४३ | सङ्कटास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-३। |
| ८०४४४ | मङ्गलस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०४४५ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-२०। |
| ८०४४६ | रामचन्द्रस्तवराजः | | १-१७, १९-२७। |
| ८०४४७ | विष्णुपञ्जरस्तोत्रम् | | १-८। |
| ८०४४८ | श्रीकृष्णसहस्रनाम | | १-३७। |
| ८०४४९ | अष्टोत्तरशतनामावलिः | | १-३। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९.२×३.३ | ६ | २९ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ७.७×४.२ | १० | ३२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.९×५ | ८ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.८×३.७ | ८ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×३.६ | १० | ३२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५×३.३ | ७ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७×४ | ६ | ४२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.७×४ | १० | ३० | व. | ,, | | ,, | योनिमुद्राकवचं वा । |
| ७×४.२ | ९ | २९ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ८×३ | ७ | २१ | ,, | ,, | १८८९ ९? | ,, | |
| ८.८×३.८ | ११ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.२×४ | ११ | ३८ | ,, | ,, | श. १७०४ | ,, | |
| १०.६×१.९ | ५ | ४५ | व. | ,, | | ,, | |
| ५.८×५.१ | ११ | १५ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ७×४.४ | ७ | १६ | ,, | ,, | १९६२ | अपू० | |
| ५.३×३.७ | ६ | १४ | ,, | ,, | १८८८ | पू० | |
| ६.४×३.२ | ८ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.१×३.५ | ६ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५×३ | ५ | १३ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ५.६×४.२ | ६ | १३ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.७×४ १ | ७ | १९ | ,, | ,, | | ,, | भागवतसारसमुच्चये । |
| ८×३.७ | ७ | २४ | ,, | ,, | | ,, | शिवस्य । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०४५० | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्ताचार्यः | १-१३। |
| ८०४५१ | सर्वमन्त्रोत्कीलनस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०४५२ | विष्णुसहस्रनाम | | १-१०। |
| ८०४५३ | विश्वनाथाष्टकम् | वेदव्यासः | १-२। |
| ८०४५४ | शरभसहस्रनाम | | १-२२। |
| ८०४५५ | विष्णुशतनाम | | १-२। |
| ८०४५६ | सङ्कटास्तोत्रम् | | २ गणनया। |
| ८०४५७ | शीतलाष्टकम् | | १-३। |
| ८०४५८ | शरभकवचम् | | १-१९। |
| ८०४५९ | भैरवाष्टोत्तरशतनाम | | १-३। |
| ८०४६० | यतिपञ्चकम् | | १। |
| ८०४६१ | सिद्धमहालक्ष्मीस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०४६२ | मङ्गलस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०४६३ | एकमुखीहनुमत्कवचम् | | १-५। |
| ८०४६४ | रामकवचम् | | १-१०। |
| ८०४६५ | शरभस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-३। |
| ८०४६६ | महिम्नःस्तोत्रम् | | १-१४। |
| ८०४६७ | गणेशाष्टकम् | | १-५। |
| ८०४६८ | शनिस्तोत्रम् | | १-१६। |
| ८०४६९ | सङ्कटास्तोत्रम् | | १-५। |
| ८०४७० | रामस्तवराजः | | १-१२। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.२×३.४ | ६ | १७ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ६.४×३.८ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | पञ्चसंहितायाम् । |
| १०×३.११ | ११ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.५×३.७ | ७ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×३.२ | ५ | १८ | ,, | ,, | १८७१ | ,, | आकाशभैरवतन्त्रे । |
| ७.७×३.९ | ६ | २३ | ,, | ,, | | ,, | महाभारते । |
| ४.७×६.३ | १३ | १५ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ६.९×३.६ | ७ | १८ | ,, | ,, | १८९३ | पू० | |
| ६.५×३.३ | ७ | २१ | ,, | ,, | १८८६ | ,, | आकाशभैरवकल्पे । शाल्वपक्षिराजकवचं वा । |
| ७.४×३.१ | ७ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.५×३.१ | ९ | ३४ | व. | ,, | | ,, | उपदेशपञ्चकञ्च । |
| ६.२×३.५ | ५ | १४ | दे.ना. | ,, | १८७५ | ,, | |
| ५.६×३.६ | ५ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.१×३.७ | ७ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.३×४.१ | ७ | १४ | ,, | ,, | | ,, | पद्मपुराणोक्तम् । |
| ६.६×४.४ | ८ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×३.२ | ७ | १६ | ,, | ,, | १८५४ | ,, | |
| ५.८×३.४ | ७ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×३.१ | ५ | १८ | ,, | ,, | १९३७ | ,, | |
| ४.७×३.२ | ८ | १५ | ,, | ,, | १८७१ | ,, | पद्मपुराणे । |
| ५.२×३ | ९ | २० | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०४७१ | शिवाष्टोत्तरशतनाम | | १। |
| ८०४७२ | ,, | | १-२। |
| ८०४७३ | अपराधसुन्दरस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०४७४ | हरिस्तुतिः | वेदव्यासः | १-८। |
| ८०४७५ | जीवब्रह्मैकत्वस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-८। |
| ८०४७६ | गणपतिबटुकस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०४७७ | हरिहरात्मकस्तोत्रम् | | १-१२। |
| ८०४७८ | एकाक्षरगणेशकवचम् | | १-४। |
| ८०४७९ | सोपानपञ्चकम् | शङ्कराचार्यः | १-५। |
| ८०४८० | चक्रपाणिस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०४८१ | रामहृदयम् | | १-२। |
| ८०४८२ | अपामार्जनस्तोत्रम् | | १-२१। |
| ८०४८३ | शिवाष्टोत्तरशतनाम | | १-४। |
| ८०४८४ | गणपतिस्तोत्रम् | | ५-६। |
| ८०४८५ | सिद्धलक्ष्मीस्तोत्रम् | | १-४ (पृ०सं०)। |
| ८०४८६ | पञ्चरत्नम् | शङ्कराचार्य्यः | १। |
| ८०४८७ | सौन्दर्यलहरी | ,, | १-६, ८-२८। |
| ८०४८८ | हयग्रीवस्तवः | वेङ्कटनाथः | १-२। |
| ८०४८९ | विष्णुसहस्रनाम | | १-८। |
| ८०४९० | शालिग्रामस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०४९१ | रामकवचम् | | १-३। |
| ८०४९२ | रकारादिरामसहस्रनाम | | १-२१। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १९.८×६.१ | १६ | ४७ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ५.२×३ | २१ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.९×४ | १२ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×४.४ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | सप्तश्लोकीसूर्यगीता च । |
| ६.२×३.७ | ५ | ८ | ,, | ,, | | ,, | विद्युन्मालास्तोत्रं वा । |
| ७×२.९ | ६ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.७×३.३ | ६ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.९×३.४ | ९ | २३ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले । |
| ६.१×३.७ | ९ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.५×७.५ | ८ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.७×३.३ | ९ | २० | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे, अध्यात्मरामायणे । |
| ६.३×३.६ | ८ | २० | ,, | ,, | | ,, | विष्णुधर्मोत्तरे । |
| ६.४×३ | ७ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.२ | ७ | २० | ,, | ,, | | ,, | नारदपुराणे । |
| ७.८×४ | ७ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.५×४.५ | ११ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.१×३.८ | ७ | १० | ,, | ,, | १८४५ | अपू० | |
| ८×५.९ | २३ | २२ | ,, | ,, | | पू० | |
| १०.२×४.४ | ८ | ३२ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ९×४ | १० | २३ | ,, | ,, | | पू० | भविष्योत्तरपुराणे । |
| ६.५×४.७ | ११ | ३७ | ,, | ,, | | ,, | रामषडक्षरमन्त्रविधानञ्च । |
| ८.५×४.८ | ७ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०४९३ | स्वर्णाकर्षणभैरवस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०४९४ | सदाशिवसहस्रनाम | | १-१४। |
| ८०४९५ | सौन्दर्यलहरी | | १-९। |
| ८०४९६ | रामहृदयम् | | १-७। |
| ८०४९७ | शीतलाष्टकम् | | १-२=(१-४ पृ० सं०)। |
| ८०४९८ | कालिकास्तवः | | १-३। |
| ८०४९९ | मृत्युञ्जयकवचम् | | १। |
| ८०५०० | गायत्रीसहस्रनाम | | ३-६। |
| ८०५०१ | षट्पदीस्तोत्रं सविवरणम् | वि. का. रामभद्रमिश्रः | १। |
| ८०५०२ | सूर्यनमस्कारः | | १। |
| ८०५०३ | भवानीपञ्चरत्नम् | | १। |
| ८०५०४ | रामकवचम् | | १-२। |
| ८०५०५ | कालिकासहस्रनाम | | १-१२। |
| ८०५०६ | अजपागुरुस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८०५०७ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १। |
| ८०५०८ | शत्रुमर्दनकवचम् | | १। |
| ८०५०९ | सद्यःप्रसन्नसरस्वतीस्तोत्रम् | | १। |
| ८०५१० | मृत्युञ्जयस्तवः | | १-२। |
| ८०५११ | हनुमत्कवचम् | | १-२। |
| ८०५१२ | जगन्नाथाष्टकं सटीकम् | | १-२। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.७×३.५ | ७ | २१ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| १०.७×३.५ | ६ | ३२ | व. | ,, | | ,, | रुद्रयामले । |
| ९×३.४ | १० | ४० | दे.ना. | ,, | १७९७ | ,, | |
| १०.७×४.४ | ९ | २६ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ११.१×४.५ | ६ | २८ | ,, | ,, | १९२५ | पू० | |
| ११×३.८ | १२ | ४२ | मै. | ,, | | ,, | शिवैकविंशतिनामस्तोत्रम्, रामहृदयम्, अजपामन्त्रजपविधिश्च । |
| ११×३.८ | १२ | ५७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×३.९ | १३ | ६० | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×३.८ | १९ | ७५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×४ | १४ | ४५ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.४×३.९ | ८ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.१×३.८ | ११ | ७० | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×३.९ | १४ | ७० | ,, | ,, | १९०४ | ,, | |
| ११×३.२ | १२ | ५६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×३.८ | १३ | ५२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×३.८ | ९ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×३.८ | १२ | ५१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×३.८ | १३ | ५८ | ,, | ,, | | ,, | सप्तश्लोकीभागवतं, सप्तश्लोकीगीता, भारतसावित्री च । |
| १०.३×३.८ | १३ | ५८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.३×३.५ | २१ | ९६ | ,, | ,, | | ,, | गोविन्दाष्टकं, कालिकास्तोत्रं, बटुकभैरवस्तोत्रं, कर्पूरस्तोत्रञ्च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०५१३ | ज्वरस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०५१४ | पञ्चवक्त्रहनुमत्स्तोत्रम् | रामचन्द्रः | २-६। |
| ८०५१५ | रामरक्षास्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०५१६ | प्रश्नोत्तरमणिमाला-स्तोत्रम् | | १-५। |
| ८०५१७ | शिवनामावलिः | | १-७। |
| ८०५१८ | सरस्वतीस्तवः | | १-२। |
| ८०५१९ | सिद्धिलक्ष्मीस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०५२० | विष्णुसहस्रनाम | | १-१२। |
| ८०५२१ | रामाष्टकम् | | १-३। |
| ८०५२२ | नारायणवर्म | | १-५। |
| ८०५२३ | अध्यात्मस्तोत्रम् | | २ गणनया। |
| ८०५२४ | शिवस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०५२५ | चन्द्रमौलीश्वरस्तुतिः | | १-४। |
| ८०५२६ | गङ्गाष्टकम् | वाल्मीकिः | १। |
| ८०५२७ | श्यामाकवचम् | | १। |
| ८०५२८ | महिम्नःस्तोत्रं सटीकम् | | १-८। |
| ८०५२९ | इन्द्राक्षीस्तोत्रम् | | १। |
| ८०५३० | कर्पूरस्तोत्रं सव्याख्यम् | | १-२। |
| ८०५३१ | कालिकास्तोत्रम् | | १-६। |
| ८०५३२ | कर्पूरस्तोत्रव्याख्या | | १-२। |
| ८०५३३ | त्रैलोक्यमोहनकवचम् | | १-२। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ४.४×३.६ | ६ | १० | दे.ना. | का | श. १८२४ | पू० | |
| ८.८×४.१ | ७ | २३ | ,, | ,, | १८३९ | अपू० | |
| ८.४×४.४ | ८ | २९ | ,, | ,, | १९३१ | पू० | |
| १०.४×४ | ७ | २५ | ,, | ,, | १९०५ | ,, | |
| ७.६×४.३ | ८ | २० | ,, | ,, | श. १७७७ | ,, | |
| ४.७×३ | ९ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×४.४ | ८ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×४ | ९ | २१ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ६.५×२.९ | ६ | १७ | ,, | ,, | | पू० | गायत्रीमुद्रा च । |
| ७×३.४ | ८ | २१ | ,, | ,, | | ,, | भागवते । |
| ७×४ | १० | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.२×५.२ | ११ | २९ | ,, | ,, | | अपू० | ब्रह्मोत्तरे । |
| ६.६×५.१ | १२ | ५१ | ,, | ,, | | पू० | शिवरहस्ये । |
| १०.५×३.८ | ८ | ७० | मै. | ,, | | ,, | शङ्कराचार्यविरचितं गङ्गादेव्याः पञ्जरिकास्तोत्रञ्च । |
| ११×३.९ | १२ | ५१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×३.८ | १२ | ६० | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×३.९ | ११ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×३.८ | १७ | ७४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.१×३.९ | १२ | ६२ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.२×३.९ | १४ | ७० | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×३.८ | ९ | ४१ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०५३४ | बटुकभैरवकवचम् | | १। |
| ८०५३५ | दुर्गासप्तशती | | १-१९। |
| ८०५३६ | " | | १-५४, ५४, ५६-६०। |
| ८०५३७ | कर्पूरस्तोत्रम् | | १-५। |
| ८०५३८ | गुरुपादुकास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०५३९ | शिवाष्टकम् | | १। |
| ८०५४० | पञ्जरिकास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-४। |
| ८०५४१ | रामचरित्रमञ्जरी | | १-२। |
| ८०५४२ | नारायणहृदयम् | | १-२, १-२६। |
| ८०५४३ | स्वरूपानुसन्धानस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८०५४४ | गायत्रीभुजङ्गस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०५४५ | गङ्गालहरी | | १-१३, १५-१६। |
| ८०५४६ | नवग्रहस्तोत्रम् | | १। |
| ८०५४७ | सूर्यकवचम् | | १-४। |
| ८०५४८ | शिवाष्टोत्तरशतनाम | | १+१। |
| ८०५४९ | सोपानपञ्चकस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८०५५० | सिद्धान्तविन्दुस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८०५५१ | यमुनाष्टकम् | वाल्मीकिः | ३-७। |
| ८०५५२ | सूर्यनामावली | | १। |
| ८०५५३ | दिव्यसहस्रनामस्तोत्रम् | | १-४०। |
| ८०५५४ | सूर्याष्टोत्तरशतनामावली | | ३। |
| ८०५५५ | विष्णुपञ्जरस्तोत्रम् | | १-३। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ११×३.८ | ११ | ५० | मै. | का. | | पू० | बलिप्रयोगश्च । |
| १०.५×४ | १२ | ४५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.४×३.९ | ७ | २६ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ८.४×४ | ७ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.७×३.७ | ७ | २६ | ,, | ,, | | ,, | सिद्धयामलोक्तम् । |
| ८.८×३ ९ | १० | ३७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.९×३.६ | ७ | ११ | ,, | ,, | १७३८ | ,, | |
| ८.८×४.३ | ९ | २८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७×५.४ | ५ | १२ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०×४ ५ | ९ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.६×४ २ | १० | ३९ | ,, | ,, | | ,, | ज्ञानबोधस्तोत्रञ्च । |
| ८.३×४.३ | ७ | २० | ,, | ,, | | पू०* | |
| ९.३×४.३ | ११ | ४२ | ,, | ,, | | पू० | |
| ९.६×३ | ४ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९×६.२ | ११ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.४×३.४ | ८ | ४४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.६×३.४ | १२ | ३८ | ,, | ,, | १९०३ | ,, | |
| ८.७×४.३ | ५ | १५ | ,, | ,, | | ,, | सरस्वतीस्तोत्रं च । |
| १२.८×४.३ | १७ | ४२ | ,, | ,, | | ,, | काशीखण्डे नवमाध्याये । |
| ७.९×४.२ | ६ | १५ | ,, | ,, | | ,, | पद्मपुराणे । |
| ८.५×३.९ | ९ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | अम्बाष्टोत्तरशतनामावली च । |
| ८.४×४.२ | १० | २९ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०५५६ | वेदपादस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०५५७ | शनिस्तोत्रम् | | १। |
| ८०५५८ | रामाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८०५५९ | शनिस्तोत्रम् | दशरथः | १-७। |
| ८०५६० | विष्णुसहस्रनाम | | १-२, ४-२०। |
| ८०५६१ | विश्वनाथस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-१०। |
| ८०५६२ | दुर्गासप्तशती | | १-७४, ७६। |
| ८०५६३ | रामकवचम् | | १-५। |
| ८०५६४ | हरिहरस्तोत्रम् | धर्मराजः | १-२। |
| ८०५६५ | दक्षिणामूर्तिस्तोत्रं सटीकम् | शङ्कराचार्यः टी. का. शम्भुसहाय-शर्मशिष्यः | १-७। |
| ८०५६६ | तत्त्वाष्टकम् | | १। |
| ८०५६७ | भीष्मस्तवराजः | | १-१२। |
| ८०५६८ | शनैश्चरवज्रकवचम् | | १-२। |
| ८०५६९ | महिम्नःस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८०५७० | दत्तात्रेयलहरी | दलादनमुनिः | १-२७। |
| ८०५७१ | शिवसहस्रनामावलिः | | १-१५। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८.४×४.२ | १० | २४ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ८.१×२.१ | ३ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.८×३.६ | ९ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×३.३ | ७ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.८×३.६ | ७ | २४ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ६.५×४ | ७ | १३ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.८×३.२ | ७ | २३ | ,, | ,, | १८८१ | ,, | |
| १३.८×९.३ | ६ | ३३ | व. | ,, | | ,, | |
| १३.८×४.२ | ६ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| १२.५×६.३ | १७ | ४७ | दे.ना. | ,, | १८९६ | ,, | |
| १०×४.९ | ७ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.५×४.८ | १४ | ४५ | ,, | ,, | | ,, | महाभारते अनुस्मृतिः, गजेन्द्रमोक्षणञ्च । |
| ६.८×५.१ | १० | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०×४.५ | १० | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×४.६ | ९ | १५ | ,, | ,, | | ,, | दत्तलहरी वा । |
| ७.९×४.९ | २२ | १७ | ,, | ,, | १८०६ | ,, | शिवाष्टोत्तरशतनामावलिश्च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०५७२ | अपराधसुन्दरस्तोत्रम् | | १९६ गणनया। |
| ८०५७३ | शनिस्तोत्रम् | | १-५। |
| ८०५७४ | रामकवचम् | | १-३। |
| ८०५७५ | श्रीमहालक्ष्मीहृदयस्तोत्रम् | | १-१७। |
| ८०५७६ | दुर्गासप्तशती | | १-५१। |
| ८०५७७ | गुरुवर्यस्तोत्रम् | | १। |
| ८०५७८ | सीतास्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०५७९ | पञ्चमुखीहनुमत्कवचम् | | १-६। |
| ८०५८० | हनुमत्स्तोत्रम् | | १। |
| ८०५८१ | शिवसहस्रनाम | | १-९, ९-१२। |
| ८०५८२ | मणिकर्णिकास्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०५८३ | विष्णुस्तवराजः | | १-१९। |
| ८०५८४ | शिवाष्टोत्तरशतनामावलिः | | १-४। |
| ८०५८५ | मणिकर्णिकास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-५। |
| ८०५८६ | चतुर्विंशतिगायत्रीस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०५८७ | विष्णोरपामार्जनस्तोत्रम् | | १-५। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८.५×४.७ | ८ | १८ | दे.ना. | का. | | अपू० | सरस्वतीस्तोत्रम्, रागसङ्ग्रहः, गोपालमन्त्रः, पीठपूजनम्, चरणामृतविधानं, वाराणसीमहिमा, गीतगोविन्दम्, गङ्गास्तुतिः, दुर्जनप्रशंसा, कलियुगप्रशंसा, वैराग्यश्लोकाः, नेत्राञ्जनम्, युगलगीतम्, प्रातःस्मरणम्, ब्रह्मस्तुतिः दशहरास्तोत्रम्, रासपञ्चाध्यायी च । |
| ९.४×४.५ | ८ | २८ | ,, | ,, | १८८२ | पू० | स्कान्दम् । |
| ८.६×४.२ | ९ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामलोक्तम् । |
| ८.४×३.९ | ७ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.६×४.६ | ९ | २६ | ,, | ,, | १९२२ | ,, | |
| १०×४.९ | ७ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.९×३.४ | ४ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.६×३.८ | ६ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.१×३.६ | ११ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.५×४.१ | ११ | २८ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ९.७×४ | ४ | २७ | व. | ,, | | पू० | |
| ६.३×४ | ७ | २० | दे.ना | ,, | | ,, | |
| ४.८×३.९ | ८ | १० | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.७×३.२ | १३ | ६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×३.५ | ७ | २० | ,, | ,, | | ,, | ऋग्वेदान्तर्गतम् । |
| १३.१×६.८ | १५ | ४४ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०५८८ | सदाशिवसहस्रनाम-स्तोत्रम् | | १-५। |
| ८०५८९ | विष्णुपञ्जरस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०५९० | शिवस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०५९१ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-६। |
| ८०५९२ | नृसिंहकवचम् | | १। |
| ८०५९३ | शिवाष्टकम् | | १। |
| ८०५९४ | हनुमत्कवचम् | | १-३। |
| ८०५९५ | गङ्गास्तोत्रम् | वाल्मीकिः | १-७। |
| ८०५९६ | बटुकभैरवकवचम् | | २-३। |
| ८०५९७ | महालक्ष्मीस्तोत्रम् | अगस्तिः | ८-१०। |
| ८०५९८ | हनुमत्कवचम् | | १-२। |
| ८०५९९ | राघवाष्टकम् | | १-२। |
| ८०६०० | विघ्नेश्वरस्तोत्रम् | | १। |
| ८०६०१ | मकारादिरामसहस्रनाम | | १-३०। |
| ८०६०२ | मध्वाष्टकम् | विक्रमाचार्यः | १। |
| ८०६०३ | अन्नपूर्णास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०६०४ | कालीकवचम् | | १। |
| ८०६०५ | शीतलास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८०६०६ | गङ्गाष्टकम् | ” | १। |
| ८०६०७ | त्रिपुरसुन्दरीमहिम्नः-स्तोत्रम् | | १-१०। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२.७×६.३ | १५ | ३६ | दे.ना. | का. | | पू० | रुद्रयामले। |
| ८.१×४.६ | ९ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.१×३.८ | ११ | ३१ | ,, | ,, | १७४९ | ,, | |
| ८.८×४.१ | ८ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५×५ | १५ | ५८ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.७×४.४ | ९ | ३७ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.३×४.५ | १० | ३७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.८×८.६ | १२ | १७ | व. | ,, | | ,, | करतोयास्तोत्रम्, सूर्यस्तवराजः, सूर्यद्वादशनामस्तोत्रम्, शङ्कराचार्यकृतगङ्गास्तोत्रञ्च। |
| ९.२×४.८ | ८ | ३२ | ,, | ,, | | अपू० | रुद्रयामले। |
| ९.५×४ | १३ | ३९ | दे.ना | ,, | १८५५ | पू०* | |
| ९.८×४.२ | ९ | ३१ | ,, | ,, | | पू० | |
| ८.४×४.४ | ९ | २४ | ,, | ,, | | ,, | राघवाष्टकद्वयम्। |
| ५.९×३.९ | ९ | २२ | ,, | ,, | १८५४ | ,, | |
| ७.२×४ | ६ | १९ | ,, | ,, | १९३४ | ,, | |
| ८×४ | ११ | ३० | ,, | ,, | | अपू० | |
| ९×३.५ | ९ | ५१ | व. | ,, | | पू० | |
| ८×३.५ | ८ | ४१ | ,, | ,, | | ,, | कालीतन्त्रे। |
| ९×३.५ | ८ | ३६ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ६.८×४.५ | १३ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.६×४.१ | ७ | २८ | ,, | ,, | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०६०८ | शिवाष्टकम् | | १। |
| ८०६०९ | गुरुकवचम् | | १-२। |
| ८०६१० | शिवरामस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०६११ | प्रत्यङ्गिरास्तोत्रम् | | १-५। |
| ८०६१२ | शिवकवचम् | | १, ३-६, ८, १०। |
| ८०६१३ | दुर्गासप्तशती | | १६, २५-२६, ३०-३२, ३७-३८, ४२-४७, ४९-५९, ६४, ६७-६८, ७४। |
| ८०६१४ | अपामार्जनस्तोत्रम् | | १-९। |
| ८०६१५ | महिम्नःस्तोत्रं सटीकम् | पुष्पदन्तः | १-१९। |
| ८०६१६ | बटुकभैरवसहस्रनाम | | १। |
| ८०६१७ | बालात्रिपुरसुन्दरी-स्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०६१८ | रामाष्टोत्तरशतस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०६१९ | मातङ्गीस्तोत्रम् | | ७ गणनया। |
| ८०६२० | आनन्दलहरी | शङ्कराचार्यः | १-४। |
| ८०६२१ | विष्णुसहस्रनाम | | २-१८। |
| ८०६२२ | बालासहस्रनाम | | १७, १९-२२, ५७-५९, ६१-६४। |
| ८०६२३ | राधास्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०६२४ | भीष्मस्तवराजः | | १-३२। |
| ८०६२५ | गजेन्द्रमोक्षः | | १-७२। |
| ८०६२६ | नृसिंहकवचम् | | १-६, १-८, १-६, १-३। |
| ८०६२७ | रामरक्षास्तोत्रम् | | १-४। |

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९.५×३.२ | १० | ४८ | व. | का. | | अपू० | |
| ९.५×३.२ | ६ | ६० | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.५×४.३ | ७ | १८ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ५.६×३.७ | १० | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×३.१ | ८ | २४ | ,, | ,, | १८४५ | अपू० | |
| ८.४×३ | ६ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.९×६.८ | १२ | २५ | ,, | ,, | १९२२ | पू० | विष्णुधर्मोत्तरे पुलस्त्यदाल्भ्यसंवादे । |
| ११.२×५.६ | १६ | ३९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.२×४.८ | ८ | ३५ | व. | ,, | | अपू० | |
| ९×४.५ | ९ | २५ | दे.ना. | ,, | १८८५ | पू० | |
| ९.१×५.९ | ७ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.५×६ | १९ | २३ | ,, | ,, | | ,,* | |
| ६.२×४.७ | ११ | २० | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.८×३.८ | ८ | २२ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ६.९×४.५ | ७ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.८×३.५ | ५ | १८ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.८×३.५ | ३ | १५ | ,, | ,, | | ,, | महाभारते शान्तिपर्वणि । |
| ६.८×३.५ | ३ | १२ | ,, | ,, | | ,, | ,, ,, |
| ६.१×३.१ | ५ | २२ | व. | ,, | | ,, | श्यामा- बगलामुखी- सूर्यस्तोत्राणि च । |
| ६.५×३.५ | ७ | २० | दे.ना. | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०६२८ | हस्तामलकस्तोत्रम् | | १-७ । |
| ८०६२९ | कालिकासहस्रनाम | | १-१४ । |
| ८०६३० | शिवसहस्रनाम | | १-८ । |
| ८०६३१ | आदित्यहृदयम् | | १-१२ । |
| ८०६३२ | दुर्गासप्तशती | | १४, २०, २८, ४१, ६१, ७६ । |
| ८०६३३ | रामरक्षाकवचम् | | १-२ । |
| ८०६३४ | आदित्यहृदयम् | | १-६ । |
| ८०६३५ | गणेशस्तोत्रम् | | १-२ । |
| ८०६३६ | सिद्धलक्ष्मीस्तोत्रम् | | १-४ । |
| ८०६३७ | ज्ञानबोधः | | १-२ । |
| ८०६३८ | विष्णुसहस्रनाम | | १-३२ । |
| ८०६३९ | हनुमत्कवचम् | | १-६ । |
| ८०६४० | स्वामिकार्त्तिकेयस्तोत्रम् | | १-२ । |
| ८०६४१ | अन्नपूर्णास्तोत्रम् | | १ (लम्बायमानम्) । |
| ८०६४२ | षट्पदी | शङ्कराचार्यः | १-२ । |
| ८०६४३ | रामरक्षास्तोत्रम् | बुधकौशिकः | १-३ । |
| ८०६४४ | विष्णुपञ्जरस्तोत्रम् | | १-२ । |
| ८०६४५ | रामरक्षास्तोत्रम् | | १-६ । |
| ८०६४६ | व्यङ्कटेश्वरस्तोत्रम् | | १-३३ । |
| ८०६४७ | विष्णुसहस्रनाम | | १-८ । |
| ८०६४८ | विष्णुसहस्रनाम सटीकम् | | २-६, ८-५१ । |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५.२×३.५ | ५ | १२ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| १०.७×४.८ | ८ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×३.७ | ९ | ३८ | ब. | ,, | श. १७५१ | ,, | |
| ८.२×३.५ | ९ | २६ | दे.ना | ,, | | ,, | |
| ८.६×३.२ | ६ | २३ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ८.५×३.७ | ११ | २८ | ,, | ,, | | पू० | |
| ७×४ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×३.७ | १० | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.६×३.५ | ७ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.८×४.२ | ८ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ७×४ | ७ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×३.५ | ६ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×३.३ | १० | १९ | ,, | ,, | | ,, | अन्नपूर्णस्तोत्रञ्च । |
| ४७.५×३.३ | ९ | २२ | ,, | ,, | | ,, | नेपालीभाषायां शाबरमन्त्राश्च । |
| ७×४.१ | ११ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | शिवस्तोत्रञ्च । |
| ६.५×३.९ | ९ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५×४.२ | १६ | २७ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डपुराणान्तर्गतम् । |
| ५.५×३.२ | ९ | १६ | ,, | ,, | | ,, | शीतलाष्टकञ्च । |
| ३.९×२.९ | ५ | १० | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.६×५.८ | ११ | ४३ | ,, | ,, | | ,, | |
| १४.४×५.८ | १२ | ५४ | ,, | ,, | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०६४९ | हस्तामलकस्तोत्रं सभाष्यम् | | १-११। |
| ८०६५० | रामचन्द्रस्तवराजः | | १-९। |
| ८०६५१ | श्रीकृष्णषोडशनाममालामन्त्रः | | १। |
| ८०६५२ | निर्वेदनाष्टकम् | | १। |
| ८०६५३ | जानकीस्तवराजः | | १-३। |
| ८०६५४ | आपदुद्धारबटुकभैरवस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८०६५५ | देवतानमस्कारः | | १-८। |
| ८०६५६ | अभिलाषाष्टकम् | विश्वानरः | १। |
| ८०६५७ | हरिहरात्मकस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०६५८ | महिम्नःस्तोत्रम् | | १-९। |
| ८०६५९ | शनैश्चरस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८०६६० | लक्ष्मीस्तोत्रम् | | १। |
| ८०६६१ | बगलामुखीबकारादिसहस्रनाम | | १-१२। |
| ८०६६२ | रुद्रकवचम् | | १। |
| ८०६६३ | हनुमत्कवचम् | | १। |
| ८०६६४ | रामहृदयम् | | १-७। |
| ८०६६५ | विष्णुपञ्जरस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०६६६ | सङ्कटाष्टोत्तरशतनाम | | १-४। |
| ८०६६७ | त्रैलोक्यमोहनकवचम् | | १-४। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९.४×४.९ | १२ | ४० | दे.ना. | का. | | पू० | |
| १०.६×४.५ | ८ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.५×५.७ | १७ | ४५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.४×५.८ | १६ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | प्रणिपत्यष्टकं, नारदशरणागतचतुष्कं निम्बार्कशरणागतचतुष्कञ्च । |
| ११.५×५.८ | १७ | ३९ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.६×४.५ | ९ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.५×३.७ | १० | ५१ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०×३.४ | ७ | ४४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.२×४.५ | ९ | ४० | ,, | ,, | | ,, | काशीखण्डोक्तम् । |
| ९.३×४.१ | ६ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.७×४.२ | १० | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.४×३.३ | ८ | ३० | ,, | ,, | | ,, | सरस्वतीस्तोत्रञ्च । |
| ११×३.७ | ७ | ५४ | व. | ,, | व. १२६२ | ,, | |
| ७×४.३ | १४ | ३५ | मै. | ,, | | ,, | लिङ्गपुराणे । |
| ९.२×४.२ | १२ | २७ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| १०.३×३.७ | ६ | २९ | ,, | ,, | | ,, | अध्यात्मरामायणे, बालकाण्डे प्रथमः सर्गः । |
| ८.१×४.२ | ७ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.८×४ | ६ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले । |
| १०.७×४.६ | ८ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | रामतारकमन्त्रजपविधिश्च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
| --- | --- | --- | --- |
| ८०६६८ | बटुकभैरवस्तवराजः | | १-५। |
| ८०६६९ | श्यामाकवचम् | | १-४। |
| ८०६७० | आदित्यहृदयस्तोत्रम् | | १-७। |
| ८०६७१ | सूर्यस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०६७२ | नीलकण्ठस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०६७३ | गोपालारार्त्तिक्यम् | | १। |
| ८०६७४ | बटुकभैरवकवचम् | | १-३। |
| ८०६७५ | लक्ष्मीकवचम् | | १-६। |
| ८०६७६ | लक्ष्मीहृदयस्तोत्रम् | | १-२५। |
| ८०६७७ | विष्णुभुजङ्गस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-४। |
| ८०६७८ | अगस्त्याष्टकम् | | १ (लम्बायमानम्)। |
| ८०६७९ | लक्ष्मीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०६८० | रामरक्षास्तोत्रम् | विश्वामित्रः | १-२। |
| ८०६८१ | रुद्रस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८०६८२ | शिवस्तवः | उपमन्युः | १-२। |
| ८०६८३ | अन्नपूर्णास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८०६८४ | शिवपञ्चमुखस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०६८५ | व्यासभुजस्तम्भनम् | | १-४। |
| ८०६८६ | शिवरामस्तोत्रम् | आनन्दसरस्वती | १-२। |
| ८०६८७ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-८। |
| ८०६८८ | कृष्णगोपालाष्टकम् | वेदव्यासः | १-२। |
| ८०६८९ | भवानीकवचम् | | १-६। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९.४×३ | ८ | ३५ | व. | का. | | पू० | |
| ८.२×२.८ | ७ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.१×४ | १० | ३० | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ८.३×४.१ | ८ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| १०×४.३ | १० | २९ | ,, | ,, | १८९८ | ,, | |
| ६.४×४ | ११ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.९×३.६ | ८ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.७×३.८ | ८ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.१×३ | ५ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×३ | ६ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| १४.५×५.३ | २१ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.८×४ | ७ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×४.५ | १४ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.७×४.५ | १२ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.५×४.४ | १० | ४४ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३.८×३.१ | ८ | ५४ | व. | ,, | | ,, | |
| ८.३×४ | ७ | ३१ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ६.४×३.९ | ७ | १८ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणीयम् । |
| ९.४×४.२ | ८ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.९×२.७ | ७ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.६×३.२ | ५ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.३×२.५ | ५ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०६९० | भीष्मस्तवराजः | | १-५४। |
| ८०६९१ | गणेशस्तोत्रम् | | १। |
| ८०६९२ | गङ्गाष्टकम् | वाल्मीकिः | १। |
| ८०६९३ | हनुमदष्टोत्तरशतनामानि | | ४ गणनया। |
| ८०६९४ | शिवशङ्करस्तोत्रम् | | १। |
| ८०६९५ | शिवस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०६९६ | श्यामास्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०६९७ | महाकालकवचम् | | १-२। |
| ८०६९८ | शिवस्तोत्रम् | उपमन्युः | १-२। |
| ८०६९९ | शिवषडक्षरस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८०७०० | कृष्णाष्टोत्तरशतनाम | | १-२। |
| ८०७०१ | शिवस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०७०२ | महोग्रतारास्तोत्रम् | | १-५। |
| ८०७०३ | मृत्युञ्जयस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०७०४ | रुचिस्तवः | | १-६। |
| ८०७०५ | सिद्धेश्वराष्टकम् | | १-२। |
| ८०७०६ | विष्णोरपामार्जनकम् | | १-२४। |
| ८०७०७ | सङ्कटास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०७०८ | भवानीस्तवः | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८०७०९ | सङ्कटास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०७१० | भुवनेश्वरीकवचम् | | १-४। |
| ८०७११ | शिवस्तवराजः | | १। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.८×३.५ | ३ | १४ | दे.ना. | का. | | पू० | महाभारते शान्तिपर्वणि । |
| ५.१×३.२ | १० | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.३×४.३ | १३ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.२×४ | १० | १२ | ,, | ,, | | ,,* | |
| ८.१×३.९ | ८ | २० | ,, | ,, | | अपू० | |
| ८.९×४ | ७ | २५ | ,, | ,, | | पू० | |
| १२.८×३.७ | ८ | २९ | ब. | ,, | | ,, | |
| १०×३.८ | ७ | ४० | ,, | ,, | | ,, | गन्धर्वतन्त्रे । |
| ८.७×३.६ | १० | ३२ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ९.५×४.५ | ७ | २८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.२×४.२ | १२ | ४२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.७×२.८ | ७ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९×४ | ७ | २४ | ,, | ,, | १९२? | ,, | |
| ९.७×४.४ | १० | ३७ | ,, | ,, | | अपू० | जयशम्भुस्तोत्रञ्च । |
| १२.५×२.२ | ६ | ४९ | ब. | ,, | | पू० | मार्कण्डेयपुराणे । |
| ७.२×२.६ | ८ | २५ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ५×३.१ | ८ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×३.५ | ७ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.८×४ | १२ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.१×३.१ | ७ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.१×३.५ | ८ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले । |
| ९.७×४.१ | १५ | ४३ | ,, | ,, | | ,, | महाभारते अनुशासनपर्वणि । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०७१२ | सङ्कष्टनाशनस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०७१३ | ललितात्रिशतीस्तवः | | १-७। |
| ८०७१४ | शिवरामस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-३। |
| ८०७१५ | शिवस्तवः | उपमन्युः | १-२। |
| ८०७१६ | गङ्गाष्टकम् | | १-२। |
| ८०७१७ | बगलामुखीकवचम् | | १-२। |
| ८०७१८ | विष्णुसम्बोधनम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८०७१९ | शिवस्तोत्रम् | | १। |
| ८०७२० | सङ्कटास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०७२१ | माहेश्वरकवचम् | | १-१३। |
| ८०७२२ | त्रिवेणीस्तवः | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८०७२३ | श्रीकृष्णाष्टोत्तरशत-नामस्तोत्रम् | | १। |
| ८०७२४ | रघुवीरवर्णनम् | | १-७। |
| ८०७२५ | गङ्गास्तोत्रम् | | १। |
| ८०७२६ | यमुनाष्टकम् | पूर्णानन्दः | १। |
| ८०७२७ | हनुमत्स्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०७२८ | मृत्युञ्जयस्तोत्रम् | | १। |
| ८०७२९ | शिवस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८०७३० | भैरवाष्टकम् | | १। |
| ८०७३१ | हरिनाममालास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-३। |
| ८०७३२ | शिवाष्टोत्तरशतनाम | | १-४। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.४×३.३ | ४ | १८ | दे ना. | का. | | पू० | नारदपुराणे। |
| ९×३.५ | ७ | २९ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ६.१×४ | ८ | १६ | ,, | ,, | | पू० | |
| ९×४.२ | ९ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.९×३.७ | ७ | २२ | ,, | ,, | १९४० | ,, | |
| १२.६×३.९ | ७ | ३२ | व. | ,, | | ,, | रुद्रयामले: बगलामुखीमन्त्रश्च। |
| २२.७×९.७ | ५२ | ३८ | दे.ना. | ,, | | ,, | षट्पदीस्तोत्रञ्च। |
| ७.६×३.८ | ९ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | शिवरहस्ये। |
| ९.९×३.४ | ६ | ३३ | व. | ,, | | ,, | |
| ८.५×३.९ | ८ | २७ | दे.ना | ,, | | ,, | |
| ८.१×३.७ | २३ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.१×४.४ | १४ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.८×३.९ | ८ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.८×४ | ८ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | वाराहपुराणान्तर्गतम्। |
| ८.४×४.२ | १२ | ३३ | ,, | ,, | १८३५ | ,, | |
| ८.४×३.३ | ६ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.३×४.२ | १० | २६ | ,, | ,, | १८७८ | ,, | |
| ८.५×४.२ | १३ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.५×४.६ | ९ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.८×३.५ | ८ | १८ | ,, | ,, | १९०८ | ,, | |
| ६.१×३.८ | ७ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०७३३ | विष्णुसहस्रनाम | | ५-३८। |
| ८०७३४ | विजयास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०७३५ | विष्णुसहस्रनाम | | १-२९, २९-३१, १, १-४, १-३, १, १, ५, १३-१४, १८। |
| ८०७३६ | मल्लारिसहस्रनाम | | १-३२। |
| ८०७३७ | रामस्तोत्रम् | | १। |
| ८०७३८ | विष्णुस्तवराजः | | १-१५। |
| ८०७३९ | मृत्युञ्जयाष्टकम् | | १। |
| ८०७४० | विघ्नेश्वरसहस्रनाम | | १-१०। |
| ८०७४१ | शिवषट्पदी | | १-२। |
| ८०७४२ | त्रैलोक्यमोहनकवचम् | | १-८। |
| ८०७४३ | शिवकवचम् | | १-५। |
| ८०७४४ | रामाष्टोत्तरशतनाम | | ४१ गणनया। |
| ८०७४५ | महिम्नःस्तोत्रं सटीकम् | | १-३। |
| ८०७४६ | सङ्कटास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०७४७ | गुरुकवचम् | | १। |
| ८०७४८ | हस्तामलकस्तोत्रं सटीकम् | | १-३। |
| ८०७४९ | शिवाष्टकम् | | १-२। |
| ८०७५० | सरस्वतीसहस्रनाम | | १-१२। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| ५.५×३.४ | ५ | १७ | दे.ना. | का. | | अपू० | |
| ८.१×३.४ | ८ | ३३ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.६×३.५ | ६ | १४ | ,, | ,, | | ,, | चतुःश्लोकी भागवतं, नीलकण्ठाष्टकं, कृष्णाष्टकं, बदरीनाथाष्टकं, शिवारात्तिकं, महिम्नःस्तोत्रं, पाण्डवगीता च। |
| ६.१×३.६ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.३ | १४ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.१×४.६ | ८ | २० | ,, | ,, | | ,, | महाभारते। |
| १०.८×५.२ | १० | ३४ | व. | ,, | | ,, | |
| ८×४.१ | ११ | ३७ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ८.६×३.९ | ७ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.२×४ | ७ | १८ | ,, | ,, | १९२९ | ,, | रामस्य। |
| ८×४.४ | ९ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.७×५ | १६ | १६ | ,, | ,, | १८६० | अपू० | गङ्गाष्टकं, जगन्नाथाष्टकं, मणिकर्णिकाष्टकं, रामहृदयं, रामस्तवराजः, रामसहस्रनाम, रामकवचं, रामगीता, रामशतनाम, रामहृदयञ्च। |
| ९.४×५.३ | १२ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.७×३.५ | ६ | २४ | व. | ,, | | पू० | पद्मपुराणे। |
| ९.८×४.४ | १४ | ४४ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| १३.८×७.१ | १८ | ५० | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.५×३.३ | ७ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.६×४ | ६ | १९ | ,, | ,, | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०७५१ | मल्लिकार्जुनदशकस्तोत्रम् | लक्ष्मीनारायण-शर्मा | १-३। |
| ८०७५२ | सरस्वतीस्तोत्रम् | बृहस्पतिः | १-३। |
| ८०७५३ | शिवकवचम् | | १-६। |
| ८०७५४ | " | | १-१७। |
| ८०७५५ | विष्णुसहस्रनाम | | १-१४। |
| ८०७५६ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्ताचार्यः | १-१०। |
| ८०७५७ | राधास्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०७५८ | सर्वमन्त्रोत्कीलनस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०७५९ | सुदर्शनस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०७६० | मल्लारिकवचम् | | १-२। |
| ८०७६१ | सङ्कटास्तोत्रम् | | १। |
| ८०७६२ | रामसहस्रनाम | | १-१९। |
| ८०७६३ | महालक्ष्मीस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १ (लम्बायमानम्)। |
| ८०७६४ | रामरहस्यस्तोत्रम् | | १। |
| ८०७६५ | हरिमीडेस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-५। |
| ८०७६६ | विष्णुसहस्रनाम | | १-२०। |
| ८०७६७ | महालक्ष्मीपञ्जरस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०७६८ | शालिग्रामस्तोत्रम् | प्रह्लादः | १-८। |
| ८०७६९ | रामस्तवराजः | | १-१५। |
| ८०७७० | सूर्यनारायणस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०७७१ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १-३। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७.२×३.९ | ६ | १८ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ४.२×३.१ | ९ | १२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.२×३.६ | ५ | १८ | ,, | ,, | १९५० | ,, | |
| ६.६×३.३ | ५ | १५ | ,, | ,, | १८७५ | ,, | |
| ७.८×३.८ | ८ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.९×३.५ | ७ | २४ | ,, | ,, | १८६१ | ,, | |
| ४.७×४.६ | ७ | १० | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्मपुराणे । |
| ६.३×४ | ७ | २० | ,, | ,, | १९२५ | ,, | |
| ५.४×३.२ | ६ | १५ | ,, | ,, | | ,, | देवनामानि च । |
| ६.२×४.१ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे क्षेत्रखण्डे । |
| १३.५×७.१ | २८ | २८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.१×४.३ | ६ | १६ | ,, | ,, | १९१? | ,, | |
| २५.१×६.६ | ७२ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.१×४.१ | ११ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.९×४.६ | ९ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९×४.४ | ६ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.१×३.४ | ८ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.४×४.१ | ६ | २३ | ,, | ,, | श.१६९२ | ,, | |
| ७.५×४ ३ | ७ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.१×४.३ | ८ | २४ | ,, | ,, | श. १७७४ | ,, | |
| ८×३.५ | ७ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०७७२ | शिवरामस्तवः | | १। |
| ८०७७३ | कालीसूक्तम् | | १-१३। |
| ८०७७४ | विष्णुशतनामस्तोत्रम् | | १। |
| ८०७७५ | प्रातर्ध्यानम् | | १। |
| ८०७७६ | लक्ष्मीनृसिंहद्वादशनाम-स्तोत्रम् | | १। |
| ८०७७७ | विष्णुसहस्रनाम | | १-१२। |
| ८०७७८ | गुरुपादुकापञ्चकस्तोत्रम् | | १। |
| ८०७७९ | शत्रुविध्वंसिनीस्तोत्रम् | | १। |
| ८०७८० | अङ्गारकस्तोत्रम् | | १। |
| ८०७८१ | पञ्चमुखहनुमत्कवचम् | | १-२, ४-६। |
| ८०७८२ | मणिकर्णिकास्तवः | | १-२। |
| ८०७८३ | विश्वनाथाष्टकम् | | १-३। |
| ८०७८४ | दत्तात्रेयपादुकास्तोत्रम् | | १-७। |
| ८०७८५ | गङ्गासहस्रनाम | | १-९। |
| ८०७८६ | रामरक्षास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०७८७ | नृसिंहकवचम् | | १-४। |
| ८०७८८ | भवानीसहस्रनाम | | १, ३-८, १२-२७। |
| ८०७८९ | निर्वाणषट्कम् | | १-२। |
| ८०७९० | शालिग्रामस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०७९१ | हरिनाममालास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-३। |
| ८०७९२ | महास्तवः | | १। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०.७×६.७ | ११ | २२ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ६.५×३.३ | ७ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.९×४.१ | ११ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.७×४.१ | ७ | १९ | ,, | ,, | | ,, | काशीध्यानञ्च । |
| ७.८×४.५ | १२ | ३२ | ,, | ,, | | अपू० | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ९×४.५ | १० | २७ | ,, | ,, | १८७० | ,, | |
| १३×४.३ | २५ | १२ | ,, | ,, | | पू० | |
| ७.१×४ ४ | १० | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९×६.५ | १९ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.९×४.२ | ९ | १३ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ८.३×४.५ | ९ | २९ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६×४.२ | ८ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.८×४.५ | ८ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.६×४ | ७ | १९ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे काशीखण्डे । |
| ८.२×४.४ | १० | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.५×३.८ | १० | २३ | ,, | ,, | १७८३ | ,, | |
| ८×३.८ | ६ | ३० | ,, | ,, | १८१३ | अपू० | |
| ५.४×४.८ | १० | १२ | ,, | ,, | | पू० | सिद्धान्तविन्दुस्तोत्रं वा । |
| ९×३.९ | १० | ३६ | ,, | ,, | | ,, | भविष्योत्तरपुराणे । |
| १०.५×४.६ | ७ | २४ | ,, | ,, | १९२४ | ,, | |
| ९.७×४.१ | ११ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०७९३ | हनुमदष्टकम् | रामचन्द्रः | १-३। |
| ८०७९४ | कार्त्तवीर्यार्जुनपञ्जरः | | १-५। |
| ८०७९५ | वैरिनाशनकवचम् | | १-४। |
| ८०७९६ | शरभेश्वरसहस्रनामस्तोत्रम् | | १-२४। |
| ८०७९७ | सर्वमन्त्रकीलनस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०७९८ | साम्बशिवस्तोत्रम् | | १-१०। |
| ८०७९९ | लक्ष्मीनृसिंहकवचम् | | १-२। |
| ८०८०० | गङ्गाष्टकम् | वाल्मीकिः | १। |
| ८०८०१ | महालक्ष्मीहृदयम् | | १-६। |
| ८०८०२ | रामाष्टोत्तरशतनाम | | १-३। |
| ८०८०३ | हनुमत्सहस्रनाम | | १। |
| ८०८०४ | शिवकवचम् | | १-६। |
| ८०८०५ | विभूतिधारणस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०८०६ | स्तोत्रसङ्ग्रहः | | ३३ गणनया। |
| ८०८०७ | श्रीकृष्णाष्टोत्तरशतदिव्यनामामृतम् | | १-२। |
| ८०८०८ | सिद्धलक्ष्मीस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०८०९ | रजस्वलास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०८१० | लक्ष्मीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०८११ | आदित्यहृदयम् | | १-१०। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८×४.५ | ७ | २८ | दे. ना. | का. | १९१५ | पू० | |
| ९.४×३.८ | ७ | २७ | " | " | | " | |
| ९.३×४ | ७ | २४ | " | " | | " | रुद्रयामले कालीतन्त्रे । |
| ७.४×४ | ७ | २१ | " | " | १९०३ | " | |
| ९.३×४ | ९ | ३४ | " | " | | " | |
| १०×४.८ | ९ | ३२ | " | " | | " | पञ्चावरणसहितम्; वायवीयसंहितायाम् । |
| १०.७×५.६ | ११ | ४३ | " | " | १८८३ श. १७४८ | " | नृसिंहपुराणे । |
| ११.३×५.६ | ११ | ४२ | " | " | | " | |
| ११.३×५.५ | ११ | ३७ | " | " | | " | अथर्वणरहस्ये । |
| १३.४×५.५ | ९ | ३८ | " | " | | " | पद्मपुराणे । |
| १३.४×५.५ | ९ | ३९ | " | " | | अपू० | रामध्यानञ्च । |
| १२.७×६.२ | ११ | ३१ | " | " | | पू० | स्कन्दपुराणे ब्रह्मोत्तरखण्डे । |
| ७.४×३.२ | ६ | २९ | " | " | | " | रुद्रयामलतन्त्रे । |
| ८×६.५ | २६ | १७ | " | " | | " | शिव-सेतुमाधव–महालक्ष्मी-विष्ण्वादीनाम् । |
| ६.९×४.१ | १० | १५ | " | " | १८६३ श. १७२८ | " | |
| ४.६×३.४ | ९ | १५ | " | " | | " | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ६.६×३.५ | १० | ३० | " | " | | " | रुद्रयामले । |
| ६.५×४.४ | १० | २४ | " | " | | " | स्कन्दपुराणे । |
| ८.२×३.६ | ११ | ३१ | " | " | | " | भविष्योत्तरपुराणे । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०८१२ | गुरुनामानि | | १-२। |
| ८०८१३ | गायत्रीकवचम् | | १-२। |
| ८०८१४ | जगन्मङ्गलकवचम् | | १-४। |
| ८०८१५ | ताराशतनामस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०८१६ | लक्ष्मीनृसिंहद्वादश-नामाष्टकम् | | १-२। |
| ८०८१७ | महालक्ष्मीस्तोत्रम् | | ८-११। |
| ८०८१८ | ढुण्ढिराजस्तोत्रम् | | १-७। |
| ८०८१९ | अक्षयकवचम् | | १। |
| ८०८२० | सूर्यकवचम् | | १४८ (एकमेव पत्रम्)। |
| ८०८२१ | रुचिस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८०८२२ | सूर्यकवचम् | | १। |
| ८०८२३ | श्रीरामचन्द्रस्तवराजः | | १-९। |
| ८०८२४ | आर्यास्तोत्रम् | | १। |
| ८०८२५ | गायत्रीकवचम् | | १-८। |
| ८०८२६ | लम्बोदराष्टकम् | | १। |
| ८०८२७ | शिवस्तोत्रम् | | ५-६। |
| ८०८२८ | सूर्यस्तवराजः | | १। |
| ८०८२९ | गजेन्द्रमोक्षः | | १-४७। |
| ८०८३० | श्रीकृष्णस्तोत्रम् | | १-५। |
| ८०८३१ | विष्णुपञ्जरम् | | १-५। |
| ८०८३२ | गणपतिसहस्रनाम | | १-३१। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.८×४.७ | ६ | १७ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ६.९×४.२ | ११ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.५×४ | ९ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | राधिकाकवचं वा । |
| ११×२.७ | ६ | १६ | व. | ,, | | ,, | कालीविलासतन्त्रे । |
| ८.२×३.२ | ७ | २१ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ६×३.८ | ७ | १२ | ,, | ,, | | ,,* | |
| १०×३ | ७ | १९ | ,, | ,, | | पू० | |
| १२.५×४.३ | ९ | ५२ | व. | ,, | | ,, | ब्रह्मसंहितायाम् । |
| १४.२×३ | १० | ५० | ,, | ,, | | ,, | साम्बतन्त्रे । |
| १४×३.५ | ६ | ५३ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३×४ | ९ | २८ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्मयामले; त्रैलोक्यमङ्गलकवचं वा । |
| १०.५×४.५ | ८ | २३ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| १६.५×३.७ | ९ | ५६ | व. | ,, | | ,, | ब्रह्मपुराणे । |
| १३.२×३.४ | ९ | ५४ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्मयामले । |
| १३.७×३ | ६ | ४९ | ,, | ,, | | ,, | नवग्रहपूजा च । |
| १५.३×३.४ | ८ | ६८ | ,, | ,, | | ,, | शिवकवचञ्च । |
| १२.५×३.८ | ८ | ३० | ,, | ,, | | ,, | साम्बपुराणे । |
| ४.८×२.९ | ५ | १५ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ३.१×२.१ | ५ | १३ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्मवैवर्त्ते । |
| ६.२×३.१ | ६ | २२ | ,, | ,, | १९३२ | ,, | ब्रह्माण्डपुराणान्तर्गतम् । |
| ६.५×४ | ७ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०८३३ | नवग्रहस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०८३४ | शिवपञ्चाक्षरस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८०८३५ | शिवभुजङ्गम् | | १-३। |
| ८०८३६ | विश्वनाथाष्टकम् | | १-५। |
| ८०८३७ | प्रदोषव्रतम् | | १। |
| ८०८३८ | शीतलास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०८३९ | आनन्दलहरी | | १। |
| ८०८४० | आत्मषट्कम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८०८४१ | महाविद्यागणपति-स्तोत्रम् | | १-५। |
| ८०८४२ | ज्वरमन्त्रः | | १-३। |
| ८०८४३ | मेधाकवचम् | | ४ गणनया। |
| ८०८४४ | त्रैलोक्यमङ्गलकवचम् | | १। |
| ८०८४५ | विष्णुसहस्रनामावलिः | | १-४, ६-९। |
| ८०८४६ | नृसिंहाष्टोत्तरशतनाम-स्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०८४७ | शीतलास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०८४८ | सोपानपञ्चकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८०८४९ | वक्रतुण्डाष्टकम् | व्यासः | १-४। |
| ८०८५० | गौरीदशकस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०८५१ | विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् | | १-४, ७-१५, २५-२६। |
| ८०८५२ | प्रातःस्मरणम् | | १। |
| ८०८५३ | शीतलाष्टकम् | | १-४। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.७×३.३ | ५ | २३ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ४.५×२.९ | ७ | १८ | ,, | ,, | श. १७८३ | ,, | |
| ५.६×३.६ | ७ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| २.४×४.५ | ६ | ११ | ,, | ,, | | ,, | अच्युताष्टकञ्च । |
| ७.४×३.१ | १० | ४१ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ६×३ १ | ५ | २१ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ९.३×६.३ | १७ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.८×४.२ | १० | ३५ | ,, | ,, | | ,, | निर्वाणषट्कं यन्त्रद्वयञ्च । |
| ६.५×४ | ८ | १५ | ,, | ,, | १८८९ | ,, | |
| ३×२ | ६ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.७×३.३ | ९ | २२ | ,, | ,, | १८९४ | ,, | रुद्रयामले तन्त्रे उत्तरखण्डे । |
| १७×५.२ | ४० | १५ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्मयामले । |
| ५.३×३ ७ | १८ | १६ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ५.७×४ | ९ | १२ | ,, | ,, | | पू० | नृसिंहपुराणे । |
| ६.४×२.८ | ६ | २८ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| १२×७.८ | २० | २३ | ,, | ,, | | ,, | षट्पदीस्तोत्रञ्च । |
| ४×३ | ६ | १२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.९×३.७ | ६ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×३.८ | ७ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×७ | २५ | २५ | ,, | ,, | | ,, | रामस्तोत्रं वा । |
| ७×३.२ | ५ | १९ | ,, | ,, | फ. १२५१ | ,, | स्कन्दपुराणे । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०८५४ | ऋणहरणगणेशस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०८५५ | कार्त्तवीर्यार्जुनसहस्रनाम | | १-७। |
| ८०८५६ | गङ्गाष्टकम् | | १-३। |
| ८०८५७ | शनैश्चरस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०८५८ | सप्तशतीसारस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०८५९ | गणेशस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०८६० | विष्णुस्तुतिः | | १-४। |
| ८०८६१ | शिवस्तोत्रम् | वेदव्यासः | १-२। |
| ८०८६२ | प्रत्यङ्गिरास्तोत्रम् | | १-५। |
| ८०८६३ | देवीदण्डकम् | | १, ३-६, ८। |
| ८०८६४ | अपामार्जनस्तोत्रम् | | १-२, ४-३५। |
| ८०८६५ | हनुमत्कवचम् | | १-६। |
| ८०८६६ | शिवकवचम् | | १-२१। |
| ८०८६७ | भैरवनामावली | | १। |
| ८०८६८ | आर्यास्तवः | | १-५। |
| ८०८६९ | गर्भस्तुतिः | | १-४। |
| ८०८७० | सदाशिवशक्तिसहस्रनाम | धर्माङ्गदः | १-१०। |
| ८०८७१ | रामाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-३। |
| ८०८७२ | नन्दनाष्टकम् | | १। |
| ८०८७३ | शिवमहिम्नःस्तवः | पुष्पदन्तः | १-७। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७.२×३.८ | ५ | १६ | दे.ना. | का. | १६१० | पू० | |
| ८.६×४ | १३ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×४.३ | ६ | १५ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ९.३×३.९ | ६ | २६ | ,, | ,, | | पू० | |
| ९×३.६ | ११ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.६×४.६ | ९ | १८ | ,, | ,, | १८६१ | ,, | |
| ७.९×४.७ | ५ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.५×४.५ | ६ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.५×५.७ | १४ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×१.१ | ६ | २३ | ग्र. | ता. | | अपू० | |
| ५×३ | ६ | १३ | दे.ना. | ,, | | ,, | विष्णुधर्मोत्तरे । |
| ५.३×३ | ८ | १७ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.६×३.२ | ५ | १६ | ,, | का. | | ,, | स्कन्दपुराणब्रह्मोत्तरखण्डान्तर्गतम् । |
| १७.४×६.२ | १४ | १२ | ,, | ,, | | ,, | वर्षकुण्डली च । |
| ६.४×३.४ | ८ | १० | ,, | ,, | १७१२ | ,, | |
| ६.४×४.५ | ८ | १७ | ,, | ,, | | ,, | श्रीमद्भागवते दशमस्कन्धे ब्रह्मादिकृता स्तुतिः । |
| ७.५×४.३ | १० | २७ | ,, | ,, | १७८३ | ,, | |
| ८.४×४ | ६ | १७ | ,, | ,, | १८३९ | ,, | |
| १८.×६.१ | ३१ | १४ | ,, | ,, | | अपू० | पृष्ठस्य अपरभागे वर्षकुण्डलीचक्रञ्च । |
| ७.७×४.३ | १० | २६ | ,, | ,, | ७१ ? | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०८७४ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-१२। |
| ८०८७५ | दुर्गासप्तशती | | १-७२। |
| ८०८७६ | राधाकवचम् | | १-३। |
| ८०८७७ | कार्त्तवीर्यार्जुनकवचम् | | १-६। |
| ८०८७८ | विष्णुस्तुतिः | | १-२। |
| ८०८७९ | शिवसहस्रनामस्तोत्रम् | | ६-८, ११, १२, २५-२६। |
| ८०८८० | दुर्गासप्तशती | | १-४६, ५६-७०, ८९-९५। |
| ८०८८१ | आदित्यहृदयम् | | १-१४, १६-१८। |
| ८०८८२ | रामचन्द्रस्तवराजः | | १-१३, १-५। |
| ८०८८३ | वेदस्तुतिः | | १-४। |
| ८०८८४ | शिवसहस्रनाम | | ४-२३। |
| ८०८८५ | ताराकवचम् | | १-४। |
| ८०८८६ | शिवसहस्रनाम | | ४-१६। |
| ८०८८७ | गायत्रीकवचम् | | १-५। |
| ८०८८८ | ,, | | १-२। |
| ८०८८९ | वक्रतुण्डकवचम् | | १-२। |
| ८०८९० | विष्णुपञ्जरस्तोत्रम् | | १-९। |
| ८०८९१ | कालभैरवाष्टकम् | | १-२। |
| ८०८९२ | शिवस्तवः | | १। |
| ८०८९३ | ,, | | १-२। |
| ८०८९४ | महालक्ष्म्यष्टकम् | | १-३। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७.७×४.४ | ७ | १३ | दे.ना. | का. | | अपू० | |
| ६.९×३.६ | ७ | १९ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.७×४.३ | १० | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.४×३.८ | १५ | ४१ | ,, | ,, | | ,, | उमामाहेश्वरतन्त्रे । |
| ८.३×४.४ | ८ | २७ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ७.५×४.५ | ६ | १८ | ,, | ,, | | ,, | शिवहृदयस्तोत्रञ्च । |
| ५.७×४ | ९ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×३.५ | ९ | २० | ,, | ,, | | ,, | भविष्योत्तरपुराणे । |
| ७.९×४.४ | ५ | १० | ,, | ,, | | पू० | सनत्कुमारसंहितायाम्; रामरत्नञ्च । |
| ८.२×४.६ | ९ | २४ | ,, | ,, | | अपू० | भागवतीया । |
| ६.९×५.२ | १० | १९ | ,, | ,, | १८६५ | पू० | महाभारते । |
| ६.१×४.२ | १० | २५ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ६.४×४ | ९ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७×४.९ | ९ | २२ | ,, | ,, | | पू० | अगस्त्यसंहितोक्तम् । |
| ५×४.३ | १२ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.६×३.२ | ७ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.३×३.१ | ६ | १७ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ६.५×४ | १० | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.९×३.६ | १० | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.७×४.२ | ११ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.६×३.८ | ६ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०८९५ | भीष्मस्तवराजः | | १-१४। |
| ८०८९६ | परमहंसकवचम् | | १-३। |
| ८०८९७ | आपदुद्धारकबटुकभैरव-स्तोत्रम् | | १-९। |
| ८०८९८ | वेदस्तुतिः | | १-४। |
| ८०८९९ | लक्ष्मीनारायणस्तवः | | १-२। |
| ८०९०० | महिम्नःस्तोत्रम् | | १-७। |
| ८०९०१ | रामहृदयम् | | १-४। |
| ८०९०२ | त्रैलोक्यमोहनकवचम् | | १-८। |
| ८०९०३ | बटुकभैरवकवचम् | | १-६। |
| ८०९०४ | रामहृदयम् | | १२ गणनया। |
| ८०९०५ | कृष्णकवचम् | | १-३। |
| ८०९०६ | दुर्गाष्टोत्तरशतनाम | | १-४। |
| ८०९०७ | लक्ष्मीनृसिंहसहस्रनाम-स्तोत्रम् | | १-२६। |
| ८०९०८ | दुर्गासप्तशती | | १-८०। |
| ८०९०९ | गोविन्दाष्टकम् | शङ्करः | १। |
| ८०९१० | कार्त्तवीर्यार्जुनकवचम् | | १-९। |
| ८०९११ | स्तवमाला | | १-९, १९-७०, ७२-९१। |
| ८०९१२ | बटुककवचम् | | १। |
| ८०९१३ | शिवकवचम् | | १-४। |
| ८०९१४ | इन्द्राक्षीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०९१५ | भवानीभुजङ्गप्रयातम् | | १-२। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.९×३.८ | ८ | २० | दे.ना. | का. | १९४९ | पू० | महाभारते । |
| १०×४.६ | १० | ३५ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामलतन्त्रे । |
| ९.६×४.४ | ७ | ३२ | ,, | ,, | १९२६ | ,, | |
| ११.४×६.२ | ११ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | भागवते महापुराणे । |
| ९×५.२ | ११ | ३० | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामलान्तर्गतम् । |
| ९×४.९ | ९ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.४×६.२ | ११ | २८ | ,, | ,, | | ,, | अध्यात्मरामायणे । |
| ५.९×४.१ | ९ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.७×४.८ | ८ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५×४.३ | ९ | ११ | ,, | ,, | | ,,* | अध्यात्मरामायणे । |
| ६.६×४.४ | ९ | २५ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ७×३.५ | ६ | १९ | ,, | ,, | | पू० | |
| ५.९×३.६ | ९ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.३×४.३ | ७ | १२ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ९.२×३.५ | ११ | ५० | ,, | ,, | | पू० | |
| ८.७×४.४ | १० | ४१ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.२×४.२ | ८ | ४२ | ,, | ,, | | अपू० | |
| १०.३×४ | १२ | ३५ | ,, | ,, | | पू० | रुद्रयामलतन्त्रे । |
| ४.८×३.३ | १६ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.५×४.४ | १० | २४ | ,, | ,, | १८३८ | ,, | स्कन्दपुराणोक्तम् । |
| ४.६×२.६ | २१ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | भवानीषट्पदीस्तोत्रञ्च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०९१६ | गायत्रीसहस्रनाम | | १-३०। |
| ८०९१७ | देवीकवचम् | | १-२। |
| ८०९१८ | मल्लारिकवचम् | | १-४। |
| ८०९१९ | भवानीकवचम् | | १-४। |
| ८०९२० | नर्मदाष्टकम् | | १-४। |
| ८०९२१ | शिवकवचस्तोत्रम् | | १-१४। |
| ८०९२२ | त्रिपुरसुन्दरीलघुस्तवः | कालिदासः | १३८-१४५, १४८-१४९। |
| ८०९२३ | मङ्गलस्तवः | | १-२। |
| ८०९२४ | नृसिंहकवचम् | | १-७। |
| ८०९२५ | सूर्यकवचम् | | १-६। |
| ८०९२६ | दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-३। |
| ८०९२७ | ,, | ,, | १-४। |
| ८०९२८ | शिवाष्टोत्तरशतनाम | | १-२। |
| ८०९२९ | शिवताण्डवस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०९३० | रामकवचम् | बुधकौशिकः | १। |
| ८०९३१ | गोविन्दाष्टकम् | | १-२। |
| ८०९३२ | सर्वमन्त्रोत्कीलनस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०९३३ | शिवमहिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्ताचार्यः | १-१०। |
| ८०९३४ | हरिहरनामावली | धर्मराजः | १-३। |
| ८०९३५ | शिवसहस्रनाम | | १-१६। |
| ८०९३६ | गणेशाष्टकम् | | १-३। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५×३.३ | ७ | १६ | दे.ना. | का | १८९३ | पू० | विष्णुयामले। |
| ८.२×३.३ | ६ | ३० | ब. | ,, | | अपू० | |
| ५.२×२.८ | ५ | १३ | दे.ना. | ,, | | पू० | |
| ६.८×३.७ | ६ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.२×३.७ | ७ | २३ | ,, | ,, | १९४४ | ,, | |
| ६×४ | ७ | १५ | ,, | ,, | | ,, | स्कान्दे ब्रह्मोत्तरखण्डे। |
| ६×३.८ | ६ | १५ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ५.२×३.१ | ६ | १७ | ,, | ,, | १८५२ | पू० | स्कन्दपुराणे। |
| ५.५×३.४ | ६ | २० | ,, | ,, | १९८४ | ,, | |
| ६.३×३.९ | १० | २१ | ,, | ,, | | ,, | वज्रपञ्जरकवचं वा। |
| ६.५×४ | ८ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.६×४ | ७ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.९×४ | १३ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×४.१ | ७ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×३.८ | ९ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९×४.२ | २५ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.४×३.८ | ९ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.२ | ७ | १९ | ,, | ,, | १८६१ | ,, | |
| ६.९×८.७ | ७ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.५×३.७ | ९ | २७ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ६.६×३.४ | ६ | १५ | ,, | ,, | | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०९३७ | शिवसहस्रनामस्तोत्रम् | | १-३४। |
| ८०९३८ | द्वादशस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०९३९ | त्रिपुरसुन्दरीकवचम् | | १-६। |
| ८०९४० | शिववर्म | | १-११। |
| ८०९४१ | विष्णुमहिम्नःस्तोत्रम् | | १-१२। |
| ८०९४२ | पञ्चमुखहनुमत्कवचम् | | १-२, ४-६। |
| ८०९४३ | ललितासहस्रनामस्तवः | | १-८+५। |
| ८०९४४ | अभिलाषाष्टकम् | | १। |
| ८०९४५ | सौन्दर्यलहरी सटीका | टी. का. नागेशः | १-२५। |
| ८०९४६ | शनिस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८०९४७ | सौन्दर्यलहरी | शङ्कराचार्यः | १-१५। |
| ८०९४८ | गङ्गासहस्रनाम | | १-७, ९-११। |
| ८०९४९ | बगलामुखीकवचम् | | १-४। |
| ८०९५० | श्यामास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०९५१ | ललितासहस्रनाम सभाष्यम् | भा. का. भास्करराय: | १-६, १-२२। |
| ८०९५२ | सरस्वतीकवचम् | | १-५। |
| ८०९५३ | देवीसूक्तम् | | १। |
| ८०९५४ | रामसहस्रनामस्तोत्रम् | | १-१९। |
| ८०९५५ | आदित्यहृदयम् | | १-२०। |
| ८०९५६ | सङ्कटनाशनस्तोत्रम् | | १। |
| ८०९५७ | गजेन्द्रमोक्षः | | १-२५। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५.१×३.३ | ९ | १८ | दे.ना. | का. | १८६० | पू० | पद्मपुराणे; वेदसारसहस्रनाम-स्तोत्रं वा। |
| ६×४.१ | १२ | २७ | ,, | ,, | | ,, | लघुतारतम्यस्तोत्रञ्च । |
| ६.८×४.२ | ९ | २६ | ,, | ,, | | ,, | त्रैलोक्यमोहनाख्यम् । |
| ६.१×३.७ | ७ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×३.७ | ८ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.६×३.९ | ९ | १९ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ७×४.३ | ९ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.१×४.३ | ११ | ३१ | ,, | ,, | | पू० | |
| १०.९×३.४ | ११ | ५० | मै. | ,, | | ,, | |
| १०.१×४.४ | ८ | २३ | दे.ना. | ,, | १८९० | ,, | स्कन्दपुराणान्तर्गतम् । |
| ८.९×४.४ | ८ | ३३ | ,, | ,, | १८७५ | ,, | |
| १०.६×४.५ | ९ | ३८ | ,, | ,, | | अपू० | स्कन्दपुराणे । |
| ११.५×५.३ | १२ | ३३ | व. | ,, | | पू० | |
| १४.३×५.३ | १४ | ३७ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३.२×५.८ | १६ | ५० | दे.ना. | ,, | | अपू० | ११-१२ कले । |
| ५×४ | ९ | १६ | ,, | ,, | १९०४ | पू० | ब्रह्मवैवर्त्ते । |
| ७×३ | ९ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७×३.६ | ८ | २३ | ,, | ,, | १७९४ | ,, | रुद्रयामले । |
| ५.७×४ | ६ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×४.४ | ८ | २२ | ,, | ,, | | ,, | पद्मपुराणे । |
| ६.५×४.४ | ७ | १६ | ,, | ,, | | ,, | महाभारते । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०९५८ | शिवरक्षास्तोत्रम् | | १। |
| ८०९५९ | कृष्णकवचम् | | १-२। |
| ८०९६० | दशहरास्तोत्रम् | | १-६। |
| ८०९६१ | लक्ष्मीस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८०९६२ | अपामार्जनस्तोत्रम् | | १-११। |
| ८०९६३ | जयपताकास्तोत्रम् | मुनीश्वरः | १-५। |
| ८०९६४ | गजेन्द्रमोक्षस्तोत्रम् | | १-२४। |
| ८०९६५ | शनैश्चरस्तोत्रम् | दशरथः | १-८। |
| ८०९६६ | पञ्चमखीहनुमत्कवचम् | | १-११। |
| ८०९६७ | अन्नपूर्णास्तोत्रम् | | १-१२, १४। |
| ८०९६८ | गरुडकवचम् | | १-८। |
| ८०९६९ | व्यङ्कटेशसहस्रनाम | | २-८। |
| ८०९७० | विष्णुदिव्यसहस्रनाम | | १-९। |
| ८०९७१ | गङ्गापुष्पाञ्जलिस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८०९७२ | शिवपञ्चरत्नम् | | १-२। |
| ८०९७३ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-७। |
| ८०९७४ | नृसिंहस्तोत्रम् | | १-१३। |
| ८०९७५ | चण्डिकास्तोत्रशाप-मोचनमन्त्राः | | १, १। |
| ८०९७६ | अगस्त्याष्टकम् | | १-४। |
| ८०९७७ | रामार्यास्तवः | | १-९। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.४×४ | १२ | २९ | दे.ना. | का. | | पू० | शिवस्तोत्रञ्च; ब्रह्मोत्तरखण्डे । |
| ७×३.५ | ८ | २७ | ,, | ,, | | ,, | पद्मपुराणोक्तं ब्रह्मपुराणोक्तं भौमस्तोत्रञ्च । |
| ७.७×४.२ | ७ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.६×३.६ | ७ | २६ | ,, | ,, | १९२२ | ,, | विष्णुपुराणे । |
| ७.६×४ | ८ | २७ | ,, | ,, | | ,, | विष्णुधर्मोत्तरे । |
| ६.२×३.८ | ६ | १३ | ,, | ,, | १८९० | ,, | जैपताकास्तोत्रं वा । |
| ५.८×३.८ | ८ | १६ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ६.८×४.२ | ८ | २० | ,, | ,, | | पू० | शनैश्चराष्टकञ्च । |
| ५.२×३.७ | ८ | १३ | ,, | ,, | श. १७१५ | ,, | |
| ८.८×३.४ | ७ | २६ | ,, | ,, | १८१८ | अपू० | अन्नपूर्णासहस्रनाम, अन्नपूर्णा-कवचं, भैरवस्तोत्रञ्च । |
| ७.१×४.६ | ७ | १६ | ,, | ,, | | पू० | |
| ९.२×४.६ | १२ | ३५ | ,, | ,, | | अपू० | ब्रह्माण्डपुराणान्तर्गतम् । |
| ९.८×४.५ | ७ | २२ | ,, | ,, | १८८७ | पू० | |
| ९×४.३ | ७ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.५×६.६ | ८ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.४×३.११ | ७ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.२×४.५ | १० | ३० | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ६×४ | ७ | २२ | ,, | ,, | १९४२ | ,, | पञ्चक्रोशयात्रा च । |
| ८×५ | ७ | २८ | ,, | ,, | १९३४ | ,, | शिवस्तोत्रञ्च । |
| ६.२×४.८ | १० | १७ | ,, | ,, | १८६० | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०९७८ | हनुमत्स्तोत्रम् | | १-५। |
| ८०९७९ | गोविन्दाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८०९८० | श्यामाकवचम् | | ३ गणनया। |
| ८०९८१ | दुर्गासप्तशती | | १-२४। |
| ८०९८२ | सौन्दर्यलहरी सटीका | | १-२७। |
| ८०९८३ | शुकाष्टकं सव्याख्यम् | व्या. का. गङ्गाधर-स्वामी | १-६। |
| ८०९८४ | शीतलाष्टकम् | | १। |
| ८०९८५ | दुर्गासप्तशती सटीका | | ८९-१३५। |
| ८०९८६ | हरिहरस्तवः | | १-७। |
| ८०९८७ | दशहरास्तोत्रम् | | १, ३-८। |
| ८०९८८ | गङ्गाष्टकम् | | १-६। |
| ८०९८९ | विष्णुसहस्रनाम | | १-२१। |
| ८०९९० | व्यङ्कटेशकवचम् | | १-९, ११। |
| ८०९९१ | बगलामुखीकवचम् | | १-१०। |
| ८०९९२ | शिवहृदयस्तोत्रम् | | १-९, ७-८। |
| ८०९९३ | ऋणहरस्तोत्रम् | | २ गणनया। |
| ८०९९४ | नवग्रहस्तोत्रम् | व्यासः | १-६। |
| ८०९९५ | लक्ष्मीहृदयस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८०९९६ | शनिस्तोत्रम् | | १-८। |
| ८०९९७ | इन्द्राक्षीस्तोत्रम् | | १-१०। |
| ८०९९८ | विष्णुपञ्चायुधस्तोत्रम् | | १-२। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९×४ | ७ | ३४ | दे.ना. | का. | श. १६५० | पू० | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| १०×४ | ९ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.८×४ | १२ | २९ | व. | ,, | | ,, | |
| १०×३.८ | ९ | ५१ | मै. | ,, | | ,, | |
| १३.३×५.१ | २२ | ७५ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.२×४.५ | ११ | ५१ | दे.ना. | ,, | १९२३ | अपू० | |
| ९.२×३.६ | १३ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| १०×५.१ | १३ | ३७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.२×२.५ | ७ | १८ | ,, | ,, | १९०१ | पू० | |
| ६.४×३.१ | ७ | २३ | ,, | ,, | १८८२ | अपू० | |
| ५×३.८ | ५ | १० | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.३×३.२ | ६ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×२.५ | ६ | २० | ,, | ,, | | अपू० | |
| ४.८×२.१ | ५ | १३ | ,, | ,, | १९२७ | पू० | |
| ५.८×३.४ | ७ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.९×३.१ | ७ | ११ | ,, | ,, | | ,, | भविष्योत्तरपुराणे । |
| ४.६×३.१ | ६ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.२×३.३ | ९ | १२ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ५.१×३.५ | ९ | १७ | ,, | ,, | | पू० | |
| ५×३.२ | ४ | ९ | ,, | ,, | १६०६ | ,, | |
| ५.९×४ | ९ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८०९९९ | लक्ष्मीनृसिंहकवचम् | | १-३। |
| ८१००० | रामसहस्रनाम | | १-१७। |
| ८१००१ | अपामार्जनस्तोत्रम् | | १-१९। |
| ८१००२ | महिम्नःस्तोत्रम् | | २-१०। |
| ८१००३ | ललितासहस्रनाम | | १-३०। |
| ८१००४ | रामचन्द्रस्तवराजः | | १-२०। |
| ८१००५ | गणेशस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१००६ | शिवसहस्रनामस्तवः | | १-२९। |
| ८१००७ | कालिकाकवचम् | | १-२५। |
| ८१००८ | मङ्गलाष्टकम् | | १-२। |
| ८१००९ | मृत्युञ्जयस्तोत्रम् | | १। |
| ८१०१० | हरिहरात्मकस्तोत्रम् | | १। |
| ८१०११ | महिम्नःस्तोत्रम् | | १-७। |
| ८१०१२ | अपराजितास्तोत्रम् | | १-४। |
| ८१०१३ | राधाष्टकम् | | १-२। |
| ८१०१४ | शिवाष्टोत्तरशतनाम | | १-६। |
| ८१०१५ | अन्नपूर्णास्तोत्रम् | | १-१०। |
| ८१०१६ | शिवकवचम् | | १। |
| ८१०१७ | पञ्चमुखहनुमत्कवचम् | | १-६। |
| ८१०१८ | शिवमहिम्नःस्तवः | | १-१५ । १। |
| ८१०१९ | रामस्तवराजः | | १-१०। |
| ८१०२० | अभिलाषाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६×३.५ | ९ | १९ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ६×४.२ | १० | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×३.८ | १० | १६ | ,, | ,, | श.१५१५ | ,, | भविष्योत्तरपुराणे । |
| ६.६×३.९ | ८ | १८ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ८×४.२ | ७ | २३ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.९×४.२ | ६ | १८ | ,, | ,, | १८९४ | ,, | सनत्कुमारसंहितायाम् । |
| ६.२×४.३ | ८ | १८ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ६.१×४.३ | ९ | १६ | ,, | ,, | १७६९ | ,, | |
| ९.२×३ | ७ | ४५ | मै. | ,, | | ,, | |
| ८×३.८ | ५ | २७ | दे.ना. | ,, | | अपू० | |
| ८×४.२ | १० | २६ | ,, | ,, | | पू० | |
| ८×३.२ | ७ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.६×४.६ | १० | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.६×४.१ | ९ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.३ | ८ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×४.४ | ६ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३.६×४.३ | ८ | ४० | ब. | ,, | | ,, | |
| ९.४×५ | ११ | ४१ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ७×५.५ | ९ | १५ | ,, | ,, | १९४० | ,, | |
| ९.७×५.२ | ११ | २६ | ,, | ,, | १९०५ | ,, | |
| ८.५×३.९ | ८ | २६ | ,, | ,, | | ,, | सनत्कुमारसंहितायाम् । |
| ७.२×४.५ | ८ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
| --- | --- | --- | --- |
| ८१०२१ | गजेन्द्रमोक्षः | | १-३ । |
| ८१०२२ | दशहरास्तवः | | १-२, ७-१५ । |
| ८१०२३ | शिवकवचम् | | १-२१ । |
| ८१०२४ | रामध्यानस्तोत्रम् | | १-४ । |
| ८१०२५ | श्रीकृष्णकवचम् | | १-३ । |
| ८१०२६ | सङ्कटनिवर्हणस्तवः | | १ । |
| ८१०२७ | ऋणमोचकमङ्गलस्तोत्रम् | | १-३ । |
| ८१०२८ | रामाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-२ । |
| ८१०२९ | कार्त्तवीर्यकवचम् | | १-६ । |
| ८१०३० | शिवाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-२ । |
| ८१०३१ | दत्तात्रेयसहस्रनाम | | १-२२ । |
| ८१०३२ | शिवापराधक्षमापनस्तोत्रम् | | १-३, ६ । |
| ८१०३३ | गङ्गाष्टकम् | वाल्मीकिः | १, ३ । |
| ८१०३४ | बालात्रिपुरालघुस्तोत्रम् | लघ्वाचार्यः | २-४ । |
| ८१०३५ | हनुमत्स्तोत्रम् | विभीषणः | ५ गणनया । |
| ८१०३६ | ललितासहस्रनाम | | १-१३ । |
| ८१०३७ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | ११ । |
| ८१०३८ | हरिमीडेस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-७ । |
| ८१०३९ | आपदुद्धारबटुकभैरवस्तोत्रम् | | १-१३ । |
| ८१०४० | हनुमत्स्तोत्रम् | विभीषणः | १-३ । |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०.५×३.९ | ४० | ४० | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ६.४×३.२ | ७ | १४ | ,, | ,, | १८७० | अपू० | स्कन्दपुराणे । |
| ६.३×३.२ | ५ | १६ | ,, | ,, | | पू० | स्कन्दपुराणे ब्रह्मोत्तरखण्डे । |
| ६.८×३.३ | ६ | १९ | ,, | ,, | १७८५ | ,, | सुन्दरीतन्त्रे । |
| ६×२.८ | ५ | २३ | ,, | ,, | | ,, | पद्मपुराणे । |
| ६ २×३.६ | ८ | १९ | ,, | ,, | | ,, | पद्मपुराणे कार्त्तिकमाहात्म्ये । |
| ५.५×३.६ | ७ | २१ | ,, | ,, | १९२१ | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ६.४×४ | ७ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.२×२.२ | ६ | २१ | ,, | ,, | १९२७ | अपू० | |
| ९.४×३.२ | ८ | २८ | ,, | ,, | १९२७ | पू० | |
| ५.८×३.९ | ८ | २४ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ४.९×३.३ | ७ | १३ | ,, | ,, | १८६९ | अपू० | |
| ५.२×३.५ | ८ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×४.५ | १३ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.४×६.७ | १८ | २९ | ,, | ,, | १९९१ | पू०* | |
| ८×५.२ | ११ | २३ | ,, | ,, | | पू० | |
| ८.७×३.८ | ७ | ३९ | ,, | ,, | १९१८ | ,, | |
| ६.५×४.२ | ७ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.८×४ | ७ | १८ | ,, | ,, | १९०४ | ,, | |
| ५.६×३.३ | ९ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१०४१ | एकमुखीहनुमत्कवचम् | | १-११। |
| ८१०४२ | सिद्धलक्ष्मीस्तवः | | १-४। |
| ८१०४३ | लक्ष्मीसहस्रं सटीकम् | | १-२४। |
| ८१०४४ | शिवकवचम् | | १-७। |
| ८१०४५ | शिवसहस्रनाम | | १-१८। |
| ८१०४६ | विष्णुकवचम् | | १-१०। |
| ८१०४७ | गिरिजादशकम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८१०४८ | भवानीकवचम् | | १-२। |
| ८१०४९ | नामापराधनिरसन-स्तोत्रम् | | १-४। |
| ८१०५० | नर्मदाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८१०५१ | गङ्गाष्टकम् | वाल्मीकिः | १-३। |
| ८१०५२ | देव्यपराधस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१०५३ | पञ्चमुखीहनुमत्कवचम् | | १-४। |
| ८१०५४ | बालात्रिपुरसुन्दरीबका-रादिसहस्रनाम | | १-१५। |
| ८१०५५ | सिद्धलक्ष्मीस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८१०५६ | शरभाष्टकस्तोत्रम् | | १-५, १-६। |
| ८१०५७ | शिवस्तुतिः | | १-४। |
| ८१०५८ | गणेशस्तवः | | १। |
| ८१०५९ | शिवाष्टोत्तरशतनाम-स्तोत्रम् | | १-३। |
| ८१०६० | ब्रह्मैक्यवृत्तिस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८.३×४ | ७ | १५ | दे.ना | का. | १९३० | पू० | ब्रह्मपुराणे । |
| ४.९×३ | ८ | १४ | " | " | | " | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ११.६×४.४ | ११ | ४५ | " | " | | " | |
| ८.३×४.१ | ८ | २४ | " | " | | " | स्कन्दपुराणे । |
| ९.५×४.४ | ८ | ३० | " | " | १९११ | " | पद्मपुराणे । |
| ६.१×४.६ | ५ | ११ | " | " | | " | अग्निपुराणे । |
| ७.५×४.४ | ९ | २२ | " | " | | " | |
| ६.७×४.३ | १० | २२ | " | " | | " | रुद्रयामले । |
| ५×४.६ | ९ | १८ | " | " | | " | पद्मपुराणे स्वर्गखण्डे । |
| ६.७×४.२ | ९ | २७ | " | " | | " | |
| ६.९×५.८ | ८ | १५ | " | " | | " | शिवारार्तिक्यञ्च । |
| २०×५.२ | ४४ | १० | " | " | | " | |
| ६.५×४ | ९ | २३ | " | " | | " | सुदर्शनसंहितायाम् । |
| ७.२×४.५ | ९ | २३ | " | " | ११७२ | " | कालसंकर्षणीतन्त्रे । |
| ७.२×४.१ | १० | २२ | " | " | | " | |
| ७.३×४.३ | ७ | २२ | " | " | | " | शरभशालुहृदयञ्च । |
| ८×४.६ | ७ | २८ | " | " | | " | |
| ७.१×३.८ | ६ | ३२ | " | " | श.१७५७ | " | गणेशपुराणे । |
| ५.६×३.५ | ८ | १६ | " | " | | " | |
| ६.२×३.५ | ७ | २० | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१०६१ | लक्ष्मीपञ्जरस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८१०६२ | शनैश्चरस्तोत्रम् | दशरथः | १-११। |
| ८१०६३ | श्यामास्तवः | | १ (लम्बायमानम्)। |
| ८१०६४ | हरिहरस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१०६५ | एकाक्षरगणेशकवचम् | | १-५। |
| ८१०६६ | गङ्गासहस्रनाम | | १-२३। |
| ८१०६७ | कालिकाकवचम् | | १-३। |
| ८१०६८ | आनन्दलहरी | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८१०६९ | अन्नपूर्णाष्टकम् | व्यासः | १-४। |
| ८१०७० | कृष्णदशकम् | | १-४। |
| ८१०७१ | चर्पटमञ्जरी | | १-४। |
| ८१०७२ | मन्त्रपुष्पाञ्जलिः | | १। |
| ८१०७३ | हरिमीडेस्तवः | शङ्कराचार्यः | १-९। |
| ८१०७४ | गायत्रीकवचम् | | १-३। |
| ८१०७५ | शीतलाष्टकम् | | १-३। |
| ८१०७६ | रामस्तवराजः | | १-७। |
| ८१०७७ | भीष्मस्तवराजः | | १-५३। |
| ८१०७८ | आदित्यहृदयम् | | १-१६। |
| ८१०७९ | व्यङ्कटेशकवचम् | | १-८। |
| ८१०८० | देवीकवचम् | | १-५। |
| ८१०८१ | विष्णुसहस्रनाम | | १-२२। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.४×३.७ | ७ | १६ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ५.८×३.६ | ७ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| २६×९.१ | ४२ | १९ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले; श्यामाचक्रञ्च। |
| ७.९×४.१ | १० | ३० | ,, | ,, | १९३४ श. १७९९ | ,, | स्कन्दपुराणे। |
| ७.५×४.१ | ७ | २२ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले। |
| ९×४.३ | ८ | २३ | ,, | ,, | १९२६ | ,, | |
| ७×४ | ११ | २० | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले। |
| १४.४×६.७ | ३६ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.७×४.२ | ६ | १२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.८×४ | ५ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.२ | ८ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९×३.८ | ८ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×४.३ | ९ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×४.४ | १० | १९ | ,, | ,, | श. १७३१ | ,, | अगस्त्यसंहितायाम्। |
| ५.७×४.२ | ६ | १४ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे। |
| ६×४ | १२ | २४ | ,, | ,, | | ,, | पद्मपुराणे सनतकुमारसंहितायाम्। |
| ६×४ | ७ | १६ | ,, | ,, | | ,, | अनुस्मृतिः, गजेन्द्रमोक्षश्च। |
| ७.५×४ | ७ | २० | ,, | ,, | १८५८ | ,, | भविष्योत्तरपुराणान्तर्गतम्। |
| ६×४.३ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.७×४.१ | ९ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ७×४.४ | ७ | २१ | ,, | ,, | | ,, | महाभारते। |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१०८२ | सूर्यकवचम् | | १-२० । |
| ८१०८३ | आदित्यहृदयम् | | १-१५ । |
| ८१०८४ | रामरक्षास्तोत्रम् | | १५ । |
| ८१०८५ | गोविन्दाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १ । |
| ८१०८६ | नृसिंहाष्टोत्तरशतनामावलिः | | १ । |
| ८१०८७ | गणेशस्तवः | वैद्यनाथशुक्लः | १८-२१ । |
| ८१०८८ | शिवापराधक्षमापनस्तोत्रम् | | १ । |
| ८१०८९ | शत्रुञ्जयस्तवः | | १-८ । |
| ८१०९० | पञ्चरत्नस्तवः | शङ्कराचार्यः | १-२ । |
| ८१०९१ | गायत्रीस्तोत्रम् | | १-२; १-३ । |
| ८१०९२ | निर्वाणाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-२ । |
| ८१०९३ | सरस्वतीस्तोत्रम् | ब्रह्मा | १-२ । |
| ८१०९४ | अन्नपूर्णाष्टकम् | | ४ गणनया । |
| ८१०९५ | शुकाष्टकम् | शुकाचार्यः | १-२ । |
| ८१०९६ | भुवनेश्वरीस्तोत्रम् | | १-४ । |
| ८१०९७ | सङ्कटास्तवः | | १-६ । |
| ८१०९८ | व्यङ्कटेशस्तोत्रम् | | १-३ । |
| ८१०९९ | शूलिनीदिग्बन्धनस्तोत्रम् | | १-६ । |
| ८११०० | हनुमत्कवचम् | | १-१४ । |
| ८११०१ | रामस्तवराजः | | १-१२ । |
| ८११०२ | शिवकवचम् | | १-९ + १ । |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९×४.१ | ६ | २३ | दे.ना. | का. | | पू० | आदित्यहृदयञ्च । |
| ९.६×४.१ | ८ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.७×३.५ | १० | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| १७.६×५.४ | २५ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| २१.४×५.८ | ४ | ८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.३×२.६ | ७ | २० | ,, | ,, | | पू०* | |
| २५×५.९ | ५२ | २१ | ,, | ,, | | पू० | |
| ७×३.१ | ६ | २४ | ,, | ,, | १९२६ | ,, | हनुमत्स्तोत्रं वा । |
| ५.५×४ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.२ | ९ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | वसिष्ठसंहितायाम्; कवचञ्च |
| ५.८×३.५ | ७ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.६×३.६ | ७ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.५×३.८ | ७ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.२×३.३ | ७ | ३५ | ,, | ,, | श. १७५१ | ,, | |
| ६.३×३.४ | ६ | ३० | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले । |
| ५.६×२.७ | ५ | १७ | ,, | ,, | १९२४ | ,, | पद्मपुराणे । |
| ५.८×३.५ | ७ | १५ | ,, | ,, | | ,, | वायुपुराणे । |
| ६×४ | ८ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.२×२.४ | ५ | २० | ,, | ,, | १९५० | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ६.७×३.९ | ८ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.८×४.४ | ९ | २० | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८११०३ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-६। |
| ८११०४ | विष्णुसहस्रनामावलिः | | १४ गणनया। |
| ८११०५ | सूर्याष्टोत्तरशतनाम | | १-२। |
| ८११०६ | अन्नपूर्णासहस्रनाम | | १-१५। |
| ८११०७ | महाविद्याक्रमस्तोत्रम् | सच्चिदानन्दः | १-२। |
| ८११०८ | नारायणस्तुतिः | | १-२। |
| ८११०९ | गायत्रीस्तवराजः | | ५। |
| ८१११० | एकाक्षरगणपतिस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८११११ | शिवस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१११२ | गायत्रीहृदयम् | | १-१५। |
| ८१११३ | महाकालीसुधामयरसस्तवः | | १-४। |
| ८१११४ | रक्तचामुण्डास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१११५ | शीतलास्तोत्रम् | | १-३। |
| ८१११६ | शिवरक्षास्तोत्रम् | | १-४। |
| ८१११७ | बटुकभैरवकवचम् | | १। |
| ८१११८ | शिवशतनाम | | १-२। |
| ८१११९ | देवीकवचम् | | १-४। |
| ८११२० | बगलामुखीस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८११२१ | सूर्यकवचम् | | १। |
| ८११२२ | दक्षिणकालिकाकवचम् | | १-५। |
| ८११२३ | रामसहस्रनाम | | १-१५। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७×४ | ९ | २८ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ७×३.८ | ७ | १७ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ७.३×४.१ | १० | २४ | ,, | ,, | १९०९ | पू० | |
| ८×४.२ | ७ | २६ | ,, | ,, | १८०८ | ,, | रुद्रयामले। |
| ४.७×३.५ | ११ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५×४ | ८ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×४.३ | ११ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्मतन्त्रे; गायत्रीहृदयञ्च |
| ५.९×३.४ | ८ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.७×३.५ | ८ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ५×३.२ | ६ | १६ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे। |
| ७.३×३.२ | ७ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.४×४.३ | ८ | १८ | ,, | ,, | | ,, | महाकालसंहितायाम्। |
| ६.५×४.१ | ७ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.५×३.५ | ८ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.७×१८.४ | ५२ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.३×४ | ७ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.५×४.७ | ९ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | मार्कण्डेयपुराणे। |
| ७.२×५.६ | ९ | १८ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले। |
| ११×३.२ | ९ | ४६ | व. | ,, | | ,, | ,, |
| ९×४.१ | १० | ३५ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ९.३×५.२ | १० | ३० | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८११२४ | गुरुनानकसहस्रनाम | | १-७। |
| ८११२५ | विष्णुपञ्जरस्तोत्रम् | ब्रह्मशङ्करः | १। |
| ८११२६ | प्रदोषाष्टकम् | | १। |
| ८११२७ | चर्पटपञ्जरिकास्तोत्रम् | | १-३। |
| ८११२८ | शिवसहस्रनाम | | १-७। |
| ८११२९ | सौभाग्यहृदयस्तोत्रम् | | १। |
| ८११३० | गोपालकवचम् | | १-४, १-४, १-३। |
| ८११३१ | निरञ्जनाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८११३२ | शीतलाष्टकस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८११३३ | " | | १-४। |
| ८११३४ | भुवनेश्वरसहस्रनाम | | १-१२। |
| ८११३५ | शिवकवचम् | | १-२८। |
| ८११३६ | शरभकवचम् | | १-१२। |
| ८११३७ | मृत्युञ्जयस्तोत्रः | | १-३। |
| ८११३८ | भीष्मस्तवराजः | | १-२१। |
| ८११३९ | नर्मदाष्टकम् | | १-२। |
| ८११४० | पञ्चरत्नमालिकास्तवः | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८११४१ | शिवताण्डवस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८११४२ | भैरवाष्टोत्तरशतनामावलिः | | १-४। |
| ८११४३ | रामरक्षास्तोत्रम् | बुधकौशिकः | १-६। |
| ८११४४ | नारायणहृदयस्तोत्रम् | | १-४। |

| आकार: | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपि: | आधार: | लिपिकाल: | पूर्णापूर्ण-विवेक: | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२×५.५ | ११ | ४६ | दे.ना. | का. | | पू० | भविष्योत्तरपुराणे। |
| ५×१७.६ | ३७ | १५ | ” | ” | | ” | |
| ४.५×१०.८ | २७ | १५ | ” | ” | १९४३ | ” | |
| ६.३×४ | ७ | ३१ | ” | ” | | ” | |
| ६.२×४.४ | १३ | २५ | ” | ” | | ” | |
| ६.२×४.९ | २१ | ३० | ” | ” | | ” | क्रमस्तुतिश्च |
| ६.७×४.८ | १५ | १८ | ” | ” | | ” | हरिस्तोत्रम्, श्रीकृष्णाष्टोत्तरशतनाम च। |
| ६.४×५ | १६ | २० | ” | ” | | ” | धन्याष्टकञ्च। |
| ६.९×५.४ | १० | १९ | ” | ” | | ” | ब्रह्माण्डपुराणे। |
| ७.३×३.५ | ६ | ३५ | ” | ” | | ” | |
| ५.८×३.४ | ९ | १९ | ” | ” | १६८३ | ” | रुद्रयामले। |
| ५.४×३.६ | ५ | १३ | ” | ” | | ” | स्कन्दपुराणे। |
| ७.२×४ | ९ | २२ | ” | ” | श. १७५९ | ” | आकाशभैरवकल्पे। |
| ४.७×३.२ | ६ | १६ | ” | ” | १९४५ | ” | |
| ४.९×३.१ | ६ | १७ | ” | ” | | ” | महाभारते शान्तिपर्वणि। |
| ६.५×३.९ | ८ | २८ | ” | ” | | ” | |
| ५.५×३.१ | ६ | २० | ” | ” | | ” | |
| ५.६×४ | ७ | १६ | ” | ” | | ” | |
| ६.१×३.८ | ७ | २२ | ” | ” | | ” | |
| ५.२×४.१ | ९ | १५ | ” | ” | शा. १७६१ | ” | |
| ५.८×३.९ | ११ | १९ | ” | ” | | ” | अथर्वणरहस्ये। |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८११४५ | महालक्ष्मीसहस्रनाम | | ६० गणनया। |
| ८११४६ | कौपीनपञ्चकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८११४७ | शुकाष्टकम् | | १। |
| ८११४८ | राधिकास्तवराजः | | १। |
| ८११४९ | दत्तात्रेयसहस्रनाम | | १-१३। |
| ८११५० | शैवापामार्जनस्तोत्रम् | | १-१०। |
| ८११५१ | वटुकभैरवस्तवराजः | | १-१२। |
| ८११५२ | बालाकवचम् | | १-२। |
| ८११५३ | विष्णुसहस्रनाम | | १-१५। |
| ८११५४ | शिवमहिम्नःस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८११५५ | व्यङ्कटेशसहस्रनाम | | १-२६। |
| ८११५६ | नृसिंहसहस्रनाम | | २-२५। |
| ८११५७ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | २ गणनया। |
| ८११५८ | निर्वाणषट्कम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८११५९ | त्रैलोक्यविजयकवचम् | | २ गणनया। |
| ८११६० | रामचन्द्रस्तवः | | १। |
| ८११६१ | नारायणहृदयस्तोत्रम् | | १-७। |
| ८११६२ | शीतलास्तोत्रम् | | २-५। |
| ८११६३ | शनैश्चरस्तोत्रम् | | १-१२। |
| ८११६४ | अपराधस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-४। |
| ८११६५ | विष्णुपञ्जरस्तोत्रम् | विश्वामित्रः | १-४, ८। |
| ८११६६ | मल्लारिकवचम् | शङ्कराचार्यः | १, १-३। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.६×३.६ | ९ | १५ | ते. | का. | | पू० | महालक्ष्मीमन्त्रश्च । |
| ६.४×३.८ | ८ | २१ | दे.ना. | " | | " | |
| ९×४ | ९ | ४० | " | " | | " | |
| ६.६×४.४ | ९ | २४ | " | " | | अपू० | |
| ८.४×३.६ | ८ | २७ | " | " | | पू० | |
| ६.८×४.२ | ११ | ३० | " | " | | " | |
| ६.२×४.७ | -९ | १३ | " | " | | " | रुद्रयामलतन्त्रे । |
| ८.३×६.१ | १५ | २९ | " | " | | " | |
| ८.५×४.५ | ७ | २८ | " | " | | " | महाभारते शान्तिपर्वणि । |
| ७.७×४ | १० | २४ | " | " | १८८० | " | |
| ६.६×४.२ | ७ | २१ | " | " | | " | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ४.३×७.३ | २० | ९ | " | " | | अपू० | |
| ७.८×२.७ | ४ | २८ | " | " | | पू० | रुद्रयामलतन्त्रे । |
| १२×४.८ | २१ | १५ | " | " | | " | |
| ७×३.५ | १० | २३ | " | " | | " | |
| ५×३.२ | १० | १६ | " | " | | " | |
| ५.९×३.२ | ७ | १९ | " | " | | " | अथर्वणरहस्ये । |
| ४.६×३.५ | ७ | १३ | " | " | | " | स्कन्दपुराणे । |
| ६.५×३.२ | ५ | १६ | " | " | | " | " |
| ६.३×३.१ | ६ | २३ | " | " | | " | |
| ५.६×४ | ६ | १३ | " | " | | अपू० | त्रुटितपत्राणि । |
| ६.५×४.५ | ८ | २० | " | " | | " | अपराधक्षमापनस्तोत्रञ्च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८११६७ | चर्पटपञ्जरस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८११६८ | निर्वाणाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८११६९ | अपराजितास्तोत्रम् | | १-१०। |
| ८११७० | बृहस्पतिस्तोत्रम् | | १। |
| ८११७१ | हनुमत्कवचम् | | १-७। |
| ८११७२ | निर्वाणदशकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८११७३ | अन्नपूर्णास्तवः | ,, | १-३। |
| ८११७४ | नवरत्नमलिकास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८११७५ | षट्पदीस्तवः | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८११७६ | हरिहरस्तवः | | १। |
| ८११७७ | शिवस्तुतिः | | १। |
| ८११७८ | विष्णुस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८११७९ | शिवशतनामस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८११८० | विष्णुस्तोत्रम् | | १। |
| ८११८१ | शीतलास्तोत्रम् | | १। |
| ८११८२ | व्यङ्कटेशस्तवराजः | | १-३। |
| ८११८३ | गङ्गास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८११८४ | गायत्रीकवचम् | | १। |
| ८११८५ | गणपतिस्तोत्रम् | वेदव्यासः | १। |
| ८११८६ | सरस्वतीस्तोत्रम् | बृहस्पतिः | १-२। |
| ८११८७ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्ताचार्यः | १-३। |
| ८११८८ | मङ्गलाष्टकम् | | १-४। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७.३×४.५ | ८ | २३ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ७×३.५ | ८ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.१×४.१ | ७ | १६ | ,, | ,, | १९०५ | ,, | विष्णुधर्मोत्तरे। |
| ६.४×३.६ | १० | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×३.४ | ७ | २४ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे। |
| ९×४ | १० | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.४×४.१ | ८ | १९ | ,, | ,, | १७६५ | ,, | |
| ६.५×४ | १२ | २७ | ,, | ,, | | ,, | विश्वेश्वरस्तोत्रञ्च। |
| ६.३×३.२ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.८×४.१ | १२ | ३७ | ,, | ,, | | ,, | काशीखण्डे। |
| ९.६×४.२ | १२ | ३८ | ,, | ,, | १७६१ | ,, | |
| १२.५×३ | ६ | ५३ | व. | ,, | | ,, | |
| १३.३×३.२ | ५ | ३५ | ,, | ,, | १८९७ | ,, | |
| १३.३×३.२ | ७ | ४९ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३×३.५ | ९ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | कवचञ्च। |
| ९.२×३.८ | ८ | ३७ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ९.१×४.१ | ६ | ३१ | ,, | ,, | १९९० | ,, | |
| १२.९×३.२ | ६ | ३९ | व. | ,, | | ,, | |
| ९×४.१ | ७ | २४ | दे.ना. | ,, | १९३९ | ,, | |
| ९×४ | ९ | २२ | ,, | ,, | | ,, | लिङ्गपुराणे। |
| ९.६×५ | १३ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.७×४.६ | ७ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८११८९ | विष्णुसहस्रनाम | | १-१४। |
| ८११९० | दुर्गाशतनाम | | १। |
| ८११९१ | कालभैरवाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-३। |
| ८११९२ | गङ्गाष्टकम् | वाल्मीकिः | १-३। |
| ८११९३ | आदित्यहृदयम् | | २-२०। |
| ८११९४ | हनुमद्वडवानलस्तोत्रम् | विभीषणः | १-३। |
| ८११९५ | विट्ठलस्तवराजः | | १-६। |
| ८११९६ | पञ्चमुखीहनुमत्स्तोत्रम् | | १-१०। |
| ८११९७ | गणेशस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८११९८ | पञ्चवक्त्रस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८११९९ | मकरन्दस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८१२०० | सङ्कटास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१२०१ | सोघट्टकवचम् | | १। |
| ८१२०२ | रामरक्षास्तवः | | १। |
| ८१२०३ | संविदाष्टकम् | | १-४। |
| ८१२०४ | गङ्गाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१२०५ | ऐक्यस्तोत्रम् | ,, | १-२। |
| ८१२०६ | कर्पूरस्तवः | | १-६। |
| ८१२०७ | भवानीसहस्रनाम | | ३-२७। |
| ८१२०८ | आदित्यहृदयम् | | १-९। |
| ८१२०९ | कामाक्षीस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८१२१० | प्रातःस्मरणम् | | १-५। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ११.३×४ | ६ | ३६ | व. | का. | | पू० | तुलसीस्नानविधिश्च । |
| १४.५×५ | ११ | ४५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.१×३.६ | ७ | १८ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ५.४×३.१ | ७ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.७×३.९ | ७ | २६ | ,, | ,, | १८६३ | अपू० | भविष्यपुराणे । |
| ६.२×४.४ | ९ | १९ | ,, | ,, | | पू० | |
| ५.७×३.७ | ७ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.७ | ७ | १५ | ,, | ,, | १९१७ | ,, | |
| ९.५×३.९ | ८ | ३२ | ,, | ,, | १७७१? | ,, | शारदातिलके । |
| ८×४.४ | ९ | २६ | ,, | ,, | १८२८ | ,, | |
| ९.७×४ | १० | ३५ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.९×४.१ | ८ | २६ | व. | ,, | | ,, | |
| ९×३.४ | ७ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.३×४.३ | १७ | ४७ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ९.७×४.३ | ९ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.३×३.५ | १० | ३५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.८×३.८ | ९ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×३.६ | ७ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×४.३ | ९ | २० | ,, | ,, | | अपू० | |
| ९.४×४ | ९ | ३७ | ,, | ,, | १८६८ | पू० | |
| ९.१×४ | १४ | ४५ | ते. | ,, | | ,, | |
| ५.६×३ | ५ | २० | दे.ना. | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१२११ | शुक्रस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१२१२ | ध्यानमाला | | १। |
| ८१२१३ | गङ्गाष्टकम् | ढुण्ढिराजः | १-३। |
| ८१२१४ | भवानीसहस्रनाम | | १-२७। |
| ८१२१५ | विष्णुशतकम् | | १। |
| ८१२१६ | कपिलस्तोत्रम् | | १-५। |
| ८१२१७ | सिद्धविनायकस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८१२१८ | कार्तवीर्यस्तोत्रम् | | १-१५। |
| ८१२१९ | विश्वनाथाष्टकम् | वेदव्यासः | १-३। |
| ८१२२० | देवीस्तवराजः | | १-५। |
| ८१२२१ | महालक्ष्म्यष्टोत्तरशत-नाम | | १-४। |
| ८१२२२ | कृष्णस्तुतिः | | १-२। |
| ८१२२३ | चण्डीसप्तशतीस्तोत्रम् | | १-१२२। |
| ८१२२४ | सङ्कटास्तोत्रम् | | १। |
| ८१२२५ | इन्द्राक्षीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१२२६ | प्रदोषस्तोत्रम् | | १। |
| ८१२२७ | सरस्वतीस्तोत्रम् | आश्वलायनः | १-५। |
| ८१२२८ | चन्द्रशेखराष्टकम् | | १-३। |
| ८१२२९ | मणिकर्णिकाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | २ गणनया। |
| ८१२३० | दक्षिणकालिकास्तोत्रम् | | १-२। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७×३.३ | ६ | १९ | दे.ना. | का. | | पू० | स्कन्दपुराणे । |
| ६.५×९.४ | २९ | २२ | ,, | ,, | | ,, | काशी-अन्नपूर्णा-विश्वेश्वरलिङ्ग-गङ्गा-भैरव-ध्यानानि च । |
| ६.३×३.३ | ७ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.६×३.५ | ७ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ३६.९×५.८ | ३८ | १६ | ,, | ,, | | ,, | शिवविष्णुदेवीनामैक्यञ्च । |
| ६.८×३.५ | ६ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.४×३.१ | ८ | १२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×३ | ९ | २५ | ,, | ,, | | ,, | उड्डामरतन्त्रे । |
| ६.४×३.४ | ८ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.१×४ | ८ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×४ | ७ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×३.४ | ९ | ४२ | ,, | ,, | | ,, | भागवते दशमस्कन्धे; बिल्वाष्टकञ्च । |
| ७×४.३ | ७ | १४ | ,, | ,, | | ,, | जीर्णतमम् । |
| ७.६×३.६ | १० | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×३.२ | ८ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.६×४ | ८ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.५×३.८ | १० | ३८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×४.१ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.३×४.५ | १० | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.५×३.९ | ६ | २६ | व. | ,, | | ,, | कालीकुलसर्वस्वे । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१२३१ | महामृत्युञ्जयकवचम् | | १-४। |
| ८१२३२ | बालाकवचम् | | १-२। |
| ८१२३३ | विष्णवष्टोत्तरशतनाम | | १-३। |
| ८१२३४ | शिवसहस्रनाम | | १-३४। |
| ८१२३५ | शिवमहिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-९। |
| ८१२३६ | आदित्यहृदयम् | | २-१६। |
| ८१२३७ | आर्याशतकम् | मूककविः | १-६। |
| ८१२३८ | बगलामुखीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१२३९ | शिवमहिम्नःस्तवः | | १-६, ६। |
| ८१२४० | गुरुगीतास्तोत्रम् | | १, ४-१५। |
| ८१२४१ | शरभेश्वरसहस्रनाम | | २-५। |
| ८१२४२ | शिवसहस्रनाम | | १-११। |
| ८१२४३ | श्रुतिसंस्तुतिः सटीका | | १-१२। |
| ८१२४४ | श्यामास्तुतिः | | १। |
| ८१२४५ | ब्रह्मस्तुतिः सटीका | | १-३, ५-७। |
| ८१२४६ | शिवमहिम्नःस्तवः | पुष्पदन्तः | १-९। |
| ८१२४७ | वटुकभैरवस्तोत्रम् | | १-२३। |
| ८१२४८ | ज्वरस्तोत्रम् | | १। |
| ८१२४९ | देवीप्रार्थना | | १। |
| ८१२५० | विष्णुसहस्रनाम | | १-२३। |
| ८१२५१ | महाकालस्तोत्रम् | वीरेश्वरसोमयाजी | २ गणनया। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०.३×३ | ७ | ३५ | व. | का. | | पू० | |
| १०×४ | १२ | ३४ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ११×४ | ६ | ३३ | व. | ,, | | ,, | पाद्मे क्रियायोगसारे। |
| ८×३.६ | ७ | २० | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ६.३×४.७ | १० | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.६×४.६ | ९ | २७ | ,, | ,, | | अपू० | भविष्योत्तरपुराणे। |
| १०.१×४.६ | १० | ४० | ,, | ,, | | पू० | ,, |
| ९.२×४.२ | ७ | ३५ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ९.८×४.३ | ९ | ३१ | ,, | ,, | | पू० | |
| ९×५.२ | १० | २६ | ,, | ,, | | अपू० | स्कन्दपुराणोत्तरखण्डे। |
| ९.२×४.२ | १६ | ५५ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.३×४ | ९ | ३५ | ,, | ,, | | पू० | महाभारते। |
| १५.३×३.५ | १४ | ९९ | व. | ,, | | ,, | भागवते स्क० १०, अ० ८७। |
| १३×४ | ८ | ४० | ,, | ,, | | ,, | |
| १५.५×३.४ | १० | ६० | ,, | ,, | | अपू० | भागवते स्क० १० अ० ४। |
| ८.२×३.७ | ६ | २३ | दे.ना. | ,, | | पू० | |
| ६.४×३.१ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | यन्त्रञ्च। |
| ७.८×३.७ | ७ | २७ | ,, | ,, | | ,, | ज्वरतर्पणञ्च। |
| ६.५×५.२ | २३ | १३ | ,, | ,, | १९५६ | ,, | |
| ६.७×४.१ | ७ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.३×३.६ | ११ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | हनुमदष्टकञ्च। |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१२५२ | ललितात्रिशतीस्तोत्रम् | | १-१४। |
| ८१२५३ | शरभेश्वरस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८१२५४ | शी तलास्तोत्रम् | | १-३। |
| ८१२५५ | मङ्गलकवचम् | | १-५९। |
| ८१२५६ | शिवसहस्रनाम | | १-२८। |
| ८१२५७ | अवधूताष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१२५८ | शिवषडक्षरस्तोत्रं सटी-कम् | टी. का. गोपीनाथः | १-३। |
| ८१२५९ | देवीकवचम् | | १-७। |
| ८१२६० | त्रिवेणीस्तवः | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१२६१ | सूर्यस्तवः | | १। |
| ८१२६२ | कार्तवीर्यार्जुनशतनाम | | १। |
| ८१२६३ | विश्वनाथनगरीस्तवनम् | शङ्कराचार्य्यः | १। |
| ८१२६४ | विल्वषोडशी | | १। |
| ८१२६५ | माधवस्तवराजः | | १-७। |
| ८१२६६ | ताराकवचम् | | ३। |
| ८१२६७ | भैरवाष्टकम् | नित्यानन्दः | २ गणनया। |
| ८१२६८ | मणिकर्णिकाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१२६९ | नित्याकवचम् | | १। |
| ८१२७० | वीरेश्वरस्तोत्रम् | | १-९। |
| ८१२७१ | शिवाष्टोत्तरशतनामा-वली | | २ गणनया। |
| ८१२७२ | काशीश्वरस्तोत्रम् | | १। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७×३.५ | ८ | २७ | दे.ना. | का | | पू० | |
| ६.३×४ | ८ | २२ | ,, | ,, | | ,, | दारुणसप्तकं वा । |
| ६.१×४.७ | ९ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.४×३.२ | ६ | १५ | ,, | ,, | | ,, | मराठीभाषायां भजनसङ्ग्रहश्च । |
| ६.६×३.४ | ७ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×३.३ | ११ | ४० | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×३.३ | १० | ४९ | ,, | ,, | | ,, | टी०–वर्णबोधिनी । |
| ६.५×३.९ | ८ | १८ | ,, | ,, | | ,, | वाराहपुराणे । |
| ७.८×४.२ | ८ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.१×३.२ | १६ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.१×८.८ | २२ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×३.६ | ७ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३×३ | ४३ | ९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.५×३.५ | ९ | २२ | ,, | ,, | | ,, | वायुपुराणे । |
| ७.६×३ | ६ | २६ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ४.४×३.९ | ७ | १५ | ,, | ,, | | पू० | |
| ९.९×६ | २९ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×५ | १६ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×३.२ | ५ | १४ | ,, | ,, | १९२० | ,, | काशीखण्डे १० अ० । |
| १३×३ | ४४ | ९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.८×२.७ | १४ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१२७३ | कालभैरवस्तोत्रम् | | १-६ । |
| ८१२७४ | विष्णोरपामार्जनस्तोत्रम् | | १-१२ । |
| ८१२७५ | कार्तवीर्यार्जुनस्तोत्रम् | | १-२ । |
| ८१२७६ | रामरक्षास्तोत्रम् | विश्वामित्रः | १-६ । |
| ८१२७७ | सौन्दर्यलहरी सटीका | | १-३३ । |
| ८१२७८ | चन्द्रशेखरस्तोत्रम् | | १-४ । |
| ८१२७९ | शिवशतनामस्तोत्रम् | | १-७ । |
| ८१२८० | मुक्तानुभवस्तोत्रम् | कृष्णानन्दः | २ गणनया । |
| ८१२८१ | गङ्गाष्टकम् | वाल्मीकिः | १-२ । |
| ८१२८२ | रामस्तवराजः | | १-९ । |
| ८१२८३ | तुलसीकवचम् | | १-२ । |
| ८१२८४ | शिवस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-३ । |
| ८१२८५ | लघुस्तोत्रम् | श्रीनिवासाचार्यः | १-४ । |
| ८१२८६ | कृष्णार्तिक्यम् | | १-२ । |
| ८१२८७ | शिवाष्टकस्तोत्रम् | अगस्त्यः | १-२ । |
| ८१२८८ | शिवापराधस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-४ । |
| ८१२८९ | वायव्यस्तोत्रम् | बृहस्पतिः | १ । |
| ८१२९० | रामरक्षास्तवः | | १-४ । |
| ८१२९१ | द्वादशस्तोत्रम् | आनन्दतीर्थः | १-७ । |
| ८१२९२ | बृहस्पतिस्तोत्रम् | वल्लभचन्द्रः | १ । |
| ८१२९३ | महामृत्युञ्जयस्तोत्रम् | | १-१३+१ । |
| ८१२९४ | शीतलास्तोत्रम् | | १-२ । |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.७×३.५ | ५ | १५ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ५.७×३.९ | १३ | २९ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ६.१×३.७ | १० | २२ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.२×३.८ | ८ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.७×३.८ | ९ | ३८ | व. | ,, | | ,, | |
| ६.९×४.२ | ५ | १७ | दे.ना. | ,, | १८१९ | ,, | |
| ८.३×३.४ | ७ | ४३ | व. | ,, | श. १७७१ | ,, | महालिङ्गेश्वरतन्त्रे । |
| ८×४.३ | ११ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | शिवमानसपूजास्तोत्रञ्च । |
| ८.२×३.७ | ८ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.१×३.८ | ९ | २८ | ,, | ,, | १८७३ | ,, | सनत्कुमारसंहितायाम् । |
| ८.५×४.२ | ९ | २८ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ६.१×४.१ | ८ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.१×४ २ | ९ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.२×४.३ | १४ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.१ | ९ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×४.३ | ९ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×३.६ | ९ | ४० | ,, | ,, | | ,, | काशीखण्डे । |
| ९.२×३ ९ | ९ | २८ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ८.१×४.३ | १० | ३६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६ २×३.९ | १० | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.४×४ | ६ | १९ | ,, | ,, | १९४४ | पू०* | परमेश्वरतन्त्रे । |
| ६.२×४.३ | ११ | १९ | ,, | ,, | | पू० | स्कन्दपुराणे । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१२९५ | जन्मरहस्यस्तोत्रम् | | १-३, ५-६। |
| ८१२९६ | विष्णुसहस्रनाम | | १-१५। |
| ८१२९७ | सूर्यकवचम् | | १-२। |
| ८१२९८ | ऋणहरगणपतिस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१२९९ | नवग्रहस्तोत्रम् | | १। |
| ८१३०० | देवीकवचार्गलकीलकम् | | १-२०, १-८, १-५। |
| ८१३०१ | शिववर्म | | १-१०। |
| ८१३०२ | शिवपञ्चाक्षरस्तोत्रम् | | १। |
| ८१३०३ | विष्णुसहस्रनाम | | १-४, ६-३७। |
| ८१३०४ | शिवताण्डवस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१३०५ | ज्वरस्तोत्रम् | | १। |
| ८१३०६ | मणिकर्णिकास्तोत्रम् | | १-३। |
| ८१३०७ | हरिनाममाला | शङ्कराचार्यः | १-३। |
| ८१३०८ | आदित्यहृदयम् | | १-१४। |
| ८१३०९ | देवीपञ्चरत्नम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८१३१० | तारासहस्रनाम | | १, ३, ९, ११। |
| ८१३११ | महिषासुरमर्दिनीस्तोत्रम् | | १-१२। |
| ८१३१२ | सङ्कटास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१३१३ | सप्तशतीरहस्यम् | | १-४। |
| ८१३१४ | मकरन्दस्तवराजः | | १-६। |
| ८१३१५ | दारिद्र्यदहनस्तोत्रम् | वसिष्ठः | १-३। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९.३×४.३ | ७ | २७ | दे.ना. | का. | | अपू० | भविष्योत्तरे। |
| ९×४.४ | ८ | २६ | ,, | ,, | १९०१ | पू० | महाभारते। |
| १०.५×४.४ | ६ | ३० | ,, | ,, | | अपू० | |
| ९×४.२ | ९ | २३ | ,, | ,, | १८३५<br>श. १८०० | पू० | |
| ९.६×४.३ | ९ | २९ | ,, | ,, | १८८७<br>श. १७५१ | ,, | |
| ६.७×३.९ | ५ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×३.२ | ५ | १६ | ,, | ,, | | ,, | द्वादशाध्यायमात्रम्। |
| ६.१×४.१ | ८ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×४.३ | ७ | १३ | ,, | ,, | | अपू० | महाभारते शान्तिपर्वणि। |
| ६.५×३.७ | १० | २२ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.३×३.८ | १० | २३ | ,, | ,, | १९२९ | ,, | |
| ६.५×४.१ | ६ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.२×४.५ | ८ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.७×४ | ५ | २० | ,, | ,, | १८३६ | ,, | |
| ८.७×४.३ | ९ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.९×४.३ | ९ | ३६ | ,, | ,, | | अपू० | भवानीकुलसर्वस्वे। |
| ५×३.८ | ७ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.८×३.५ | ७ | २५ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.५×४.४ | ७ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.८×४.२ | ९ | १७ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले। |
| ६×४.४ | ५ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१३१६ | इन्द्राक्षीस्तोत्रम् | | ४-६ । |
| ८१३१७ | शीतलाष्टकम् | | ३ गणनया । |
| ८१३१८ | गायत्रीस्तवराजः | | १-११ । |
| ८१३१९ | मृत्युञ्जयसहस्रनाम | | १-१५ । |
| ८१३२० | विश्वनाथस्तोत्रम् | | १-२+४ । |
| ८१३२१ | शिवप्रार्थना | धर्मराजः | १ । |
| ८१३२२ | शुकाष्टकम् | | १-४ । |
| ८१३२३ | शिवस्तोत्रम् | | १-४ । |
| ८१३२४ | भगवद्ध्यानस्तोत्रम् | | १-२ । |
| ८१३२५ | दत्तात्रेयमहिम्नःस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२ । |
| ८१३२६ | विष्णुषोडशनामावलिः | | १ । |
| ८१३२७ | गोविन्दाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-२ । |
| ८१३२८ | आदित्यहृदयम् | | १-३, ६-१३ । |
| ८१३२९ | गङ्गाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-३ । |
| ८१३३० | आत्मावीरेश्वरस्तवः | | १ । |
| ८१३३१ | विष्णोर्दिव्यसहस्रनाम | | १-१४ । |
| ८१३३२ | विष्णोरपामार्जनम् | | १-१३ । |
| ८१३३३ | भवानीस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १ । |
| ८१३३४ | वेदस्तुतिः | | ८ गणनया । |
| ८१३३५ | बटुकभैरवस्तवराजः | | १-४ । |
| ८१३३६ | गणेशस्तोत्रम् | | १-२ । |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.५×३.६ | ५ | २५ | दे.ना. | का. | सं० ६५(?) | पू० | |
| ५.९×३.३ | ६ | २० | ,, | ,, | १८६५ | अपू० | |
| ४.८×३.२ | ८ | १६ | ,, | ,, | १८९३ | पू० | |
| ५.१×२ | ११ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.६×४ | ८ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.४×४.३ | ११ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | अष्टोत्तरशतनामरूपा । |
| ६.८×३.५ | ५ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.८×३.४ | ५ | २२ | ,, | ,, | | ,, | नन्दिकेश्वरपुराणे । |
| ७.५×४ | १० | २८ | ,, | ,, | | ,, | भागवते । |
| ७.८×४.१ | १० | ३५ | ,, | ,, | | ,, | तुलोष्टकञ्च । |
| १८.४×६.३ | ६४ | २२ | ,, | ,, | | ,, | पद्मपुराणे; सप्तश्लोकी चतुःश्लोकी-भागवतञ्च । |
| ८.१×४.५ | ८ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×४.३ | १० | २५ | ,, | ,, | १८४९ | अपू० | |
| ६×३.५ | ९ | २२ | ,, | ,, | | पू० | |
| ७.१×४.२ | १० | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.३×४ | ९ | २४ | ,, | ,, | | ,, | महाभारते । |
| ५.७×३.५ | ९ | १७ | ,, | ,, | | ,, | विष्णुधर्मोत्तरे । |
| ९.१×७.६ | २० | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ७×४.४ | ७ | १५ | ,, | ,, | | अपू० | भागवते । |
| ८.७×४.५ | ७ | ३१ | व. | ,, | | पू० | विश्वसारतन्त्रे । |
| ८×४.२ | ६ | २५ | दे.ना. | ,, | | ,, | नारदपुराणे । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
| --- | --- | --- | --- |
| ८१३३७ | दशहरास्तवः | | १-८। |
| ८१३३८ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १-९। |
| ८१३३९ | चतुष्षष्टियोगिनी-स्तोत्रम् | | १। |
| ८१३४० | शीतलास्तोत्रम् | | १। |
| ८१३४१ | दुर्गाकवचम् | | १। |
| ८१३४२ | नारायणकवचम् | | १-१०। |
| ८१३४३ | महाकालकवचम् | | १-२। |
| ८१३४४ | सङ्कष्टनाशनस्तोत्रम् | रङ्गनाथः | १-४। |
| ८१३४५ | नृसिंहस्तवराजः | | १-४। |
| ८१३४६ | विष्णुसहस्रनामावली | | १-१२, २५-२६। |
| ८१३४७ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१३४८ | मूर्तित्रयस्तवः | | १-१३। |
| ८१३४९ | गङ्गाष्टकम् | वाल्मीकिः | १-१३। |
| ८१३५० | रामस्तवः | सप्तर्षिः | १। |
| ८१३५१ | महादेवस्तोत्रम् | | १। |
| ८१३५२ | मङ्गलस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८१३५३ | त्रिपुराष्टोत्तरशतनाम | | १-१०। |
| ८१३५४ | गङ्गाष्टकम् | | १-२। |
| ८१३५५ | द्वादशपञ्जरिकास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८१३५६ | विष्णुदिव्यसहस्रनाम | | १-१७। |
| ८१३५७ | अपामार्जनस्तोत्रम् | | १-७। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३.४×३.३ | ७ | २० | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ६.३×३.१ | ७ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ३.३×७.४ | ९ | ३५ | व. | ,, | | ,, | |
| २१×३.२ | ७ | ७२ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे। |
| ८×३.८ | ८ | २२ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.८ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | भागवते। |
| ११.५×३.७ | ८ | ३६ | व. | ,, | | ,, | गन्धर्वतन्त्रे। |
| ८.३×३.५ | ८ | ३६ | दे.ना. | ,, | | ,, | गणेशस्तोत्रं वा। |
| ६.५×२.८ | ८ | २९ | ,, | ,, | १८१२ | ,, | |
| ५.९×४.१ | ६ | १३ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ५.६×३.१ | ५ | १३ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.५×४ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | मार्कण्डेयपुराणे। |
| ६ ८×४ | ७ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×४.८ | १५ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×४.७ | ११ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.१ | ७ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×१.२ | ३ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७×३.३ | १२ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.८×३.४ | ९ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.३ | १० | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६ ६×५ | ११ | २० | ,, | ,, | | ,, | विष्णुधर्मोत्तरे। |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१३५८ | हस्तामलकम् | | १। |
| ८१३५९ | सिद्धान्तबिन्दुः | | १। |
| ८१३६० | चामुण्डावनशङ्करीसहस्रनाम | | १-१५, १७, १९-३०। |
| ८१३६१ | तारास्तोत्रम् | | १-३। |
| ८१३६२ | व्यङ्कटेशकवचम् | | १-५। |
| ८१३६३ | कृष्णाष्टोत्तरशतनामावलिः | | १-३। |
| ८१३६४ | पक्षिराजकवचम् | | १-१६। |
| ८१३६५ | रामस्तवराजः | | १-२२। |
| ८१३६६ | नवग्रहकवचम् | | १। |
| ८१३६७ | दत्तात्रेयाजपाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१३६८ | दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम् | ,, | १-५६। |
| ८१३६९ | प्रातःस्मरणम् | | १-६+२। |
| ८१३७० | चन्द्रलम्बाष्टकम् | निजानन्दः | २ गणनया। |
| ८१३७१ | राजेश्वरीस्तवः | | १। |
| ८१३७२ | गुर्वष्टकम् | | १। |
| ८१३७३ | शीतलास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१३७४ | भुवनेश्वरीस्तोत्रम् | पृथ्वीधराचार्यः | १-१०। |
| ८१३७५ | इन्द्राक्षीस्तोत्रम् | | १-५। |
| ८१३७६ | जगन्नाथाष्टकम् | | १-४। |
| ८१३७७ | व्यङ्कटेशस्तवः | मधुसूदनशर्मा | १। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८.९×४.२ | १२ | ३८ | दे.ना. | का. | १८५९ | पू० | कानिचिदक्षराणि न स्पष्टानि । |
| ७.५×३.८ | ९ | ३० | " | " | | " | |
| ६×३.२ | ७ | १८ | " | " | | अपू० | स्कन्दपुराणे । |
| ४.८×३.६ | ७ | १९ | " | " | | पू० | |
| ७.५×३.४ | ९ | २४ | " | " | | " | वाराहपुराणे । |
| ७.५×३.६ | ८ | २५ | " | " | | " | |
| ६.५×३.५ | ७ | २८ | " | " | | " | आकाशभैरवकल्पे । |
| ६.४×४.३ | ७ | १६ | " | " | १८०८ | अपू० | |
| ८×३.८ | ९ | २९ | " | " | | पू० | रुद्रयामले । |
| १६.५×६.१ | ३५ | २२ | " | " | | " | |
| ६×४ | ८ | १६ | " | " | | " | |
| ४.९×३.७ | ७ | १३ | " | " | | " | विष्णुपञ्चायतनञ्च । |
| ६×४.१ | ११ | ३२ | " | " | | " | |
| ८×४.६ | २५ | १८ | " | " | | " | |
| ६.९×४.१ | ९ | २७ | " | " | | " | |
| ८.३×३.५ | ९ | १७ | " | " | | " | स्कन्दपुराणे । |
| ६.६×३.४ | ८ | २३ | " | " | | " | |
| ४.७×२.९ | ६ | १६ | " | " | | " | |
| ४.७×३.१ | ६ | १३ | " | " | १८५७ | " | |
| ६.२×२.५ | ८ | २८ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१३७८ | अपराधक्षमासुन्दर-स्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-९। |
| ८१३७९ | भुवनेश्वरीकवचम् | | ६ गणनया। |
| ८१३८० | गणेशाष्टकम् | वेदव्यासः | १-३। |
| ८१३८१ | मणिकर्णिकाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-५। |
| ८१३८२ | शिवसहस्रनाम | | १-२७। |
| ८१३८३ | गजेन्द्रमोक्षणम् | | १-१४। |
| ८१३८४ | आदित्यहृदयम् | | १-६, ८-९, १२-१५। |
| ८१३८५ | सोपानपञ्चकम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८१३८६ | गङ्गालहरी | जगन्नाथः | १-८। |
| ८१३८७ | ज्वरस्तोत्रम् | | १। |
| ८१३८८ | शिवरक्षास्तोत्रम् | | १-३। |
| ८१३८९ | गणेशस्तवः | | १-२। |
| ८१३९० | दक्षिणमूर्तिस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८१३९१ | गङ्गाष्टकम् | | १-२। |
| ८१३९२ | एकमुखीहनुमत्कवचम् | | १-४। |
| ८१३९३ | शिवस्तोत्रम् | | ७८ गणनया। |
| ८१३९४ | विष्णुसहस्रनाम सभाष्यम् | भा. का. शङ्कराचार्यः | १-५८। |
| ८१३९५ | भौमस्तोत्रम् | | १। |
| ८१३९६ | आदित्यहृदयम् | | १-१५। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५×३.१ | ५ | १३ | दे. ना | का. | १८६६ | पू० | |
| ७.६×३.३ | ४ | १८ | ,, | ,, | | ,, | शीतलामन्त्रजपविधिः, मातृकान्यासञ्च । |
| ६.१×३.९ | ७ | १९ | ,, | ,, | १८८३ | ,, | |
| ६.३×३.१ | ५ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×४.३ | १० | ३९ | ,, | ,, | श. १७७२ | ,, | |
| ७.६×४.२ | ९ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.७×३.९ | ९ | २८ | ,, | ,, | १८३६ | अपू० | |
| ८.५×४.२ | ८ | २१ | ,, | ,, | | पू० | |
| ९.२×४ | ९ | ३४ | ,, | ,, | १८७८ | ,, | |
| १०.५×५.४ | १४ | ३७ | ,, | ,, | | ,, | चाक्षुषोपनिषच्च । |
| ७.५×३.६ | ८ | २८ | ,, | ,, | १७७३ | ,, | |
| ८×३.७ | ७ | २८ | ,, | ,, | | ,, | भविष्योत्तरपुराणे । |
| ८.४×६.८ | ७ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×४.६ | ८ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.१×४.६ | १० | ४१ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ९×६ | २५ | २० | तै. | ,, | | अपू० | ज्यौतिषसङ्ग्रहः, रामस्तोत्रम्, शिवानन्दलहरी च । देवनागरीलिपिरपि क्वचिद्दृश्यते । |
| १२.९×५.१ | १३ | ३९ | दे.ना. | ,, | | पू० | |
| ६.६×३.९ | ११ | १८ | ,, | ,, | १८५२ | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ६.४×३.५ | १० | २० | ,, | ,, | | ,, | भविष्योत्तरे । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१३९७ | गङ्गाष्टकम् | | १-३। |
| ८१३९८ | शिवकवचम् | | २-८। |
| ८१३९९ | भुवनेश्वरीस्तोत्रम् | | १-५। |
| ८१४०० | आदित्यहृदयम् | | १-१४। |
| ८१४०१ | तुलसीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१४०२ | शिवमहिम्नःस्तोत्रं सटीकम् | पुष्पदन्तः | १-१०। |
| ८१४०३ | भैरवाष्टकम् | | १-४। |
| ८१४०४ | मधुराष्टकम् | | १-९। |
| ८१४०५ | विष्णुसहस्रनाम | | १-२२। |
| ८१४०६ | त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८१४०७ | गोपालार्तिहयम् | | २ गणनया। |
| ८१४०८ | बालाकवचम् | | २ गणनया। |
| ८१४०९ | विष्णोरपामार्जन-स्तोत्रम् | | १-६। |
| ८१४१० | कौपीनपञ्चकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१४११ | त्रिशतीनामावलिः | | १-१७+१। |
| ८१४१२ | मणिकर्णिकास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-४। |
| ८१४१३ | देवीस्तुतिः | | १। |
| ८१४१४ | कालभैरवाष्टकम् | | १-४। |
| ८१४१५ | ब्रह्मनामावलिः | | १-३, १-६। |
| ८१४१६ | देवीकवचम् | | १-१२। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८.३×३.८ | ७ | २४ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ८.५×४ | ८ | २८ | ,, | ,, | | अपू० | शिववर्म वा। |
| ९×३.४ | ११ | ३६ | ,, | ,, | | पू० | |
| ८.५×४ | ५ | ३० | ,, | ,, | १८३६ | ,, | |
| ८×४.७ | ११ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| १२×३.८ | ८ | ६७ | व. | ,, | | ,, | |
| ४.१×२.९ | ५ | १२ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ४.३×२.९ | ५ | १२ | ,, | ,, | | ,, | गङ्गाष्टकञ्च। |
| ६.८×४.१ | ७ | १८ | ,, | ,, | | ,, | महाभारते। |
| ५.९×३.६ | ९ | १७ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले। |
| ६.१×३.९ | ८ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७×३.६ | ८ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×४ | ९ | २४ | ,, | ,, | | ,, | भविष्योत्तरपुराणे। |
| ६.३×३.९ | १० | २५ | ,, | ,, | | ,, | जिह्वाप्रार्थना च। |
| ६.१×३.८ | ६ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×३.१ | ६ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×५.२ | २५ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.४×३.५ | ७ | १२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.५×३.२ | ९ | १४ | ,, | ,, | | ,, | साधनपञ्चकम्, व्यासपुत्राष्टकञ्च। |
| ६.१×३.९ | ७ | १६ | ,, | ,, | | ,, | अर्गलास्तोत्रञ्च। |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१४१७ | शीतलाष्टकम् | | १। |
| ८१४१८ | दशहरास्तोत्रम् | | १-५। |
| ८१४१९ | महागणपतिसहस्रनाम | | १-१२। |
| ८१४२० | गङ्गाष्टकम् | | १-४। |
| ८१४२१ | मृत्युञ्जयस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१४२२ | गङ्गाष्टकम् | | १-४। |
| ८१४२३ | चन्द्रलाकवचम् | | १-५। |
| ८१४२४ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्ताचार्यः | १-११। |
| ८१४२५ | जगन्मङ्गलकवचम् | | १-३, ५। |
| ८१४२६ | आदित्यहृदयम् | | १-२०। |
| ८१४२७ | देवीकवचम् | | १-५। |
| ८१४२८ | षट्चक्रस्तोत्रम् | | ६ गणनया। |
| ८१४२९ | रामरक्षास्तोत्रम् | | १-९। |
| ८१४३० | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१४३१ | वक्रतुण्डवकारादिसहस्रनाम | | ५ गणनया। |
| ८१४३२ | गुरुपादुकास्तोत्रम् | | १-४। |
| ८१४३३ | त्रिपुरसुन्दरीसौभाग्यहृदयम् | | १-४। |
| ८१४३४ | रामरक्षास्तोत्रम् | विश्वामित्रः | १-६। |
| ८१४३५ | यमुनाष्टकम् | वल्लभाचार्यः | १। |
| ८१४३६ | इन्द्राक्षीस्तोत्रम् | | १-२। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५.७×३.५ | १२ | २३ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ६.८×३.७ | ११ | २० | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे काशीखण्डे । |
| ९×३.४ | ८ | ३६ | ,, | ,, | १७७४ | ,, | पद्मपुराणे । |
| ६.७×३ ५ | ७ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.९×४.५ | १० | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.६×३ ६ | ८ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×३.८ | ११ | २४ | ,, | ,, | | ,, | शक्तिरहस्ये । |
| ६×४ | ८ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.७×३.३ | ७ | २० | ,, | ,, | १७०५ | अपू० | कालिकाकवचञ्च । |
| ६×४.४ | १० | १९ | ,, | ,, | १८६४ | पू० | भविष्योत्तरपुराणे । |
| ४.८×२.७ | ८ | २० | ,, | ,, | | ,, | मार्कण्डेयपुराणे; तिलकस्तोत्रञ्च । |
| ६.३×३.८ | ६ | ९ | ,, | ,, | | पू० | |
| ५.२×४.१ | ८ | २० | ,, | ,, | | पू० | पद्मपुराणे । |
| ५.७×३.८ | ८ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.५×३.६ | १४ | २८ | ते. | ,, | | अपू० | |
| ७.५×३.८ | ५ | २३ | दे.ना. | ,, | १९२३ | ,, | |
| ८×४.३ | ११ | २७ | ,, | ,, | १८७८ | पू० | चिदम्बररहस्ये उत्तरज्ञानार्णवे एकत्रिंशतपटलः । |
| ८×३.२ | ६ | १८ | ,, | ,, | १७६१ | ,, | |
| ८.२×३.५ | १२ | ४४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९ १×४.१ | १४ | ३९ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१४३७ | कार्तवीर्यार्जुनद्वादशस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१४३८ | ललितासहस्रनाम | | १-१३। |
| ८१४३९ | गुरुपादुकास्तोत्रम् | | १। |
| ८१४४० | हस्तामलकस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८१४४१ | रामस्तवराजः | | १-१५। |
| ८१४४२ | बटुकभैरवसहस्रनाम | | १-१५। |
| ८१४४३ | कर्णामृतस्तोत्रम् | शुकमुनिः | १-७। |
| ८१४४४ | बटुकभैरवकवचम् | | १-३। |
| ८१४४५ | भुवनेश्वरीसहस्रनाम | | १-९। |
| ८१४४६ | यमुनाष्टकम् | | १। |
| ८१४४७ | रामचन्द्राष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१४४८ | शिवापराधस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८१४४९ | शिवानन्दलहरी | | ८ गणनया। |
| ८१४५० | गणेशहृदयस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८१४५१ | शरणागतिस्तोत्रम् | | १। |
| ८१४५२ | विष्णुसहस्रनाम | | १-१२। |
| ८१४५३ | विष्णुसहस्रनामावली | | १-१२। |
| ८१४५४ | अष्टश्लोकी | | १। |
| ८१४५५ | गणेशस्तवराजः | | ५ गणनया। |
| ८१४५६ | दामोदरस्तोत्रम् | | १, ३, ६। |
| ८१४५७ | देवीकवचम् | | २-८। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८.७×४.१ | ८ | ३१ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ८.२×३.८ | १२ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ७.५×३.८ | ९ | २८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.३×४ ६ | ११ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×४ | ७ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.२×४.२ | ७ | २९ | ,, | ,, | १६२६ | ,, | |
| ९.२×३.७ | १० | ४९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.७×४.७ | १२ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.५×४.६ | ९ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.५×५ | ११ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.७×४.६ | ७ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.७×४.१ | ८ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०×४.६ | १२ | ३६ | ते. | ,, | | अपू० | |
| ६.१×३.८ | ८ | १९ | दे. ना. | ,, | | पू० | |
| १०.७×४.७ | १२ | ५२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.३×४.२ | ९ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.४×४.५ | ११ | २४ | ,, | ,, | १९५५ | ,, | |
| ९.५×४.७ | १२ | ३९ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०×५ | १२ | ३८ | ते. | ,, | | अपू० | |
| १०.३×४ | ८ | ३३ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ६.१×३.९ | ९ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१४५८ | शिवसहस्रनाम | | १-१५। |
| ८१४५९ | विष्णवपामार्जनस्तोत्रम् | | १-१६। |
| ८१४६० | नवग्रहस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१४६१ | भवानीस्तुतिः | | १-२। |
| ८१४६२ | गणपतिचतुष्टयम् | | १-२। |
| ८१४६३ | हनुमत्कवचम् | | ७ गणनया। |
| ८१४६४ | जगन्नाथाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-५। |
| ८१४६५ | विष्णुस्तोत्रम् | काशीनाथः | १। |
| ८१४६६ | सर्वमन्त्रोत्कीलनशापोद्धारस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८१४६७ | गङ्गाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-४। |
| ८१४६८ | कृष्णनामावली | | १। |
| ८१४६९ | अपराधसुन्दरस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८१४७० | मङ्गलाष्टकम् | | १-४। |
| ८१४७१ | दुर्गाकवचम् | | १। |
| ८१४७२ | केशवाष्टकम् | | १-२। |
| ८१४७३ | गङ्गाष्टकम् | वाल्मीकिः | १-२। |
| ८१४७४ | विष्णुसहस्रनाम | | १-९। |
| ८१४७५ | बटुकभैरवस्तवराजः | | १-७। |
| ८१४७६ | अपराजितास्तोत्रम् | | १-३। |
| ८१४७७ | बगलामुखीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१४७८ | रुद्रचण्डी | | १-४। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५.८×४ | ९ | १८ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ४.८×४ | ११ | २० | ,, | ,, | | ,, | विष्णुधर्मोत्तरे । |
| ६×४.३ | ८ | ९ | ,, | ,, | | ,, | |
| १२×४.४ | १० | ३८ | ,, | ,, | | ,, | काशीरहस्ये । |
| ६×४ | १० | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×३ | ८ | २१ | ,, | ,, | | अपू० | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ४.१×२.९ | ५ | १३ | ,, | ,, | | पू० | |
| ७×३.८ | ११ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×३.१ | ६ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.७×२.८ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| १८.२×६.३ | ३८ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×३ | ९ | ३१ | ,, | ,, | १८४२ | ,, | |
| ८.४×२.८ | ७ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.८×६.३ | १० | ४४ | व. | ,, | | ,, | कुब्जिकातन्त्रे । |
| १०.४×२.४ | ४ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.५×४.२ | ७ | २९ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| १३×४.७ | ६ | ५१ | व. | ,, | | ,, | |
| १०.८×३.४ | ५ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| १२.३×३.३ | ७ | ४५ | ,, | ,, | | ,, | विष्णुधर्मोत्तरे । |
| १२.५×३.५ | ९ | ५५ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले । |
| १२.४×३.३ | ७ | ४० | ,, | ,, | | ,, | ,, |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१४७९ | शिवस्तोत्रम् | दशाननः | १। |
| ८१४८० | नीलकण्ठस्तवः | | १। |
| ८१४८१ | रुचिस्तवः | | १-७। |
| ८१४८२ | शीतलास्तोत्रम् | | १। |
| ८१४८३ | कालिकाककारादिशत-नाम | | १-२। |
| ८१४८४ | बटुकभैरवस्तोत्रम् | | ५५-५७। |
| ८१४८५ | नवग्रहस्तोत्रम् | | १। |
| ८१४८६ | गुरुपादुकास्तोत्रं सटीकम् | | १-२। |
| ८१४८७ | अन्नपूर्णास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१४८८ | महिम्नःस्तोत्रं सटीकम् | टी. का. गोविन्दरामः | १-१६। |
| ८१४८९ | सङ्कटास्तोत्रम् | | १। |
| ८१४९० | रामकवचम् | | १। |
| ८१४९१ | अन्नपूर्णास्तोत्रम् | | १। |
| ८१४९२ | त्रिपुरास्तोत्रम् | | १-१०। |
| ८१४९३ | देवीसूक्तम् | | १-२। |
| ८१४९४ | आर्यास्तवः | | १-६। |
| ८१४९५ | दुर्गाशापविमोचनम् | | १-२। |
| ८१४९६ | वक्रतुण्डाष्टकम् | | १-२। |
| ८१४९७ | सूर्यस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८१४९८ | विष्णुसहस्रनाम | | १-१३। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२.३×४.५ | १२ | ५० | व. | का. | | पू० | |
| १४.२×३.४ | ७ | ६५ | ,, | ,, | | ,, | |
| १४×३ | ६ | ४३ | ,, | ,, | | ,, | भविष्योत्तरपुराणे। |
| १२.३×२.९ | ८ | ५१ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे; प्रयागमाहात्म्यं मार्कण्डेयपुराणीयञ्च। |
| १३.२×३ | ७ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | कालीकुलसर्वस्वे। |
| १३.४×२.७ | ९ | ४७ | ,, | ,, | | अपू० | |
| १३.७×३.६ | ८ | ४६ | ,, | ,, | | पू० | |
| १४×३.६ | १० | ७१ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३.८×३.५ | १० | ६१ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३×३.५ | ९ | ५८ | ,, | ,, | | ,, | |
| १२.४×३.५ | १२ | ५० | ,, | ,, | | ,, | जगद्धात्रीध्यानञ्च। |
| १३×३.४ | ११ | ५३ | ,, | ,, | | ,, | वज्रपञ्जराख्यम्। |
| १३.३×३.३ | ७ | ५९ | ,, | ,, | श. १८०३ | ,, | अन्नपूर्णाकवचञ्च। |
| ६×४.१ | ७ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.३ | १० | १७ | दे.ना | ,, | | ,, | |
| ६.६×३.९ | ८ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×३.२ | ६ | १२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५×२.७ | ६ | २३ | ,, | ,, | १७८७ | ,, | |
| ६.४×४.९ | ७ | १४ | ,, | ,, | | ,, | पद्मपुराणे। |
| ६.३×४.७ | १० | २२ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१४९९ | मणिकर्णिकास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१५०० | भारतसावित्री | | १। |
| ८१५०१ | आदित्यहृदयस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८१५०२ | स्मरणमङ्गलपद्धतिः | | १-४। |
| ८१५०३ | विष्णुसहस्रनाम | | १-६। |
| ८१५०४ | वाराहीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१५०५ | अपराजितास्तोत्रम् | | १-११। |
| ८१५०६ | गणेशकवचम् | | १। |
| ८१५०७ | मङ्गलेश्वरस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१५०८ | रामार्याशतकम् | रङ्गनाथः | १-५। |
| ८१५०९ | दत्तात्रेयवज्रकवचम् | | १-१४। |
| ८१५१० | रामस्तवराजः | | १-५। |
| ८१५११ | कृष्णप्रेमामृतम् | | १-२, ५। |
| ८१५१२ | स्वर्णाकर्षणभैरवस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८१५१३ | अपराधक्षमापनस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-९। |
| ८१५१४ | कार्त्तवीर्यार्जुनाष्टोत्तर-शतनाम | | १-३। |
| ८१५१५ | गणेशसहस्रनाम | | १-३७, ४०-५३। |
| ८१५१६ | धनदास्तोत्रम् | | १-५। |
| ८१५१७ | अग्निस्तोत्रम् | | १। |
| ८१५१८ | महालक्ष्मीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१५१९ | शिवरामस्तोत्रम् | | १-२। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९×४ | १३ | ३८ | दे ना. | का. | | पू० | |
| ५.६×४.१ | ८ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.१×४.७ | ९ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.६×४.१ | ८ | २५ | ,, | ,, | | ,, | नामापराधनिरसनस्तोत्रञ्च । |
| ९×५.२ | १४ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×२ ८ | ९ | २५ | ,, | ,, | १९०३ | ,, | |
| ६ ३×३.५ | ५ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×१८.७ | ४४ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×३.८ | ८ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.६×३.७ | १३ | ३९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×४ | ८ | १६ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ८.७×३.७ | ८ | ३९ | ,, | ,, | | ,, | पद्मपुराणे सनत्कुमारसंहितायाम् । |
| ५.४×३.५ | ८ | २१ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ६.२×३.३ | ६ | १८ | ,, | ,, | | पू० | |
| ५×४.२ | १० | १७ | ,, | ,, | | ,, | जाबालोपनिषच्च । |
| ४.२×२ | ६ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४×२ | ५ | २० | ,, | ,, | | अपू० | |
| ५.२×३.१ | ७ | २० | ,, | ,, | | पू० | |
| ४.६×२.९ | १० | २४ | ,, | ,, | | ,, | प्रयागस्तोत्रं, अग्निस्तोत्रञ्च । |
| ८.५×३.३ | १० | ३३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.७×४.५ | ८ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१५२० | अन्नपूर्णास्तोत्रम् | | १। |
| ८१५२१ | गङ्गाष्टकम् | | १-३। |
| ८१५२२ | कार्तवीर्यस्तवः | | १। |
| ८१५२३ | शनैश्चरस्तोत्रम् | | १-५। |
| ८१५२४ | भैरवसहस्रनाम | | १-१६। |
| ८१५२५ | सारस्वतस्तवः | | १-५, ७। |
| ८१५२६ | अन्नपूर्णास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८१५२७ | आदित्यहृदयम् | | १-१२। |
| ८१५२८ | गायत्रीहृदयम् | | १-६। |
| ८१५२९ | हनुमद्धृदयम् | | १-५। |
| ८१५३० | ऋणहरगणेशाष्टकम् | | १-३। |
| ८१५३१ | ज्वरस्तोत्रम् | | १। |
| ८१५३२ | ब्रह्मस्तुतिः | | १-९। |
| ८१५३३ | गायत्रीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१५३४ | गायत्रीशापमोचनम् | | १-३, ५-८। |
| ८१५३५ | भवानीछन्दःस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-६। |
| ८१५३६ | विष्णवपामार्जनस्तोत्रम् | | १-१९। |
| ८१५३७ | हरिनाममाला | शङ्कराचार्यः | १-३। |
| ८१५३८ | सावित्रीसरस्वतीपञ्जरः | विश्वामित्रः | १४ गणनया। |
| ८१५३९ | विष्णुपञ्जरम् | | १-४। |
| ८१५४० | सङ्कष्टनाशनस्तोत्रम् | | १। |
| ८१५४१ | अनुस्मृतिः | | १-६। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९×४ | ११ | ४१ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ८.७×३.९ | ८ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.९×५ | १६ | ३० | ,, | ,, | | ,, | डामरतन्त्रे । |
| ९×४ | ८ | ३६ | ,, | ,, | १८६३ | ,, | स्कन्दपुराणीयम् । |
| ८.६×३.४ | ७ | २७ | ,, | ,, | १६५७ | ,, | |
| ९.१×३.६ | ९ | ३६ | ,, | ,, | | अपू० | वामनपुराणीयम् । |
| ८×५ ७ | ८ | १५ | ,, | ,, | | पू० | |
| १०×४.५ | ९ | १६ | ,, | ,, | | ,, | भविष्योत्तरपुराणे । |
| ११×५.३ | ९ | ३१ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ५.८×२.४ | ९ | ३० | ,, | ,, | | पू० | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ४×२.४ | ५ | १० | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ६.६×३ ८ | ७ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.७×३.५ | ६ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×२ | ७ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९×४ | ८ | १६ | ,, | ,, | | अपू० | गायत्रीकवचञ्च । |
| ८×२.९ | ६ | ३३ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.५×३.५ | ८ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.९×४.१ | १० | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×३.९ | ९ | १७ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ६.२×३.७ | ८ | १९ | ,, | ,, | | पू० | |
| ५.६×३ | ९ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.९×३.९ | ७ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | महाभारते । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१५४२ | गोपालस्तवराजः | | १,३। |
| ८१५४३ | वेदपादस्तोत्रम् | | १-११। |
| ८१५४४ | गणेशसहस्रनाम | | १-९। |
| ८१५४५ | महाप्रत्यङ्गिरास्तोत्रम् | | १-४। |
| ८१५४६ | चर्चिकास्तुतिः | | १। |
| ८१५४७ | नवग्रहस्तोत्रम् | व्यासः | १-२। |
| ८१५४८ | महागणपतिस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८१५४९ | शिवसहस्रनाम | | १-१३। |
| ८१५५० | गङ्गास्तोत्रम् | | १-३। |
| ८१५५१ | शुकाष्टकम् | | १। |
| ८१५५२ | ललितावतारस्तवः | | १-३। |
| ८१५५३ | शिवापामार्जनस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८१५५४ | विज्ञाननवकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१५५५ | भुवनेश्वरीस्तोत्रं सटीकम् | | १-१२। |
| ८१५५६ | रामचम्पकमालास्तोत्रम् | विश्वनाथः | १-५। |
| ८१५५७ | आदित्यहृदयस्तोत्रम् | | १-१४। |
| ८१५५८ | राजराजेश्वरीस्तोत्रम् | | १-५। |
| ८१५५९ | कार्त्तवीर्यद्वादशनाम | | १-२। |
| ८१५६० | कालभैरवाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | ६। |
| ८१५६१ | विश्वनाथाष्टकम् | | १-२। |
| ८१५६२ | अपराधसुन्दरस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८१५६३ | प्रदोषस्तोत्रम् | | १-३। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.७×३.८ | ७ | २० | दे.ना. | का. | | अपू० | |
| ७×३.७ | ९ | २६ | ,, | ,, | | पू० | |
| १०×२.६ | ९ | ४८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.५×३.८ | ११ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×३.६ | १८ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.५×५.४ | ११ | २७ | ,, | ,, | | ,, | अन्नपूर्णास्तोत्रञ्च । |
| ७.५×३.३ | १३ | ३७ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले । |
| ८.५×३.७ | ९ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×४.४ | १२ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.४×४ | १० | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.५×३.६ | ७ | २९ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्मपुराणे । |
| ८.९×३.९ | ११ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ९×४ | ९ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.७×४.२ | ११ | २८ | ,, | ,, | १७०५ | ,, | |
| ८.६×४ | ११ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.३×३.८ | ७ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.५×३ ६ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५ ८×३.८ | ९ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×४.२ | ११ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×३.७ | ८ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.५×३.९ | ८ | १८ | ,, | ,, | शः १७५२ | ,, | |
| ६×४ | ११ | १८ | ,, | ,, | | ,, | सरस्वतीस्तोत्रञ्च । लिङ्गपुराणे । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१५६४ | बालास्तुतिः | | १-२। |
| ८१५६५ | पञ्चमुखहनुमत्कवचम् | | १-७। |
| ८१५६६ | अनुस्मृतिः | | १-९। |
| ८१५६७ | नवग्रहस्तोत्रम् | | १। |
| ८१५६८ | ,, | व्यासः | १-२। |
| ८१५६९ | सङ्कटास्तोत्रम् | | १। |
| ८१५७० | मल्लारिसहस्रनाम | | १-१६। |
| ८१५७१ | रामरक्षास्तोत्रम् | | १-१०। |
| ८१५७२ | कालिकास्तवेन्द्रः | | २-६। |
| ८१५७३ | निरञ्जनस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८१५७४ | महाकालकवचम् | | १-२। |
| ८१५७५ | चिदम्बरपञ्चाक्षरी-स्तोत्रम् | | १-२२। |
| ८१५७६ | विष्णुसहस्रनाम | | २-३०। |
| ८१५७७ | विष्णुसहस्रनामावली | | १-१७। |
| ८१५७८ | गायत्रीकवचम् | | १। |
| ८१५७९ | दक्षिणकालिकास्तोत्रम् | | १-९। |
| ८१५८० | बालानामावलिः | | २-३। |
| ८१५८१ | शिवकवचम् | | १-६। |
| ८१५८२ | उपमन्युस्तवराजः | उपमन्युः | १-४। |
| ८१५८३ | विट्ठलकवचम् | | १-५। |
| ८१५८४ | दुर्गाकवचम् | | १। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.६×४.१ | ८ | २५ | दे.ना. | का. | श. १९०६ | पू० | त्रिपुररहस्ये । |
| ६.८×३.४ | ७ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.९×३.९ | ९ | १७ | ,, | ,, | | ,, | महाभारते । |
| ५.४×१२.४ | २२ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ३.९×२.८ | ८ | १६ | ,, | ,, | श. १६६६ | ,, | |
| ३.७×४.७ | १६ | १५ | ,, | ,, | १९१८ | ,, | |
| ४×३ | १७ | १२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×३.७ | ५ | २० | ,, | ,, | | ,, | वाल्मीकिरामायणे । |
| ६.७×३.२ | ६ | २१ | ,, | ,, | १८९६ | अपू० | रुद्रयामले भैरवतन्त्रे । |
| ५.३×३.५ | ७ | १६ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.२×४ | १३ | २८ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले । |
| ६.१×३.७ | ७ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.३ | ७ | १८ | ,, | ,, | १९१३ | ,, | सप्तश्लोकीगीता च । |
| ६.३×३.८ | ९ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| १३.९×२.५ | ४ | ५५ | व. | ,, | | ,, | |
| ६.७×३.२ | ६ | १९ | दे.ना. | ,, | १८९६ | ,, | कुलाचारचन्द्रोदये । |
| ६.५×४.२ | ९ | २१ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ७×४ | ११ | २३ | ,, | ,, | | पू० | स्कन्दपुराणे । |
| ७.६×३.९ | ७ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×४ | ८ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.७×३.७ | १२ | २७ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्मवैवर्त्तपुराणे । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१५८५ | दशहरास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१५८६ | देव्यपराधस्तवः | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१५८७ | कार्त्तवीर्यकवचम् | | १-१२। |
| ८१५८८ | षण्मुखमहामन्त्रस्तोत्रम् | | १। |
| ८१५८९ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-९। |
| ८१५९० | इन्द्राक्षीस्तोत्रम् | | १। |
| ८१५९१ | विष्णुसहस्रनाम | | १-९, ११-१३, १५-२७ २९-३१। |
| ८१५९२ | गणपतिस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१५९३ | गङ्गासाम्राज्यकवचम् | | १-२। |
| ८१५९४ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-८। |
| ८१५९५ | गङ्गाष्टकम् | दासदासः | १-२। |
| ८१५९६ | रामाष्टोत्तरशतनाम | | १-४। |
| ८१५९७ | गङ्गास्तवः | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८१५९८ | शालिग्रामस्तोत्रम् | | १-७। |
| ८१५९९ | शिवकवचम् | | २-१९। |
| ८१६०० | दुर्गारहस्यत्रयम् | | १-१७। |
| ८१६०१ | देव्यष्टोत्तरशतनामावली | | १-४। |
| ८१६०२ | आदित्यहृदयम् | | १-२५। |
| ८१६०३ | भैरवाष्टकम् | | १-२। |
| ८१६०४ | रामरक्षास्तोत्रम् | विश्वामित्रः | ३ गणनया। |
| ८१६०५ | भवानीकवचम् | | १-३। |
| ८१६०६ | अश्वत्थनारायणस्तोत्रम् | | १-४। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८.५×३.२ | १२ | ३२ | दे.ना. | का. | | पू० | स्कन्दपुराणीयम् । |
| ८.६×३.४ | ९ | ४० | ,, | ,, | | अपू० | क्षमायाचनमन्त्रश्च । |
| ८×३.७ | ८ | २९ | ,, | ,, | | पू० | द्वादशनामस्तोत्रञ्च । |
| ८.८×४.१ | ९ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.९×४.२ | ६ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.८×३.८ | ८ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ३.७×२.८ | ६ | ७ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ९.९×४.४ | ६ | ३० | ,, | ,, | | पू० | |
| ८.८×४.१ | ८ | ३१ | ,, | ,, | १९०८ | ,, | भवानीकवचञ्च । |
| ९.२×३.९ | ७ | ३४ | ,, | ,, | १७४६ | ,, | |
| ९.७×३.६ | ८ | ३९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.७×५.७ | १३ | २५ | ,, | ,, | | ,, | भस्मधारणविधिश्च । |
| ८×४.७ | ८ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.७×३ | ५ | १९ | ,, | ,, | | ,, | भविष्योत्तरपुराणे । |
| ४.३×३.२ | ५ | १२ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ५.१×३.८ | ६ | १६ | ,, | ,, | १९४८ | पू० | |
| ६.३×३ | ६ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×३ | ५ | २० | ,, | ,, | | ,, | भविष्योत्तरपुराणे । |
| ६×३.८ | ११ | २३ | ,, | ,, | | ,, | शिवपुराणे । |
| ४×१६.३ | ३५ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×३ | ९ | १९ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले । |
| ५.४×४.१ | १४ | २४ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१६०७ | शनिस्तोत्रम् | | १। |
| ८१६०८ | हनुमत्कवचम् | माधवः | १-३। |
| ८१६०९ | लक्ष्मीनृसिंहकवचम् | | १-२। |
| ८१६१० | दुर्गाकवचम् | | १-५। |
| ८१६११ | महिम्नःस्तोत्रम् | | २-९। |
| ८१६१२ | विष्णुपञ्जरम् | | १-३। |
| ८१६१३ | सूर्यकवचम् | | १। |
| ८१६१४ | धन्याष्टकम् | | १। |
| ८१६१५ | गोविन्दाष्टकटीका | | १-८। |
| ८१६१६ | आदित्यहृदयस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८१६१७ | यमुनाष्टकम् | | १। |
| ८१६१८ | शिवस्तोत्रम् | वाल्मीकिः | २ गणनया। |
| ८१६१९ | दक्षिणामूर्तिकवचम् | | १। |
| ८१६२० | शिवस्तोत्रम् | उपमन्युः | १। |
| ८१६२१ | गङ्गालहरी | | १-१२। |
| ८१६२२ | दुर्गास्तवः | | १-३। |
| ८१६२३ | विश्वनाथनामावली | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१६२४ | नानकाष्टकम् | | १। |
| ८१६२५ | दुर्गाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१६२६ | नवग्रहस्तोत्रम् | वेदव्यासः | १-२। |
| ८१६२७ | रामकवचम् | | १-३। |
| ८१६२८ | रामरक्षास्तोत्रम् | | १-५। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८.४×३.६ | ९ | ३३ | दे.ना. | का | | पू० | |
| ८.७×३.५ | ८ | ४१ | ,, | ,, | श. १६१५ | ,, | पूर्वसंहितायाम् । |
| ६.३×४.८ | १२ | २२ | ,, | ,, | १९४५ | ,, | |
| १०.५×४.५ | ८ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.८×४.७ | ८ | २६ | ,, | ,, | | अपू० | सरस्वतीस्तोत्रञ्च । |
| १०.८×४.५ | ८ | २८ | ,, | ,, | | पू० | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| १०.६×५.६ | १४ | २७ | ते. | ,, | | ,, | |
| १०.५×४.६ | १० | ३२ | दे.ना. | ,, | | अपू० | |
| १३.८×५.४ | ११ | ३९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.३×४.५ | ८ | २७ | ,, | ,, | | पू० | |
| ९.४×६.६ | १२ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.९×३.७ | १२ | २४ | ,, | ,, | | ,, | वाल्मीकिरामायणे उत्तरकाण्डे । |
| १०.८×४.७ | १२ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.२×४.१ | ११ | ४१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.२×४ | ७ | २८ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०×४.७ | ७ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | महाभारते । |
| ८.१×४.१ | ८ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.३×४.२ | ११ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५×३.६ | १७ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५×३.४ | १० | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.४×२.४ | ९ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | त्रैलोक्यमोहनाख्यम् । |
| ४.४×३ | ५ | १३ | ,, | ,, | १८८४ | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१६२९ | विष्णुपञ्जरस्तोत्रम् | | १-१८। |
| ८१६३० | स्वर्णाकर्षणभैरवकवचम् | | १-४। |
| ८१६३१ | शिलामयीदशकम् | वेणीदत्तः | १-६। |
| ८१६३२ | शवितस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१६३३ | त्रिवेणीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१६३४ | सूर्यकवचम् | | १। |
| ८१६३५ | ढुण्ढिराजस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१६३६ | गोविन्दाष्टकम् | | ९ गणनया। |
| ८१६३७ | दशश्लोकी | | १-३। |
| ८१६३८ | शिवाष्टोत्तरशतनाम | | १-२। |
| ८१६३९ | शनैश्चराष्टकम् | | २ गणनया। |
| ८१६४० | व्यङ्कटेशकवचम् | | १-१०। |
| ८१६४१ | विभूतिधारणस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१६४२ | अनुस्मृतिस्तोत्रम् | | १-१३। |
| ८१६४३ | कृष्णाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | ३ गणनया। |
| ८१६४४ | हरिहरात्मकस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८१६४५ | शिवकवचम् | | १-५। |
| ८१६४६ | विष्णुसहस्रनाम | | १-१८। |
| ८१६४७ | अभिलाषाष्टकम् | | १, ३। |
| ८१६४८ | कालभैरवाष्टकम् | | १-२। |
| ८१६४९ | यमुनाविज्ञप्तिस्तोत्रम् | हरिरायदासः | १-२। |
| ८१६५० | गङ्गालहरी | | १-१२। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५×३.१ | ९ | १४ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ६.२×३.३ | ६ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.१×३.८ | ११ | ९ | ,, | ,, | १८५७ | ,, | |
| ८.४×२ | ४ | १९ | व. | ,, | | ,, | रुद्रयामले । |
| ६×३.९ | ८ | १८ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ८.१×३.५ | ११ | २९ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्मयामले । |
| ८×३.४ | ७ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×४.३ | ७ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×३.७ | ६ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७×४ | १२ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×४.५ | ८ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.५×२.५ | ८ | १६ | ,, | ,, | १९०७ | ,, | वाराहपुराणे । |
| ८.४×३.६ | १२ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले । |
| ५.७×३.२ | ६ | २१ | ,, | ,, | | ,, | महाभारते । |
| ५.८×३.४ | ८ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.७×३.४ | ९ | १८ | ,, | ,, | १९२२ | ,, | |
| ७.७×३.२ | ७ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×३.८ | १० | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ५×३ | ९ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.६×३.८ | ७ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×४ | ९ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×४ | ७ | १७ | ,, | ,, | १७७० | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१६५१ | निर्वाणदशकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१६५२ | भैरवाष्टोत्तरशतनाम | | १-८। |
| ८१६५३ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १-१४। |
| ८१६५४ | एकाक्षरगणपतिस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८१६५५ | अपामार्जनस्तोत्रम् | | १-१०। |
| ८१६५६ | शुद्धशक्तिमालामन्त्र-स्तोत्रम् | | १-१०। |
| ८१६५७ | लक्ष्मीनृसिंहाष्टकम् | | १-३। |
| ८१६५८ | नवग्रहस्तोत्रम् | | १। |
| ८१६५९ | गायत्रीपञ्जरस्तोत्रम् | | १-९। |
| ८१६६० | रामरक्षास्तोत्रम् | | १-७। |
| ८१६६१ | चिदानन्दस्तुतिः | | १-४। |
| ८१६६२ | गङ्गाष्टकम् | वाल्मीकिः | १-२। |
| ८१६६३ | दत्तात्रेयकवचम् | | १-८। |
| ८१६६४ | कार्तवीर्यस्तवः | | १-२। |
| ८१६६५ | शीतलास्तोत्रम् | | १-३। |
| ८१६६६ | व्यासपुत्राष्टकम् | | १। |
| ८१६६७ | स्वरूपानुसन्धानाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१६६८ | निर्वाणषट्कम् | ,, | १। |
| ८१६६९ | गङ्गासहस्रनाम | | १-१०। |
| ८१६७० | चर्पटपञ्जरिका | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८१६७१ | गणेशकवचम् | | १-७। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.१×४.१ | ११ | २२ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ५.१×३.१ | ६ | १० | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.५×३.५ | ४ | ९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×४ | १० | १९ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले । |
| ५×३.५ | ११ | १८ | ,, | ,, | | ,, | जीर्णम् । |
| ५.९×३.९ | ७ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×४ | ९ | ७२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×४.८ | ९ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.६×४.१ | ११ | १६ | ,, | ,, | | ,, | वसिष्ठसंहितायाम् । |
| ८.४×४.६ | ७ | १९ | ,, | ,, | श. १७४८ | ,, | |
| ६×३.४ | ७ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.९×३.५ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.३×३.२ | ८ | २४ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ८.८×४.५ | ७ | २७ | ,, | ,, | | ,, | कार्तवीर्यसामान्यदीपविधिश्च । |
| ८×४.४ | ९ | २१ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ८.९×४.८ | २१ | २५ | ,, | ,, | | ,, | गुकाष्टकं वा; गोलोकवर्णनञ्च । |
| ९.२×४.३ | ८ | २८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.५×४.१ | १८ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.५×४.६ | १० | ३१ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ११.४×४.६ | ११ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | अष्टाविंशतितत्त्वं वा । |
| ६.८×३ | ५ | १८ | ,, | ,, | श. १७३९ | ,, | गणेशपुराणे । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१६७२ | षष्ठीस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८१६७३ | कृष्णसहस्रनाम | | १, ३-१५। |
| ८१६७४ | रामताण्डवम् | विश्वेश्वरदत्तः | १-३। |
| ८१६७५ | जन्मरहस्यम् | | १-४। |
| ८१६७६ | त्रिपुरास्तोत्रम् | | १-६। |
| ८१६७७ | शीतलास्तोत्रम् | | १-५। |
| ८१६७८ | मृत्युञ्जयस्तोत्रम् | | १। |
| ८१६७९ | शिवषडक्षरस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१६८० | षोडशाक्षरीपञ्चरत्न-मालिका | | १-४। |
| ८१६८१ | इन्द्राक्षीस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८१६८२ | निगडभञ्जनस्तोत्रम् | | १। |
| ८१६८३ | सूर्यकवचम् | | १-२। |
| ८१६८४ | सरस्वतीस्तोत्रम् | बृहस्पतिः | १-२। |
| ८१६८५ | शिवकवचम् | | १-८। |
| ८१६८६ | गङ्गासहस्रनाम | | १-१६, १९-२५, २९-३२, ३६, ४२-४४। |
| ८१६८७ | शनिस्तोत्रम् | दशरथः | १-१३। |
| ८१६८८ | सपर्यासप्तकम् | | १। |
| ८१६८९ | गायत्रीहृदयम् | | ९ गणनया। |
| ८१६९० | कृष्णकवचम् | | १-२। |
| ८१६९१ | मङ्गलस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१६९२ | अन्नपूर्णास्तोत्रम् | | १-४। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७.५×४.५ | ७ | २० | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ६.५×५ | ११ | २३ | " | " | | अपू० | नारदीयपुराणे । |
| १०.७×४.५ | ८ | ३३ | " | " | | पू० | |
| ७.८×१.५ | ८ | ४६ | " | " | | " | भविष्योत्तरपुराणे । |
| ७ ५×२ ८ | २५ | २८ | " | " | | " | |
| ३.५×२.२ | ६ | ११ | " | " | | " | |
| ५×३ | ८ | १६ | " | " | | " | |
| ७.८×१.५ | ६ | ४१ | " | " | | " | |
| ५.५×४.१ | ११ | २२ | " | " | | " | |
| ७.१×३.३ | ८ | २३ | " | " | | " | |
| ५.१×३.३ | ७ | १८ | " | " | | " | काशीखण्डे । |
| ६.२×३.८ | ८ | २१ | " | " | | " | |
| ५.३×३ ५ | ८ | १८ | " | " | | " | |
| ५×३ | ७ | १९ | " | " | | " | रुद्रयामले । |
| ६.२×३.५ | ५ | १७ | " | " | | अपू० | |
| ६.४×३ ५ | ५ | १६ | " | " | | पू० | |
| ६.८×३.४ | १० | ३१ | " | " | | " | |
| ६.५×३.२ | ९ | १८ | " | " | | " | हरिहरनामावली च । |
| ५.२×४.२ | ९ | ११ | " | " | | " | |
| ६.७×३.५ | ५ | २२ | " | " | | " | |
| ४.४×२.५ | ५ | ११ | " | " | १९४० | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१६९३ | शिववर्म | | १+१-१०। |
| ८१६९४ | विष्णुसहस्रनाम | | १-३७। |
| ८१६९५ | षट्पदी | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८१६९६ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-५, ७-१०, १२-१३। |
| ८१६९७ | " | " | १-१६। |
| ८१६९८ | गङ्गासहस्रनामावली | | १-२६+१(=२७)। |
| ८१६९९ | देवीकवचम् | | १-३। |
| ८१७०० | शिवकवचम् | | १-१७। |
| ८१७०१ | देवीपञ्चरत्नस्तोत्रम् | | १। |
| ८१७०२ | आदित्यहृदयम् | | १-१९। |
| ८१७०३ | शिवसहस्रनामावली | | १-१३। |
| ८१७०४ | दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-४। |
| ८१७०५ | भवानीसहस्रनाम | | १-८। |
| ८१७०६ | आदित्यहृदयम् | | १-११। |
| ८१७०७ | लक्ष्मीनृसिंहस्तोत्रम् | | १। |
| ८१७०८ | अन्नपूर्णास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१७०९ | " | | १। |
| ८१७१० | अपामार्जनस्तोत्रम् | | १-५। |
| ८१७११ | महागणपतिकवचम् | | १-३। |
| ८१७१२ | महालक्ष्मीस्तोत्रम् | | १। |
| ८१७१३ | स्कन्दस्तोत्रम् | अङ्गिरा | १। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-सख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.३×४ | ९ | १८ | दे.ना. | का. | | पू० | स्कन्दपुराणे । |
| २.२×४.५ | १३ | ९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.५×३.१ | ५ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×३ | ६ | १७ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ४.२×२.८ | ६ | १७ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६×३.६ | १५ | ९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.५×३.७ | ६ | १८ | ,, | ,, | | ,, | भैरवतन्त्रे । |
| ५.८×३.९ | ७ | १४ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ९.२×४.२ | १२ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.६×४ | ७ | ३० | ,, | ,, | | ,, | भविष्योत्तरपुराणे । |
| ८.३×४.६ | १२ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×४.६ | १० | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.७×३ | १० | ४३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.२×४ | ११ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.२×४.५ | १३ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०×४.४ | १२ | ४१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.९×४.२ | १४ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.३×४ | १० | २८ | ,, | ,, | | ,, | विष्णुधर्मोत्तरे । |
| ७.३×४.३ | ९ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.४×४.८ | ९ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.४×३.६ | ११ | ४२ | ,, | ,, | | ,, | आरण्यके । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१७१४ | स्वरूपानुसन्धानस्तोत्रम् | परमहंसपरि-व्राजकाचार्यः | १। |
| ८१७१५ | गणेशस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१७१६ | आलमन्दारुस्तोत्रम् | | १-९। |
| ८१७१७ | विष्णुसहस्रनामावली | | १-९। |
| ८१७१८ | त्रिपुरासहस्रम् | | १-२१। |
| ८१७१९ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१७२० | बगलामुखीकवचम् | | १। |
| ८१७२१ | पुष्पाञ्जलिः | | १-२। |
| ८१७२२ | प्रातःस्मरणश्लोकपञ्च-कम् | | १-२। |
| ८१७२३ | शिवकवचस्तोत्रम् | | १+१-१४। |
| ८१७२४ | नृसिंहकवचम् | | १-६। |
| ८१७२५ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१७२६ | श्रीकृष्णध्यानम् | | १। |
| ८१७२७ | षडक्षरस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१७२८ | प्रदोषस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१७२९ | नृसिंहमन्त्रकवचम् | | १। |
| ८१७३० | गायत्रीस्तवराजः | | १४ गणनया। |
| ८१७३१ | दुर्गास्तोत्रम् | | १-५। |
| ८१७३२ | अन्नपूर्णास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-४। |
| ८१७३३ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-८+१। |
| ८१७३४ | अन्नपूर्णास्तोत्रम् | | १। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९.२×४.३ | ११ | ३९ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ९.८×४.३ | ९ | ३९ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.२×५.३ | ९ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.८×४.३ | १२ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.३×४.१ | ६ | ४५ | व. | ,, | | अपू० | |
| १३×४.२ | ६ | ३७ | ,, | ,, | | पू० | |
| १३×४.२ | १५ | ४६ | दे.ना. | ,, | | ,, | जयद्रथयामले । |
| ६.१×४.१ | ७ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.२×३.३ | ७ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×४ | ९ | १७ | ,, | ,, | १८९१ | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ५.९×४.२ | ९ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.९×४.७ | ९ | १२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४×६.५ | १३ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×२.९ | २५ | ११ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.६×३.८ | ७ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.१×३.४ | ९ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×३.९ | ९ | १७ | ,, | ,, | | अपू० | वसिष्ठसंहितायाम् । |
| ८.३×३.७ | ६ | २६ | ,, | ,, | १९०७ | पू० | |
| ९.२×५.२ | ५ | २१ | ,, | ,, | १९१४ | ,, | |
| ८.९×४.१ | ६ | २६ | ,, | ,, | १८९५ | ,, | |
| ८×४.७ | १३ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१७३५ | गायत्रीकवचम् | | १-२। |
| ८१७३६ | शिवसहस्रनाम | | १-१४। |
| ८१७३७ | शिवाष्टोत्तरशतनाम | | १-२। |
| ८१७३८ | दत्तात्रेयस्तवराजः | दिगम्बरानुचरिः | १-३। |
| ८१७३९ | सङ्कटास्तोत्रम् | | १। |
| ८१७४० | शिवसहस्रनाम | | २-११। |
| ८१७४१ | व्यङ्कटेशहृदयम् | | १-४। |
| ८१७४२ | बृहस्पतिस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८१७४३ | भवानीकवचम् | | १-४। |
| ८१७४४ | प्रतिक्रियास्तोत्रम् | | १-२४। |
| ८१७४५ | विष्णुसहस्रनाम | | १-९, ११-२०, २२-२७। |
| ८१७४६ | मल्लारिवज्रपञ्जरस्तोत्रम् | | ३। |
| ८१७४७ | सूर्यहृदयम् | | १-३। |
| ८१७४८ | लक्ष्मीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१७४९ | कल्याणवृष्टिस्तवः | | २ गणनया। |
| ८१७५० | वेदान्तस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१७५१ | काशीक्षेत्रस्तोत्रम् | ,, | १। |
| ८१७५२ | आदित्यहृदयम् | | १-३। |
| ८१७५३ | पीठारोहिणीस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८१७५४ | शिवाष्टकम् | | १-३। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०×५ | ९ | ३२ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ९×५.८ | १२ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×४ | ८ | २८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.९×४.३ | ९ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.६×५ | ९ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.३×४.६ | ९ | ५० | ,, | ,, | | अपू० | |
| ९.१×३.८ | ७ | ३२ | ,, | ,, | | पू० | सनत्कुमारसंहितायाम् । |
| १०.५×४.४ | ९ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | पारमेश्वरतन्त्रे । |
| ६.५×३.७ | ६ | १३ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले । |
| ४×३ | ५ | ९ | ,, | ,, | | ,, | आकाशभैरवकल्पे । |
| ८.६×४ | ७ | २४ | ,, | ,, | १८३४ | अपू० | |
| ५×३.९ | ७ | १७ | ,, | ,, | | पू० | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ६.२×३.५ | ७ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.३×३.९ | ९ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×४.९ | ९ | १९ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले । |
| १०.५×४.५ | १० | ३६ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०×४.४ | १० | ३५ | ,, | ,, | | ,, | शिवोऽहंस्तोत्रञ्च । |
| १०.४×४.४ | १० | ३५ | ,, | ,, | | ,, | युद्धकाण्डे । |
| ६.६×३.४ | ८ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.२×४.५ | ८ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१७५५ | नर्मदापञ्चदशनाम-स्तोत्रम् | | १। |
| ८१७५६ | गणेशमङ्गलस्तोत्रम् | दैवज्ञानन्तसुतः | १। |
| ८१७५७ | गणेशद्वादशनामस्तोत्रम् | | १। |
| ८१७५८ | गङ्गाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-५। |
| ८१७५९ | दुर्गासप्तशती | | ३-३८, ३८-६४। |
| ८१७६० | परमहंसनामावली | | १-२। |
| ८१७६१ | आदित्यहृदयस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१७६२ | गणेशाष्टोत्तरशतम् | | १। |
| ८१७६३ | कालभैरवाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १ (लम्बायमानम्)। |
| ८१७६४ | व्यङ्कटेशवज्रपञ्जरम् | | १-५। |
| ८१७६५ | हरितत्त्वमुक्तावली | शङ्कराचार्यः | १-३२। |
| ८१७६६ | काल्यष्टकम् | कालिदासः | १। |
| ८१७६७ | नारायणहृदयम् | | १-१४। |
| ८१७६८ | आदित्यहृदयम् | | १, ३-२०। |
| ८१७६९ | देव्यथर्वशीर्षम् | | १-४। |
| ८१७७० | विश्वनाथाष्टकम् | वेदव्यासः | १-३। |
| ८१७७१ | सौन्दर्यलहरी | शङ्कराचार्यः | १-७, १०-३९। |
| ८१७७२ | गङ्गाष्टकम् | ,, | १-३। |
| ८१७७३ | ज्वरस्तोत्रम् | | १। |
| ८१७७४ | सुमुखीकवचम् | | १-५। |
| ८१७७५ | गङ्गाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-३। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५.५×३.९ | ८ | २२ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ८.२×३.४ | ८ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | चन्द्रार्घ्यञ्च । |
| ९×३.५ | ७ | ३७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.१×३.२ | ५ | १८ | ,, | ,, | १९१३ | ,, | |
| ९.५×४ | ६ | २६ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ९×४.२ | ७ | २३ | ,, | ,, | | पू० | |
| ११×७ | १३ | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.८×४.५ | २५ | १३ | ,, | ,, | | ,, | शिवरहस्ये । |
| १२.२×६.२ | २७ | २२ | ,, | ,, | | ,, | अन्नपूर्णाष्टकं, मणिकर्णिकाष्टकं, गङ्गाष्टकञ्च । |
| ९.२×३.८ | ७ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | अग्निपुराणान्तर्गतम् । |
| १३.७×७ | १३ | ४८ | ,, | ,, | | ,, | हरिमीडेस्तोत्रव्याख्यानुरूपा । |
| ९.२×४.१ | ८ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.७×४.३ | ९ | २३ | ,, | ,, | १९०७ | ,, | लक्ष्मीहृदयञ्च । |
| ९.४×४.३ | ७ | २९ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ६×३.३ | १० | २४ | ,, | ,, | श. १६८१ | पू० | |
| ५.१×३.२ | ६ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.६×३.३ | ५ | १३ | ,, | ,, | १८१६ | अपू० | |
| ५.१×३.१ | ८ | १५ | ,, | ,, | | पू० | |
| ५.८×४.१ | १० | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.६×४ | ८ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४ | ८ | २० | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१७७६ | महिषासुरमर्दिनीस्तोत्रम् | रामकृष्णः | १-७। |
| ८१७७७ | जगन्नाथाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-३। |
| ८१७७८ | शिवरामस्तोत्रम् | रामानन्दः | १-४। |
| ८१७७९ | रामरक्षास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१७८० | दामोदरस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१७८१ | वाराहीस्तोत्रम् | | १। |
| ८१७८२ | शनैश्चरस्तोत्रम् | | १, ३-२०। |
| ८१७८३ | गायत्रीकवचम् | | १-३। |
| ८१७८४ | शिवस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१७८५ | शिवारार्तिक्यम् | | १-३। |
| ८१७८६ | आदित्यहृदयस्तोत्रम् | | १-२०। |
| ८१७८७ | गजेन्द्रमोक्षणम् | | १-२०। |
| ८१७८८ | भौमस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१७८९ | भवानीसहस्रनाम | | १-२४। |
| ८१७९० | गायत्रीकवचम् | | ३ गणनया। |
| ८१७९१ | शिवसहस्रनाम | | १-१८, १८-२९। |
| ८१७९२ | निर्वाणस्तवः | | १-२। |
| ८१७९३ | नृसिंहकवचम् | ब्रह्मा | १-२। |
| ८१७९४ | शिवापराधक्षमापन-स्तोत्रम् | | १-५। |
| ८१७९५ | गोपालस्तवकम् | | १-२। |
| ८१७९६ | रामार्या | | १-२। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६×४.३ | ९ | १६ | दे.ना. | का. | | पू० | पुष्पाञ्जलिःस्तोत्रं वा । |
| ४.९×४ | ९ | १६ | ,, | ,, | १८३८ | ,, | |
| ७.८×३.७ | ५ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.१×३.३ | ८ | ३२ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ८.४×४.४ | ११ | ३२ | ,, | ,, | | पू० | |
| ८.४×४.५ | १२ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.८×३.५ | ६ | २८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.५×४.२ | ८ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | अगस्त्यसंहितायाम् । |
| ७.८×४.२ | १५ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.५×४.१ | ७ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.८×४.२ | ७ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.२×३.४ | ६ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ३.९×२.७ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×३.१ | ७ | २४ | ,, | ,, | १८१४ | ,, | |
| ७×३.८ | ८ | २२ | ,, | ,, | | पू०* | विश्वामित्रसंहितायाम् । |
| ५×४.८ | ११ | १४ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६.२×४ | ८ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.६×४ | ८ | ४१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६ २×४ २ | ७ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| १.५×२.५ | ७ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.३×४.१ | १० | २८ | ,, | ,, | | अपू० | हरितालिकाव्रतकथा च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१७९७ | दक्षिणामूर्तिध्यानम् | भगवद्पादः | १-२ । |
| ८१७९८ | मङ्गलागौरीशिवस्तोत्रम् | | १-६ । |
| ८१७९९ | शिवषडक्षरस्तोत्रम् | | २ गणनया । |
| ८१८०० | विश्वनाथाष्टकम् | व्यासः | १ । |
| ८१८०१ | शिवाष्टोत्तरशतनाम | | १-४ । |
| ८१८०२ | देव्यपराधक्षमापन-स्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-४ । |
| ८१८०३ | शिवस्तोत्रम् | बृहस्पतिः | १ । |
| ८१८०४ | चर्पटपञ्जरिका | शङ्कराचार्यः | १ । |
| ८१८०५ | लिङ्गाष्टकम् | भृगुः | १ । |
| ८१८०६ | शिवोऽहंस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १ । |
| ८१८०७ | विज्ञाननौकास्तोत्रम् | | १ । |
| ८१८०८ | ललितात्रिशतीस्तवः | | १-१० । |
| ८१८०९ | बगलामुखी | | १२ गणनया । |
| ८१८१० | यतिपञ्चकम् | शङ्कराचार्यः | १-२ । |
| ८१८११ | जगन्नाथाष्टकम् | ,, | १-३ । |
| ८१८१२ | महागणपतिस्तवराजः | | १-१७ । |
| ८१८१३ | गणेशस्तवकम् | | १ । |
| ८१८१४ | आनन्दलहरी | शङ्कराचार्यः | १, ३-५ । |
| ८१८१५ | व्यङ्कटेशस्तोत्रम् | | १-४ । |
| ८१८१६ | शिवारात्तिक्यम् | | १-३ । |
| ८१८१७ | सङ्कटनाशनस्तोत्रम् | | १ । |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७.२×४.२ | ९ | २२ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ७×३ ८ | ६ | २१ | " | " | | " | |
| ८.२×६.३ | ९ | २१ | " | " | | " | |
| ७.६×४ | ११ | ३२ | " | " | | " | |
| ७×३.५ | ७ | १४ | " | " | | " | |
| ६.३×३.५ | ६ | १७ | " | " | | " | |
| ९.२×४.९ | १० | ३० | " | " | | " | सूतसंहितायाम् । |
| ९.४×३.९ | २० | ३५ | " | " | | " | |
| ९.२×४.३ | ११ | ३९ | " | " | | " | सङ्कटास्तोत्रञ्च । |
| ५×६.७ | १७ | २१ | " | " | | " | |
| ६.६×५ | १३ | २० | " | " | | " | |
| ६×२.५ | ९ | २३ | " | " | | " | |
| ५.५×२ | ५ | १३ | " | " | | " | |
| ५.८×३ | ५ | १८ | " | " | | " | |
| ६.५×३.४ | ७ | १९ | " | " | | " | |
| ६.३×४.३ | ९ | २२ | " | " | | " | |
| ८.२×३.४ | ९ | ३२ | " | " | | " | |
| ६.७×३.२ | ७ | २७ | " | " | १८५१ | अपू० | |
| ९×४ | ७ | २१ | " | " | | पू० | |
| ८.७×३.८ | ९ | २६ | " | " | | " | |
| ६.२×३.७ | १० | २० | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१८१८ | भैरवशतनामावलिः | | १। |
| ८१८१९ | गङ्गाष्टपदी | | १-३। |
| ८१८२० | सूर्यद्वादशनामस्तोत्रम् | | १। |
| ८१८२१ | मकरन्दस्तोत्रम् | | १। |
| ८१८२२ | पद्यपुष्पाञ्जलिः | | १-७। |
| ८१८२३ | देव्यारार्त्तिक्यम् | | १-२। |
| ८१८२४ | आदित्यहृदयस्तोत्रम् | | १-१९। |
| ८१८२५ | सूर्यस्तवराजः | | १। |
| ८१८२६ | अन्नपूर्णाष्टोत्तरशतनाम | | १-२। |
| ८१८२७ | अपराधक्षमापनस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८१८२८ | आदित्यहृदयम् | | १-९। |
| ८१८२९ | रामरक्षास्तोत्रम् | विश्वामित्रः | १-५। |
| ८१८३० | शिवाष्टोत्तरशतनाम-स्तोत्रम् | | १-३। |
| ८१८३१ | आदित्यहृदयम् | | १-३। |
| ८१८३२ | मणिकर्णिकास्तोत्रम् | गङ्गाधरकविः | १-२। |
| ८१८३३ | ढुण्ढिराजभुजङ्गप्रयातम् | | १। |
| ८१८३४ | हरिमीडेस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-७। |
| ८१८३५ | गङ्गाष्टकम् | ,, | १-२। |
| ८१८३६ | आदित्यहृदयम् | | १-२६। |
| ८१८३७ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | २-७। |
| ८१८३८ | नारायणषट्पदी | | १। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १६×३ | ४५ | २६ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ६.९×३.८ | ७ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.७×२.६ | ५ | २४ | व. | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ८.८×३.५ | १६ | ४२ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ६.७×४.२ | ८ | १६ | ,, | ,, | १८०१ | ,, | |
| ६.७×४.६ | १० | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.४×४.४ | १० | १७ | ,, | ,, | | ,, | भविष्योत्तरपुराणे । |
| ९.१×४.४ | १२ | ३९ | ,, | ,, | १८५४ | ,, | |
| ८×४ | ११ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.५×४.५ | ११ | २५ | ,, | ,, | श. १७७२ | ,, | |
| ६.९×३.४ | ५ | ११ | ,, | ,, | | ,, | वाल्मीकिरामायणे । |
| ९.१×४.१ | ७ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.४×३.९ | ८ | १२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९×४.१ | ९ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×४.४ | ११ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.४×३.९ | ९ | ३१ | ,, | ,, | १८५६ | ,, | |
| ८.६×४.४ | ७ | २२ | ,, | ,, | १९०३ | ,, | |
| ७.३×३.९ | १३ | २९ | ,, | ,, | | ,, | बिल्वपूजानिर्णयश्च । |
| ५.५×४ २ | ८ | १५ | ,, | ,, | | ,, | भविष्योत्तरपुराणे । |
| १०.४×४.४ | ७ | ३० | ,, | ,, | | अपू० | |
| १०.७×४.३ | ७ | २५ | ,, | ,, | | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
| --- | --- | --- | --- |
| ८१८३९ | देवीस्तुतिः | | १-२। |
| ८१८४० | हनुमत्स्तोत्रम् | | १-४। |
| ८१८४१ | रामस्तवराजः | | १-१५। |
| ८१८४२ | गभस्तीश्वरमङ्गलगौरी-स्तोत्रम् | | १-६। |
| ८१८४३ | महात्रिपुरसुन्दरीपञ्चा-ङ्गभूतस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८१८४४ | शिवापराधक्षमापन-स्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-९। |
| ८१८४५ | विष्णुशतनाम | | १-४। |
| ८१८४६ | शिवस्तोत्रम् | उपमन्युः | ४ गणनया। |
| ८१८४७ | अहल्यास्तोत्रम् | | १-४। |
| ८१८४८ | ऋणमोचनगणेशस्तोत्रम् | | १। |
| ८१८४९ | शिवनिर्वाणपञ्चकम् | शङ्कराचार्यः | २ गणनया। |
| ८१८५० | ललितात्रिशती | | १-१४। |
| ८१८५१ | प्रयागस्तुतिः | | १-२। |
| ८१८५२ | प्रदोषताण्डवस्तोत्रम् | रावणः | १-३। |
| ८१८५३ | दशहरास्तोत्रम् | | १-४। |
| ८१८५४ | शीतलाष्टकम् | | १-३। |
| ८१८५५ | महोग्रास्तवराजः | | १। |
| ८१८५६ | निर्वाणदशकम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८१८५७ | दशहरास्तोत्रम् | | १-१३। |
| ८१८५८ | विष्णुशतनाम | | १-२। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५.६×३.५ | ९ | १६ | दे.ना | का. | | पू० | |
| ७×३.४ | ६ | १८ | ,, | ,, | १७६६ | ,, | |
| ५×२.८ | ७ | २३ | ,, | ,, | १८४४ | ,, | सनत्कुमारसंहितायाम् । |
| ६.२×३.३ | ८ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.३×३.८ | ७ | २० | ,, | ,, | १८१९ | ,, | |
| ५.९×२.६ | ६ | २३ | ,, | ,, | श.१७३६ | ,, | |
| ४×२.५ | ६ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.५×३ | ६ | १९ | ,, | ,, | | ,, | उपमन्युस्तोत्रं वा । |
| ४.५×३ | ९ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×३.१ | ८ | २५ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले । |
| ५×३ | ७ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.७×३.८ | ९ | २४ | ,, | ,, | श.१६९२ | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ६.२×४.५ | १० | १९ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ५.६×३.५ | ७ | २० | ,, | ,, | १७०२ | पू० | |
| ८.७×३ | ८ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×३.३ | ६ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.८×३.७ | ११ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.९×३.९ | ९ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×३.८ | ५ | २० | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ६.६×४ | १२ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१८५९ | शीतलास्तोत्रम् | | १-२ । |
| ८१८६० | विष्णुशतनामस्तोत्रम् | | १-३ । |
| ८१८६१ | मङ्गलस्तोत्रम् | | १-२१ । |
| ८१८६२ | चतुश्श्लोकीस्तवः | | १-४ । |
| ८१८६३ | गङ्गाष्टकम् | | १-३ । |
| ८१८६४ | तुरीयकवचम् | | १-१० । |
| ८१८६५ | शीतलाष्टकम् | | १-३ । |
| ८१८६६ | अन्नपूर्णास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-४ । |
| ८१८६७ | दुर्गास्तोत्रम् | | १-२ । |
| ८१८६८ | द्वादशज्योतिर्लिङ्ग-स्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-३ । |
| ८१८६९ | अपराधसुन्दरस्तवः | " | १-३ । |
| ८१८७० | विष्णुसहस्रनाम | | १-१७ । |
| ८१८७१ | विष्णुशतनामस्तोत्रम् | | १-३ । |
| ८१८७२ | शिवाष्टोत्तरशतनाम | | १-३ । |
| ८१८७३ | विष्णुस्तोत्रम् | | १ । |
| ८१८७४ | कृष्णस्तवः | वेदव्यासः | १ । |
| ८१८७५ | गोसावित्रीस्तोत्रम् | व्यासः | १ । |
| ८१८७६ | गुरुध्यानम् | | १ । |
| ८१८७७ | रामचन्द्रार्तिकम् | | १ । |
| ८१८७८ | करावलम्बस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-३ । |
| ८१८७९ | गणपतिस्तोत्रम् | | १-२ । |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.७×५ | ११ | १६ | दे.ना. | का. | | पू० | स्कन्दपुराणे । |
| ६.३×३.५ | ७ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.६×४.१ | ७ | २० | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ६.६×२.९ | ६ | १४ | ,, | ,, | | ,, | कालीदेव्याः, कुलाचारचन्द्रोदये । |
| ५×३.७ | ९ | १५ | ,, | ,, | १८४५ | ,, | |
| ६.३×३.१ | ६ | २१ | ,, | ,, | १८९६ | ,, | पादुकास्तोत्रञ्च । |
| ७×४ | ४ | १२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.८×३.५ | ६ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.७×४.२ | १० | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×४.८ | ७ | २० | ,, | ,, | १८८३ | ,, | |
| ८.९×३.५ | ६ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.२×३.७ | ७ | २८ | ,, | ,, | | ,, | महाभारते । |
| ७.३×४.३ | ६ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×४ | ८ | ५५ | ,, | ,, | | ,, | शिवरहस्ये । |
| ८.८×३.६ | ९ | २१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.६×३.३ | १६ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.८×४.१ | ९ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.७×३.९ | ५ | २९ | व. | ,, | | ,, | गुप्तसाधनतन्त्रे । |
| २०×५.९ | ३३ | १८ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ८.७×४.१ | ७ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.७×४.३ | ९ | ३५ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१८८० | सूर्यनामावलिः | | १-२। |
| ८१८८१ | रामार्या | | १-७। |
| ८१८८२ | अपराधसुन्दरस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-३। |
| ८१८८३ | दुर्गास्तवराजः | वेदव्यासः | १-२। |
| ८१८८४ | दुर्गास्तवः | | १। |
| ८१८८५ | महाकालीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१८८६ | भवानीस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१८८७ | आर्यास्तवः | | १-४। |
| ८१८८८ | सीतासहस्रनाम | | १-९। |
| ८१८८९ | शिवापराधभञ्जन-स्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | ३५-३७। |
| ८१८९० | महागणपतिकवचम् | | १-४। |
| ८१८९१ | रामरक्षास्तोत्रम् | विश्वामित्रः | १-४। |
| ८१८९२ | पञ्चमुखीहनुमत्कवचम् | | १-४। |
| ८१८९३ | हनुमदापदुद्धारकस्तोत्रम् | विभीषणः | १। |
| ८१८९४ | कृष्णाष्टोत्तरशतनाम | | १-२। |
| ८१८९५ | शिवस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१८९६ | आदित्यहृदयम् | | १-३, ५-२५। |
| ८१८९७ | शिवस्तोत्रम् | मार्कण्डेयः | १। |
| ८१८९८ | परमहंसस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१८९९ | आपदुद्धारकबटुकस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८१९०० | शिवसहस्रनामावलिः | | १-१०। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८.७×३.५ | १० | २२ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ९.६×४.३ | ९ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.६×५.४ | १० | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.६×५.३ | १२ | ३२ | ,, | ,, | १९१६ | ,, | महाभारते । |
| १४.३×४.७ | १० | २४ | व. | ,, | | ,, | ,, |
| १४.५×३.५ | ७ | ५५ | ,, | ,, | | ,, | |
| १५.५×३.४ | ८ | ६५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११×४ | ६ | ४९ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३×४.५ | ९ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | पद्मपुराणे । |
| १४×४.४ | ११ | ४५ | व. | ,, | | ,, | गुप्ततन्त्रार्णवस्य देव्यापराध-क्षमापनस्तोत्रञ्च । |
| ८.८×४.५ | ७ | २५ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ९×४.३ | ७ | ३९ | ,, | ,, | १९४० | ,, | |
| ८.५×३.८ | ८ | १९ | ,, | ,, | | ,, | सुदर्शनसंहितायाम् । |
| १०.८×४.८ | ९ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×४.७ | १५ | २८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.९×५ | ११ | ४२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.६×३ ८ | ६ | १८ | ,, | ,, | | अपू० | |
| १०.५×४.५ | १० | ३९ | ,, | ,, | श. १८७५ | पू० | महाभारते । |
| १०×४.८ | १० | ३६ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले । |
| १०.६×४.८ | १० | ४० | ,, | ,, | | ,, | विश्वसारोद्धारे । |
| ९.५×३.१ | ३४ | ७ | ,, | ,, | श. १८७५ | ,, | महाभारते । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१९०१ | हरिनाममाला | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८१९०२ | अच्युताष्टकम् | | १-२। |
| ८१९०३ | रामचन्द्रवेदपादस्तोत्रम् | | १। |
| ८१९०४ | गङ्गास्तुतिः | | १। |
| ८१९०५ | शिवकवचम् | | १-११। |
| ८१९०६ | देवीकवचम् | | १-७। |
| ८१९०७ | दत्तात्रेयाष्टोत्तरशतनाम | | १-२। |
| ८१९०८ | कालभैरवाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१९०९ | दुर्गासप्तशती | | १-६६। |
| ८१९१० | विश्वनाथनगर्याष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-५। |
| ८१९११ | रामहृदयम् | | १-६। |
| ८१९१२ | लक्ष्मीस्तवः | | १-४। |
| ८१९१३ | वाराहीनिग्रहाष्टकम् | | १-४। |
| ८१९१४ | शीतलाष्टकम् | | १-४। |
| ८१९१५ | नृसिंहद्वादशनामस्तोत्रम् | | १। |
| ८१९१६ | शिवस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१९१७ | मणिकर्णिकाष्टकम् | ,, | १-५। |
| ८१९१८ | वक्रतुण्डाष्टकम् | | १-३। |
| ८१९१९ | कौपीनपञ्चकम् | शङ्कराचार्यः | १-२। |
| ८१९२० | शङ्करस्तोत्रम् | ,, | १। |
| ८१९२१ | रामरक्षास्तोत्रम् | | १-५। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९.९×४.१ | ८ | ३० | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ७.२×३.६ | ७ | २५ | ,, | ,, | श.१७२४ | ,, | |
| ३.३×६.५ | ५२ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| १६.२×५.५ | २४ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×३.६ | ७ | १६ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे ब्रह्मोत्तरखण्डे द्वादशोऽध्यायः । |
| ८.५×४.३ | ८ | २० | ,, | ,, | १९४२ | ,, | |
| ७.९×४.३ | ९ | २६ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डपुराणीयम् । |
| ९.१×४.२ | ९ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.८×४.८ | ७ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×३.३ | ८ | २२ | ,, | ,, | | ,, | मणिकर्णिकास्तोत्रं, गङ्गाष्टकञ्च । |
| ९.८×५.१ | ८ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | अध्यात्मरामायणे बालकाण्डे प्रथमसर्गे । |
| ४.५×२.९ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.६×३ | ६ | १० | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.५×२.७ | ९ | १८ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणोक्तम् । |
| ६.४×३.२ | ६ | २६ | ,, | ,, | | ,, | वायुपुराणे । |
| ७.४×३.२ | ८ | २८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.८×३.९ | ६ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.५×३ | ७ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.५×२.५ | ७ | १४ | ,, | ,, | १८६० | ,, | |
| २७.२×७.१ | ५६ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.९×३.३ | ९ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१९२२ | राधास्तोत्रम् | | १-२ । |
| ८१९२३ | शिवकवचम् | | १-८ । |
| ८१९२४ | नवग्रहकवचम् | | २ गणनया । |
| ८१९२५ | पद्मावतीस्तोत्रम् | | २ गणनया । |
| ८१९२६ | स्वर्णाकर्षणभैरवस्तोत्रम् | | १-४ । |
| ८१९२७ | जगन्मङ्गलकवचम् | | १-३ । |
| ८१९२८ | विश्वनाथनगरीस्तोत्रम् | | १-३ । |
| ८१९२९ | देवीकवचम् | | १-११ । |
| ८१९३० | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-१० । |
| ८१९३१ | रामाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १ । |
| ८१९३२ | आदित्यहृदयम् | | १-२८ । |
| ८१९३३ | शन्यष्टकम् | | १-२ । |
| ८१९३४ | गणपतिस्तोत्रम् | | १ । |
| ८१९३५ | अपामार्जनम् | | १ । |
| ८१९३६ | द्वादशज्योतिर्लिङ्ग-स्तोत्रम् | स्वामिकार्ति-केयः | १-२ । |
| ८१९३७ | धूमावतीकवचम् | | १-२ । |
| ८१९३८ | वेदपादस्तवः | | १-४+१ । |
| ८१९३९ | हैहयादिस्तोत्रम् | | १ । |
| ८१९४० | विष्णुस्तवः | | १ । |
| ८१९४१ | शिवाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | ९-१० । |
| ८१९४२ | शिवरामाष्टकम् | | १-२ । |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.५×४ | ९ | २६ | दे.ना. | का. | १८९८ | पू० | |
| ७.५×४ | ७ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.६×३.३ | ५ | २४ | व. | ,, | | ,, | रुद्रयामले । |
| ८.८×३.२ | ९ | २९ | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ७.५×३.३ | ७ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.३×४.३ | ९ | २६ | ,, | ,, | | ,, | भैरवतन्त्रे कालीकल्पे । |
| ६.५×३.५ | ५ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.१×४ | ७ | १५ | ,, | ,, | | ,, | अर्गलास्तोत्रञ्च । |
| ५.७×४.६ | १० | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.४×४.४ | ११ | ४१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.२ | ७ | २१ | ,, | ,, | | ,, | भविष्योत्तरपुराणे । |
| ६.३×३.१ | ७ | २ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.२×३.५ | ७ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.८×४.२ | ११ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.१×५ | १३ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०×३.९ | ७ | ४० | ,, | ,, | १८४५ | ,, | रुद्रयामले धूमावतीकल्पे । |
| ६.२×४.२ | ८ | १८ | ,, | ,, | | ,, | रामस्य । |
| ६.८×४.५ | ११ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.६×४.२ | ९ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.१×४.२ | ८ | १३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×४.५ | ७ | २३ | ,, | ,, | १९६८ | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१९४३ | बालाहृदयस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१९४४ | पञ्चरत्नम् | | १। |
| ८१९४५ | दक्षिणामूर्त्यष्टकम् | | १। |
| ८१९४६ | प्रदोषस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८१९४७ | गायत्रीकवचम् | | १-१२। |
| ८१९४८ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १। |
| ८१९४९ | हरिहरनामावलीस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-७। |
| ८१९५० | वेङ्कटेशसहस्रनामावलिः | | १-१०। |
| ८१९५१ | महिषमर्द्दिनीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१९५२ | शिवसहस्रनाम | | १ (लम्बायमानं पत्रम्)। |
| ८१९५३ | षट्पदीस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१९५४ | गणपतिसहस्रनामावलिः | | १-१८+१। |
| ८१९५५ | गणेशाष्टोत्तरशतनामावलिः | | १। |
| ८१९५६ | प्रत्यङ्गिराकल्पः | | १-४। |
| ८१९५७ | पञ्चरत्नस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | ११-१२। |
| ८१९५८ | गङ्गास्तोत्रम् | " | १। |
| ८१९५९ | शिवाष्टोत्तरशतनामावली | | १। |
| ८१९६० | दत्तात्रेयस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१९६१ | गङ्गाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-७। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७ १×४.१ | ८ | २३ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ८.४×३.७ | ७ | २६ | " | " | | " | |
| ९.३×४.३ | १२ | ४१ | " | " | | " | |
| १०.४×४.४ | ९ | २९ | " | " | | " | ब्रह्मोत्तरखण्डे; शिवनाम च। |
| ५×३.२ | ५ | १३ | " | " | १७०७ | " | |
| ८.४×३.५ | ७ | ३६ | " | " | | " | |
| ६.२×३.२ | ७ | २० | " | " | १८३६ | " | सप्तश्लोकीभागवतं, भजगोविन्दस्तोत्रञ्च। |
| १२.५×३ | ४६ | ९ | " | " | १८८८ | " | |
| ६.४×३.२ | ११ | ३४ | " | " | | " | |
| ८१.५×४ ५ | ३४७ | २३ | " | " | १७८५ | " | प्रदोषस्तोत्रं, गायत्रीपटलं, अन्नपूर्णाष्टोत्तरशतनामावली, गायत्रीस्तवराजः, लक्ष्मीकवचं, प्राणाग्निहोममन्त्राश्च। |
| ७.४×३.३ | ९ | ३५ | " | " | | " | |
| ७.१×३.२ | २९ | ९ | " | " | | " | लिङ्गसूक्तञ्च। |
| ७×१२.५ | २५ | १२ | " | " | | " | |
| ६×४ | ७ | १७ | " | " | | " | |
| ६.१×४.२ | ७ | ११ | " | " | | " | |
| १३.२×८.३ | २२ | १३ | " | " | | " | |
| १९.३×४ | ४२ | १० | " | " | | " | |
| ६.२×४.५ | ८ | २० | " | " | | " | भविष्योत्तरपुराणे। |
| ६.३×३.७ | ५ | १३ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१९६२ | व्यङ्कटेशकवचम् | | १-४। |
| ८१९६३ | तुलसीकवचम् | | १-५। |
| ८१९६४ | शीतलास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१९६५ | शिवाष्टोत्तरशतनाम | | १। |
| ८१९६६ | शिवपार्वतीस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८१९६७ | शिवाष्टोत्तरशतनाम-स्तोत्रम् | | १-४। |
| ८१९६८ | मधुराष्टकम् | | १। |
| ८१९६९ | गणेशवज्रपञ्जरकवचम् | | १-४। |
| ८१९७० | शिवकवचम् | | १-९। |
| ८१९७१ | गणपतिसहस्रनाम | | १-९। |
| ८१९७२ | शिवानन्दलहरी | | १-३। |
| ८१९७३ | शिवसहस्रनाम | | १-१२। |
| ८१९७४ | लिङ्गाष्टकम् | | १-३। |
| ८१९७५ | मणिकर्णिकाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १-४। |
| ८१९७६ | निर्वाणषट्कम् | " | १। |
| ८१९७७ | शत्रुविध्वंसिनीस्तोत्रम् | | २ गणनया। |
| ८१९७८ | कार्तवीर्यार्जुनस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८१९७९ | कृष्णस्तुतिः | | १-२। |
| ८१९८० | इन्द्राक्षीस्तोत्रम् | | १-८। |
| ८१९८१ | गुरुस्तवः | | १-२। |
| ८१९८२ | विश्वनाथनगरीस्तवः | | १-२। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६×४ | १० | १६ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ५.७×३.५ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | नारदपुराणे । |
| ६.८×४.५ | १० | २४ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| १०.४×४.५ | १० | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.५×४.६ | ११ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.४×५ | ६ | १६ | ,, | ,, | | ,, | शिवरहस्ये । |
| ६.४×५.३ | ८ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.५ | १४ | २१ | ,, | ,, | १८१३ | ,, | |
| ८.१×४.१ | ९ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×५ | १३ | २९ | ,, | ,, | १७३८ | ,, | |
| १०.५×३.२ | ६ | ३९ | ते. | ,, | | अपू० | |
| ९.५×४.२ | १० | ३४ | दे.ना. | ,, | | पू० | महाभारते । |
| ४.८×३.५ | ९ | १४ | ,, | ,, | १८६४ | ,, | |
| ६×३.१ | ७ | २३ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ६.८×३.४ | ७ | २४ | ,, | ,, | | पू० | |
| ६×३.६ | ८ | २० | ,, | ,, | | ,, | शिवार्णवे । |
| ६.१×३.८ | ७ | १५ | ,, | ,, | १९९८ | ,, | |
| ५.५×३.९ | ९ | २२ | ,, | ,, | १७१२ | ,, | |
| ६.७×३.२ | ७ | २० | ,, | ,, | | अपू० | |
| ५.९×३.६ | ८ | १६ | ,, | ,, | | पू० | |
| ४.५×२.५ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | अन्नपूर्णापञ्चरत्नस्तवश्च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८१९८३ | सुमुखीकवचम् | | १-४। |
| ८१९८४ | ऋणमोचनगणपति-स्तोत्रम् | | १। |
| ८१९८५ | गायत्रीशापविमोचनम् | | १-२। |
| ८१९८६ | कालीकवचम् | | ३ गणनया। |
| ८१९८७ | शीतलाष्टकम् | | १। |
| ८१९८८ | ब्रह्मनामावलीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८१९८९ | नवग्रहस्तोत्रम् | व्यासः | १। |
| ८१९९० | पञ्चवक्रस्तोत्रम् | | १। |
| ८१९९१ | विष्णुशतनामस्तोत्रम् | | १। |
| ८१९९२ | विष्णुपञ्जरस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८१९९३ | देवीकवचम् | हरिहरः | १-६। |
| ८१९९४ | गङ्गाष्टकम् | रामचन्द्रः | १। |
| ८१९९५ | विष्णुपञ्जरस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८१९९६ | गणेशाष्टोत्तरशतनामा-वलिः | | १। |
| ८१९९७ | शिवस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-३। |
| ८१९९८ | प्रदोषस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८१९९९ | शिवनामावली | | १-५। |
| ८२००० | पञ्चमुखीहनुमत्कवचम् | अनन्तः | १-६। |
| ८२००१ | गङ्गाष्टकम् | वाल्मीकिः | १-४। |
| ८२००२ | त्रैलोक्यमोहनकवचम् | | १-३। |
| ८२००३ | पञ्चमुखीहनुमत्कवचम् | | १-३। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८×३.३ | ६ | २१ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ५.४×३.३ | १० | २० | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ४.९×२.१ | ६ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.४×३.४ | १५ | ३६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.४×४.३ | १३ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ९.९×४.३ | ८ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.५×४.८ | १३ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×३ | २० | १३ | ,, | ,, | १९५१ | ,, | |
| १४.३×४.३ | ४२ | १८ | ,, | ,, | | ,, | विष्णुपुराणे । |
| ५×३.६ | ७ | १२ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ७.८×३.३ | ७ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.५×४.२ | १२ | ४१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.२×३.१ | ७ | २२ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ८.१×३.७ | २० | ३५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.२×४.१ | ५ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.१×३.१ | ५ | २१ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे ब्रह्मोत्तरखण्डे । |
| ६.५×३.५ | ८ | ३१ | ,, | ,, | | अपू० | स्कन्दपुराणे । |
| ५.९×४.४ | १० | १७ | ,, | ,, | श. १७५६ | पू० | रुद्रयामले सुदर्शनसंहितायाम् । |
| ७.४×४ | ६ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८×३.४ | ८ | २९ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्मयामल । |
| ८.५×३.६ | ८ | २८ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८२००४ | शिवमहिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | ४ गणनया । |
| ८२००५ | गङ्गासहस्रनाम | | १-१३ । |
| ८२००६ | आदित्यहृदयम् | | १-२१+१ । |
| ८२००७ | वीरेश्वरस्तोत्रम् | | १-६ । |
| ८२००८ | शिवकवचम् | | १-३६ । |
| ८२००९ | शिवाष्टकम् | | १ । |
| ८२०१० | दशसन्यासविभागस्तोत्रम् | विद्यार्णवः | १-२ । |
| ८२०११ | रमाम्बास्तोत्रम् | विष्णुः | १ । |
| ८२०१२ | रामदुर्गकवचम् | | १ । |
| ८२०१३ | दक्षिणामूर्त्यष्टकम् | | १-४ । |
| ८२०१४ | गोविन्दस्तवः | शङ्कराचार्यः | १-५ । |
| ८२०१५ | रामचन्द्रस्तोत्रम् | | १-२ । |
| ८२०१६ | रामरक्षास्तोत्रम् | | १-२ । |
| ८२०१७ | राघवेश्वरस्तोत्रम् | | १ । |
| ८२०१८ | सुमुखीकरणस्तुतिः | | १-२, ५ । |
| ८२०१९ | कालभैरवाष्टकम् | | १-३ । |
| ८२०२० | गायत्र्यष्टोत्तरशतनाम | | १-६ । |
| ८२०२१ | रामाष्टकम् | शङ्कराचार्यः | १ । |
| ८२०२२ | गणपतिसहस्रनाम | | १-२२ । |
| ८२०२३ | सरस्वतीस्तोत्रम् | | १-२ । |
| ८२०२४ | पञ्चायुधस्तवः | | १-२ । |
| ८२०२५ | बालात्रिपुराष्टकम् | | १-२ । |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६×४.५ | १३ | २६ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ५×४.२ | १४ | ५० | " | " | | " | |
| ६.८×३.१ | ६ | १८ | " | " | | अपू० | |
| ६.५×३.२ | ६ | १६ | " | " | | पू० | स्कन्दपुराणे । |
| ४.५×३.३ | ५ | १० | " | " | | " | " |
| ६.८×४.४ | १४ | २४ | " | " | | " | |
| ८.१×४.९ | २३ | १८ | " | " | | " | |
| १५.२×६.४ | ३४ | १८ | " | " | | " | |
| ६.४×३.२ | १० | २६ | " | " | | " | |
| ६.१×४.१ | ७ | १६ | " | " | | " | |
| ५.२×३.८ | ७ | १५ | " | " | | " | |
| ६×४ | ११ | २० | " | " | | " | |
| ७.३×३.७ | ८ | ३२ | " | " | १९०२ | " | |
| ६.७×४.६ | ८ | १७ | " | " | | " | |
| ७.८×४.१ | ९ | ३५ | " | " | | अपू० | बगलामुखीमन्त्रश्च । |
| १०×३.८ | ५ | २५ | " | " | | पू० | |
| ७.९×४.७ | २२ | ३२ | " | " | | अपू० | गायत्रीपुरश्चरणविधिश्च । |
| ६.१×४.५ | २६ | १८ | " | " | | पू० | |
| ६.५×३.३ | २२ | ९ | " | " | | " | |
| ६.४×३.३ | ९ | २६ | " | " | | " | |
| ६.१×३ | ७ | २३ | " | " | | " | |
| ६.१×३.५ | ६ | १७ | " | का. | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८२०२६ | स्वर्णाकर्षणभैरवस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-७। |
| ८२०२७ | शनिस्तोत्रम् | | १। |
| ८२०२८ | दशहरास्तवः | | १-६। |
| ८२०२९ | विष्णुसहस्रनाम | | १-११। |
| ८२०३० | ललिताप्रातःस्मरणम् | | १-४। |
| ८२०३१ | वटुकभैरवस्तोत्रम् | | १-७। |
| ८२०३२ | शिवकवचम् | | १-१०। |
| ८२०३३ | स्वर्णाकर्षणभैरवस्तोत्रम् | | १-५। |
| ८२०३४ | भौमस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८२०३५ | सङ्कटास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८२०३६ | गणपतिनामावली | | १-२। |
| ८२०३७ | गणेशस्तोत्रम् | | १। |
| ८२०३८ | ,, | | १। |
| ८२०३९ | त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्रम् | | १। |
| ८२०४० | शुकाष्टकम् | | १-२। |
| ८२०४१ | शनिस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८२०४२ | महिम्नःस्तवराजः | पुष्पदन्ताचार्यः | १-४। |
| ८२०४३ | गणेशाष्टकम् | | १। |
| ८२०४४ | शत्रुविध्वंसनस्तवः | | १। |
| ८२०४५ | महागणपतिस्तोत्रम् | | १। |
| ८२०४६ | आदित्यहृदयम् | | १-१६। |
| ८२०४७ | व्यङ्कटेशकवचम् | | १-४। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५×३ | ६ | १४ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ४.८×३ | २० | ४५ | ,, | ,, | | ,, | काशीखण्डे; गणेशस्तोत्रञ्च । |
| ५.७×३ | ८ | २३ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ५.६×३.४ | ९ | २० | ,, | ,, | | अपू० | |
| ५.८×३.१ | ९ | २१ | ,, | ,, | | पू० | नित्याकवचञ्च । |
| ६.२×३.३ | ६ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६×४.१ | ९ | २२ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे । |
| ७×४.४ | ९ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४×२.८ | ९ | १४ | ,, | ,, | | ,, | साम्बपुराणे । |
| ६.७×३.५ | १२ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.२×३.९ | ११ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.५×४.१ | ९ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.३×४.५ | १५ | १० | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.७×४.२ | १० | २९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.८×३.८ | ९ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.३×४ | ६ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.५×३.५ | ९ | ५० | व. | ,, | | ,, | |
| ९.४×४.१ | १४ | ३० | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ९.७×४.५ | ११ | ३१ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०.४×४.५ | ९ | ३७ | ,, | ,, | १९२१ | ,, | पद्मपुराणे । |
| ९×४ | ७ | ३० | ,, | ,, | | ,, | भविष्यपुराणे । |
| ९×३.८ | ७ | ३० | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८२०४८ | गायत्रीहृदयम् | | १-१०। |
| ८२०४९ | भीष्मस्तवराजः | | १-१२। |
| ८२०५० | गजेन्द्रमोक्षः | | ९ गणनया। |
| ८२०५१ | गणपतिवज्रपञ्जरम् | | १-५। |
| ८२०५२ | बगलामुखीसहस्रनाम | | १-१०, १-२, ५। |
| ८२०५३ | शिवाष्टकम् | | १-३। |
| ८२०५४ | चर्पटपञ्जरिकास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | ८ गणनया। |
| ८२०५५ | विष्णुसहस्रनाम | | १-१५, १-१३। |
| ८२०५६ | ज्ञाननौकास्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १। |
| ८२०५७ | शिवसहस्रनामावलिः | | १-१०। |
| ८२०५८ | " | | १-११। |
| ८२०५९ | रामरक्षास्तोत्रम् | | १-४। |
| ८२०६० | रामस्तवराजः | | १-९। |
| ८२०६१ | हरिमीडेस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-१६। |
| ८२०६२ | शिवकवचम् | | १-३, ५+१। |
| ८२०६३ | गणपतिस्तवः | | १। |
| ८२०६४ | चामुण्डास्तोत्रम् | | १-३। |
| ८२०६५ | शिवपञ्चाक्षरस्तोत्रम् | | २ गणनया। |
| ८२०६६ | हरिहरनामावलिः | | १-२। |
| ८२०६७ | शिवमहिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-१३। |
| ८२०६८ | शिवस्तवः | उपमन्युः | १-४। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७.८×३.८ | ९ | ३० | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ८.७×३.८ | ६ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | महाभारते। |
| ९×४.२ | १२ | ४२ | ते. | ,, | | अपू० | |
| ७.७×४.२ | ७ | १९ | दे.ना. | ,, | | पू० | |
| ८.५×४.१ | १० | ३५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९×४ | ५ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.८×५.३ | ११ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | शिवषडक्षरं, गङ्गाष्टकं, मराठीभाषायां 'गणेशआरतीश्च'। |
| १०.२×४.५ | ८ | २७ | ,, | ,, | | ,, | |
| १०×५ | १० | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.६×३.८ | १४ | ३० | ,, | ,, | | ,, | |
| १०×४ | २७ | १२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९.१×४.३ | ८ | २८ | ,, | ,, | श. १७४७ | ,, | |
| ९.७×४.६ | १५ | ४० | ,, | ,, | | ,, | |
| १२.६×५.३ | १३ | ३८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.८×३.७ | ९ | २२ | ,, | ,, | १८१४ | ,, | चण्डेश्वरतन्त्रे; सच्चिदानन्दपूजनविधिश्च। |
| ८.५×३.२ | ७ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.३×३.७ | ८ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.८×३.३ | ८ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.९×३ | ७ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | स्कन्दपुराणे काशीखण्डे। |
| ५×३ | ७ | २० | ,, | ,, | १९१२ | ,, | |
| ५×३.९ | ८ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
| --- | --- | --- | --- |
| ८२०६९ | देव्यपराधक्षमापनस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | २ गणनया। |
| ८२०७० | रामकवचम् | | १-४। |
| ८२०७१ | कालिकाष्टोत्तरशतनाम | | १-५। |
| ८२०७२ | दुर्गास्तोत्रम् | | १-५। |
| ८२०७३ | शिवाष्टोत्तरशतनाम | | १-५। |
| ८२०७४ | वेङ्कटेश्वरसहस्रनामावलिः | | १-२३। |
| ८२०७५ | शुकाष्टकम् | | १। |
| ८२०७६ | जानकीसहस्रनाम | | १-५। |
| ८२०७७ | विष्णुसहस्रनामावली | | १-२४। |
| ८२०७८ | सूर्यकवचम् | | १-४। |
| ८२०७९ | त्रिपुरसुन्दरीकवचम् | | १-२। |
| ८२०८० | शुकाष्टकम् | | १-२। |
| ८२०८१ | शिवसहस्रनाम | | १-१२, १४-१८। |
| ८२०८२ | दुर्गास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८२०८३ | अम्बास्तोत्रम् | कालिदासः | १। |
| ८२०८४ | सूर्याष्टोत्तरशतनाम | | १-३। |
| ८२०८५ | दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | १-३। |
| ८२०८६ | महिम्नःस्तोत्रम् | पुष्पदन्तः | १-८। |
| ८२०८७ | भवानीसहस्रनामावली | | १-२६। |
| ८२०८८ | स्वर्णाकर्षणभैरवस्तोत्रम् | | १-४। |
| ८२०८९ | निर्वाणषट्कम् | शङ्कराचार्यः | १। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८.३×५.३ | ९ | २३ | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ८.५×४ | ७ | २८ | ,, | ,, | १८७१ | ,, | |
| ७.६×४.७ | ७ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.९×३.५ | ५ | २२ | ,, | ,, | | ,, | महाभारते। |
| ४.६×३.६ | ९ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ४.५×४ | १२ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.५×४.३ | ९ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.७×३.९ | १३ | ४४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.७×४.४ | ११ | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५.८×४.१ | ७ | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.३×४ | २० | २० | ,, | ,, | १९०३ | ,, | योगिनीनामानि च। |
| ७.१×४.५ | ११ | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.८×४.७ | १० | २३ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ८.५×२.९ | ६ | ४१ | ,, | ,, | १८३८ | पू० | आपदुद्धाराख्यम्। |
| ८.६×३.६ | १४ | ४० | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.५×३.३ | ६ | २८ | ,, | ,, | | ,, | महाभारते। |
| ५.७×४.५ | ९ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.९×३.७ | ७ | २४ | ,, | ,, | १७३१ | ,, | |
| ८×३.८ | २० | १४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.५×४ | ७ | ३४ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले। |
| ९.७×४ | ११ | ४२ | ,, | ,, | | ,, | हनुमदष्टकञ्च। |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८२०९० | सिद्धलक्ष्मीस्तोत्रम् | | १-३। |
| ८२०९१ | भैरवस्तोत्रम् | | १। |
| ८२०९२ | अपामार्जनस्तोत्रम् | | १-९। |
| ८२०९३ | रामाष्टकम् | | १। |
| ८२०९४ | तारास्तोत्रं सटीकम् | | २। |
| ८२०९५ | अङ्गारगस्तोत्रम् | | १। |
| ८२०९६ | उग्रतारासहस्रनाम | | १-२१। |
| ८२०९७ | कालिकासहस्रनाम | | ९-१३। |
| ८२०९८ | भारतसावित्री | | १-८। |
| ८२०९९ | उग्रतारामन्त्रसहस्रनाम | | १-१८। |
| ८२१०० | शीतलाष्टकम् | | १। |
| ८२१०१ | गणेशस्तोत्रम् | | १। |
| ८२१०२ | ताराकवचम् | | ४ गणनया। |
| ८२१०३ | गणेशस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८२१०४ | पितृस्तोत्रम् | | २-११। |
| ८२१०५ | दुर्गाकीलकम् | | १-२। |
| ८२१०६ | दुर्गापाठः | | १-४१। |
| ८२१०७ | कुमार्यष्टोत्तरशतनाम | | १। |
| ८२१०८ | बटुकभैरवस्तोत्रम् | | १-५। |
| ८२१०९ | दक्षिणकालिकाकवचम् | | १-४। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६.२×४ | १० | १६ | दे.ना. | का. | | पू० | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ८.७×३.७ | ११ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८.६×४.२ | १३ | ४२ | ,, | ,, | | ,, | तच्छान्तिश्च । |
| १२.१×४.५ | १० | ५१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.५×४.७ | १० | ४८ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ८.२×५ | १० | ३३ | मै. | ,, | | पू० | |
| ७.१×४.६ | १० | २८ | ,, | ,, | | ,, | दिव्यसाम्राज्यमेधाख्यम्; अक्षोभ्य-संहितायाम् । |
| ७.१×४.६ | ९ | २४ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ८.६×३.३ | १० | ५० | व. | ,, | श. १७८५ | पू० | महाभारतान्तर्गता । |
| ७.२×४.७ | ८ | २३ | मै. | ,, | | अपू० | |
| १०.१×६.३ | २४ | २० | दे.ना. | ,, | | पू० | खरनामाष्टकञ्च । |
| ८.३×६.५ | १७ | २४ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७×४.५ | ९ | २४ | मै. | ,, | | ,, | सारस्वततन्त्रे । एकजटाकल्पे शम्भुपत्नीताराकवचं, सिद्धियामले नीलसरस्वतीकवचञ्च । |
| ६.७×२.९ | ६ | २५ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्मवैवर्त्ते । |
| ८.८×२.४ | ८ | २५ | ,, | ,, | | अपू० | रुचिस्तोत्रं वा । मार्कण्डेयपुराणे रौच्यमन्वन्तरे । |
| ७.८×३.३ | ८ | ३६ | ,, | ,, | | पू० | |
| ८.७×३.४ | ७ | ३२ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ७.३×३.२ | ६ | २७ | ,, | ,, | | ,, | रुद्रयामले । |
| ६.५×२ ५ | ६ | ३२ | ,, | ,, | | पू० | |
| ५.५×३ | ७ | ३६ | ,, | ,, | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८२११० | पञ्चमुखहनुमत्कवचम् | | ४ गणनया। |
| ८२१११ | ताराकवचम् | | १-३२। |
| ८२११२ | ललितारहस्यसहस्रनाम | | १-२०। |
| ८२११३ | दुर्गापाठः | | १-२+१, ९-१२, १५-१८। |
| ८२११४ | महालक्ष्मीमकरादि-सहस्रनाम | | १-२०। |
| ८२११५ | विपरीतप्रत्यङ्गिरा-स्तोत्रम् | | १-२। |
| ८२११६ | ताराकवचम् | | १-५। |
| ८२११७ | तारासहस्रनाम | | १-१३। |
| ८२११८ | विपरीतप्रत्यङ्गिरा-स्तोत्रम् | | १-२। |
| ८२११९ | सूर्यनामावली | | १-३। |
| ८२१२० | कालिकासहस्रनाम | | १-१८। |
| ८२१२१ | ताराप्रत्यङ्गिरास्तोत्रम् | | १-२+१। |
| ८२१२२ | शरभेश्वरकवचम् | | १-६। |
| ८२१२३ | सङ्कटास्तोत्रम् | | १-४, १-५। |
| ८२१२४ | तारानामावलिः | | १-१५। |
| ८२१२५ | महागणपतिस्तोत्रम् | | ४-५। |
| ८२१२६ | श्यामानवकम् | | १-२। |
| ८२१२७ | जानकीप्रातःपञ्चकम् | | १। |
| ८२१२८ | वीरेश्वरस्तोत्रम् | | १। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८.३×३.२ | ७ | ३२ | मै. | का. | | पू० | शीतलास्तवश्च । |
| ७×४.६ | ८ | २६ | ,, | ,, | | ,, | त्रैलोक्यमोहनाख्यम्; गन्धर्वतन्त्रे । |
| १०.४×४.२ | ९ | ३९ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्माण्डपुराणोत्तरखण्डे । |
| ८.१×३.३ | ५ | ३० | ,, | ,, | | अपू० | |
| ७×४.९ | ८ | १८ | ,, | ,, | | पू० | रुद्रयामले । |
| ९×५.२ | २१ | २१ | दे.ना. | ,, | | अपू० | |
| ६.६×२.४ | ६ | ३० | मै. | ,, | | पू० | त्रैलोक्यमोहनाख्यम् । |
| ७.२×४.५ | ९ | २५ | ,, | ,, | | ,, | द्वितीयकुलसर्वस्वाख्यम् । |
| ६.५×७.९ | २२ | २० | दे.ना. | ,, | | ,, | |
| ११×४.५ | ७ | २८ | ,, | ,, | | अपू० | सूर्यार्घदानविधिश्च । |
| ७.१×४.५ | ७ | २४ | मै. | ,, | | पू० | त्रैलोक्यविजयाख्यम् । |
| ७×४.४ | ९ | २१ | ,, | ,, | | ,, | प्रत्यङ्गिरास्तोत्रञ्च । |
| ६.९×४.५ | २१ | १४ | ,, | ,, | | ,, | आकाशभैरवकल्पे । |
| ५×३.२ | ७ | १३ | दे.ना. | ,, | | ,, | पद्मपुराणे । स्कन्दपुराणीयं वीरेश्वरस्तोत्रञ्च । |
| १६.७×१.५ | ४० | १३ | मै. | ,, | | अपू० | |
| ९.५×५ | ९ | ३६ | दे.ना. | ,, | | ,, | अथर्वशीर्षफलश्रुतिश्च । |
| ७×४.५ | ९ | २२ | मै. | ,, | | पू० | भैरवीतन्त्रे । |
| ८.४×५.३ | २६ | ३० | ,, | ,, | | ,, | हनुमत्प्रातःपञ्चकञ्च । |
| २७.५×६.५ | ५४ | १६ | दे.ना. | ,, | | ,, | अभिलाषाष्टकं वा; सन्तानोत्पत्तिप्रायश्चित्तञ्च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८२१२९ | उग्रताराकवचम् | | ५ गणनया। |
| ८२१३० | देवीकवचम् | | १ गणनया। |
| ८२१३१ | उग्रतारासहस्रनाम | | १६ गणनया। |
| ८२१३२ | तारास्तोत्रम् | | १-५। |
| ८२१३३ | अक्षोभ्यकवचम् | | १। |
| ८२१३४ | अपराजितास्तोत्रम् | | १-५। |
| ८२१३५ | ताराकवचम् | | १-३। |
| ८२१३६ | महाकालीस्तोत्रम् | | १-९। |
| ८२१३७ | ,, | | १-५। |
| ८२१३८ | शरभेश्वरकवचम् | | १-१७। |
| ८२१३९ | कुल्लुकाकवचम् | | १-२। |
| ८२१४० | तारासहस्रनाम | | ८ गणनया। |
| ८२१४१ | कल्याणीस्तोत्रम् | | १। |
| ८२१४२ | उग्रताराकवचम् | | ६-१०। |
| ८२१४३ | विपरीतप्रत्यङ्गिरा-स्तोत्रम् | | १-६। |
| ८२१४४ | उग्रताराहृदयम् | | ४ गणनया। |
| ८२१४५ | लक्ष्मीस्तोत्रम् | | २। |
| ८२१४६ | लक्ष्मीसप्तार्यास्तोत्रम् | | १। |
| ८२१४७ | कर्पूरस्तोत्रम् | | ७८-७९, १०६-११६। |

| आकारः | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णविवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७×४.५ | १० | २४ | मै. | का. | | पू० | |
| ८.४×२.६ | ७ | ४४ | ,, | ,, | | अपू० | पत्रं त्रुटितम् । वीरतन्त्रे । उत्तरतन्त्रोक्तकालीस्तवराजश्चापूर्णः । |
| ७×४.५ | ९ | २३ | ,, | ,, | | ,, | स्वरूपनामाख्यम् । |
| ६.५×२.४ | ५ | २६ | ,, | ,, | | पू० | नीलतन्त्रे । |
| ६.७×२.४ | ६ | ४० | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्मसंहितायाम् । |
| ७.१×४.५ | ८ | २६ | ,, | ,, | | ,, | कालिकापुराणे । |
| ६.६×२.५ | ५ | ३२ | ,, | ,, | | ,, | योगिनीतन्त्रे । |
| ६.३×२.५ | ६ | २१ | ,, | ,, | | ,, | महाकालसंहितायाम् । सङ्कटास्तोत्रञ्च पद्मपुराणे । |
| ६.६×४.१ | ७ | २० | ,, | ,, | | ,, | |
| ७.१×५.९ | ५ | २६ | ,, | ,, | | ,, | आकाशभैरवकल्पे । |
| ६.६×२.५ | ६ | २९ | ,, | ,, | | ,, | मत्स्यसूक्ते महोग्रताराकल्पे । |
| ७.८×७.६ | ८ | २८ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ७.२×४.५ | ९ | २४ | ,, | ,, | | ,, | श्रीविद्यास्तोत्रं वा; १-५ श्लोकाः । |
| ६.५×४.३ | १७ | ३० | ,, | ,, | | ,, | नीलसरस्वतीकवचं, त्रैलोक्यविग्रहन्नाम कवचान्तरञ्च । |
| ६.५×४.९ | १५ | २४ | ,, | ,, | | पू० | |
| ७×४.५ | १२ | ३३ | ,, | ,, | | ,, | भैरवोक्ता तारोपनिषच्च । |
| १.५×६.८ | १० | २७ | दे.ना. | ,, | | ,, | कनकधारास्तोत्रं वा । |
| १६.५×६.४ | ४० | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३.५×५.५ | १४ | ५३ | मै. | ,, | | ,, | कालिकास्तोत्रे कालिकाकवचं, महाकालसंहितोक्तं कालिकाककारादिसहस्रनाम च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८२१४८ | मणिकर्णिकास्तोत्रम् | | १-२। |
| ८२१४९ | विष्णुसहस्रनामावली | | २८ गणनया। |
| ८२१५० | तारासूक्तम् | | २-४। |
| ८२१५१ | ताराकवचम् | | १-८+१। |
| ८२१५२ | तारास्तोत्रम् | | १-६। |
| ८२१५३ | भवानीस्तोत्रम् | | १। |
| ८२१५४ | विपरीतप्रत्यङ्गिरा-स्तोत्रम् | | १-२। |
| ८२१५५ | शिवसहस्रनामावली | | २-३। |
| ८२१५६ | तारिणीप्रत्यङ्गिरा-स्तोत्रम् | | १। |
| ८२१५७ | गायत्रीस्तोत्रम् | | ४ गणनया। |
| ८२१५८ | सप्तशतीदशोद्धारः | राजारामः | १-२४। |
| ८२१५९ | गङ्गालहरी | | १-१२। |
| ८२१६० | भवानीस्तोत्रम् | | १। |
| ८२१६१ | शिवताण्डवस्तोत्रम् | | १। |
| ८२१६२ | शनिस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८२१६३ | वंशलाभकवचम् | | १। |
| ८२१६४ | रामाष्टशतकम् | | १-३। |
| ८२१६५ | रामकवचम् | | १-२। |
| ८२१६६ | विष्णुसहस्रनाम | | २ गणनया। |
| ८२१६७ | महिम्नःस्तोत्रम् | | १-४। |

| आकार: | पङ्क्तिसंख्या | अक्षरसंख्या | लिपि: | आधार: | लिपिकाल: | पूर्णापूर्णविवेक: | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ४.८×३.५ | १० | १५ | दे.ना. | का. | | अपू० | |
| ७.२×३ | ३८ | ६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६.८×४.४ | ११ | २२ | मै. | ,, | | ,, | |
| ६.४×२.४ | ५ | २६ | ,, | ,, | | पू० | योगिनीतन्त्रे। तारास्तोत्रं, ताराध्यानञ्च ब्रह्मसंहितायाम्। |
| ३.९×३.३ | ८ | १७ | ,, | ,, | | ,, | शिवशासने। |
| ७.१×४.५ | ९ | २६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७×४.३ | ९ | २४ | ,, | ,, | १३३५ | ,, | |
| ६×३.१ | १५ | ८ | दे.ना. | ,, | | अपू० | |
| ८.२×५.३ | २३ | १८ | ,, | ,, | | पू० | नीलतन्त्रे। |
| १६.४×६.४ | १४ | ७६ | मै. | ,, | | ,, | |
| १४.२×३.६ | ९ | ६३ | ,, | ,, | | ,, | सप्तशतीटीकारूप:। |
| १३.५×२.१ | ३ | ५६ | व. | ,, | | अपू० | |
| १३×३ | ६ | ५७ | ,, | ,, | | पू० | |
| १२.७×२.६ | ७ | ६२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११.५×३.३ | ७ | ४२ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३.५×३ | ८ | ७६ | ,, | ,, | | ,, | नारदीयतन्त्रे। |
| १३.३×२.३ | ५ | ४९ | ,, | ,, | | अपू० | |
| १५.५×३.४ | ७ | ६७ | ,, | ,, | | पू० | पद्मपुराणान्तर्गतम्। |
| १४.८×३ | ७ | ६५ | ,, | ,, | | अपू० | |
| १६.२×४ | ८ | ५५ | ,, | ,, | | ,, | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| ८२१६८ | देव्यपराधभञ्जनस्तोत्रम् | | १-६। |
| ८२१६९ | सूर्यादिनवग्रहस्तोत्रम् | | १। |
| ८२१७० | नृसिंहकवचम् | | १। |
| ८२१७१ | महिम्नःस्तवकौमुदी | | २-११। |
| ८२१७२ | कर्पूरस्तोत्रटीका | | १। |
| ८२१७३ | ताराष्टकम् | | १। |
| ८२१७४ | देवीशतनाम | | १। |
| ८२१७५ | दुर्गासप्तशतीटीका | गोपालचक्रवर्ती | १-३३। |
| ८२१७६ | श्यामास्तोत्रम् | महाकालः | १-२। |
| ८२१७७ | कालीशतनाम | | १। |
| ८२१७८ | नवग्रहस्तोत्रम् | | १। |
| ८२१७९ | अन्नपूर्णास्तोत्रम् | | १-४। |
| ८२१८० | गङ्गाष्टकम् | वाल्मीकिः | १। |
| ८२१८१ | मृत्युञ्जयस्तोत्रम् | | १। |
| ८२१८२ | बगलामुखीस्तोत्रम् | | १-२। |
| ८२१८३ | नवग्रहध्यानम् | | १-२। |
| ८२१८४ | अक्षयकवचम् | | १। |
| ८२१८५ | गङ्गास्तोत्रम् | | १। |
| ८२१८६ | शिवकवचम् | | १। |
| ८२१८७ | अपत्यजनकवन्ध्या-कवचम् | | १। |

| आकारः | पङ्क्ति संख्या | अक्षर संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १६ × ३.५ | ८ | ५५ | वङ्ग | का. | | पू० | विनियोगसमेतम्, तान्त्रिकसन्ध्या-विधिः, महाकालीस्तोत्रम्, जपशुद्धि-प्रयोगश्च । |
| १६.५ × ३.२ | ७ | ६४ | ,, | ,, | | ,, | |
| १६.२ × २.५ | ६ | ७० | ,, | ,, | | ,, | |
| १७.५ × २.५ | ५ | ८८ | ,, | ,, | श० १७०४ | अपू० | |
| १९.१ × ३.५ | ९ | ७२ | ,, | ,, | | ,, | १-६ श्लोकं यावत् । |
| १८.४ × ४.२ | ११ | ७१ | ,, | ,, | | पू० | नीलतन्त्रे । |
| १६.७ × ३.३ | ८ | ८३ | ,, | ,, | | ,, | मार्कण्डेयपुराणे । |
| १६.७ × ३.४ | ९ | ८७ | ,, | ,, | श० १७९७ | ,, | चण्डीटीका वा । |
| १८.५ × ४ | ८ | ६६ | ,, | ,, | | ,, | कर्पूरस्तोत्रं वा । |
| १५.९ × ३.४ | ९ | ६५ | ,, | ,, | | ,, | ब्रह्मप्रोक्तम् । |
| १६.१ × ३.४ | ८ | ६० | ,, | ,, | | ,, | अन्नपूर्णास्तोत्रञ्च । |
| १३ × २ | ५ | ५३ | ,, | ,, | | ,, | कवचञ्च । |
| ४.२ × ३.१ | ६ | ४१ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३ × ३ | ५ | ४१ | ,, | ,, | | ,, | मार्कण्डेयपुराणोक्तम् । |
| १४.२ × ३ | ८ | ६९ | ,, | ,, | | ,, | |
| १६.३ × ३.५ | ७ | ७२ | ,, | ,, | | ,, | |
| १३ × ३ | ५ | ३९ | ,, | ,, | | ,, | |
| १२.२ × ३.० | ५ | ४६ | ,, | ,, | | अपू० | |
| १५ × ३.६ | ७ | ७० | ,, | ,, | | पू० | भैरवतन्त्रे । |
| १७.५ × २.७ | ८ | ५२ | ,, | ,, | | ,, | |

# पञ्चमभाग-तृतीयखण्डोल्लिखितग्रन्थानामक्षरानुक्रमणी

# पञ्चमभाग-चतुर्थखण्डोल्लिखितग्रन्थानुक्रमणी